THE FREE INDOLOGICAL COLLECTION

WWW.SANSKRITDOCUMENTS.ORG/TFIC

FAIR USE DECLARATION

This book is sourced from another online repository and provided to you at this site under the TFIC collection. It is provided under commonly held Fair Use guidelines for individual educational or research use. We believe that the book is in the public domain and public dissemination was the intent of the original repository. We applaud and support their work wholeheartedly and only provide this version of this book at this site to make it available to even more readers. We believe that cataloging plays a big part in finding valuable books and try to facilitate that, through our TFIC group efforts. In some cases, the original sources are no longer online or are very hard to access, or marked up in or provided in Indian languages, rather than the more widely used English language. TFIC tries to address these needs too. Our intent is to aid all these repositories and digitization projects and is in no way to undercut them. For more information about our mission and our fair use guidelines, please visit our website.

Note that we provide this book and others because, to the best of our knowledge, they are in the public domain, in our jurisdiction. However, before downloading and using it, you must verify that it is legal for you, in your jurisdiction, to access and use this copy of the book. Please do not download this book in error. We may not be held responsible for any copyright or other legal violations. Placing this notice in the front of every book, serves to both alert you, and to relieve us of any responsibility.

If you are the intellectual property owner of this or any other book in our collection, please email us, if you have any objections to how we present or provide this book here, or to our providing this book at all. We shall work with you immediately.

-The TFIC Team.

श्री पद्मावती पुरवाल जैन

डायरेक्टरी

सम्पादक
जुगमन्दिरदास जैन

प्रकाशक
अशोककुमार जैन, कलकत्ता

वीर निर्वाण सं० २४९२
विक्रम सं० २०२३

प्रथम बार १०००]

[मूल्य १० रुपये

प्रकाशक :
अशोककुमार जैन
ठि० अशोक कम्पनी
१५७, नेताजी सुभाष रोड
(कमरा नं० १६१)
कलकत्ता-१

प्राप्ति स्थान :
अशोक कम्पनी
१५७, नेताजी सुभाष रोड
(कमरा नं० १६१) कलकत्ता-१

मुद्रक :
बाबूलाल जैन फागुल्ल
महावीर प्रेस
बी २०।४४, भेलूपुर, वाराणसी-१

अनुक्रमणिका

स्थान		पृष्ठ
भूमिका	...	११
क्षमा-याचना	....	१५
अतीत की गौरव-गाथा	...	१९
समाज-परिवारों का संक्षिप्त विवरण		**२३ से ३९६**
● असम प्रान्त—	....	२३ से २४
जिला—इम्फाल	...	२४
,, कामरूप	....	,,
,, गोवालपाड़ा	...	,,
● उड़ीसा प्रान्त—	...	२५ से २६
जिला—पुरी	...	२५
● उत्तरप्रदेश—	....	२७ से २६६
जिला—अलीगढ़	...	२९
,, आगरा	...	३४
,, इटावा	....	१५९
,, इलाहाबाद	...	१६०
,, एटा	...	,,
,, कानपुर	...	२२२
,, गोंडा	....	२२४
,, झाँसी	....	,,
,, देवरिया	....	२२५
,, देहरादून	...	,,
,, प्रतापगढ़	...	,,
,, फतेहपुर	....	,,
,, फर्रुखाबाद	....	२२८
,, बाँदा	....	,,
,, बुलन्दशहर	....	२२९
,, मथुरा	...	२३०
,, मेरठ	..	२३१
,, मैनपुरी	....	,,
,, लखनऊ	....	२६५
,, हरद्वार	...	२६६
● गुजरात प्रान्त—	...	२६७ से २७२
जिला—बड़ोदा	...	२६९
,, भड़ोंच	...	२७१
● देहली क्षेत्र—	...	२७३ से २९४
जिला—देहली	....	२७५
● बिहार प्रान्त—	....	२९५ से २९९
जिला—धनबाद	....	२९७
,, पटना	..	,,
,, पूर्णिया	..	,,
,, हजारीबाग	....	,,
● बंगाल प्रान्त—	....	३०१ से ३१०
जिला—कलकत्ता	....	३०३
,, चौबीस परगना	.	३०७
,, बर्धवान	....	३०८
,, हावड़ा	....	३०९
,, हुगली	....	,,
● मध्यप्रदेश—	.	३११ से ३८०
जिला—इन्दौर	..	३१३
,, उज्जैन	....	३१८
,, ग्वालियर	...	३१९
,, गुना	....	३२१
,, जबलपुर	....	,,
,, भिण्ड		,,
,, मेलसा	.	,,
,, भोपाल	.	३२२
,, रतलाम	....	३४२
,, राजगढ़	...	३४३
,, रायपुर	....	३४६
,, रायसेन	...	,,
,, सीहोर	....	,,
,, शाजापुर	..	३६९

स्थान		पृष्ठ
● महाराष्ट्र प्रान्त—	....	३८१ से ३९०
जिला—नागपुर	...	३८३
,, बम्बई	..	३८६
,, भण्डारा	....	,,
,, वर्धा	....	३८७
,, शोलापुर		३९०
● राजस्थान प्रान्त—	..	३९१ से ३९६
जिला—अजमेर	.	३९३
,, उदयपुर	...	३९४
,, जोधपुर	....	३९५
,, भरतपुर	...	,,
,, भीलवाड़ा	....	,,
,, नागोर	...	३९६
,, राजस्थान	....	,,
समाज-प्रतिभाओं का स्वरूप दर्शन		**३९७ से ५३२**
मन्दिर एवं चैत्यालय—	.	३९७ से ४०२
जिला—आगरा		३९९
,, एटा	....	४००
,, बड़ोदा	....	४०२
,, भड़ौंच	..	,,
,, मथुरा		,,
,, मैनपुरी	....	,,
शास्त्रज्ञ एवं साहित्यिक श्रेष्ठी		४०३ से ४०८
जिला—आगरा		४०५
,, इन्दौर	..	,,
,, उदयपुर	..	४०६
,, एटा	.	,,
,, कलकत्ता	..	,,
,, ग्वालियर		,,
,, जबलपुर		,,
,, देहली		,,
,, भीलवाड़ा	...	४०७
,, भोपाल		,,
,, मनोपुर		,,
,, मेरठ	.	,,
,, राजगढ़		,,
,, शाजापुर	.	,,
,, सवाईमाधोपुर	..	,,
,, सीहोर	...	,,
,, हजारीबाग	.	४०८

स्थान		पृष्ठ
शिक्षित महिलाएँ—	...	४०९ से ४१६
जिला—अजमेर	.	४११
,, अलीगढ़	...	,,
,, आगरा	...	,,
,, इटावा	....	४१२
,, इन्दौर	...	,,
,, एटा	..	,,
,, कलकत्ता	..	४१३
,, कानपुर	....	,,
,, ग्वालियर	....	,,
,, जबलपुर	..	,,
,, देहरादून		,,
,, देहली	....	,,
,, नागपुर	....	४१४
,, बम्बई	...	,,
,, भण्डारा	...	,,
,, भरतपुर	...	,,
,, भोपाल	..	४१५
,, मेरठ	.	,,
,, वर्धा	...	,,
,, वर्धवान	..	,,
,, सीहोर	...	,,
,, सांभरलेक	....	,,
,, हजारीबाग	...	४१६
,, हुगली	..	,,
कृषिकर्मी महानुभाव—	.	४१७ से ४२४
जिला—अलीगढ़	..	४१९
,, आगरा	...	,,
,, एटा	...	४२०
,, मैनपुरी	...	४२२
,, राजगढ़	...	४२३
,, वर्धा	..	,,
,, शाजापुर	....	,,
,, सीहोर	.	४२४
उद्योगपति—	....	.. ४२५ से ४२८
जिला—आगरा	....	४२७
,, एटा	...	,,
,, कलकत्ता	....	,,
,, देहली	.	,,
,, मैनपुरी		,,
,, वर्धमान	...	४२८
,, हावड़ा	....	,,

स्थान		पृष्ठ
प्रमुख व्यवसायी—		४२९ से ४७८
जिला—अजमेर		४३१
” अलीगढ़		”
” आसाम		”
” आगरा		”
” इटावा		४५०
” इन्दौर		”
” इलाहाबाद		”
” उज्जैन		४५१
” उदयपुर		”
” एटा		”
” कलकत्ता		४५५
” कानपुर		४५६
” ग्वालियर		”
” गोवालपाड़ा		४५७
” चौबीस परगना		”
” जोधपुर		”
” देहली		”
” नागपुर		४५९
” पटना		”
” पूर्णिया		”
” फतेहपुर		”
” बडोदा		४६०
” बम्बई		”
” बांदा		”
” भडौंच		४६१
” भिण्ड		”
” भीलवाड़ा		”
” भेलसा		”
” भोपाल		”
” मथुरा		४६३
” मनीपुर		४६४
” मैनपुरी		”
” रतलाम		४७०
” राजगढ़		४७१
” वर्धा		”
” शाजापुर		”
” सीहोर		४७३
” हजारीबाग		४७७
” हावड़ा		”
” हुगली		४७८

स्थान		पृष्ठ
स्नातकोत्तर वर्ग—		४७९ से ४८८
जिला—अजमेर		४८१
” अलीगढ़		”
” आगरा		”
” इटावा		४८४
” इन्दौर		”
” इम्फाल		”
” उज्जैन		४८५
” एटा		”
” कलकत्ता		४८६
” कानपुर		”
” देहली		”
” नागपुर		४८७
” नागौर		”
” बम्बई		”
” भोपाल		”
” मैनपुरी		”
” वर्धा		४८८
” शाजापुर		”
” सीहोर		”
” हजारीबाग		”
शिक्षितवर्ग—		४८९ से ५०५
जिला—अजमेर		४९१
” अलीगढ़		”
” आगरा		”
” इटावा		४९४
” इन्दौर		”
” इम्फाल		४९५
” उज्जैन		”
” उदयपुर		”
” एटा		”
” कलकत्ता		४९७
” कानपुर		”
” ग्वालियर		”
” गुना		४९८

स्थान		पृष्ठ
जिला—जयपुर	....	४९८
,, जोधपुर	..	,,
,, देहली	...	,,
,, नागपुर	....	४९९
,, बम्बई	....	५००
,, भड़ौंच	.	,,
,, भण्डारा	...	,,
,, भरतपुर	....	,,
,, भीलवाड़ा	...	५०१
,, मैनपुरी	..	५०२
,, रतलाम	...	५०३
,, राजगढ़	..	,,
,, वर्धा	...	,,
,, वर्धमान	...	,,
,, शाजापुर	....	५०४
,, सवाईमाधोपुर	...	,,
,, सीहोर	..	,,
वेतनभोगी बन्धुगण—	...	५०७ से ५३२
जिला-अजमेर	...	५०९
,, अलीगढ़	..	,,
,, आगरा	..	,,
,, इटावा	....	५१६
,, इन्दौर	....	,,
,, इलाहाबाद	...	५१७
,, उदयपुर	..	,,
,, एटा	....	,,
,, कलकत्ता	...	५१९
,, कानपुर	...	५२०
,, ग्वालियर	...	,,
,, गुना	...	,,
,, गौंड़ा	...	,,

स्थान		पृष्ठ
जिला—चौबीस परगना	...	५२०
,, जयपुर	...	५२१
,, जोधपुर	...	,,
,, झाँसी	...	,,
,, देवरिया	...	,,
,, देहरादून	...	,,
,, देहली	...	,,
,, धनबाद	..	५२३
,, नागपुर	...	,,
,, प्रतापगढ़	..	५२४
,, पुरी	...	,,
,, फतेहपुर	..	,,
,, फरुखाबाद	..	,,
,, बड़ोदा	...	,,
,, भड़ौंच	...	५२५
,, भरतपुर	...	,,
,, भीलवाड़ा	..	,,
,, भेलसा	...	,,
,, भोपाल	...	,,
,, मथुरा	...	५२८
,, मनीपुर	...	,,
,, मारोठ	...	,,
,, मेरठ	...	,,
,, मैनपुरी	...	,,
,, रतलाम	...	५२९
,, राजगढ़	...	,,
,, रायचूर	...	५३०
,, वर्धमान	...	,,
,, शाजापुर	...	,,
,, सीहोर	...	,,
,, हजारीबाग	...	५३२
,, हुगली	...	,,

समाज-नक्षत्रों का संक्षिप्त परिचय :— पृष्ठ ५३३ से ६३४

मुनि श्री ब्रह्मगुलाल जी महाराज	...	....	५३३
आचार्य श्री महावीरकीर्ति जी महाराज	...	...	५३८
आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज	...	....	५४०
आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज	...	....	५४१
आचार्य श्री माधचन्द जी महाराज	...	..	,,
आचार्य श्री प्रभाचन्द जी महाराज	...	....	,,
आचार्य श्री पद्मनन्दी जी महाराज	...	....	५४२
स्व० श्री दिगम्बराचार्य जी महाराज	...	...	,,
आचार्य श्री लक्ष्मीचन्द जी महाराज	...	..	,,
मुनि श्री सन्मतिसागर जी महाराज	...	...	,,
श्री बाबा जानकीदास जी (ऐलक)	...	..	५४३
श्री बाहुबली जी महाराज (क्षुल्लक)	...	....	,,
ब्रह्मचारी श्री शान्तिकुमार जी महाराज	...	...	५४४
स्व० ब्र० श्री वासुदेव जी जैन, पिलुआ	..	....	,,
ब्र० श्री पाण्डे श्रीनिवास जी जैन, फिरोजाबाद	..	...	५४६
ब्र० श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन, कलकत्ता	...	...	५४७
स्व० श्री खूबचन्द जी जैन, वेरनी	...	...	५४८
स्व० श्री पं० गौरीलाल जी जैन सि० शा० वेरनी	...	....	५५२
न्यायदिवाकर स्व० श्री पन्नालाल जी जैन, जारखी	.	...	५५४
श्री बाबू नेमीचन्द जी गुप्ता, मोरेना	...	...	५५७
श्री लालबहादुर जी जैन शास्त्री, इन्दौर		.	५५८
स्व० श्री मुन्शी हरदेवप्रसाद जी जैन, जलेसर	.	...	५६०
श्री पाण्डे कंचनलाल जी जैन, टूण्डला	...	...	५६१
श्री पाण्डे उग्रसैन जी जैन शास्त्री, टूण्डला	..	...	५६२
कैप्टिन श्री माणिकचन्द्र जी जैन, फिरोजाबाद	...	...	५६३
स्व० श्री बनारसीदास जी जैन वकील, जलेसर	...	..	५६५
स्व० श्री लाला वासुदेवप्रसादजी जैन, रईस टूण्डला	...	...	५६६
रायसाहेब श्री बा० नेमीचन्द जी जैन, जलेसर	..	.	५६७
श्री रामस्वरूप जी जैन 'भारतीय' जारखी	...	.	५६८
श्री पन्नालाल जी जैन 'सरल' नारखी	...	...	५७०
स्व० श्री रामस्वरूप जी जैन, इन्दौर	...	..	५७१
श्री पं० बनवारीलाल जी जैन स्याद्वादी, मथुरा	...	....	५७२

स्व० श्री हजारीलाल जी जैन, फिरोजाबाद ५७३
श्री पं० अमोलकचन्द जी जैन उडेसरीय, इन्दौर ५७४
श्री कान्तिस्वरूप जी जैन, इन्दौर ५७५
श्री हकीम प्रेमचन्द जी जैन, फिरोजाबाद ५७६
स्व० श्री श्योप्रसाद जी जैन, रईस टूण्डला ५७७
श्री राजकुमार जी जैन, फिरोजाबाद ५७८
स्व० श्री गुलजारीलाल जी जैन, रईस, अवागढ़ ५७९
स्व० श्री मुन्शीलाल जी जैन, कोटकी ... . ,,
श्री महावीरप्रसाद जी जैन, देहली ५८०
श्री बाबूराम जी बजाज, नगलास्वरूप ५८१
स्व० श्री नरेन्द्रनाथ जी जैन, कलकत्ता ५८२
श्री भगवतस्वरूप जी जैन 'भगवन्' फरिहा ५८३
स्व० श्री पं० श्रीनिवास जी शास्त्री, कलकत्ता ५८४
श्री महिपाल जी जैन, चिन्नीगंज (बजबज) ५८५
स्व० पाण्डे श्री ज्योतिप्रसाद जी जैन, नगलास्वरूप ५८६
श्री कमलकुमार जी जैन, कोटकी ... . ,,
श्री धन्यकुमार जी जैन, अवागढ़ ५८७
स्व० श्री रघुवरदयाल जी जैन, एटा ५८८
श्री जिनेन्द्रप्रसाद जी जैन, टूण्डला ५८९
श्री पं० शिवसुखराय जी जैन शास्त्री, जारखी ५९०
श्री महावीरप्रसाद जी जैन, अहारन ५९२
श्री पं० राजकुमार जी जैन शास्त्री, निवाई ... ५९३
श्री अतिवीरचन्द्र जी जैन, बी. ए., बी. टी. टूण्डला ... . ,,
श्री डा० महावीरप्रसाद जी जैन, खन्दौली ५९४
स्व० श्री भगवतस्वरूप जी जैन, एत्मादपुर ५९५
श्री माणिकचन्द जी जैन, हकीम फिरोजाबाद ५९६
श्री पं० नन्नूमल जी जैन कालापीपल ... ... ,,
स्व० श्री श्रीमन्दिरदास जी जैन, कलकत्ता ५९७
स्व० श्री जयकुमार जी जैन, जसरथपुर ५९८
श्री मगनमल जी जैन, गुजालपुर ... .. ,,
स्व० श्री पंचमलाल जी जैन, महाराजपुर ६००
श्री जैनेन्द्रकुमार जी जैन, फिरोजाबाद ६०१
श्री पं० नरसिंहदास जी जैन, शास्त्री, चावली ... . ,,
स्व० श्री कस्तूरचन्द जी जैन, सारंगपुर ६०२
श्री दुलीचन्द जी जैन, सारंगपुर ... ... ,,

श्री राजेन्द्रकुमार जी जैन, अवागढ	...	....	६०३
स्व० श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन, "श्रीपाल" कायथा	...	. .	"
श्री कपूरचन्द जी जैन "इन्दु" चिरहौली	...	....	६०५
स्व० श्री जगदीशप्रसाद जी जैन, अहारन	. .	....	"
श्री पं० छोटेलाल जी जैन शास्त्री, मन्दसौर जनकपुर	...	.. .	६०६
श्री देवचन्द जी जैन एम० ए०, सा० विशारद इन्दौर	...	. .	६०७
स्व० श्री पं० रामप्रसाद जी जैन शास्त्री, बम्बई	..	....	"
श्री लाला गौरीशंकर जी जैन, फिरोजाबाद	..	....	६०९
श्री भगवानस्वरूप जी जैन, टून्डला	...	...	"
श्री केशवदेव जी जैन, कायथा	. .	.. .	६१०
श्री जगरूपसहाय जी जैन, फिरोजाबाद	..	...	६११
श्री नरेन्द्रप्रकाश जी जैन फिरोजाबाद	.	...	"
स्व० श्री श्यामस्वरूप जी जैन, इन्दौर	...	...	६१२
स्व० श्री बाबूलाल जी जैन, कोटकी	...	...	६१३
स्व० श्री गुलजारीलाल जी जैन, कोटकी	...	..	"
स्व० श्री रामस्वरूप जी जैन, कोटकी	...	...	६१४
श्री रामस्वरूप जी जैन, एत्मादपुर	...	...	६१५
डा० महावीरप्रसाद जी जैन, मेरठ	..	...	६१६
स्व० श्री हुण्डीलाल जी जैन (भगतजी) अवागढ़	. .	...	६१७
श्री सुरेशचन्द्रजी जैन, जलेसर	...	...	६१८
श्री फूलचन्द जी जैन, मोमदी	.	...	"
श्री सेठलाल जी जैन, मोमदाबाद	...	...	६१९
श्री शिवकुमार जी जैन, जसराना	...	...	"
श्री वैद्य रामप्रसाद जी जैन शास्त्री, आगरा	...	...	६२०
श्री राजकुमार जी जैन शास्त्री, निवाई	...	...	६२१
श्री नेमीचन्द जी जैन, अवागढ़	...	. .	"
स्व० श्री रत्नेन्दु जी जैन शास्त्री, फरिहा	...	...	६२२
स्व० श्री बाबूराम जी जैन, सरायनूरमहल	...	...	६२३
स्व० श्री रामप्रसादजी जैन, वाराशमसपुर	...	.. .	"
श्री मनीराम जी जैन, एत्मादपुर	..	..	६२४
श्री किरोड़ीमल जी जैन, खंडोआ	..	....	"
स्व० श्री सतीशचन्द्रजी जैन, मोरेना	..	...	६२५
स्व० श्री जगतिलकराव जी जैन, जिरसमी	...	.	"
स्व० श्री लक्ष्मणस्वरूप जी जैन, फरिहा	...	.	६२६
स्व० श्री वृन्दावनदास जी जैन, फरिहा	...	...	"

श्री सोहनलाल जी जैन, नगलासिकन्दर ६२६
श्री सेतीलाल जी जैन, वाराशमसपुर ६२७
श्री चन्द्रसैन जी जैन, वाराशमसपुर ... ... "
श्री बिहारीलाल जी जैन शास्त्री, खुर्जा ६२८
श्री प्रकाशचन्द्र जी जैन, निवाई ... ... "
श्री रमेशचन्द्र जी जैन, निवाई .. ... "
स्व० श्री छेदालाल जी जैन, मरसलगंज ६२९
श्री उल्फतराय जी जैन, सरनऊ ... "
श्री अमरचन्द जी जैन, सरनऊ ... "
श्री दयाचन्द जी जैन, सरनऊ ६३०
श्री जयसैन जी जैन, आगरा .. ... "
श्री निर्मलचन्द्र जी जैन० एम० ए० एल० एल० बी० ... .. "
श्री महिपाल जी जैन, मरसलगंज ६३१
श्री महेशकुमार जी जैन, फरिहा ... ... "
श्री अविनाशचन्द्र जी जैन, बी० एस-सी० आगरा ... ... "
श्री राजकुमार जी जैन, भदाना ... ... "
श्री जिनेन्द्रप्रकाश जी जैन, एटा ६३२
स्व० श्री मुरारीलाल जी जैन, शिकोहाबाद ... ... "
श्री डा० त्रिलोकचन्द्र जी जैन, लखनऊ .. ... "
श्री अंगरेजीलाल जी जैन, मैदामई ६३३
श्री गौरीशंकर जी जैन, कुतुकपुर . ... "
श्री मती कुन्तीदेवी जैन, नगलास्वरूप ६३४
कुमारी तारादेवी जैन एम० ए० मेरठ ... ... "
श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज, फिरोजाबाद ६३७
प्राचीनतम अतिशय क्षेत्र ऋषभ नगर (मरसलगंज) ६३९
श्री ऋषभ-छाया सदन टूण्डला ६४०
श्री दि० जैन नेमनाथ अतिशय क्षेत्र राजमल .. ६४१
जिनेन्द्र कला-केन्द्र, टूण्डला ... ६४२
श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायत देहली ६४४

समाजोपयोगी स्मरणीय संकेतः— पृष्ठ ६४५ से ६५९

समाज की आदर्श मर्यादाये एवं प्रचलित प्रथाएँ [ले०—पाण्डे कंचनलाल जैन, टूण्डला] ६४५
वाग्दान (सगाई) [ले०—पाण्डे उग्रसैन जैन शास्त्री, टूण्डला] ६५४
पद्मावती पुरवाल जैन भाइयों का इन्दौर-प्रवेश [ले०—राजकुमार जैन] ६५६
विदर्भ का पद्मावती पुरवाल समाज [ले०—पानाचन्द्र गुलाबसाव रोडे, बी० ए० वर्धा] ६५८

चित्र-सूची

नाम			संलग्न पृष्ठ
पूज्यपाद आचार्य श्री महावीरकीर्तिजी महाराज	....	....	२२
पूज्यवर आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज	...	.	२६
परमश्रद्धेय आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज	..	...	५६
मुनि श्री अजितसागर जी महाराज	....	....	"
परमपूज्य आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज	....	....	५७
मुनिवर श्री ब्रह्मगुलालजी महाराज के पावन चरण-चिह्न	....	...	८०
ब्र० श्री पाण्डे श्रीनिवास जी जैन, फिरोजाबाद		..	"
ब्र० श्री वासुदेव जी जैन वैद्य, पिलुआ	....	....	"
श्री महावीरप्रसाद जी जैन, कलकत्ता	....	....	८१
स्व० श्री श्रीमन्दिरदास जी जैन, कलकत्ता	..	....	"
कैप्टिन श्री माणिकचन्द्र जी जैन "चन्द्रासाहेब" फिरोजाबाद		..	"
स्व० श्री पं० गौरेलाल जी जैन, सिद्धान्तशास्त्री, बेरनी	....	....	१०४
ब्र० श्री श्रीलाल जी जैन, टेहू	...	....	१०५
श्री लालबहादुर जी शास्त्री, एम-ए, पी-एच. डी, इन्दौर	..	....	१२८
श्री पाण्डे कंचनलाल जी जैन, टूण्डला	...	...	"
श्री पाण्डे उग्रसैन जी जैन शास्त्री, "ज्योतिपरत्न" टूण्डला	....	.	"
श्री वैद्य पन्नालाल जी जैन "सरल" फिरोजाबाद	..	...	"
श्री मुन्शी हरदेवप्रसाद जी जैन रईस, जलेसर	...	....	१२९
श्री बा० बनारसीदास जी जैन बी. ए. वकील, जलेसर	..	....	"
रायसाहेब श्री बा० नेमीचन्द जी जैन, जलेसर	...	..	"
ब्र० श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन, ईसरी (बिहार)	...	....	१५२
स्व० श्री नरेन्द्रनाथ जी जैन, कलकत्ता	....	...	"
स्व० श्री वासुदेवप्रसाद जी जैन रईस, टूण्डला	....	...	१५३
स्व० श्री गजाधरलाल जी जैन शास्त्री, कलकत्ता	...	...	"
श्री शान्तिप्रसाद जी जैन, कलकत्ता	...	....	१७६
श्री धन्यकुमार जी जैन, अवागढ	..	..	"
श्री कपूरचन्द जी जैन, कलकत्ता	..	..	"
श्री महेन्द्रकुमार जी जैन, कलकत्ता	..	....	"
श्री रामस्वरुप जी जैन "भारतीय" जारकी	...	..	१७७
श्री कान्तिस्वरुप जी जैन, इन्दौर	...	....	"

श्री श्यामस्वरूप जी जैन, इन्दौर	....	..	३९०
हकीम श्री प्रेमचन्द जी जैन	.	.	३९१
श्री जुगमन्दिरदास जी जैन (अध्यापक)	...	.	”
श्री रमेशचन्द्रजी जैन एम.ए., पिलुआ	. .	....	”
श्री प्रमोदकुमार जी जैन, जलेसर		..	”
श्री उग्रसेनजी जैन, एटा	...	....	३९६
श्री जुगमन्दिरदासजी जैन, एटा	....	....	”
श्री जियालालजी जैन, एटा	....	....	”
श्री सुनहरीलालजी जैन, एटा	. ..	...	”
श्री मुंशीलालजी जैन, एटा		. ..	”
श्री राजकुमारजी जैन, एटा	....	...	”
श्री क्षेमंकरलालजी जैन, एटा	....	..	”
श्री अभिनन्दनलालजी जैन, एटा	.. .	...	”
श्री साहूलालजी जैन, एटा	...	...	”
श्री ला० देवेन्द्रकुमारजी जैन, जलेसर	...	....	३९७
श्री इन्द्रमुकुट जी जैन, बी. ए., बी. टी. जलेसर	...	....	”
श्री घेवरमलजी जैन एम. ए., जी एड. आष्टा	...	...	”
श्री प्रकाशचन्द्रजी जैन, एम. एस. सी. इलाहाबाद	....	.	”
श्री शान्तिलाल मुन्नूलाल जैन, आष्टा	...	.	”
श्री राजेन्द्र पानाचन्दजी जैन रोडे, वर्धा	...	...	”
श्री मोहनलालजी जैन, सं० 'सेवाग्राम' देहली	....	...	”
श्री विमलकुमारजी जैन बी. एस. सी अम्बाला	..	..	”
श्री देवेन्द्रकुमारजी जैन, बी ई. मथुरा	.	. ..	”
ब्र० श्री बिहारीलालजी जैन शास्त्री	....	..	४०२
श्री पं० बनवारीलालजी जैन स्याद्वादी	.. .	..	”
स्व० श्री दयाशंकर जी जैन, एटा	.. .	..	”
श्री देवचन्द जी जैन	...	...	”
श्री रमेशचन्द्र जी जैन, जयपुर	. .	...	”
श्री जिनेन्द्रप्रकाशजी जैन, बी. ए एल-एल. बी. एटा	...	...	४०३
श्री सुरेशचन्द्र जी जैन एम. ए. बी. एड. जलेस	..	...	”
श्री मानिकचन्द जी जैन		..	”
श्री जैनेन्द्रकुमार जी जैन, फिरोजाबाद	...	...	”
श्री परमेश्वरीप्रसादजी जैन, अलीगढ़	..	. .	”
श्री जिनेन्द्रप्रसाद जी जैन, फिरोजाबाद	...	...	४१६
श्री भोलानाथजी जैन, देहली	....	...	”

श्री सूवालाल जी जैन, लाड़कूई	...	...	४१६
स्व० श्री जगतिलकरावजी जैन, अवागढ़	....	...	"
श्री श्रीपाल जी जैन "दिवा" आष्टा	....	....	"
श्री स्वरुपकिशोर जी जैन स० स० अ० हि०	....	....	"
श्री पं० नरहिंसदासजी जैन शास्त्री, चावली	....	....	४१७
श्री ला० मुंशीलालजी जैन, अवागढ़	...	....	"
श्री ला० गुलजारीलालजी जैन, अवागढ	...	...	"
श्री रामस्वरुपजी जैन, एत्मादपुर	..	....	"
श्री ला० दिगम्बरदासजी जैन, सीहोर	..	...	"
श्री सोहन लालजी जैन, नगलासिकन्दर	...	...	"
श्री नन्नूमलजी जैन, कालापीपल	...	...	४२८
श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन, अवागढ़	...	....	"
स्व० श्री जयकुमार जी जैन, जसरथपुर	...	....	"
श्री प्रेमचन्द्र जी जैन, टूण्डला	....	...	"
श्री संरक्षकजी जैन	....	..	४२९
श्री मुन्शीलालजी जैन कागजी, देहली	..	..	"
श्री गेन्दालाल जी जैन, आगरा	....	...	"
श्री सेठलालजी जैन, टूण्डला	...	...	"
श्री ला० मोरध्वजप्रसादजी जैन सर्राफ, एटा	....	....	४७८
श्री ला० अशरफीलालजी जैन, एटा	....	....	"
श्री बा० अजितप्रसादजी जैन सर्राफ, एटा	...	...	"
श्री ला० मथुराप्रसादजी जैन टेहू		....	"
श्री ला० केशवदेवजी जैन, कायथा	....	....	४७९
स्व० श्री ला० सुखदेवप्रसाद जी जैन, एटा	..	....	"
श्री ला० बनारसीदासजी जैन, देहली	....	....	"
श्री ला० पातीरामजी जैन, देहली	....	....	"
श्री श्योप्रसादजी जैन, टूण्डला	....	....	५०६
श्री माणिकचन्द्रजी जैन एम० ए०, बी० टी० शिकोहाबाद		....	"
श्री नरेन्द्रप्रकाश जी जैन साहित्यरत्न एम० ए० एल० टी० फीरोजाबाद		...	"
श्री महेन्द्रकुमार जी जैन 'महेश' फरिहा	..	...	"
श्री पद्मचन्द्रजी जैन, अवागढ़	....	....	५०७
श्री महिपालजी जैन सा० शा०, गढ़ीकल्याण	...	...	"
श्री सत्येन्द्रकुमारजी जैन, उड़ेसर	...	....	"
श्री कमलेशकुमार जी जैन, फिरोजाबाद	...	....	"
श्री ज्योतिप्रसादजी जैन, नगलास्वरूप	....	....	५३२

श्री बाबूलाल जी जैन, अवागढ़	....	...	५३२
श्री रामप्रसादजी जैन, अवागढ़	....	...	"
श्री गुलजारीलाल जी जैन, अवागढ़	....	....	"
श्री उलफतरामजी जैन, सरनऊ	...	...	५३३
श्री अंगरेजीलालजी जैन, मैदामई	...	....	"
श्री अमरचन्द जी जैन, सरनऊ	...	...	"
श्री दयाचन्दजी जैन, सरनऊ	....	...	"
श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर धर्मपुरा देहली		...	६४४
श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन पंचायती धर्मशाला धर्मपुरा देहली		...	"
श्री जिनेन्द्र कला केन्द्र टूण्डला के कलाकार	....	...	६४५
श्री पी० डी० जैन इन्टर कालेज, फिरोजाबाद	...	...	"
स्व० श्रीमती फूलमालादेवी जैन, टूण्डला	....	...	"
श्रीमती मोतीमालादेवी जैन, टूण्डला	...	...	"
श्रीमती इन्दुमती जैन, कलकत्ता	....	....	"
सुश्री सुशीलादेवी जैन, "विदुषी"	....	....	"
सुश्री निम्मीदेवी जैन, देहली	....	....	"
स्व० श्रीमती उमादेवी जैन, टूण्डला	...	...	६५२
श्रीमती करुणादेवी जैन, फिरोजाबाद	...	...	"
कुमारी शीला जैन, कलकत्ता	...	...	"
कुमारी तारादेवी जैन एम० ए०, मेरठ	....	...	६५३
श्रीमती चन्द्रा जैन	...	...	"
कुमारी सरोजनी जैन, बम्बई	...	...	"
श्रीमती चन्द्रकान्ता जैन प्रभाकर, एम० ए० मेरठ	...	...	"
श्रीमती भू देवी जैन विशारद, सांभरलेक	...	...	"
श्रीमती ज्योतिर्माला जैन विशारद, जयपुर	....	...	६५८
श्रीमती लक्ष्मीदेवी गुप्ता, मोरेना	...	...	"
श्रीमती सुनन्दा जैन, फिरोजाबाद	...	...	"
श्रीमती शैलकुमारी जैन विशारद, बी० ए० लखनऊ	....	....	"
श्रीमती होतीलाल जैन, जसराना	...	...	६५९
सुश्री रानीदेवी जैन, एटा	...	...	"
सुश्री श्यामादेवी जैन, कलकत्ता	....	...	"

भूमिका

किसी भी जाति की समृद्धि और उसके प्रभावशाली अस्तित्व का परिज्ञान करने के लिये यह आवश्यक है कि इसकी स्थिति का एक प्रामाणिक इतिवृत्त हमारे सामने है! हमारे देश में अनेक धर्म हैं और एक धर्म को मानने वाली अनेक जातियाँ हैं। जैन धर्म जो भारत का अत्यन्त प्राचीन धर्म है किसी समय भारत का प्रमुख धर्म था और वर्णाश्रम नाम से पुकारी जाने वाली ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य आदि जातियाँ सभी इस धर्म का पालन करती थी। लेकिन समय जैसे-जैसे बदला यहाँ अनेक राजवंशों का अभ्युदय हुआ पुराने साम्राज्य विलीन हो गये और उनके साथ कुछ धर्म भी काल के गर्त में समा गये। जैन धर्म पर भी उसका प्रभाव हुआ परन्तु अपने नैतिक आचरण और वैज्ञानिक सिद्धान्तो के सहारे इसके अस्तित्व को कोई ठेस नही पहुँची। इसके अनुयायियों की संख्या सीमित रह गई। इतनी सीमित कि करोड़ों की जन-संख्या में जैन लगभग आज बीस लाख हैं।

कहा जाता है कि जैनों की ८४ जातियाँ हैं। इनके नाम भी उपलब्ध है पर हमारा अनुमान है कि इनकी संख्या और भी अधिक रही होगी। और नहीं तो कम से कम दक्षिण भारत की सभी जैन जातियों का इनमें उल्लेख नहीं है।

इन जातियों में एक पद्मावती पुरवाल जाति का भी उल्लेख है। यह जाति उत्तर प्रदेश के आगरा, एटा, मैनपुरी, अलीगढ आदि जिलों में बहुतायत से पाई जाती है। भोपाल क्षेत्र तथा नागपुर आदि प्रदेशों में भी यह निवास करती है। लेकिन सुना है कि अब नागपुर की तरफ इस जाति का अस्तित्व समाप्त प्राय. है।

पद्मावती पुरवाल एक छोटी सी जाति है—लेकिन अपनी धार्मिकता, विद्वत्ता और सज्जातित्व के लिये जैनों में उच्च स्थान रखती है। उसमें उच्चकोटि का पांडित्य है अनेक परमतपस्वी साधु हैं व्यवसायी और अच्छे कलाकार तथा राजनीतिज्ञ हैं। जैनों की सभी जातियों में प्रायः अजैन पद्धति से ही पिछले समयो में विवाह-विधि सम्पन्न होती रही है। लेकिन पद्मावती पुरवालों मे प्राचीन काल से ही अपनी जाति के गृहस्थाचार्यों द्वारा विवाह सम्पन्न होते रहे हैं। इस तरह अपना सब कुछ होते हुए भी अभी तक न तो इसकी जन-संख्या का पता था और न यही मालूम था कि पद्मावती पुरवाल कुटुम्ब कहाँ-कहाँ बसे हुए हैं, किस कुटुम्ब में कितने स्त्री पुरुष, बालक हैं, विधवायें कितनी हैं, विधुर कितने हैं, अविवाहित स्त्री-पुरुष कितने हैं, साक्षर और निरक्षरों की संख्या क्या है, प्रवासियों का उद्गम स्थान कहाँ है, उनके अपने मंदिर और धर्मशालाओ की स्थिति कैसी है। इस सब सामग्री को एकत्र करने की इसलिये आवश्यकता होती है कि कोई जाति अपनी जन संपत्ति और उसके स्तर का लेखा-जोखा कर सकें, व्यक्तिगत एवं सामाजिक सूचनाएँ उन तक पहुँचाई जा सकें, परस्पर सुख दु.ख में सहायता ली दी जा सके। लेकिन पद्मावती पुरवाल समाज में अब तक इसकी कोई व्यवस्था नहीं थी। समाज एक लम्बे अर्से से इसकी आवश्यकता महसूस कर रही थी। प० पु० परिषद्, प० पु० महासभा एवं प० पु० पंचायत आदि अनेक जातीय संस्थाओं ने इस जाति को अपनी सेवा का क्षेत्र बनाया और सबने अपने-अपने ढंग से काम किया, सभाओं के अधिवेशन किये, परन्तु उक्त आवश्यकता को कोई पूरा नहीं कर सका।

इससे जो हानि हुई वह यह है कि समाज कभी संगठित नहीं हो सकी। यदि विद्वत्ता का क्षेत्र इसके हाथ में न होता तो अन्य जैन जातियों द्वारा इसका पहचाना जाना भी मुश्किल था। असंगठित रहने का परिणाम यह हुआ कि उत्तर प्रदेश के पद्मावती पुरवाल मध्य प्रान्तीय (भोपाल उज्जैन लाईन) पुरवालों से कभी एकाकार नहीं हो सके। कुछ जातीय नेताओं को छोड़कर दोनों ही एक दूसरे से शंकित रहे अतः दोनों में एक दूसरे के साथ रोटी बेटी का व्यवहार नहीं हो सका।

असंगठित रहने का दूसरा परिणाम यह हुआ कि गाँवों में बसी हुई यह जाति अपने व्यापार व्यवसाय के लिये स्थानीय क्षेत्रों से बाहर नहीं जा सकी। सामाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्य के लिये यह आवश्यक है कि वह अपने वर्ग के साथ रहे अथवा जहाँ रहे वहाँ अपना वर्ग बनाकर रहे। प्रायः यह देखा गया है कि किसी जाति या समाज के बन्धु बाहर जाकर समृद्धि प्राप्त करते हैं तो अपने अन्य जातीय बन्धुओं को भी वहाँ बुला लेते हैं और सब प्रकार की सामाजिक एवं वैयक्तिक सुविधाएँ पहुँचाकर उसे अपनी समाज का प्रतिष्ठित अंग बना लेते हैं। मारवाड़ी, गुजराती, पारसी आदि जातियाँ इसी तरह समृद्ध हुई हैं। पद्मावती पुरवालों के लिये संगठन के अभाव से बाहर इस प्रकार का कोई आकर्षण नहीं था अतः वे गाँवों के बाहर सुदूर भारतीय प्रदेशों में जा ही नहीं सके। बाहर न जाने के लिये इस जाति के सामने कुछ धार्मिक आचार विचारों के निर्वाह का भी प्रश्न था। संगठन में प्रेम होता है और प्रेम एक दूसरे को आकर्षित करता है अन्यथा जो जहाँ है वह वहाँ उसी रूप में रहने के लिये बाध्य है। पद्मावती पुरवाल जाति भी इसकी अपवाद नहीं रही। पारस्परिक आकर्षण उद्भूत न होने के कारण यह अपने स्थानों से आगे नहीं बढ़ सकी। परिणामतः आर्थिक क्षेत्र में समृद्ध जातियों के साथ यह अपना हाथ नहीं बँटा सकी। फिर भी धार्मिक नैतिक आचरणों में यह किसी से पीछे नहीं है, स्वाभिमान इसे आनुवांशिक रूप में विरासत में मिला है, यहाँ तक कि कभी कभी इसका अतिरेक भी होते देखा गया है। शुद्ध खान पान की मर्यादा इन घरों में अब भी सुरक्षित है। विशेष रूप से गाँवों में कोई भी त्यागी व्रती कभी भी बिना सूचना दिये आये तो उसे तत्काल अनुकूल आहार मिलने में कोई बाधा उपस्थित नहींहोगी।

सजातित्व के संरक्षण में यह सबसे आगे है। थोड़े घर होते हुए भी जातीय मर्यादा को बनाये रखने में इसने सदा गौरव का अनुभव किया है। इस जाति का अतीत निःसन्देह गौरवमय रहा है लेकिन इसके प्रामाणिक अतीत इतिहास की आवश्यकता अभी बनी ही हुई है।

जहाँ तक प्रस्तुत डायरेक्टरी के निर्माण की बात है, यह एक सुन्दर और अभूतपूर्व प्रयत्न है। मुझे स्मरण नहीं आता कि किन्हीं अन्य जैन जातियों ने भी अपनी अपनी इस प्रकार की डायरेक्टरियाँ बनाई हों। आज से संभवतः पचास-साठ वर्ष पहले एक जैन डायरेक्टरी अवश्य प्रकाशित हुई थी जो उस जमाने की अपेक्षा नया प्रयत्न था पर उसमें जातिवार गणना के लिये कोई स्थान न था। तब से अब तक परिस्थितियों में बहुत परिवर्तन हुये हैं अतः उसके आधार पर इस समय नये प्रयत्न नहीं किये जा सकते थे। इस डायरेक्टरी के निर्माण में जो श्रम और शक्ति का उपयोग हुआ है वह बिल्कुल नया है। जाति से संबंधित कोई परिचयात्मक विवरण इसमें छोड़ा नहीं गया है। व्यक्तिगत परिचयों में अधिक-से-अधिक जानकारी देने का प्रयत्न किया गया है। उन सभी प्रवासी बन्धुओं का इसमें विवरण है जो भारत के विभिन्न प्रान्तों में जाकर बस गये हैं। मूलतः वे कहाँ के निवासी हैं यह भी जहाँ तक उपलब्ध हो सका है दिया गया है। विशिष्ट व्यक्तियों के संक्षिप्त परिचय भी दिये गये हैं।

उक्त परिचय विवरण से निम्न तथ्य सामने आया है। पद्मावती पुरवालों की जन-संख्या जिसमें स्त्री, पुरुष, बालक, बालिकायें सभी सम्मिलित है। लगभग ३५१७५ है।

इसके संपादन में श्रीमान् सेठ जुगमन्दिरदास जी कलकत्तावालों ने पर्याप्त श्रम किया है। वस्तुतः यह कार्य जितना आवश्यक था उतना ही उपेक्षित था और यह आशा भी नहीं की गई थी इस प्रकार की किसी डायरेक्टरी का निर्माण भी हो सकेगा। अकस्मात् बिना किसी घोषणा और प्रदर्शन के आपने इस काम को अपने हाथ में लिया और मूक सेवक बनकर काम में जुट गये। इसके साथ ही आपने "पद्मावती पुरवाल" मासिक पत्र का भी अपनी ओर से प्रकाशन किया जो समय पर लगभग सभी पद्मावती पुरवालों के पास पहुँच जाता है। इसका सुयोग्य संपादन भी आपके हाथो मे है और सम्पूर्ण व्यय-भार आप ही उठाते हैं। आप अत्यन्त उदार और सहृदय हैं। आपका व्यक्तित्व पद्मावती पुरवाल समाज के लिये गौरव की वस्तु है।

यह डायरेक्टरी उक्त समाज का एक सांस्कृतिक कोष है और उसी प्रकार संग्रहणीय है जिस प्रकार हम अपने घर के बुजुर्गों से संबंधित एतिहासिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखते हैं। इस समाज में जहाँ तक हमें याद है रचनात्मक काम नहीं जैसा हुआ इस दृष्टि से इस डायरेक्टरी का निर्माण-कार्य समाज-सेवा की तरफ एक अत्यन्त ही प्रगतिशील और ठोस कदम।

मैं श्री जुगमन्दिरदास जी का आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इसकी भूमिका लिखने का अवसर प्रदान किया।

इन्दौर
३०-९-६५

—लालबहादुर शास्त्री
एम० ए०, पी-एच० डी०

क्षमा-याचना

साहित्य समाज का दर्पण होता है। प्रत्येक समाज का रूपचित्र तत्कालीन साहित्य में अंकित और मुखरित रहता है। महान् पुरुषो एवं समाज को वन्दनीय प्रतिभाओ के अनुपम आदर्श तथा गौरवपूर्ण क्रिया कलाप साहित्य कोश में ही सुरक्षित रहते हैं। आनेवाली पीढियें अतीत की अवस्था एव व्यवस्था को समझकर ही नव निर्माण की ओर अग्रसर होती हैं। अतः किसी भी समाज के लिए साहित्य-सृजन उपयोगी ही नही, अनिवार्य भी है।

विशाल जैन समाज का उज्ज्वल इतिहास सहस्त्रो वर्षों से अनेक शीर्षस्थ इतिहासकार तथा साहित्य मनीषी अबाध गति से लिखते आरहे हैं, किन्तु ऐसा लगता है मानो अभी इस महान् और वीर समाज के इतिहास की भूमिका का शीर्षक मात्र ही बंधा है। जैन-समाज पर मूर्धन्य विद्वानो की लेखनी को भी . .आदि-आदि शब्दो के साथ उपराम पाने को बाध्य होना पड़ा है। अत. साधारण सी अबोध लेखनी उस दुरूह पथ पर चलने का साहस कैसे बटोर पाती! इस पूरे समाज में अनेक सिद्ध विभूतियें, महान् तपस्वी, परम त्यागी, उदारमना, सर्वस्वदानी और आदर्श समाज-साधको के प्रचुर मात्रा में दर्शन मिलते हैं। इन सभी पवित्र आत्माओ का अर्चन मेरी छोटी सी लेखनी की अल्प मसि से कैसे सम्भव था?

श्री पद्मावती पुरवाल समाज विस्तृत जैन-सागर की ही एक प्रमुख पावन धारा है। संख्या एवं साधनो की दृष्टि से अल्प तथा सीमित होते हुए भी इसका अतीत महान् और अपने आंचल में एक गौरव गाथा बांधे है। इस समाज के जन्म की कहानी ही स्वाभिमान की हुंकार से आरम्भ होती है और आज तक यह उसकी रक्षा तथा मान-मर्यादा के लिए हर सम्भव बलिदान देता हुआ —अपने अस्तित्व को बनाए है।

श्री पद्मावती पुरवाल समाज की जनसंख्या तथा अवस्था को जानने के लिए डायरेक्टरी के निर्माण का विचार मन में आया। इस सम्बन्ध में समाज के प्रमुख महानुभावो से जब परामर्श किया, तो उनके सद्-परामर्शों ने इस विचार की पुष्टि ही नही की वरन् इसकी आवश्यकता बताते हुए इसे शीघ्र ही सम्पूर्ण करने की प्रेरणा भी की। अतः डायरेक्टरी का कार्य आरम्भ किया गया। इसकी प्रारम्भिक रूप-रेखा तैयार ही की जारही थी कि इस कार्य के सहयोगी तथा कलकत्ता के जानेमाने साहित्यकार श्री रघुनाथप्रसाद जी सिंहानिया का कैन्सर की बीमारी के कारण अचानक स्वर्गवास हो गया। श्री सिंहानिया जी के इस असामयिक वियोग से "पद्मावती पुरवाल" मासिक पत्रिका तथा श्री पद्मावती पुरवाल जैन डायरेक्टरी के सम्मुख एक कठिन समस्या उत्पन्न हो गयी। उनके साथ बनाया गया भ्रमण का विस्तृत कार्यक्रम तथा डायरेक्टरी का निश्चित स्वरूप, सभी धूमिल-सा हो गया। किन्तु, इस घटना को विधि का विधान मान येनकेन प्रकारेण हम अपने प्रयत्न में जुटे रहे और डायरेक्टरी की समग्री का संग्रह यथावत् चलता रहा।

किसी एक व्यक्ति या एक परिवार का वृतान्त संग्रह कर लेना अथवा लिख देना सरल होता है अपेक्षा कृत हजारों परिवारो के। डायरेक्टरी के लिए सामग्री प्राप्त करने मे हमने अपनी ओर से कोई कोर-कसर न उठा रखी। "पद्मावती पुरवाल" पत्रिका द्वारा बराबर प्रचार करते रहे। समाज के प्रमुख जनो के पास पर्याप्त संख्या में फार्म भेजे गए। कुछ व्यक्तियो को विशेषरूप से इस कार्य के लिए नियुक्त किया, जिन्होने यथा साध्य नगर-नगर और ग्राम-ग्राम घूम कर जनसंख्या का विवरण प्राप्त किया। जहाँ वह न पहुंच पाये वहां

पत्रो द्वारा सूचना तथा फार्म भेजे गए और विवरण प्राप्त करने का पूर्ण प्रयास किया गया। मध्य प्रदेश के अनेक बन्धुओ से मै स्वयं भी इस निमित्त मिला और उनके इस सम्बन्ध में सुझाव जानने की चेष्टा की, किन्तु इतना सब कुछ करने पर भी हम लगभग तीन हजार परिवारो के फार्म ही जुटा पाये। इन फार्मों में समस्त समाज नही आ जाता है। हाँ, यह उसका एक बड़ा भाग अवश्य कहा जा सकता है। हमें जो फार्म प्राप्त हुए हैं उनमें भी बडी मात्रा मे अपूर्ण तथा अस्पष्ट हैं। कुछ फार्म तो ऐसे मिले हैं, जिनका कुछ भी अता-पता नही है।

हम चाहते थे कि डायरेक्टरी में अधिक से अधिक मयचित्र जीवनचरित्र छापे जायें, किन्तु हमारी यह इच्छा अधूरी ही रही। अनेक ऐसे दिव्यतत्व सम्पन्न महापुरुषो को हम छोड़ गये हैं जिनके जीवनचरित्र एवं परम दुर्लभ जाति-हितैषी क्रिया-कलापो से आनेवाली पीढियो में नव स्फूर्ति, आशा और उत्साह का संचार होता। जब बार-बार अपील करने पर भी हमें उनके सम्बन्ध मे कुछ सकेत न मिल पाये, तो हम इस विवशता के लिए उन समाज-नायको को मौन श्रद्धाञ्जलि अर्पित करते हुए - जितने जीवन चरित्र प्राप्त हुए उन पर ही सन्तोष कर आगे बढे। इसी प्रसंग में एक और भी दुविधा हमारे सामने आई, वह यह कि कुछ महानुभावो के केवल मात्र चित्र ही प्राप्त हुए और कुछ के केवल जीवनचरित्र, कुछ महानुभावो ने चित्र की पीठ पर ही जीवनचरित्र लिख भेजा। अत. ऐसी परिस्थितियो में यही निर्णय किया कि जितनी भी सामग्री अपने पास है उसमे किसी प्रकार की कटौती न करते हुए, पूरी की पूरी प्रकाशित कर दी जाए।

आरम्भ में डायरेक्टरी को एक ही जिल्द में प्रकाशित करने का विचार था। किन्तु, इसका फैलाव और आकार-प्रकार इतना बढ गया कि इसको दो खण्डो मे विभक्त करना ही सुविधा पूर्ण जान पड़ा। संकलन की दृष्टि से इसे वर्णमालानुक्रमणिका (अकार) विधि से तैयार किया गया है। सर्वप्रथम "अ" क्रम से प्रान्त फिर जिले तथा गाव और गांव में नाम इसी रूप मे संकलित किये गए हैं।

डायरेक्टरी को चाहे उतने सुन्दर रूप मे न सही फिर भी जिस रूप में हम बना पाये हैं, आपके हाथो तक पहुँचा रहे हैं। इस कार्य को हम जितना शीघ्र पूरा कर लेना चाहते थे, उसमे भी कुछ विलम्ब हो गया है और इसका जो सुरुचिपूर्ण शृङ्गार करना चाहते थे, उसमें भी पूर्ण सफल नही हो पाये। अत इस कार्य का शुभारम्भ तथा सम्पूर्ति आपके ही आशीर्वाद एवं शुभ कामनाओ का सफल परिणाम है। आज आपकी वस्तु, आपको ही समर्पण करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है। अत· इस प्रयास से समाज का लेशमात्र भी हित हुआ, तो मै अपने आपको धन्य समझूगा।

सर्वप्रथम हम अपने उन उदार बन्धुओ से क्षमा-याचना करते हैं, जिनके फार्म हमें प्राप्त न हो सके अथवा हमारे कार्यालय में किसी प्रकार भूल से गुम हो गये या अशुद्ध छप गए हैं। इन भाइयो से हमारा साग्रह नम्र निवेदन है कि वह हमारी त्रुटियो की ओर अवश्य संकेत करें, जिससे हम "पद्मावती पुरवाल" पत्रिका में उनकी शुद्ध आवृत्ति कर सकें।

सर्व श्री लालबहादुर जी शास्त्री इन्दौर निवासी का तो मै चिर ऋणि हूँ, जिन्हो ने डायरेक्टरी के सम्बन्ध में समय-समय पर अपने बहुमूल्य सुझावो द्वारा तथा "भूमिका" लिख कर इस ग्रन्थ को महत्त्व प्रदान किया है। श्री पाण्डेय कंचनलाल जी जैन ने एक सुयोग्य परामर्शदाता की भांति इस कार्य को सर्वतोभावेन सम्पन्न कराया है। श्री कान्तिचन्द्र जी जैन इन्दौर ने भी इस कार्य में जो रुचि एव उत्साह दिखाया है, वह भी चिरस्मरणीय तथा प्रशंसनीय है। मान्य श्री श्रीधर जी शास्त्री इन्दौर तथा श्री रामस्वरूप जी "भारतीय" जारकी और श्री पन्नालाल जी जैन "सरल" फिरोजाबाद आदि सज्जनो ने स्वसमाज के इस कार्य में जो

शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी सिकरा (मथुरा) के हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं, साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी हिम्मतपुर (आगरा) के हैं।

बृजमोहनलाल जैन सुपुत्र जौहरीलाल जैन, छपेटी अलीगढ (अलीगढ)
इस परिवार में दो पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य है। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी बड़ागांव (मैनपुरी) के हैं।

भीमसैन जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, अलीगढ (अलीगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष तथा एक स्त्री वर्ग में, कुल तीन सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी हिम्मतपुर (आगरा) के है।

मदरूमल जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही है। प्रज्ञाचक्षु होने के कारण कुछ करने में असमर्थ है। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

मोतीचन्द जैन सुपुत्र चन्द्रसैन जैन, अलीगढ (अलीगढ)
इस परिवार में दो पुरुष तथा पाँच स्त्री वर्ग में, कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं मे शिक्षा प्राप्त कर रहे है, अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी उडेसर (मैनपुरी) के हैं।

रघुवंशीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, रामघाट मार्ग अलीगढ़ (अलीगढ़)
इस परिवार मे चार पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग मे, कुल छ सदस्य है। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी हिम्मतपुर (आगरा) के हैं।

रोशनलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, जैन लॉक फैक्टरी जैन स्ट्रीट अलीगढ (अलीगढ)
इस परिवार में आठ पुरुष तथा सात स्त्री वर्ग में, कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख तालोंका व्यापार करते है।

सुरेपकुमार सुपुत्र मूलचन्द जैन, खिरनी की सराय, अलीगढ़
इस परिवार में दो पुरुष तथा तीन स्त्री वर्ग में, कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार

प्रमुख बी. कॉम. तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सिरवरा (मथुरा) के हैं।

शान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, श्याम नगर, मकान नं० ७२ अलीगढ

इस परिवार मे दो पुरुष तथा तीन स्त्री वर्ग में, कुल पॉच सदस्य हैं। एक लड़का दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षित हैं और पी० डब्ल्यू० डी० में सर्विस करते है। मूल निवासी एटा के है।

गाँव-मैदामई (अलीगढ़)

अँग्रेजीलाल जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग मे, कुल आठ सदस्य है। दो लड़के दो लड़की अविवाहित है और विभिन्न कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते है।

कश्मीरलाल जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, मैदामई (अलीगढ)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में, कुल ग्यारह सदस्य है। पॉच लड़के दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते है।

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, मैदामई (अलीगढ)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख शिक्षित है और अध्यापन का कार्य करते हैं।

द्रोपाकुमारी जैन धर्मपत्नी झुमकलाल जैन, मैदामई (अलीगढ)

इस परिवार में यह महिला अकेली ही है, वृद्ध है, कृषिकार्य करती है।

फुलवारीलाल जैन सुपुत्र काशीराम जैन, मैदामई (अलीगढ)

इस परिवार मे दो पुरुष तथा चार स्त्री वर्ग मे, कुल छ सदस्य है। एक लड़का दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा व्यापार व्यवसाय करते है।

भीमसैन जैन सुपुत्र तोताराम जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के दो लड़की अविवाहित है और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहें है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार करते हैं।

मक्खनलाल जैन सुपुत्र गिरवरलाल जैन, मैदामई (अलीगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में, कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते है।

में। तीन लड़के तथा तीन लड़की प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी कायथा के ही है।

गुनमाला जैन पत्नी श्रीपाल जैन, कायथा (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख लेन-देन का कार्य करते है। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, कायथा (आगरा)

इस परिवार में सोलह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में और आठ स्त्री वर्ग में। चार लड़के और तीन लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषि कार्य करते हैं।

गाँव-कुतमपुर (आगरा)

मधुवनदास जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, कुतमपुर (आगरा)

इस परिवार में दस सदस्य हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़के और एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, कुतमपुर (आगरा)

इस परिवार में अठारह सदस्य है, आठ पुरुष वर्ग मे तथा दस स्त्री वर्ग में। चार लड़के और पाँच लड़की अविवाहित है तथा प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, एक सर्विस करता है। परिवार प्रमुख कृषि कार्य करते हैं। मूल निवासी जारखी के है।

गाँव-कुरगवाँ (आगरा)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र खेतीराम जैन, कुरगवाँ (आगरा)

इस परिवार में इनकी मातेश्वरी तथा ये स्वयं ही है। हिन्दी में शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

चान्दपाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, कुरगवाँ (आगरा)

इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, कुरगवाँ (आगरा)

इस परिवार में पाँच सदस्य इस प्रकार हैं एक पुरुष वर्ग में और चार स्त्री वर्ग में। दो लड़की अविवाहित हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन,कुरगवाँ (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग मे तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं।

तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, कुरगवाँ (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है।

वसन्तलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, कुरगवाँ (आगरा)

इस परिवार में नौ सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। चार लड़की अविवाहित है और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रही है।

गाँव-कोटला (आगरा)

कमलकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह सदस्य है छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की शिशु अवस्था में है और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। एक लड़का इण्टर पास है, शिक्षक है और अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यापार कर रहे हैं।

गोटेलाल जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में तेरह सदस्य हैं, ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। सात लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का कार्य करते हैं। मूल निवासी कोटला के ही है।

गयाप्रसाद जैन सुपुत्र मिट्ठूलाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य है, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना के व्यापारी हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और किराना का व्यापार करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में चार सदस्य है दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का और एक लड़की प्राथमिक कक्षा में पढते हैं तथा अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और किराना का व्यापार करते हैं।

पन्नालाल जैन सुपुत्र उत्तमचन्द जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में आठ सदस्य हैं तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। एक लड़का और तीन लड़की अविवाहित है तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र गुरुदयाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में कुल बारह सदस्य हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। छ लड़के तथा तीन लड़कियाँ अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी कोटला के है।

बाबूराम जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और किराना का व्यापार करते है।

बाबूराम जैन सुपुत्र हरीराम जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में आठ सदस्य है, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित है तथा कपड़े का व्यापार करते है। मूल निवासी कोटला के ही है।

भागचन्द जैन सुपुत्र सुखमाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में स्वयं ये तथा इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और फ्लोर मिल के मालिक हैं। मूल निवासी कोटला के है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं और प्राथमिक कक्षा में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोटला के ही है।

रघुवर दयाल जैन सुपुत्र कुन्नामल जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में सात सदस्य हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी डोढ़सा के हैं।

लखपतिराय जैन सुपुत्र उत्तमचन्द्र जैन, कोटला (आगरा)

इस परिवार में सात सदस्य हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में।

विश्ववंद्य, चारित्र चक्रवर्ती—
परमश्रद्धेय आचार्य श्री शान्तिसागरजी महाराज

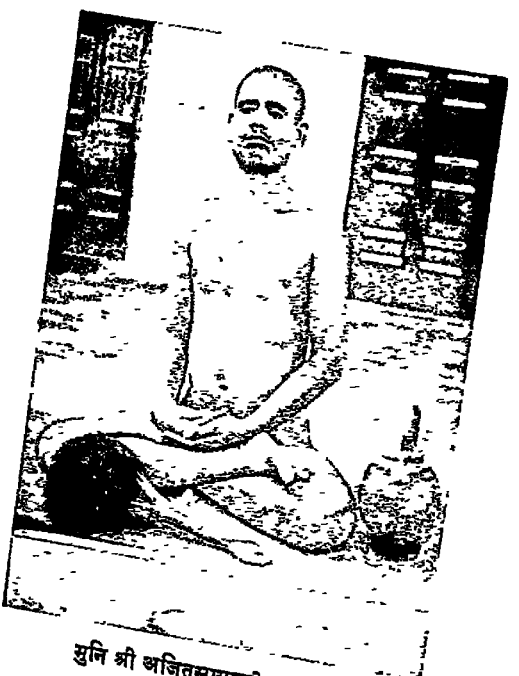

मुनि श्री अजितसागरजी महाराज

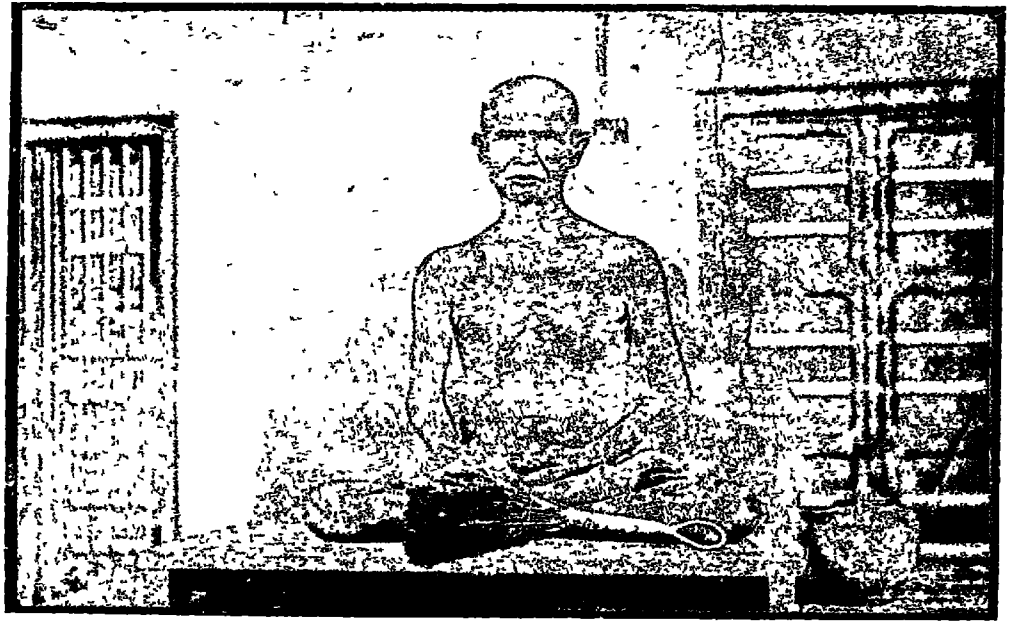

परमपूज्य आचार्य श्री वीरसागरजी महाराज

दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और मिठाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोटला के ही हैं।

गाँव-कोटकी (आगरा)

छोटेलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में कुल दस सदस्य हैं, छह पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छह स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सिलाई का कार्य करते है।

राजबहादुर जैन सुपुत्र बैनीराम जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में बारह सदस्य हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। छह लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी कोटकी के ही है।

राजेश्वरप्रसाद जैन सुपुत्र बैनीराम जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में आठ सदस्य है, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रोशनलाल जैन सुपुत्र नारायणदास जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में पाँच सदस्य हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओ में पढते हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कुरगमा (आगरा) के हैं।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा दुकानदारी करते हैं।

श्यामलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, कोटकी (आगरा)

इस परिवार में सात सदस्य दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में हैं। एक

लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-खरिकना (आगरा)

गोरेलाल जैन सुपुत्र झंडूलाल जैन, खरिकना (आगरा)

इस परिवार में कुल सत्रह सदस्य हैं दस पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय तथा कृषिकार्य करते हैं।

रामबाबू जैन सुपुत्र तेजसिंह जैन, खरिकना (आगरा)

इस परिवार में चौदह सदस्य है पाँच पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा छ लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

रेवतीराम जैन सुपुत्र नन्दकिशोर जैन, खरिकना (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह सदस्य है आठ पुरुष वर्ग में और तीन स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-खांडा (आगरा)

मन्शीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, खांडा (आगरा)

इस परिवार में तेरह सदस्य है, चार पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा छ लड़की अविवाहित है और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख हाईस्कूल पास है तथा व्यापार व्यवसाय करते है।

साहूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, खांडा (आगरा)

इस परिवार में बारह सदस्य हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और मिठाई की दुकान करते है।

सेढ़ूमल जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, खांडा (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग मे तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते है।

गाँव-खेरिआ (आगरा)

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, खेरिआ (आगरा)

इस परिवार मे सात सदस्य है पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग मे। तीन लड़के अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते है। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-खेरी (आगरा)

पन्नालाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, खेरी (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पातीराम जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, खेरी (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य है। तीन लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

पोतदार जैन सुपुत्र परशादीलाल जैन, खेरी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

शान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, खेरी (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षा प्राप्त हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-गढ़ी ऊसरा (आगरा)

श्रीलाल जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, गढ़ी ऊसरा (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग मे कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय तथा कृषि-कार्य करते हैं।

गाँव-गढ़ी कल्याण (आगरा)

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, गढ़ी कल्याण (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-गढ़ी लाल (आगरा)

छोटेलाल जैन सुपुत्र सालगराम जैन, गढ़ी लाल (आगरा)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में, कुल सोलह सदस्य हैं। सात लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में

पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार तथा कृषिकार्य करते है।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र छत्रपाल जैन, गढी लाल (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। पाँच लड़के और दो लड़की ,अविवाहित हैं तथा प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते है। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते है।

गाँव-गढ़ी श्रीराम (आगरा)

सुमेरचन्द जैन सुपुत्र जयपाल जैन, गढ़ी श्रीराम (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी खांडा के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, गढी श्रीराम (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन तथा इनकी धर्मपत्नी दो सदस्य ही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

गाँव-गढ़ी हरी (,आगरा)

भागचन्द जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, गढ़ी हरी (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-गढ़ी हंसराम (आगरा)

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, गढी हंसराम (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है'और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

होतीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, गढ़ी हंसराम (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते है, एक लड़का सतीशकुमार इण्टर में पढ रहा है यह सब अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-गांगनी (आगरा)

देवकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, गांगनी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नाथूराम जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, गांगनी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, गांगनी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का और एक लड़की अविवाहित है तथा प्रारंभिक कक्षा में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, गांगनी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

गाँव-गोहिला (आगरा)

गजाधरलाल जैन सुपुत्र हुन्नीलाल जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पॉच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

किशोरीलाल जैन सुपुत्र जीवनलाल जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओ में पढते हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

कुशलपाल जैन सुपुत्र जगनप्रसाद जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़कियॉ शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जीवनलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र किशनलाल जैन, गोहिला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढता है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग मे कुल छ सदस्य है। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी में शिक्षित है और कपड़े का व्यापार करते हैं।

हरसुखलाल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी में शिक्षित है और व्यापार करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, जारखी (आगरा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

गाँव-जौधरी (आगरा)

इन्द्रसैन जैन सुपुत्र अशरफीलाल जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओ में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी का ज्ञान रखते हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

कम्पलदास जैन सुपुत्र चुन्नीलाल जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं मे पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान करते हैं।

केदारनाथ जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग मे कुल पन्द्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

चुनीलाल जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग मे तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था मे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

चुन्नीलाल जैन सुपुत्र उषमासिंह जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। एक लड़का आयु बीस साल एम. ए. तक शिक्षित है तथा यह सब अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और कृषिकार्य करते हैं।

जयन्तिप्रसाद जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन तथा इनकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार करते है।

जयन्तिप्रसाद जैन सुपुत्र प्रेमचन्द जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढती है। परिवार प्रमुख हाई स्कूल पास है और कपड़े के व्यापारी हैं।

नारायणदास जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र मथुरादास जैन, जौंधरी (आगरा)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा छह स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते है।

फूलचन्द जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और दुकानदारी करते है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार मे एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और परचून की दुकान करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र बल्देवप्रसाद जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का आयु सत्रह साल अविवाहित है और बी० एस० सी० में पढता है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कार्य करते हैं।

बिट्टोदेवी धर्मपत्नी अमृतलाल जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं।

बिशुन कुमार जैन सुपुत्र मानिकचन्द जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग मे तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं मे पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और मिठाई की दुकान करते है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र सुखदेव प्रसाद जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार मे पाँच पुरुष वर्ग मे तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं मे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, जौधरी (आगरा)

इस परिवार मे आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग मे कुल चौदह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं मे पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-टीकरी (आगरा)

धनीराम जैन सुपुत्र टीकाराम जैन, टीकरी (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और साधारण हिन्दी जानते है और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-टूण्डला (आगरा)

अमृतलाल जैन सुपुत्र पीताम्बरदास जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार मे आठ पुरुष वर्ग में तथा तेरह स्त्री वर्ग मे कुल इक्कीस सदस्य

हैं। तीन लड़के तथा आठ लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और घी का व्यवसाय करते है। मूल निवासी आलमपुर के है।

उल्फतराय जैन सुपुत्र लाहोरीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

कंचनलाल जैन सुपुत्र विहारीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे कुल सात सदस्य है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी स्वरूप का नगला के है।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख पान का व्यापार करते है। मूल निवासी वसुन्दरा के है।

कलक्टरकुमार जैन सुपुत्र पौणीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी माताजी ही है। खोमचे का कार्य करते हैं। मूल निवासी नाहरपुर के हैं।

कीर्तिकुमार जैन सुपुत्र देवेन्द्रकुमार जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख बी. कॉम तक शिक्षित हैं और रेलवे मे सर्विस करते हैं। मूल निवासी जिरमसी (एटा) के है।

कैलाशचन्द्र जैन सुपुत्र अशर्फीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग मे कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख हाईस्कूल तथा विशारद तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी सांखनी के हैं।

कंचनलाल जैन सुपुत्र विहारीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही है और काश्तकारी करते है।

खजाञ्चीलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और मिठाई का कार्य करते हैं। मूल निवासी जहाजपुर के हैं।

गोरखमल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे हैं। एक लड़का आयु अट्ठारह वर्ष बी. कॉम में पढ रहा है। यह सब अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा किराना का व्यापार करते है। मूल निवासी पेडत के है।

गौरीशंकर जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे है और अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और मिठाई की दुकान करते है। मूल निवासी छितरई के है।

चमनप्रकाश जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी वसून्दरा (एटा) के है।

चिन्तामणी जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते है। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित है और कपड़े के व्यवसायी हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद के है।

चेतनस्वरूप जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी माताजी ही हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित है और पुस्तकों की दुकान करते हैं। मूल निवासी अवागढ़ के हैं।

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र पातीराम जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था मे है और तीन लड़कियॉ प्राथमिक कक्षाओं में पढती है तथा अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते है।

छक्कूमल जैन सुपुत्र भागचन्द जैन, टूण्डला (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग मे कुल सात सदस्य हैं।

एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जारखी के है।

छोटेलाल जैन सुपुत्र अद्धामल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में पॉच सदस्य पुरुप वर्ग में हैं। चार लड़के प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और गल्ले का व्यवसाय करते है। मूल निवासी जहाजपुर (आगरा) के है।

जयकुमार जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुप वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और पान की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोरारा (मैनपुरी) के हैं।

जयन्तिप्रसाद जैन सुपुत्र श्योप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुप वर्ग मे तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पॉच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और सीमेण्ट का व्यापार करते है।

जितेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र श्योप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुप वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य है। पॉच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख सामान्य शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

जिनेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र श्योप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुप वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख एम० एस० सी० तक शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

जुगमन्दिरदास जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, टूण्डला (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुप वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढते है और अविवाहित है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित है तथा दवाखाना का काम करते है। मूल निवासी अहारन के है।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास, जैन टूण्डला (आगरा)
इस परिवार मे सात पुरुप वर्ग मे तथा दो स्त्री वर्ग मे कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे हैं तथा अविवाहित हैं। परिवार

नेमीचन्द जैन सुपुत्र काशीराम जैन, नगला शिकन्दर (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

राजकुमार जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, नगला शिकन्दर (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं मे पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

लालाराम जैन सुपुत्र तोताराम जैन, नगला शिकन्दर (आगरा)
इस परिवार मे यह सज्जन स्वयं ही है और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-नारखी (आगरा)

बद्रीप्रसाद जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और लेन देन का कार्य करते है। मूल निवासी राजमल के है।

मटरूमल जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते है। मूल निवासी नारखी के ही है।

वंशीधर जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य है। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी राजमल के है।

सुखनन्दनलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते है। मूल निवासी नारखी के ही है।

शाहकुमार जैन सुपुत्र करनसिंह जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक शिक्षा प्राप्त

कर रहे है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और पोस्ट मास्टर है। मूल निवासी नारखी के ही हैं।

श्रवनकुमार जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। परिवार प्रमुख दुकानदारी करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, नारखी (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं।

गाँव-पचमान (आगरा (

आलमचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, पचमान (आगरा)
इस परिवार में यह दो भ्राता है, साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र भवानीशंकर जैन, पचमान (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-पचोखरा (आगरा)

उल्फतराय जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी पचोखरा के ही है।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल अठ्ठारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, पचोखरा (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख वैद्यक कार्य करते हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अशरफीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन तथा इनकी माता जी है। आप साधारण शिक्षित है और खोमचा लगाते हैं। मूल निवासी कोरारा के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र बुद्धसैन जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के है।

धनपतलाल जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमती जी ही है। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रीवा के हैं।

धनवन्तसिंह जैन सुपुत्र रमनलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी सरायजैराम के हैं।

धनीराम जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, चौकी गेट फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। दो लड़के तथा पॉच लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

धर्मचन्द जैन सुपुत्र चिरंजीलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओ में पढ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के हैं।

धर्मचन्द जैन सुपुत्र बड़ेलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढते हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० एल० टी० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी पचवान के हैं।

नत्थीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग मे कुल चार सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं मे पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी दिनहुली के हैं।

नत्थीलाल जैन सुपुत्र वैजनाथ जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निसासी खांडा (आगरा) के है।

नन्नूमल जैन सुपुत्र किरोड़ीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

नरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं मे पढ रहे है। परिवार प्रमुख एम० ए० एल० टी० तक शिक्षित है और सर्विस करते है। मूल निवासी जटौवा (आगरा) के है।

निर्मलकुमार जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, गॉधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़के तथा एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं मूल निवासी खेरी के है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र परमेश्वरीदयाल जैन, लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी राजपुर के है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र कालिदास जैन, बड़ी छपैटी फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मूल निवासी रीवॉ के है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, चन्द्रप्रभु मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तखावन के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित हैं तथा शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी टाटगढ़ के है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र भोगीलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते है। मूल निवासी खैरगढ़ (मैनपुरी) के है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बादशाहमल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमती जी है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी नाहरपुर के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र धूरीलाल जैन, जलेसर रोड फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी राजमल के हैं।

नैनपाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में पढ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते है।

पट्टूमल जैन सुपुत्र रामस्वरूपदास जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग मे तथा चार स्त्री वर्ग मे कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओ में पढ़

रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जौंधरी के है।

पन्नालाल जैन 'सरल' सुपुत्र बाबूलाल जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार मे तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी गढी हंसराम के हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कुशवा के है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

पारसदास जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक साला अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी कौरारा के है।

पुष्पेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और कपड़े के व्यवसायी है। मूल निवासी जारखी के हैं।

प्रकाशचन्द जैन सुपुत्र हरप्रसाद जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भदान के हैं।

प्रकाशचन्द्र जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, घेर खोखल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

प्रकाशचन्द्र जैन सुपुत्र खजाञ्चीलाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते है। मूल निवासी रुदऊ के है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र होतीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी बाबरपुर के है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र शाहकुमार जैन, मुहल्ला चन्द्रप्रभु फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और सर्विस करते है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते है। मूल निवासी घाटमपुर के है।

पंचमलाल जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, गाँधीनगर फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार करते हैं। मूल निवासी पमारी के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चूड़ियों की दुकान करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के ही हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र जमुनादास जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार मे पॉच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जिनावली (एटा) के हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, मुहल्ला दुली फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, गंज फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है। मूल निवारी इसौली (एटा) के हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एच० एम० डी० तक शिक्षित हैं और डाक्टरी करते है। मूल निवासी बल्टीगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र बोहरेलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के प्राथमिक कक्षा में पढ़ रहे हैं और अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रैंमजा (आगरा) के हैं।

बनवारीलाल जैन सुपुत्र रेवतीलाल जैन, देवनगर फिरोजाबाद (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रिजावली के हैं।

बलभद्रप्रसाद जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी खदऊ (मैनपुरी) के हैं।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र अजुध्याप्रसाद जैन, चौक गेट फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख हाई स्कूल तक शिक्षित हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, मुहल्ला दुली फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजाकाताल के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र दुर्गादास जैन, गली लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं मे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में पढ रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

बालमुकुन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, जैन कटरा फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी नूरमहल की सराय (आगरा) के हैं।

बुद्धसैन सुपुत्र जयन्तीप्रसाद जैन, घेर कोकल फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य

वतासोदेवी जैन धर्मपत्नी मौजीराम जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में यह महिला और इनकी विधवा पुत्री है। दोनों सिलाई का कार्य करती है।

वासुदेवप्रसाद जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षा प्राप्त हैं और दुकानदारी करते है। मूल निवासी जौधरी के हैं।

विजयकुमार जैन सुपुत्र गुरुदयाल जैन, गली लोहियान फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के जिनमें से एक ग्रेजुएट है और एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। मूल निवासी शिकावतपुर के है।

विजयकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मौंडेला के है।

विजयकुमार जैन सुपुत्र हरसुखराय जैन, हनुमानगंज फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते है। मूल निवासी शिकोहाबाद के हैं।

विजयभान जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, जलेसर रोड़ फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार करते है। मूल निवासी सिरसागंज के है।

विजयभान जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग मे कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। और अविवाहित है। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते है।

विदनबाबू जैन सुपुत्र सेठलाल जैन, नईबस्ती फिरोजाबाद (आगरा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओ में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भरथरा (एटा) के हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र पीताम्बरदास जैन, मोंमदी (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही है और व्यापार व्यवसाय करते है।

राजनलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, मोंमदी (आगरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है।

लखपतराय जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, मोंमदी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

सेतीलाल जैन सुपुत्र मगनबिहारीलाल जैन, मोंमदी (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी है। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, मोंमदी (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। छ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

गाँव-राजपुर (आगरा)

प्रेमचन्द पाण्डेय जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, राजपुर (आगरा)
इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही है। और साधारण शिक्षित है। किराना का व्यापार करते है। मूल निवासी राजपुर के ही हैं।

साहूकार जैन सुपुत्र सरनामसिंह जन, राजपुर (आगरा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजपुर के ही हैं।

सूरजभान जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, राजपुर (आगरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी राजपुर के ही हैं।

गाँव-राजाकाताल (आगरा)

गुरुदयाल जैन सुपुत्र श्री कस्तूरीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार मे सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य है। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षा प्राप्त हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र सराफीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

पाटीराम जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते है।

बद्रीप्रसाद जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

बनवारीलाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते है।

बुद्धसैन जैन सुपुत्र बंगालीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख जैन शास्त्री है और कपड़े का व्यवसाय करते हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र सुखदेवदास जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य

है। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और विभिन्न कक्षाओं मे शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और गल्ले का व्यापार करते है।

रतनलाल जैन सुपुत्र तिवारीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग मे तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं। और कपड़े का व्यवसाय करते है।

विजयनन्दन जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य है। तीन लड़के अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

विजयकुमार जैन सुपुत्र नन्नूमल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और सिलाई का कार्य करते हैं।

साहूलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा पन्द्रह स्त्री वर्ग में कुल सत्ताईस सदस्य हैं। सात लड़के तथा नौ लड़की अविवाहित है और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, राजाकाताल (आगरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और विभिन्न कक्षाओं शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं

बालचन्द जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर पास है और केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट हैं। मूल निवासी चावली के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी जारखी के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र रूपराम जैन, अवागढ (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार साहूकारी, कपड़ा और मकान भाड़ा है। मूल निवासी थरौआ के है।

बाबूराम जैन सुपुत्र सन्तलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

बुद्धसेन जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाईगिरी का है।

बैजनाथ जैन सुपुत्र उमरावलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सराना के हैं।

बंगालीमल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा घी का व्यापार है।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, अवागढ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, अवागढ़ (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी इंग्लिश है और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी कोटकी (आगरा) के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, मुहल्ला पुलिया एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। दो लड़के इण्टर, एक हाईस्कूल, पुत्र वधू मिडिल है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सीमेण्ट एजेन्सी का है।

राजकुमार जैन पटवारी सुपुत्र भूधरमल जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। शिक्षा छठवीं से लेकर इण्टर तक है। परिवार प्रमुख स्वयं चार कक्षा पास है और पेशे से पटवारी रहे हैं। अब अवकाश प्राप्त हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार मे छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार लोहे का है।

राजपाल जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य है। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

राजवीर जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराया है।

राजबहादुर जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में पन्द्रह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग मे कुल बाईस सदस्य है। नौ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। चार लड़के इण्टर, दो हाई-स्कूल तथा अन्य विभिन्न कक्षाओ मे पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख हिन्दी पढ़े है और सर्विस में हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र जानकीप्रसाद जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र जियालाल जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार मे बारह पुरुष वर्ग मे तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सतरह सदस्य हैं। नौ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक एम० काम०, एक इण्टर

और दो दसवीं में हैं। परिवार प्रमुख की शिक्षा आठवें तक की है और पेशा व्यापार का है।

रानीदेवी जैन धर्मपत्नी नेमीचन्द जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार बिसातखाने का है।

रामचन्द जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार साइकिल मरम्मत का है।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र खूबचन्द जैन, मुहल्ला सरावगियान एटा (एटा)
इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग मे तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा छ लड़की अविवाहित है। एक लड़का एम० ए० एल-एल० बी० वकील है और एक रेलवे कन्ट्राक्टर। परिवार प्रमुख हिन्दी जानते हैं और ठेकेदारी का व्यापार करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, मुहल्ला कटरा एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य है। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और बेकार हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र गोपीचन्द जैन, बेरुनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य है। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने तथा बजाजी का है। मूल निवासी जौधरी के हैं।

लक्ष्मीनारायण जैन सुपुत्र सूरजभान जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं।

चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मनिहारी का है।

लक्ष्मीनारायण जैन सुपुत्र हुव्वलाल जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)

इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इन्टर है और वर्णी विद्यालय में टीचर है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी इंग्लिश पढ़े हैं और अब डाक विभाग से पेंशन पाते है।

लालाराम जैन सुपुत्र गंगाराम जैन, कटरा महल्ला एटा (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार जनरल मर्चेंट बिसातखाने के हैं। मूल निवासी वजेहरा के है।

लोकमनदास जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, पुलिया एटा (एटा)

इस परिवार में केवल एक ही सदस्य है। विधुर है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दूध दही का है। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

विटोलाबाई जैन धर्मपत्नी सेतीलाल जैन, पुलिया एटा (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पॉच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार परचून तथा हलवाई का है। मूल निवासी पेढत जाखई के हैं।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, नई बस्ती एटा (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रघुनाथदास जैन, एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग मे तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा चार कक्षा से लेकर दसवीं तक है। परिवार प्रमुख स्वयं बारहवी कक्षा तक शिक्षित हैं और सर्विस करते है। मूल निवासी सकरौली के है।

वीरेन्द्रसिंह जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं। और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बड़ागॉव के हैं।

सनतकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग मे कुल पॉच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। एक लड़का इंजीनियर है। जामाता एफ० ए० आनर्स। परिवार प्रमुख स्वयं मैटिक पास हैं और कलैक्टरी से रिटायर हैं।

साहूलाल जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

साहूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, बांसमंडी एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा पाँचवी कक्षा तक है और व्यापार गल्ले की आढ़त है।

साहूलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, मुहल्ला बलदेवसहाय एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। एक लड़का दसवीं कक्षा पास है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र दुर्गादास जैन, कैलाशगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी मरथरा (एटा) के हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, शिवगंज एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुखपाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा मुनीमी की सर्विस है।

सुखपाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, बरुनगंज गली चिरौंजीलाल एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस तथा व्यापार है।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र अमीरचन्द जैन, पटमाली दरवाजा मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा बी० ए० एल-एल बी०

और इन्टर तक की है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और किराने का व्यापार है।

सुखदेवप्रसाद जैन सुपुत्र शान्तलाल जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तेरह स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। चार लड़के तथा नौ लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुमतचन्द जैन सुपुत्र हरमुखराय जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा छ लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं तक शिक्षित हैं और किराने का व्यापार करते हैं।

सुमतिप्रकाश जैन सुपुत्र राजकुमार जैन, मुहल्ला कौरारा बुजुर्ग एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर हैं और पेशा सर्विस है।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर तक शिक्षित हैं और गिलट का व्यापार करते हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख नौ कक्षा तक पढ़े है और एक साबुन फैक्टरी के संचालक है।

सुल्तानसिंह जैन सुपुत्र भूधरदास जैन, सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा वैद्यकी का है। मूल निवासी वेरनी के हैं।

सुशीलकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार ड्राइक्लीनर्स का है।

सूरजभान जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। एक लड़का इन्टर पास है। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं कक्षा पास है और सर्विस में हैं।

सेठपाल जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, पुराना बाजार एटा (एटा)
इस परिवार में स्वयं आप ही हैं। आप अविवाहित भी हैं। शिक्षा हिन्दी में है।

सेतीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मकान भाड़ा है।

सोनपाल जैन सुपुत्र कोकाराम जैन, मुहल्ला श्रावकान एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र गोपीलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक विधुर और एक अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा नौकरी तथा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनादेवी जैन धर्मपत्नी राजाराम जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। एक लड़का दसवीं और लड़की आठवीं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

सम्पतिलाल जैन सुपुत्र मथुरादास जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का है।

शम्भूदयाल जैन सुपुत्र उमरावसिंह जैन, पुलियागरवी एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है।

ज्योप्रसाद जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, मिश्राना मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य है। छ लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार बिसातखाने का है।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र गोविन्दराम जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और सब्जी की आढ़त का व्यापार है।

शान्तिस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है।

शाहकुमार सुपुत्र सोनपाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा परचून का व्यापार है।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र मानिकचन्द जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा अत्तारखाने का है।

श्रीकृष्ण जैन सुपुत्र जिनवरदास जैन, पुरानीबस्ती एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र मोहनलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा चाट-कचौड़ी।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र मोहनलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हरचरन जैन सुपुत्र कुलमंडन जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में आप स्वयं ही हैं। अविवाहित और इण्टर पास हैं और सर्विस करते हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, मैनगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र भूरेलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और आढ़त का व्यापार है।

हरसुखराय जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चौदह स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दस लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दवाइयों का है।

हरीकेनप्रसाद जैन सुपुत्र कुंजीलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार नेशनल वाच कम्पनी का है।

हरिसुखराज जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार तथा सर्विस है।

हीरालाल जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, कटरा एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार रिक्शा साइकिल का है।

हुकुमचन्द्र जैन सुपुत्र रघुवंशीलाल जैन, श्रावक मुहल्ला एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा, साइकिल का है।

होतीलाल जैन सुपुत्र जैजैराम जैन, शिवगंज एटा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार लेन-देन का है।

होरीलाल जैन सुपुत्र रामप्रसाद जैन, एटा (एटा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा-व्यापार है।

गाँव-ककराली (एटा)

श्रीनिवास जै सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, ककराली (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकान-दारी है।

गाँव-कासगंज (एटा)

विद्यादेवी जैन धर्मपत्नी रामचन्द्र जैन, कासगंज (एटा)
इस परिवार में स्वयं आपही हैं। आप विधवा है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार होटल का है।

गाँव-कुतकपुर (एटा)

बाबूराम जैन सुपुत्र बिलासराय जैन, कुतकपुर (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। विधुर हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा वैद्यगिरी और कृषिकार्य का है।

महीपाल जैन सुपुत्र होतीलाल जैन, कुतकपुर (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र भूधरदास जैन, कुतुकपुर (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-कुसवा (एटा)

कालीचरण जैन सुपुत्र जोतिप्रकाश जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है।

किशोरीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

फूलचन्द जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। सात लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। अविवाहित हैं और हिन्दी पढ़े हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, कुसवा (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। सात लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-खरौआ (एटा)

जयनारायण जैन सुपुत्र नवाबीलाल जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

ताजेश्वरदास जैन सुपुत्र मनीराम जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

राजबहादुर जैन सुपुत्र मनीराम जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

लौंगश्री जैन धर्मपत्नी सेतीलाल जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

विनोदकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़की अविवाहित है।

बाँकेलाल जैन सुपुत्र देवदत्त जैन, खरौआ (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं।

दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी व्यापार कृषिकार्य का है।

सियाराम जैन सुपुत्र देवदत्त जैन, खरौआ (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-नगला ख्याली (एटा)

चन्द्रभान जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

जियालाल जैन सुपुत्र रामदयाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी अंग्रेजी और पेशा सर्विस है।

बखेड़ीलाल जैन सुपुत्र रामदयाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भूधरदास जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

राजनलाल जैन सुपुत्र तालेवरदास जैन, नगला ख्याली (एटा)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं शिक्षा हिन्दी और व्यापार खेती का है।

सेठलाल जैन सुपुत्र अनोखेलाल जैन, नगला ख्याली (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हुकुमचन्द जैन सुपुत्र अनोखेलाल जैन, नगला ख्याली (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-गढ़ीवैंदुला (एटा)

सराफीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, गढीवैदुला (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग मे तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-गहराना (एटा)

चक्खनलाल जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास जैन, गहराना (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। तीन लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इण्टर है और एक पुत्रवधू हाईस्कूल। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते है।

दामोदरदास जैन सुपुत्र मानिकचन्द जैन, गहराना (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषिकार्य का है।

युद्धसेन जैन सुपुत्र बखेड़ीलाल जैन, गहराना (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार का है।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, गहराना (एटा)
इस परिवार में स्वयं आप ही है और अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-गहेतू (एटा)

जैस्वरूप जैन सुपुत्र ज्वालाप्रसाद जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषिकार्य का है।

प्रद्युम्नकुमार जैन सुपुत्र सन्नूलाल जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजबहादुर जैन सुपुत्र भिखारीदास जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं। पेशा व्यापार और कृषिकार्य का है।

राजकुमार जैन सुपुत्र बैनीराम जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

वासुदेवसहाय जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, गहेतू (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-चमकरी (एटा)

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रामलाल जैन, चमकरी (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र रतीराम जैन, चमकरी (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इण्टर में है। परिवार प्रमुख हिन्दी जानते हैं और व्यापार कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-जमालपुर (एटा)

हजारीलाल जैन सुपुत्र मित्रपाल जैन, जमालपुर (एटा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्गमें तथा एक स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार का है।

गाँव-जरानी कलां (एटा)

उग्रसेन जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

किरोड़ीलाल जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में स्वयं आप ही है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

झुमकलाल जैन सुपुत्र करनलाल जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नन्नूमल जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी पेशा और व्यापार हैं।

पटेलाल जैन सुपुत्र अंतराम जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र शालिगराम जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुमतप्रसाद जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, जरानीकलां (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-जमालपुर (एटा)

मिट्ठूलाल जैन सुपुत्र टीकाराम जैन, जमालपुर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-जलूखेड़ा (एटा)

रामबाबू जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, जलूखेड़ा (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नगर-जलेसर (एटा)

अशरफीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य है। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार परचून का है।

आनन्दकुमार जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

इन्द्रमुकुट जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही पुरुष है। आप बी० ए० बी० टी० हैं और सर्विस में हैं।

उग्रसेन जैन सुपुत्र पृथ्वीराज जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य है। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी मंडनपुर (एटा) के हैं।

किशनस्वरूप जैन दत्तक गुलजारीलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कमीशन एजेण्टी का है।

चन्द्रप्रकाश जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा परचून का व्यापार है। मूल निवासी टीकरी (टूंडला) के हैं।

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

छदामीलाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी राजपुर के है।

जयकुमार जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार किराने का है। मूल निवासी अवागढ के हैं।

जिनेश्वरदास जैन सुपुत्र दुर्गादास जैन, जलेसर, (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य है। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी रुस्तमगढ़ के है।

देवकुमार जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी रुस्तमगढ़ के है।

नाथूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

निरंजनलाल जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य है। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकान-किराया है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी० ए० हैं और व्यापार करते है।

प्रकाशचन्द जैन सुपुत्र पुष्पेन्द्रकुमार जैन, बनारसी कुंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा अंग्रेजी और पेशा एजेण्टी का है।

बाबूराम जैन सुपुत्र भूरेलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

बंगालीमल जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

बुद्धसेन जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सकरौली (एटा) के हैं।

ब्रजवल्लभदास जैन सुपुत्र शिवलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस और दुकानदारी है। मूल निवासी पमारी के हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार (घुंघुरु मर्चेण्ट) है।

मदारीलाल जैन सुपुत्र बंशीधर जैन, हलवाई खाना जलेसर (एटा)
इस परिवार में अठारह पुरुष वर्ग में तथा चौदह स्त्री वर्ग में कुल बत्तीस सदस्य हैं। बारह लड़के तथा आठ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी पेशा दुकानदारी व्यापार-घी-कपड़ा और सराफे का है। मूल निवासी सकरौली के हैं।

महीपाल जैन सुपुत्र बहोरीलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी और अध्यापन कार्य का है।

मुन्नालाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति है। अविवाहित हैं और शिक्षा अंग्रेजी है।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, मण्डी जलेसर (एटा)
इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाई का है।

रमेशचन्द जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, चौहरानगली जलेसर टाउन (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा अंग्रेजी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी नारखी के हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र पृथ्वीराज जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा घी का व्यापार है। मूल निवासी राजपुर के है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सहकार जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

सतीशचन्द्र जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी० ए० बी० टी० है और सर्विस में है।

सौनन्दीदेवी जैन धर्मपत्नी हरवल्लभदास जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में केवल एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी।

शिवचरणलाल जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, जलेसर (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है। मूल निवासी राजपुर के हैं।

शौकीलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

नारायण जैन सुपुत्र लल्लामल जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, जलेसर (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। तीन लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार परचून का है।

हजारीमल सुपुत्र परसादीलाल जैन, शेरगंज जलेसर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

गाँव-जिनावली (एटा)

वंशीधर जैन सुपुत्र हुब्बलाल जैन, जिनावली (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, जिनावली (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-जिरसमी (एटा)

खजांचीलाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का मैट्रिक है। परिवार प्रमुख स्वयं डाक्टर है।

जम्बूप्रसाद जैन सुपुत्र जगतिलकराम जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

जयकुमार जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य है। छ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

दूदावती जैन धर्मपत्नी दीनदयाल जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में स्वयं आप ही है और विधवा है। व्यापार करती है।

राजकुमार जैन सुपुत्र सुखनन्दन जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य

स्व० श्री रघुवरदयालजी जैन, एटा

श्री महिपालजी जैन, एटा

श्री लालचन्दजी जैन, एटा

श्री शान्तिस्वरूपजी जैन, एडवोकेट
एटा

श्री अविनाशचन्द्रजी जैन, बी.एस-सी
आगरा

श्री जिनेन्द्रप्रसादजी जैन

हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का इन्टर है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार और सर्विस है।

लक्ष्मीचन्द जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

लटूरीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, जिरसमी (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि-कार्य का है।

गाँव-तखावन (एटा)

गिरनारीलाल जैन सुपुत्र रूपकिशोर जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

पातीराम जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कृषिकार्य का है।

रामप्रकाश जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

विनोदकुमार जैन सुपुत्र गिरनारीलाल जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सरनामसिंह जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी और व्यापार गल्ले का है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र लाहौरीलाल जैन, तखावन (एटा)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गांव-ताजपुर (एटा)

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सौनपाल जैन, ताजपुर (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

शिवप्रसाद जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, सकीट (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस लेखपाल तहसीलदार का है।

गाँव सरनऊ (एटा)

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, सरनऊ (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर मीडिएट हैं।

सतीशचन्द्र जैन सुपुत्र मनोहरलाल जैन, सरनऊ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। एक लड़का हाईस्कूल पास है। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं।

हुकुमचन्द जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, सरनऊ (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, सरनऊ (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-सरानी (एटा)

रामश्री जैन धर्मपत्नी प्यारेलाल जैन, सरानी (एटा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि व्यापार है।

गाँव-सरायनीम (एटा)

खुशालीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, सरायनीम (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-सौना (एटा)

हजारीलाल जैन सुपुत्र भूदेवदास जैन, सौना (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-हरचन्दपुर (एटा)

पातीराम जैन सुपुत्र जैलाल जैन, हरचन्द्रपुर (एटा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के और दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र रामदयाल जैन, हरचन्दपुर (एटा)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-हिनौना (एटा)

रतनलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, हिनौना (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गेंदालाल जैन सुपुत्र हरदेवदास जैन, हिनौना (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

शाहकुमार जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, हिनौना (एटा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-हिम्मतनगर वजहेरा (एटा)

उल्फतराय जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, हिम्मतनगर वजहेरा (एटा)

इस परिवार मे छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। दो लड़के इन्टर और एक एम० बी० बी० एस० हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषि का व्यापार करते हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, हिम्मतनगर वजहेरा (एटा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। एक हाईस्कूल और एक मिडिल में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषि का व्यापार करते हैं।

गाँव-हिरौंदी (एटा)

नरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, हिरौंदी (एटा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और दुकानदारी का कार्य करते हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं।

द्वारकाप्रसाद जैन सुपुत्र छत्तरलाल जैन, हिरौंदी (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार हैं।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, हिरौंदी (एटा)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाँकेलाल जैन सुपुत्र फुलजारीलाल जैन, हिरौंदी (एटा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, हिरौंदी (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी तथा पेशा व्यापार है।

रामश्री जैन धर्मपत्नी नारायणदास जैन, हिरौंदी (एटा)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। विधवा हैं और मजदूरी करती हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र लखपतराय जैन, हिरौंदी (एटा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

●

जिला-कानपुर
नगर-कानपुर

छक्कूलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, जैनसदन ११२।३४८ स्वरूपनगर कानपुर (कानपुर)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार में शिक्षा दूसरी कक्षा से लेकर एम० ए० तक है। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर मीडिएट हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भदाना (मैनपुरी) के हैं।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, अनवरगंज कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

प्रकाशचन्द जैन सुपुत्र मंजूलाल जैन, चौराहा घाटमपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है और व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

भोलानाथ जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, सब्जीमंडी धनकुट्टी कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी अवागढ के हैं।

महेन्द्रपाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, पड़रीलालपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं नान मैट्रिक हैं और राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र गुनधरलाल जैन, हटिया कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी अंग्रेजी और पेशा बक्सों का व्यापार है। मूल निवासी कालपी (जालौन) के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र द्वारकादास जैन, स्टेशन अनवरगंज कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है और पेशा कन्ट्रैक्टर स्टेशन पर मिठाई इत्यादि का है। मूल निवासी कोटकी (आगरा) के हैं।

शंकरराव जैन सुपुत्र नाभाजी रोडे जैन, कानपुर (कानपुर)

इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं कक्षा तक पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, स्टेशनरोड घाटमपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग मे तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, ७०।४९ मथुरी महाल कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख सीमेन्ट का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

स्वरूपचन्द जैन सुपुत्र मंजूलाल जैन, चौराहा घाटमपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है और व्यापार मिष्ठान्न भण्डार का है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

हुकुमचन्द जैन सुपुत्र मंजूलाल जैन, चौराहा घाटमपुर कानपुर (कानपुर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

●

जिला-गोंडा
गाँव-गोंडा

भगनस्वरूप जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, टी० टी० ई० गोंडा एन० ई० रेलवे (गोंडा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। छठी-सातवीं कक्षा तक सब पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख स्वयं एफ० ए० पास है और रेलवे सर्विस में हैं। मूल निवासी कुरगवां (आगरा) के हैं।

●

जिला-झाँसी
नगर-झाँसी

चन्द्रसेन जैन शास्त्री सुपुत्र किन्दरलाल जैन, पाँच न्यू बोधराज कम्पाउण्ड, झाँसी (झाँसी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षित परिवार है। पाँचवीं कक्षा से लेकर एम० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री और काव्य-न्यायतीर्थ है। सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बाघई (राजमहल) एटा के हैं।

●

स्व० श्री सुखचन्द जी जैन, बेरनी

स्व० श्री मनोहरलाल जी जैन [illegible]
फिरोजाबाद

श्री मनोहरलाल जी जैन [illegible] [illegible]

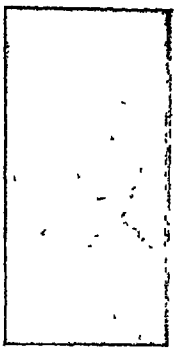

श्री अतिवीरचन्द्रजी जैन
बी ए., बी टी. टूण्डला

श्री डॉ० महावीरप्रसादजी जैन
बी.एल.एम.बी. मेरठ

स्व० श्री भगवतस्वरूपजी जैन
एत्मादपुर

श्री जयन्तीप्रसादजी जैन.मण्डलीक
जलसर

श्री राजकुमारजी जैन.
जोधपुर

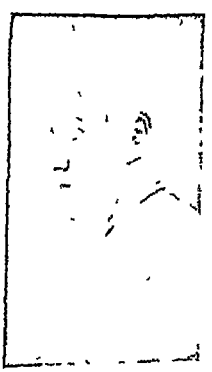

श्री अमेयकान्तजी जैन
इन्दौर

जिला-देवरिया
गाँव-देवरिया

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, डिपुटी कलेक्टर देवरिया (देवरिया)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० हैं और डिपुटी कलेक्टर के पद पर हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

●

जिला-देहरादून
नगर-देहरादून

रूपकिशोर जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, देहरादून (देहरादून)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। छ लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत और उर्दू के ज्ञाता हैं। भाई बी० ए० और पुत्री इन्टर है। आप बैंक मैनेजर हैं।

●

जिला-प्रतागढ़
गाँव-प्रतापगढ़

जवाहरलाल जैन सुपुत्र दीनापाल जैन, पट्टी, प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख इंगलिश, संस्कृत और हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

●

जिला-फतेहपुर
गाँव-फतेहपुर

खजांचीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के है।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक पुत्र इंजीनियरिंग और एक बी० एस-सी० में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के है।

चन्दनलाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, रेलवे बाजार फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी अंग्रेजी है और पेशा रेलवे स्टेशन पर मिठाई के कन्ट्राक्टर है। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

छुट्टनलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, फतेहपुर खास (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य है। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी, इंगलिश है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

विजयरानी जैन सुपुत्री बनारसीदास जैन, देवीगंज फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाई का है। मूल निवासी विजयगढ के हैं।

ब्रजमोहनलाल जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, रेलवे बाजार फतेहपुर (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है और पेशा परचून का व्यापार है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

गाँव-कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)

कुन्दनलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, लालूगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते है। मूल निवासी नारखी (आगरा) के हैं।

चन्द्रमुखी जैन धर्मपत्नी स्व० लाला चन्द्रसेन जैन, मुहल्ला जैन कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में दो सदस्य स्त्री वर्ग में हैं। दोनों ही विधवा है। मूल निवासी स्थानीय ही है।

जोरावरमल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रकाश जैन, चौकबाजार कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य है। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते है। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गिरनारीलाल जैन, बाकरगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी, इंगलिश पढ़े है और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

नन्दनलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, लालूगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी गढ़ी महासिंह (आगरा) के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र जैनीलाल जैन, लालूगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और चीनी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

मालादेवी जैन धर्मपत्नी स्व० लाला सोनपाल जैन, गुड़ाहीमंडी कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं। तीनों लड़के गूँगे हैं।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र खुशमुखराय जैन, चौक बाजार कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य हैं। अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी तथा व्यापार परचून का है। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, लालूगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी, इंगलिश है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी नारखी (आगरा) के हैं।

रामदुलारे जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, रामगंज बाकरगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र जिनेश्वरदास जैन, मुहल्ला कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग मे कुल सात सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

श्यामकिशोर जैन सुपुत्र ब्रजनन्दनलाल जैन, बाकरगंज कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और किराशन तेल का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र वैनीलाल जैन, मुहल्ला जैन कोड़ा जहानाबाद (फतेहपुर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० एस-सी० (फाइनल) हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

●

जिला-फरुखाबाद
गाँव-फरुखाबाद

पूरनचन्द जैन सुपुत्र सेठलाल जैन, फरुखाबाद (फरुखाबाद)
इस परिवार में केवल एक ही सदस्य है। शिक्षा हिन्दी है और ब्रांच पोस्ट में सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

●

जिला-बाँदा
गाँव-बाँदा

इन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, चौकबाजार बांदा (बांदा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दूध मिठाई का है। मूल निवासी बाबरपुर (एटा) के हैं।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कन्हैया लाल जैनकटरा बांदा (बांदा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी जौधरी (आगरा) के हैं।

किशनलाल जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, लोको किशन दि० भारत भारती बांदा (बांदा)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। विधुर हैं। हिन्दी पढ़े हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, छोटा बाजार बांदा (बांदा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार मिठाई का है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, चौकबाजार बांदा (बांदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी कालपी के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, चौकबाजार बांदा (बांदा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य है। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। लड़के सब पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और मिठाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कालपी के है।

शिवप्रसाद जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, मुहल्ला कटरा बांदा (बांदा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा मनिहारी का व्यापार है।

लालाराम जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, मुहल्ला ठठराली छोटा बाजार बांदा (बांदा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पॉच लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का व्यापार करते हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, मुहल्ला कटरा बांदा (बांदा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। पॉच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी बल्टीगढ (मैनपुरी) के है।

सेतीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, प्रकाश टाकीज गुसाईंगंज बांदा (बांदा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का है। मूल निवासी कालपी के हैं।

●

जिला-बुलन्दशहर
गॉव-खुर्जा

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र पूरनमल जैन, खुर्जा (बुलन्दशहर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य है। शिक्षा हिन्दी है। मूल निवासी खेरी बरहन (आगरा) के हैं।

बिहारीलाल जैन सुपुत्र मोहनलाल जैन, खुर्जा (बुलन्दशहर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है। मूल निवासी खेरी बरहन (आगरा) के हैं।

●

जिला-मथुरा
गाँव-दौहई

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र बनवारीलाल जैन, दौहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में आप स्वयं ही हैं। अविवाहित हैं।

चुन्नीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, दौहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का व्यापार है।

मुरलीधर जैन सुपुत्र हरदयाल जैन, दौहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण हिन्दी है।

रतनलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, दौहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी है।

राजकुमार जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, दौहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में कुल बाईस सदस्य है। सात लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मिठाई का है। मूल निवासी दौहई के हैं और जलेसर रोड में रहते हैं।

व्रजसेन जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, दौहई जलेसर रोड (मथुरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

गाँव-महावन (मथुरा)

प्रभाचन्द जैन सुपुत्र लाला पुष्पेन्द्रचन्द्र जैन, राजकीय आदर्श विद्यालय महावन (मथुरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास जे० टी० सी० हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

गाँव-शिखरा (मथुरा)

बाबूलाल जैन सुपत्र कल्यानदास जैन, शिखरा (मथुरा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भागचन्द जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, शिखरा (मथुरा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र भगवानप्रसाद जैन, शिखरा (मथुरा)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

●

जिला-मेरठ

नगर-मेरठ

धर्मेन्द्रनाथ जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, सुखदा फार्मेसी सदरबाजार मेरठ (मेरठ)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षित परिवार है। पाँचवीं कक्षा से लेकर एम० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं साहित्य भूषण, भिषगाचार्य, वैद्यशास्त्री है। सामाजिक, साहित्यिक और सार्वजनिक महती सेवाएँ है। व्यवसाय चिकित्सा का है। मूल निवासी फिरोजाबाद के है।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, मकान नं० ९२।९६ मेरठ छावनी (मेरठ)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। सब बच्चे प्रथम कक्षा से लेकर नौवीं तक पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास है और रेलवे सर्विस में है। मूल निवासी सखावतपुर (आगरा) के है।

●

जिला-मैनपुरी

गाँव-अरांव

अनोखेलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

खजांचीलाल जैन सुपुत्र खेतीराम जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार का है।

चन्द्रभान जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

छोटेलाल जैन सुपुत्र लटूरीमल जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

दम्मीलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। पाँच लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नाथूराम जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

फुलजारीलाल जैन सुपुत्र चाँदविहारीलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बनारसीदास जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। आठ लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बालीराम जैन सुपुत्र अंतराम जैन, अरांव, (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग मे तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामकिशन जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र शान्तिप्रसाद जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में स्वयं परिवार प्रमुख ही हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सराफीलाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी तथा पेशा व्यापार है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र चांदविहारीलाल जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, अरांव (मैनपुरी)
इस परिवार में एक ही व्यक्ति है। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-असुवा (मैनपुरी)

उल्फतराय जैन सुपुत्र अर्जुनदास जैन, असुवा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है।

कुंजीलाल जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, असुवा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गुलजारीलाल जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, असुवा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

लालाराम जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, असुवा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-आपुर (मैनपुरी)

सुनहरीलाल जैन आपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-उडेसर (मैनपुरी)

कुन्दनलाल जैन सुपुत्र खजांचीलाल जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गजाधरलाल जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

बाबूराम जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

महीपाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य है। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। आप ग्राम-सभाके सदस्य भी है।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र बच्चीलाल जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। परिवार प्रमुख ग्राम-सभाके सदस्य भी है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र संतनलाल जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और व्यापार करते है, ग्राम सभा के सदस्य भी है। अन्य लड़की लड़के पढ़ रहे हैं।

वासदेव जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, उडेसर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-एका (मैनपुरी)

दरबारीलाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, एका (मैनपुरी)
इस परिवार मे एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

पूरनचन्द जैन सुपुत्र मनोहरलाल जैन, एका (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सराफे का व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, एका (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-कछवाई (मैनपुरी)

भूदेवप्रसाद जैन सुपुत्र तुलाराम जैन, कछवाई (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-कटेना (मैनपुरी)

लखपतराम जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, कटेना (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग मे तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। इस ग्राम में महावीर स्वामी का एक मन्दिर चम्पालाल का बनवाया हुआ है।

गाँव-कुतकपुर (मैनपुरी)

श्यामलाल जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, कुतकपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-केशरी (मैनपुरी)

राजपाल जैन सुपुत्र सालिकराम जैन, केशरी (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं और दो भाई अविवाहित है। शिक्षा साधारण और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

गाँव-कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)

पन्नालाल जैन सुपुत्र दीपचन्द जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र रामनारायण इंटर पास है। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी जानते हैं और व्यापार करते है।

परमानन्द जैन सुपुत्र लालसहाय जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजकुमार जैन सुपुत्र जीवाराम जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बादशाह जैन सुपुत्र मथुरीलाल जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सत्येन्द्रकुमार दसवीं कक्षा पास है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

सुखमाल जैन सुपुत्र तोताराम जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। आप पोस्टमास्टर भी हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र थानसिंह जैन, कौरारा बुजुर्ग (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र जियालाल बी० ए० और जयदयाल जैन दसवीं कक्षा पास हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-कौरारी सरहद (मैनपुरी)

अमोलक जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, कौरारी सरहद (मैनपुरी)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

ओंकारप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, कौरारी सरहद (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रघुखलाल जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, कौरारी सरहद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-खेरी (मैनपुरी)

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र जोरावरसिंह जैन, खेरी (मैनपुरी)

इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बुद्धसेन जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, खेरी (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-खैरगढ़ (मैनपुरी)

कपूरचन्द जैन सुपुत्र जम्बूदास जैन, खैरगढ (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

छेदीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, खैरगढ़ (मैनपुरी)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

झण्डूलाल जैन सुपुत्र द्वारकादास जैन, खैरगढ (मैनपुरी)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सत्तरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित है। पुत्र प्रमोदकुमार मैट्रिक और अभयकुमार मिडिल पास हैं। अन्य बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और व्यापार करते हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, खैरगढ (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग मे तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं साहित्य विशारद हैं और मोटर ट्रांसपोर्ट का व्यापार करते है। सन् १९४२ में जेल में आपने "मानव जीवन" नामक पुस्तक लिखी थी। आप सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक और सार्वजनिक कार्य कर्त्ता हैं। मंडल कांग्रेस के मंत्री भी हैं।

लक्ष्मीचन्द जैन सुपुत्र विहारीलाल जैन, खैरगढ (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-घिरोर (मैनपुरी)

अमृतलाल जैन सुपुत्र मथुराप्रसाद जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

अरविन्दकुमार जैन सुपुत्र गयाप्रसाद जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अविवाहित हैं और बी० ए० में पढ़ रहे हैं।

अशरफीलाल जैन सुपुत्र परसादीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है।

आनन्दकुमार जैन दत्तक पुत्र माणिकचन्द जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अंग्रेजी हिन्दी पढ़े हैं और रेडीमेड कपड़े का व्यापार करते हैं।

अंग्रेजीलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य है। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र देवेन्द्र नवीं कक्षा पास है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और किराने का व्यापार करते हैं।

कश्मीरीलाल जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और चिकित्सा का कार्य करते हैं। मूल निवासी मैदामई (अलीगढ) के हैं।

केदारनाथ जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। भतीजा सतीशचन्द्र हाईस्कूल में पढ़ रहा है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी नानेमऊ के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी फरिहा के हैं।

बनारसीदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार हलवाई का है।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र राजाराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। पाँच लड़के अविवाहित हैं।

मुंशीलाल जैन बिहारीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

राधारमन जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। भतीजा सुशीलकुमार नौवीं कक्षा में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और हलवाई का व्यापार करते है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। पुत्र राजेन्द्रकुमार हाई-स्कूल पास हैं और सब हिन्दी पढ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

रामपूत जैन सुपुत्र मगनीराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवारमें दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं॥ एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सदासुखलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सागरचन्द जैन सुपुत्र राजाराम जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुभाषचन्द्र जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी नुनहाई (आगरा) के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र नौरंगीलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। भाई नरेन्द्रकुमार इण्टर है और बहन मुन्नीकुमारी इण्टर हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी हरदुआगंज के है।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार किराने का है।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी बमरौली के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र आछेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, घिरोर (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य है। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा किराने का व्यापार है।

गाँव-जरामई (मैनपुरी)

जगन्नाथप्रसाद जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, जरामई (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-जरौली (मैनपुरी)

अमृतलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, जरौली (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र भजनलाल जैन, जरौली (मैनपुरी)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में है। दोनों अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हरदयाल जैन सुपुत्र धर्मजीत जैन, जरौली (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छह सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-जसराना (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, जसराना (मैनपुरी)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

अंग्रेजीलाल जैन सुपुत्र नौरंगीलाल जैन, जसराना (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

कश्मीरीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, जसराना (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

छोटेलाल जैन सुपुत्र दीनानाथ जैन, जसराना (मैनपुरी)

इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र दिलसुखराय जैन, जसराना (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। दो लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सुरेशचन्द्र इण्टर पास हैं और नहर विभाग में ओवरसियर हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

सरवती देवी जैन धर्मपत्नी जौहरीलाल जैन, जसराना (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। पुत्र राजकुमार इण्टर पास हैं और हेल्थ विभाग में इन्स्पेक्टर हैं। परिवार प्रमुख चर्खेसे सूत कातने का कार्य करती हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र दिलसुखराय जैन, जसराना (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। पुत्र प्रेमचन्द और पुत्र वधू पदमकुमारी बी० ए० और हाई स्कूल पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और क्लोथ मर्चेण्ट हैं।

होतीलाल जैन सुपुत्र दिलसुखराय जैन, जसराना (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र शिवकुमार और महेन्द्र-कुमार इण्टर और एम० ए०, बी० टी० पास हैं। एक डी० एस० पी० हैं और दूसरे व्यापार करते हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं और क्लाथ मर्चेण्ट हैं।

गाँव-जोधपुर (मैनपुरी)

रोशनलाल जैन सुपुत्र बैजनाथ जैन, जोधपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में केवल एक व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-थरौवा (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, थरौवा (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

बाबूराम जैन सुपुत्र रूपराम जैन, थरौवा (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। भतीजे कमलस्वरूप और पदमचन्द दोनों इण्टर पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं।

लालताप्रसाद जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, धरौवा (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र निर्मलकुमार दसवीं कक्षा पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-दिनौली (मैनपुरी)

श्रीचन्द जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, दिनौली (मैनपुरी)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य है। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-नसीरपुर (मैनपुरी)

मुंशीलाल जैन सुपुत्र दरबारीलाल जैन, नसीरपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र शिवलाल जैन, नसीरपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में एक ही व्यक्ति हैं।

गाँव-नगला सामंती (मैनपुरी)

मुंशीलाल जैन सुपुत्र सेवतीलाल जैन, नगला सामंती (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रतनमाला जैन सुपुत्री हजारीलाल जैन, नगला सामंती (मैनपुरी)

इस परिवार में यह एक ही महिला हैं। विधवा हैं।

गाँव-निकाऊ (मैनपुरी)

खानचन्द जैन सुपुत्र कुंजीलाल जैन, निकाऊ (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

चिरंजीलाल जैन सुपुत्र तुलसीराम जैन, निकाऊ (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

गाँव-पचवा (मैनपुरी)

गुलजारीलाल जैन सुपुत्र नकसेलाल जैन, पचवा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग मे कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-पाढम (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के हैं।

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र भगवलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

अशरफीलाल जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है।

अशरफीलाल जैन सुपुत्र वृजनन्दनलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र टेकचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के हैं।

इन्द्रचन्द्र जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस चकबन्दी की है।

उग्रसेन जैन सुपुत्र फुलजारीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पान का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

चिन्तामणि जैन सुपुत्र कस्तूरचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। तीसरी कक्षा से लेकर आठवीं तक सब शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं पास है और नहर के ठेकेदार हैं।

छिंगामल जैन सुपुत्र कल्यानदास जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार हलवाई का है।

जनेश्वरदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और गल्ले का व्यापार है।

जयलाल जैन सुपुत्र नन्दकिशोर जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

टेकचन्द जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के है।

टेकचन्द जैन सुपुत्र शिखरचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा छ लड़की अविवाहित है। कक्षा एक से लेकर सातवीं तक सब पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं चौथी तक पढ़े हैं और कपड़े तथा वर्तन का व्यापार है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। चार लड़के अविवाहित है। शिक्षा दूसरी कक्षा से लेकर सातवीं तक है। कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय ही है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बाबूराम जैन दत्तकपुत्र जौहरीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। पुत्र भागचन्द एम० ए०

एल० टी०, विमलकुमार बी० ए०, कमलेशचन्द्र मैट्रिक पास और सर्विस में है। शंकरलाल नौवीं में पढ रहा है। पुत्रवधू नीलमणि दसवीं पास हैं। परिवार प्रमुख स्वय हिन्दी पढ़े है और दवाखाने का व्यापार करते हैं।

भूधरदास जैन सुपुत्र सुन्दरलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख हिन्दी पढ़े हैं और जनरल मर्चेण्ट का व्यापार करते है।

महेशचन्द जैन सुपुत्र कस्तूरचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा नहर का ठेका तथा हलवाई का व्यापार है।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र लेखराज जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी जेडा (मैनपुरी) के हैं।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र राजाराम जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

राजनलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी सरानी (एटा) के हैं।

लखपतिचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी पैंढत के हैं।

वीरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र टेकचन्द जैन, पाढम (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी पैंढत (मैनपुरी) के हैं।

स्व० श्री रामस्वरूपजी जैन, इन्दौर

स्व० श्री बाबू हजारीलाल जी जैन
वकील, फीरोजाबाद

श्री पं० अमोलकचन्दजी जैन, उड़ेसरीय
इन्दौर

श्री ला० महावीरप्रसाद जी जैन, सर्राफ
देहली

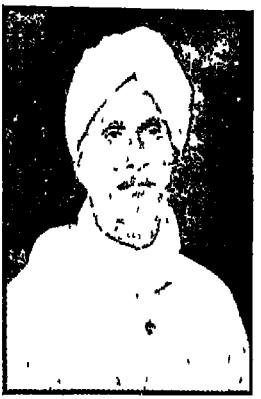

श्री पं० बंशीधरजी जैन
इन्दौर

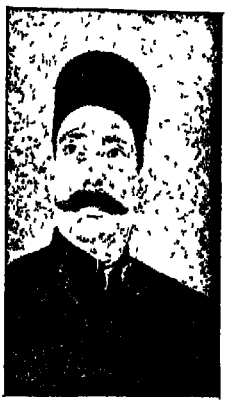

श्री लाला मुंशीलालजी जैन
एटा

स्व० श्री बनारसीदासजी जैन
पालेज

श्री देवचन्दजी रामासाव रोडे जैन
वर्धा

श्री वैद्य रामप्रसादजी जैन शास्त्री
आगरा

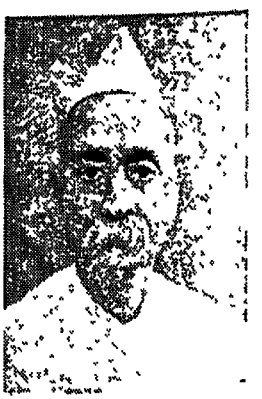

श्री श्यामलालजी जैन रईस
देहली

सुखदेवदास जैन सुपुत्र घासीराम जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। पौत्र इन्द्रचन्द्र विशारद है। परिवार प्रमुख स्वयं चौथी कक्षा तक शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते है। सामाजिक और सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं। मूल निवासी पाढम के हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र कम्पिलादास जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है।

हुब्बलाल जैन सुपुत्र बृजवासीलाल जैन, पाढम (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

गाँव-पिलकतर फतह (मैनपुरी)

जयदेव जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, पिलकतर फतह (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। तीन लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सोनपाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, पिलकतर फतह (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-पैंढत, (मैनपुरी)

गप्पूलाल जैन, पैढत (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी देवखड़ा के है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, पैढत (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि-कार्य का है।

गाँव-पृथ्वीपुर (मैनपुरी)

खुन्नीलाल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

चोखेलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

नत्थूलाल जैन सुपुत्र सुखवासीलाल जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

बद्रीप्रसाद जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दवाओं का व्यापार है।

रामदयाल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

साहूकाल जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, पृथ्वीपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-फरिहा (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र झम्मनलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

उल्फतराय जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी ओर पेशा व्यापार हलवाईगिरी का है।

किरोड़ीलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

किरोड़ीमल जैन सुपुत्र सालिगराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं।

दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी खेरी (आगरा) के हैं।

ताराचन्द जैन सुपुत्र चेतराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

देवकुमार जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अविवाहित हैं और बेकार हैं।

पन्नालाल जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है। मूल निवासी मरसलगंज के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र नेमीचन्द जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा छह स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख अंग्रेजी-हिन्दी पढ़े हैं और किराने का व्यापार करते हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाईगिरी और कृषिकार्य का है।

फौजीलाल जैन सुपुत्र निन्नामल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी नरहरपुर (एटा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र नेतलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार बूरा बताशा का है।

बाँकेलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक ही व्यक्ति है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है।

भगवानदास जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भगवानस्वरूप जैन सुपुत्र चौवेलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

मुंशीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र नेमीचन्द्र दवाओंका व्यापार करते हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

रघुनन्दनप्रसाद जैन सुपुत्र हुडीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र विमलकुमार बी० ए० में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं।

रमेशचन्द जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का व्यापार है।

राजनलाल जैन सुपुत्र रामप्रकाश जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है तथा साइकिल की दुकान है।

लक्ष्मणदास जैन सुपुत्र चोखेलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई की दुकान है।

लक्ष्मीशंकर जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य है। सात लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पुत्र पवनकुमार इन्टर में है, अन्य हिन्दी पढ़ते हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और क्लोथ मर्चेन्ट है, वस्त्र का व्यवसाय करते हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाईगिरी का है। मूल निवासी बासरिसाल (आगरा) के हैं।

सुकमाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषि-कार्य का है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र श्यामलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। छ लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार सराफे का है।

शाहकुमार जैन सुपुत्र निन्नामल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

शौकीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य है। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। भतीजा वीरेन्द्र दसवीं कक्षा पास है, बाकी के पढ रहे है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कुबेरगढी के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र झल्लूमल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी कुबेरगढी के हैं

श्रीलाल जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीलाल जैन सुपुत्र गुलजारीलाल जैन, फरिहा (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है।

गाँव-फाजिलपुर (मैनपुरी)

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र दिलसुखराय जैन, फाजिलपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-बड़ागाँव (मैनपुरी)

राजकुमार जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, बड़ागाँव (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुखनन्दनलाल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, बड़ागाँव (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-भादऊ (मैनपुरी)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, भादऊ (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-भारौल (मैनपुरी)

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, भारौल (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दुकानदारी का है।

गाँव-रामपुर (मैनपुरी)

ज्योतिप्रसाद जैन सुपुत्र राजाराम जैन, रामपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

भजनलाल जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, रामपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। दो वयस्क व्यक्ति अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कृषिकार्य का है।

विजयस्वरूप जैन सुपुत्र शिवप्रसाद जैन, रामपुर (मैनपुरी)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

साहूकार जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, रामपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र सम्पतराम जैन, रामपुर (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में है। एक वयस्क अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-रीमा (मैनपुरी)

कान्तिप्रसाद जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, रीमा (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग मे तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, रीमा (मैनपुरी)

इस परिवार में एक ही व्यक्ति है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकाय का है।

संतकुमार जैन सुपुत्र दरबारीलाल जैन, रीमा (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

गाँव-बल्टीगढ़ (मैनपुरी)

छक्कामल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, बल्टीगढ (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र जयलाल जैन, बल्टीगढ़ (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। पुत्र शरदकुमार हाई-स्कूल पास है और सर्विस में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-सरसागंज (मैनपुरी)

कामताप्रसाद जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र शरदकुमार मैट्रिक है। परिवार प्रमुख स्वयं आयुर्वेदाचार्य और काव्यतीर्थ हैं। मूल निवासी पेगू (मैनपुरी) के हैं।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं शाली हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोटला (आगरा) के हैं।

नाथूराम जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य है। बहन सुशीला देवी विधवा है और प्रवेशिका पास हैं। स्थानीय कन्या पाठशाला में सर्विस में है। परिवार प्रमुख हिन्दी जानते हैं और व्यापार करते हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। पुत्री कान्ता कुमारी हाईस्कूल पास है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं नार्मल ट्रेण्ड हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय है।

रविलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है।

रविलाल जैन सुपुत्र उल्फतराय जैन, सरसागंज (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। पुत्र सतीशचन्द इण्टर पास है और सरसागंज स्कूल में अध्यापक है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी जानते हैं और व्यापार करते हैं।

गाँव-सिरमई (मैनपुरी)

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, सिरमई (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है।

शिवप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, सिरमई (मैनपुरी)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार कृषिकार्य का है। मूल निवासी फरिहा के हैं।

गाँव-सुनाव (मैनपुरी)

सेवतीलाल जैन सुपुत्र परमसुखदास जैन, सुनाव (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। पुत्र भवनस्वरूप एम० ए०-एल० डी० एल-एल बी० है और प्रिंसपल हैं। परिवार प्रमुख चौथी कक्षा पास हैं और कृषिकार्य का व्यापार करते हैं। निःशुल्क दवाएँ भी देते हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं।

गाँव-सौनई (मैनपुरी)

रामस्वरूप जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, सौनई (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, सौनई (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

हजारीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, सौनई (मैनपुरी)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

गाँव-शिकोहाबाद (मैनपुरी)

आनन्दकुमार जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग मे कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी-अंग्रेजी पढ़े हैं और बुकिंग क्लर्क की सर्विस करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य है। शिक्षा हिन्दी और पेशा खोमचा का है। मूल निवासी रिजावली के हैं।

इन्द्रसेन जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा घड़ीसाजी का है। मूल निवासी नाहरपुर के हैं।

कपूरचन्द जैन सुपुत्र अमोलकचन्द जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। मूल निवासी एत्मादपुर (आगरा) के हैं।

कम्पिलादास जैन सुपुत्र आसाराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। सात लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित है। पुत्र नेमीचन्द एम० ए० एल० एल० बी० एडवोकेट हैं, पुत्रवधू किरणकुमारी इण्टर, पुत्र मानिकचन्द एम० ए० बी० टी०, पुत्र वीरकुमार इण्टर, पौत्री-सरोजकुमारी हाईस्कूल हैं। अन्य लड़के लड़की विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख प्राइमरी कक्षा पास है और कृषिकार्य तथा व्यापार करते हैं।

किशोरीलाल जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग मे तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार बूराबताशा का है। मूल निवासी एत्मादपुर के हैं।

कुँवरप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार परचून का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

गौरीशंकर जैन सुपुत्र बिहारीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। भाई रमेशचन्द्र इन्टर में है। शिक्षा हिन्दी और पेशा चाटका व्यापार है। मूल निवासी आलमपुर (आगरा) के हैं।

पं० चन्द्रसेन जैन शास्त्री सुपुत्र बुद्धसेन जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी कोटला के हैं।

छैलबिहारी जैन सुपुत्र चुन्नीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग मे कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई की दुकान है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

जगन्नाथप्रसाद जैन सुपुत्र दिलेराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा मिठाई का है।

जग्गीलाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार कपड़े का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

जयन्तीलाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

जरदकुमार जैन सुपुत्र वीरबल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्गमें कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

जिनवरदास जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी फरिहा के हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र विद्यानन्द जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराने का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

धनपाल जैन सुपुत्र सोहनलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी एका के हैं।

धनसुखदास जैन सुपुत्र पातीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा घी का व्यापार है। मूल निवासी फरुखाबाद के है।

नम्बरदार जैन सुपुत्र मौजीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

निर्मलकुमार जैन सुपुत्र मनभावनलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सूत का व्यापार है।

नत्थीलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

नैनामल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र जौहरीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार ठेकेदारी का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

पुष्पेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र प्रभाचन्द्र अध्यापक हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और सर्विस करते हैं।

प्रेमसागर जैन सुपुत्र धनसुखदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी अंग्रेजी पढ़े हैं और आटा चक्की का व्यापार है। मूल निवासी फरुखाबाद के हैं।

फुलजारीलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

फूलचन्द जैन सुपुत्र श्रीपाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार से छ पुरुष वर्ग में तथा ग्यारह स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य हैं। सात लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और गल्ले का व्यापार है। मूल निवासी पमारी के हैं।

फूलचन्द्र जैन सुपुत्र ख्यालीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा परचून का व्यापार है।

बहोरीलाल जैन सुपुत्र ख्यालीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। पुत्र सुरेशचन्द्र इण्टर है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और परचून का व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजमल (एटा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चौदह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल इक्कीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। पुत्र महेशचन्द इंग्लिश पढा है और कमलकुमार डाक्टरी पढ रहा है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

भामण्डलदास जैन सुपुत्र मिट्ठनलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा खुदरा माल का व्यापार है।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र शेखरचन्द जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र दामोदरदास और विनयकुमार हाईस्कूल पास हैं। अन्य लड़के विभिन्न कक्षाओं में है। परिवार प्रमुख स्वयं इण्ट्रेन्स हैं और जिला मैनपुरी व एटा के कूपर इंजक्स के डिस्टीब्यूटर्स और आटा चक्की का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय है।

मानिकचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा पन्द्रह स्त्री वर्ग में कुल अट्ठाईस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा आठ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा घी का व्यापार है। मूल निवासी कौरारा बुजुर्ग के हैं।

मुरारीलाल जैन दत्तकपुत्र वंशीधर जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो वयस्क युवक अविवाहित हैं। एक सुभाषचन्द्र एम० बी० बी० एस०

डाक्टर हैं और दूसरा अशोकचन्द्र एम० काम० फाइनल हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अंग्रेजी हिन्दी पढ़े है और तेल, चावल मिल और वरफ कारखानेके संचालक तथा मर्चेन्ट हैं। मूल निवासी खांडा (आगरा) के हैं।

रघुवरदयाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तेरह पुरुप वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल तेईस सदस्य है। आठ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा फुटकर दुकानदारी है। मूल निवासी कोटला (आगरा) के है।

राजकुमार जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुप वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। पाँच लड़के अविवाहित हैं। पुत्र नरेन्द्रकुमार इण्टर है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और परचून का व्यापार करते है। मूल निवासी एत्मादपुर के है।

राजनलाल जैन सुपुत्र विहारीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सुरेशचन्द्र बी० ए० हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और चाट का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

राजवहादुर जैन सुपुत्र सांवलदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार दुकानदारी है।

राजकुमार जैन सुपुत्र वीरवलदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य है। आठ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार (घी मर्चेन्ट) हैं।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में छ पुरुप वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी खांडा के है।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)

इस परिवार में तीन पुरुप वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल अठारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पुत्र अशोककुमार बी० एस० सी०, अचलकुमार बी० एस० सी०, भतीजा सुबोधकुमार बी० एस० सी०, भतीजा प्रमोदकुमार बी० एस० सी०, अन्य लड़के इंगलिश हिन्दी पढ़ रहे है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और सर्राफे का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय है।

रोशनलाल जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी रैमजा (आगरा) के है।

विजयचन्द जैन सुपुत्र विजयनंदन जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है।

सन्तोषीलाल जैन सुपुत्र बल्देवप्रसाद जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल तेईस सदस्य हैं। नौ लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। पुत्र ओमप्रकाश हाईस्कूल पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सदऊ (मैनपुरी) के है।

साहूलाल जैन सुपुत्र रघुवंशीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा फुटकर दुकानदारी का व्यापार है। मूल निवासी रामपुर (मैनपुरी) के हैं।

सुखनन्दनलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और व्यापार मनिहारी का है।

सुखनन्दी जैन सुपुत्र रघुवरदयाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति है। शिक्षा हिन्दी और पेशा मकान भाड़ा है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

सुनपतिलाल जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सत्येन्द्रकुमार दसवीं

कक्षा में है। अन्य लड़के विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए० हैं और घी आदि का व्यापार करते हैं।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र वासुदेवसहाय जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र रामप्रकाश को-आपरेटिव बैंक के मैनेजर हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वसुंधरा के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मंगलसेन जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार किराना का है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

सूरजभान जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा कपड़े का व्यापार है। मूल निवासी आलमपुर के हैं।

श्यामलाल जैन सुपुत्र लछमनदास जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी मिजराऊ (एटा) के हैं।

श्यामलाल जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तेरह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल इक्कीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार किराना और मिठाई का है। मूल निवासी जारखी (आगरा) के हैं।

श्रीधरलाल जैन सुपुत्र राजाराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में एक व्यक्ति हैं। आप विधुर हैं और बी०एस०सी० वैयाकरणी हैं। प्रेस द्वारा छपाई का कारोबार है। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र बनारसीलाल जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी है।

हरमुखराय जैन सुपुत्र लेखराज जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं।

दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और व्यापार गल्ले का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

हरिविलास जैन सुपुत्र वैजनाथ जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा दुकानदारी का है। मूल निवासी चिरौली (आगरा) के हैं।

हुंडीलाल जैन सुपुत्र थानसिंह जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं।। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा गल्ले का व्यापार है।

हुंडीलाल जैन सुपुत्र रेवतीराम जैन, शिकोहाबाद (मैनपुरी)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग मे तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। एक लड़का मिडिल पास है और एक आठवीं कक्षा में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और स्टेशन पर चाय का स्टाल है।

गाँव-हातमन्त (मैनपुरी)

छोटेलाल जैन सुपुत्र हुंडीलाल जैन, हातमन्त (मैनपुरी)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा व्यापार व्यवसाय करते हैं।

बाँकेलाल जैन सुपुत्र छोटेलाल जैन, हातमन्त (मैनपुरी)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

●

जिला-लखनऊ
नगर-लखनऊ

प्रकाशचन्द्र जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, काला फाटक लखनऊ (लखनऊ)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी० ए० हैं और पेशा प्रिंटिंग प्रेस का कार्य है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र मक्खनलाल जैन, सेक्रेटरियट कार्टर्स महानगर लखनऊ (लखनऊ)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। कक्षा तीन से लेकर नौवीं तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी० काम० हैं और सरकारी सर्विस में हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

●

जिला-हरद्वार
नगर-हरद्वार

हजारीलाल जैन सुपुत्र जौहरीलाल जैन, मोती बाजार हरद्वार (हरद्वार)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और बिसात-खाने के जनरल मर्चेण्ट हैं। मूल निवासी कोटला (आगरा) के है।

●

गुजरात प्रान्त

जिला-बड़ोदा
गाँव-करजन

बनारसीदास जैन सुपुत्र चंपाराम जैन, १११६ सरदार चौक नयाबाजार करजन (बड़ोदा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मथुरा (एटा) के है।

महेन्द्रपाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, पुराना बाजार करजन (बड़ोदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का मैट्रिक में पढ रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी करजन के ही हैं।

सूर्यपाल जैन सुपुत्र सेवाराम जैन, नयाबाजार करजन (बड़ोदा)
इस परिवार में सोलह पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल पचीस सदस्य हैं। तेरह लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवार मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) का है।

गाँव-चांपानेर रोड (बड़ोदा)

सूरजभान जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, चांपानेर रोड (बड़ोदा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज तथा किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी पानाधाती का नगला (मैनपुरी) के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, चांपानेर रोड आदीनाथ स्टोर (बड़ोदा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज के व्यापारी हैं। मूल निवासी मानधाती का नगला के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, चांपानेर रोड (बड़ौदा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी केवल दो सदस्य ही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मानधाती का नगला के हैं।

गाँव-मियोगाँव करजन (बड़ोदा)

तहसीलदार जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन , मियोगाँव करजन जूनाबाजार (बड़ोदा)
इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और वृद्ध अवस्था में हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र छेदालाल जैन, जनता स्टोर मियोगाँव करजन (बड़ोदा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य है। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख रैस्टोरेण्ट का कार्य करते हैं। मूल निवासी आगरा के हैं।

वासुदेव जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, मियोगाँव करजन जूनाबाजार (बड़ोदा)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है। परिवार प्रमुख कटलेरी विक्रेता हैं। मूल निवासी ख्याली का नगला के हैं।

गाँव-बाघोड़िया (बड़ोदा)

अमोलकचन्द जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं तथा विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और अनाज के व्यापारी हैं। मूल निवासी ख्याली का नगला के हैं।

जैनेन्द्रकिशोर जैन सुपुत्र जयकुमार जैन, श्याम सदन बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। एक लड़का तथा दो लड़की शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और साइकिल की दुकान करते है। मूल निवासी एटा के हैं।

धन्यकुमार जैन सुपुत्र भाजनलाल जैन, ठि० दीपक रेस्टोरेण्ट बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी जलेसर (एटा) के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र मथुरादास जैन, बस स्टेण्ड के पास बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी मानधाती का नगला (मैनपुरी) के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, स्टेशन रोड बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी ख्याली का नगला के हैं।

वंशीलाल जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, स्टेशन रोड बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और रेस्टोरेण्ट का संचालन करते है। मूल निवासी ख्याली का नगला के हैं।

सुरेशचन्द्र जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, बस स्टेण्ड बाघोड़िया (बड़ोदा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित है और चूड़ी की दुकान करते हैं। मूल निवासी एत्मादपुर के है।

गॉव-भीया गाँव करजन (बड़ोदा)

मुन्शीलाल जैन सुपुत्र छक्कामल जैन, भीया गॉव करजन (बड़ोदा)
इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। तीन लड़के अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और होटल का कार्य करते हैं। मूल निवासी फरिहा के हैं।

●

जिला-भडोंच
गॉव-पालेज

बनारसीदास जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, पालेज (भडोंच)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सत्तरह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और रेस्टोरेन्ट का काम करते हैं। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के है।

बृजकिशोर जैन सुपुत्र पुत्तूलाल जैन, स्टेशन के सामने पालेज (भडोंच)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एफ० वाई० ए० एस० टी० C. H. S. S. तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी नगला ख्याली के हैं।

राजकुमार जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, पालेज (भडोंच)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी फरिहा (मैनपुरी) के हैं।

देहली प्रान्त

●

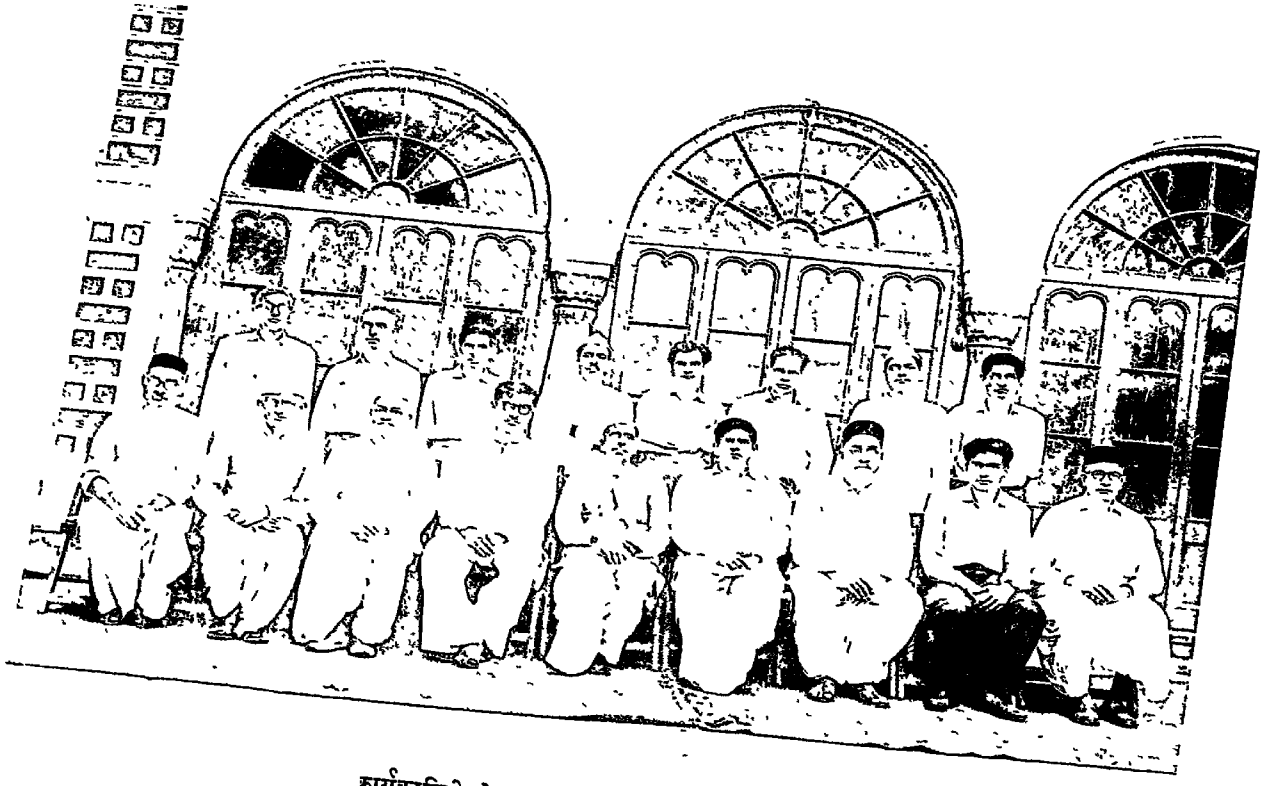

कार्यकारिणी–देहली पद्मावती पुरवाल पचायत

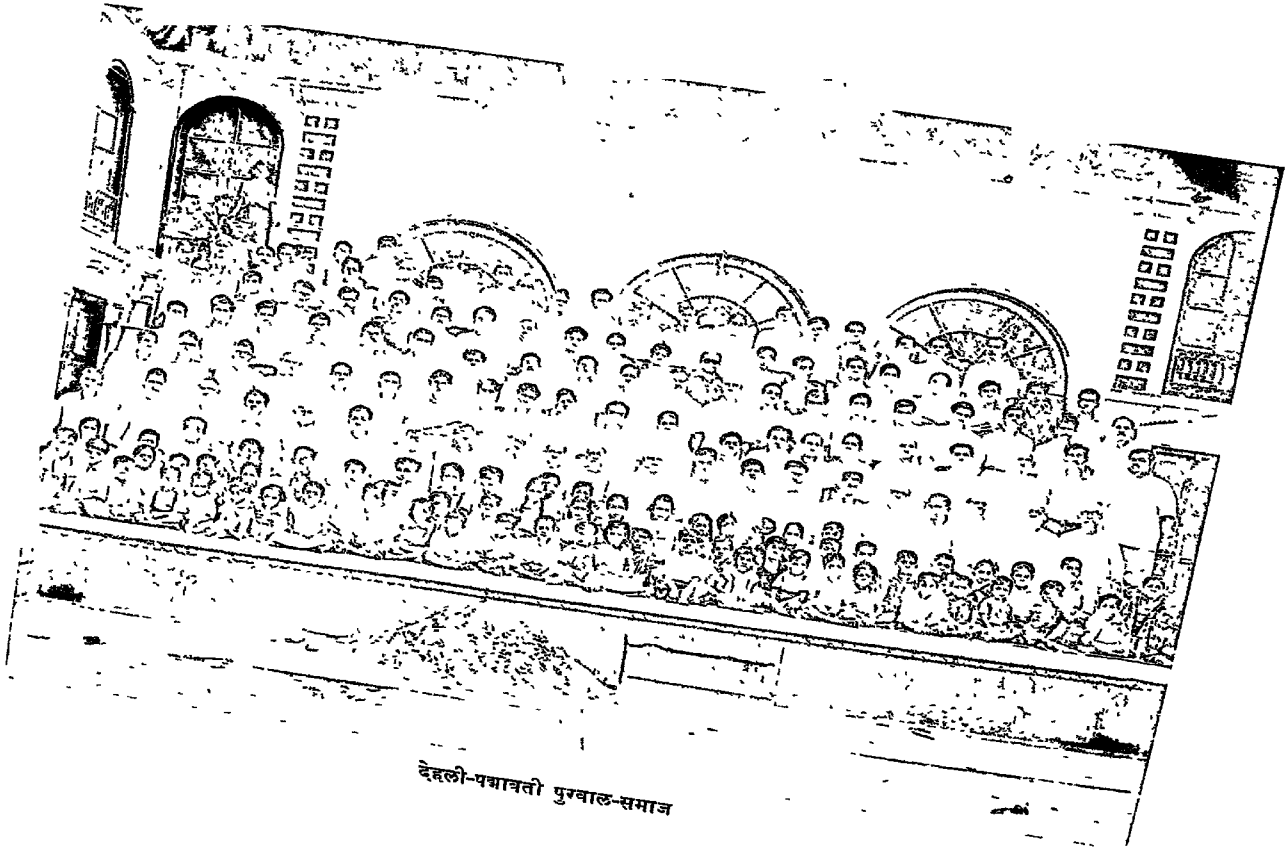

देहली-पद्मावती पुरवाल-समाज

जिला-देहली
नगर-देहली

अजितकुमार जैन सुपुत्र उदयचन्द जैन, देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति है, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का हायर सैकेण्ड्री में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। एक लड़की इण्टर में शिक्षा प्राप्त कर रही है। दोनों ही अविवाहित हैं। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं और प्रिण्टिंग प्रेस का कार्य करते हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री तक शिक्षित हैं। पूरा पता है- ४९७३ अहाता, केदारा पहाड़ी धीरज दिल्ली-६।

अटलचन्द जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, गली खजांची वाली, दरीबा कलॉ देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में। पुत्र पद्मचन्द ग्यारहवीं कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है और विवाहित है। पुत्री कमलाकुमारी नवीं कक्षा में है और अविवाहित है। अन्य छ लड़की छ से बारह तक आयु की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और सब अविवाहित हैं। मूल निवासी गढ़ीहरी (आगरा) के हैं।

अतरचन्द जैन सुपुत्र कमलकुमार जैन, ५३३।२८ डी० गांधीनगर देहली-३१ (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति है, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। साला प्रद्युम्नकुमार दसवीं कक्षा में है, उम्र १६ वर्ष अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी० काम हैं और पत्नी शशिप्रभा मिडिल हैं। एक लड़की ढाई वर्ष, और दो विधवायें है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

अतिवीर जैन सुपुत्र विमलदास जैन, २९२ ए, जैन मन्दिर गली रामनगर देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। पुत्र सन्मतिकुमार एम०एस० सी० के छात्र हैं और अन्य छठी से आठवीं कक्षा तक में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०एस०सी० इन्जीनियर हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी चावली (आगरा) के हैं।

अनूपचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, रेलवे कार्टर नं० ८ नई देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर पास हैं और सरकारी सर्विस में हैं। एक लड़का तथा एक लड़की छ और एक वर्ष की हैं। मूल निवासी कुरिगवॉ अहारन (आगरा) के हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, ३४६ कटरा तम्बाकू चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की तीन से तेरह तक की आयु के अविवाहित हैं। पौत्र राजेन्द्रकुमार आठवीं कक्षा में है, उम्र तेरह वर्ष। अन्य सब तीसरी से छठवीं कक्षा तक पढ़ रहे हैं। व्यावसायिक पता है-जैन केमिकल वर्क्स, कटरा वाडियान, फतहपुरी (देहली-६) मूल निवासी सिकन्दर (आगरा) के हैं। व्यवसाय रंग-रोगन आदि का है।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, २२६३ रघुवरपुरा गांधीनगर देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र ज्ञानचन्द उम्र १७ अविवाहित हैं, आठवीं तक की शिक्षा और सर्विस में हैं। अन्य एक से बारह तक की आयु के शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं सर्विस में हैं और पाँचवीं तक शिक्षित हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

ओमप्रकश जैन सुपुत्र लाला दरबारीलाल जैन, ४२१६ आर्यपुरा, सब्जीमण्डी देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र आदीशकुमार उम्र १६, दसवीं कक्षा के छात्र हैं। पुत्री प्रेमलता व मंजुरानी १३, १२ आयु की नवीं और सातवीं कक्षा में हैं। बाकी तीन लड़के तथा एक लड़की एक से पाँचवीं कक्षा तक में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक हैं और नेशलन एण्ड ग्रिंडले बैंक मे सर्विस में हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

ओमप्रकाश जैन सुपुत्र लाला सेतीलाल जैन, ५९ गली खजांची, चाँदनी चौक, देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। ८ वर्ष से ढाई माह तक की आयु के हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल तक शिक्षित हैं। पेशा पान का व्यवसाय है। मूल निवासी टूण्डला (आगरा) के हैं।

इन्द्रनारायण जैन सुपुत्र सुनहरीलाल जैन, ३०।६ मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार से ग्यारह तक आयु के चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास हैं और सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया में हैडकैशियर पद पर हैं। पद्मावती पुरवाल दि० जैन पंचायती मंदिर देहली के प्रबन्धक हैं। मूल निवासी मथुरा (एटा) के हैं।

इन्द्रपाल जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, २४२१ छीपीवाड़ा कलां देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति है, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख प्राइमरी तक शिक्षित

हैं और पेशा व्यवसाय का है। दुकान चूड़ी की है। मूल निवासी जरानी कलां के हैं। सार्वजनिक कार्यों में अभिरुचि रखते है। व्यावसायिक पता—२३० शान्ति जैन चूड़ी स्टोर, धर्मपुरा, दिल्ली-६।

इन्द्रसेन जैन सुपुत्र लाला मोतीलाल जैन, ५९ गली खजांची, चांदनी चौक, देहली (देहली)
इस परिवार में स्वयं परिवार प्रमुख ही हैं। प्राइमरी तक की शिक्षा है और पान का व्यवसाय करते हैं।

इन्द्रसेन जैन सुपुत्र सुखनन्दनलाल जैन, २२८५ गली पहाड़वाली, देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख प्राइमरी तक शिक्षित हैं और दलाली का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी स्थानीय है।

कटोरीदेवी जैन, २२८५ गली पहाड़वाली धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति स्त्री वर्ग में है। दोनों विधवा हैं।

कालीचरण जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, १२५९ गली गुलियान देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। उर्मिलादेवी १७ और रामबाबू १६ आयु के हायर सेकेण्डरी और ११ वीं कक्षा के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख ८ वीं कक्षा तक शिक्षित हैं और पेशा हलवाईगिरी का है। मूल निवासी नारखी (आगरा) के हैं।

कालीचरण जैन सुपुत्र मदनगोपाल जैन, ३३१० दिल्ली गेट, देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। कुमारी सुशीला और चन्द्रकुमार दोनों बी०ए० हैं, मोहनलाल जैन बी० काम० है और सर्विस में हैं। परिवार प्रमुख डाक-तार विभाग में सर्विस करते है। मूल निवासी स्थानीय ही हैं।

किरोड़ीमल जैन सुपुत्र दरबारीलाल जैन, ४२१० आर्यपुरा, सब्जी मण्डी, देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में। पॉच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। सुपुत्र सुमतप्रकाश जैन विवाहित एम० ए० और पत्नी कान्तादेवी मिडिल पास हैं, अजितप्रकाश २३ वर्ष अविवाहित बी०ए० हैं, श्रीधनकुमार १८ वर्ष इण्टर हैं, पुत्री जैनवती १५ वर्ष अविवाहित आठवीं कक्षा में हैं, कुमारी आशारानी आठवीं में उम्र १२ अन्य सब पॉचवीं कक्षा तक। परिवार प्रमुख आढ़त का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

खेमचन्द जैन सुपुत्र बंगालीमल जैन, १२५९ गलीगुलियान, देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सतीशचन्द बी०ए०, रमेश-

चन्द दसवीं कक्षा में हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और रेलवे क्लीयरिंग एजेण्ट हैं। पुत्र प्रेमचन्द जैन बी० काम० और रेलवे कण्ट्रैक्टर हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं।

गुलजारीलाल जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, दरीबा कलाँ देहली (देहली)

इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति है, छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। पुत्र प्रभाचन्द २२ वर्ष दसवीं कक्षा, सुनेन्द्रकुमार १८ वर्ष बारहवीं कक्षा, सुरेन्द्रकुमार ग्यारहवीं कक्षा, १६ वर्ष, रवीन्द्रकुमार १४ वर्ष हिन्दी मिडल तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाईगिरी का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी गढ़ीहर्रा (आगरा) के हैं।

गोपीनाथ जैन सुपुत्र द्वारिकाप्रसाद जैन, २७१९ छत्ता प्रतापसिंह किनारीबाजार देहली (देहली)

इस परिवार में दो व्यक्ति पुरुष वर्ग में हैं। दोनों अविवाहित हैं। उम्र ६० और ४५ है। शिक्षा प्राइमरी तक है।

चन्द्रपाल जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, २८७९ गली चहलपुरी, किनारी बाजार देहली (देहली)

इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पुत्र सुशीलकुमार आयु १३ कक्षा आठवीं, सुधीरकुमार ११ छठवीं कक्षा। परिवार प्रमुख स्वयं एम०ए० हैं और डी०ए०वी० हायर सेकेण्डरी स्कूल गांधीनगर में अध्यापन कार्य करते हैं। मूल निवासी पुनहरा (एटा) के हैं।

चन्द्रपाल जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, २२६ जैन मन्दिरवाली गली,शाहदरा, देहली (देहली)

इस परिवार में सात व्यक्ति है चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। पुत्र विमलभूषण, कुक्कू, बब्बू उम्र १५,१० और ८ की कक्षा दसवीं, पाँचवीं और तीसरी में है। पुत्री सरोजकुमारी १४ वर्ष और कक्षा आठवीं में है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक हैं और सरकारी सर्विस में हैं।

चन्दूलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, ३०२८ मसजिद खजूर, धर्मपुरा, देहली (देहली)

इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और व्यापार स्टेशनरी का है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

चम्पालाल जैन सुपुत्र नेकराम जैन, १४२ कटरा मशरू, दरीबा कलाँ, देहली (देहली)

इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और पेंशनर, स्टेट्स बैंक आफ इण्डिया के हैं।

चन्द्रसेन जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, १७८२ कूंचालट्टूशाह दरीबाकलां, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए० हैं और सेण्ट्रल बैंक आफ इण्डिया में सर्विस करते है। सब लड़के,लड़की पहली से लेकर दसवी तक के छात्र हैं। मूल निवासी पुनहरा (एटा) के हैं।

छदामीलाल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, ६५५ कटरा नील, महावीरगली, देहली (देहली)
इस परिवार में सोलह व्यक्ति हैं, दस पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। सात लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। सब लड़के पहली से लेकर इण्टर तक की शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी जानते हैं ओर पेशा हलवाईगिरी का है। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, ३४२८ गली मालियान, देहलीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। पॉच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। कक्षा एक से लेकर छठवीं तक सब शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास है और जी०पी० ओ० दिल्ली में सर्विस करते हैं। मूल निवासी पानीगॉव (आगरा) के है।

जगरूपशाह जैन सुपुत्र प्रभुदयाल जैन, ५१३।११ गांधीनगर देहली-३१ (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। पॉच लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर है और पेपर मर्चेण्ट है। मूल निवासी देवखेड़ा (आगरा) के हैं।

जमुनादास जैन सुपुत्र नारायणदास जैन, ३३९७ देहलीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति है, छ पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी जानते हैं। मूल निवासी देवखेड़ा के हैं।

जम्बूदास जैन सुपुत्र भगवानदास जैन, ३३१२ देहलीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। पॉचवीं से आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख चौथी कक्षा तक शिक्षित हैं। कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी खैरगढ़ (मैनपुरी) के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, १६७ जवाहरगली, शाहदरा, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति है, चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। छठवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं पॉचवीं कक्षा तक पढ़े हैं और कमीशन एजेण्ट का कार्य करते हैं। मूल निवासी चुर्थरा (एटा) के हैं।

जयप्रकाश जैन सुपुत्र गुणधरलाल जैन, १२९३ वकीलपुरा, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। चौथी कक्षा से दसवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर पास हैं और नार्दन रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी कोटला (एटा) के हैं।

जयन्तीप्रसाद जैन शास्त्री सुपुत्र होतीलाल जैन, २१ ए० दरियागंज, देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री और साहित्याचार्य हैं और अध्यापकी का कार्य करते हैं। मूल निवासी पोंढरी (एटा) के हैं।

जयन्तीप्रसाद जैन सुपुत्र लाला मुंशीलाल जैन, २८७८ गली चहलपुरी, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। प्रथम कक्षा से लेकर नौवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आप जरी-गोटे के व्यापारी हैं।

जयचन्द जैन सुपुत्र श्रीलाल जैन, २७० गली जैन मन्दिर, शाहदरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं, दूसरी से सातवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर हैं और उत्तर रेलवे में सर्विस करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर (आगरा) के हैं।

ज्वालाप्रसाद जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, देहली (देहली)
इस परिवार में केवल दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा साधारण हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी शिकरा (मथुरा) के हैं।

जिनेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र राजबहादुर जैन, ७।३३ दरियागंज, देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। आप अविवाहित हैं और एम० काम० के छात्र हैं। अध्ययन कर रहे हैं।

जिनेन्द्रप्रकाश जैन सुपुत्र स्वर्गीय दयाशंकर जैन, ९४।७ तिमारपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं और पाँचवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए०एल-एल० बी० हैं और रेलवे सर्विस में हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

जुगुलकिशोर जैन सुपुत्र स्वर्गीय बनारसीदास जैन, ५७ नेड तिमारपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। दूसरी से लेकर छठवीं कक्षा

तक में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टरमीडिएट हैं और सरकारी सर्विस में हैं। मूल निवासी कुरगवां (आगरा) के हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र लाहौरीलाल जैन, २५७५ नं नीमवाली गली देहली (देहली)
इस परिवार मे छ व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी राजमल (एटा) के हैं।

दरबारीलाल जैन सुपुत्र कल्यानदास जैन, नाई बाड़ा देहली (देहली)
इस परिवार में उन्नीस व्यक्ति हैं, ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

देवकुमार जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, १७ कैलाश नगर देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं। प्रथम से चौथी तक की शिक्षा में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और मिष्ठान्न का व्यापार है। मूल निवासी दौहई (मथुरा) के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र डालचन्द जैन, दरीबा कलां, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति है, चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं अविवाहित हैं और दसवीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त है। पेशा हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी गढ़ीदर्रा (आगरा) के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, कूचासेठ देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०एल०टी० हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

धर्मेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र भोलानाथ जैन, १२५१ (एफ ३९६) लक्ष्मीबाई नगर, देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति है, छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए०, प्रभाकर हैं और पत्नी मिडिल पास हैं। सब लड़के प्रथम कक्षा से लेकर आठवीं तक के छात्र हैं। पेशा सर्विस। मूल निवासी देहली के हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र भीमनीराम जैन, छत्ता रोशनपुरा नईसड़क देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। शिक्षा हिन्दी और पेशा पुस्तकालय श्री वर्द्धमान जैन प्रेस धर्मपुरा नं०२३४४ देहली। मूल निवासी बरनी (एटा) के हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, २४९८ नाईवाड़ा, चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति पुरुष वर्ग में हैं। शिक्षा साधारण है और पेशा जनरल मरचेण्ट का है। मूल निवासी बावचा (एटा) के हैं।

श्रीनिवास जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, खजूरकी मसजिद देहली (देहली)
इस परिवार में एक ही व्यक्ति है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी पैडत (मैनपुरी) के है।

नेमचन्द जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, २२०७ गली भूतवाली मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। दूसरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और हलवाई का व्यापार करते है।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र फूलचन्द जैन, दरीबा कलां देहली (देहली)
इस परिवार में पन्द्रह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी गढ़ीदर्रा (आगरा) के है।

नेमचन्द जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, १४९४ गली पीपलवाली नईसड़क देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में। सात लड़की अविवाहित है। तीसरी से लेकर दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं ग्यारहवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और रेलवे बुक स्टाल कीपर है। मूल निवासी आगरा के है।

पदमसेन जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, ५९ गली खजांची चांदनी चौक, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल तक शिक्षित हैं और बर्फ का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

पदमचन्द जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, ३०१६ बनारसी भवन धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और चश्मों के व्यापारी हैं। आप मुहल्ला कल्याण समितिके मंत्री हैं और भा० कोआपरेटिव आवन थ्रैक्ट एण्ड कैडिट सोसाइटी के भी मंत्री है। मूल निवासी रामगढ़ (एटा) के हैं।

पातीराम जैन सुपुत्र ला० विहारीलाल जैन, २३४१ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। साधारण शिक्षा और परचून की दुकानदारी का व्यापार है। मूल निवासी खंजर बुजुर्ग (आगरा) के हैं।

पारसदास जैन सुपुत्र स्व० ला० पट्टूलाल जैन, ४६ सी० न्यू राजेन्द्र नगर, नई देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर पास हैं और सरकारी सर्विस में हैं। मूल निवासी जसराना (मैनपुरी) के है।

पारसदास जैन सुपुत्र द्वारकादास जैन, ३९१६ जगत सिनेमा के पास देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० है। पेशा पत्रकारी का है। जैन साहित्य सम्बन्धी अनेक पुस्तकें लिखीं और अनूदित की हैं। मूल निवासी वेरनी (एटा) के हैं।

पुत्तूलाल जैन सुपुत्र वैजनाथ जैन, ३०१६ मसजिद खजूर, धर्मपुरा, देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पारिवारिक शिक्षा प्राइमरी से लेकर बी० ए० तक की है। परिवार प्रमुख स्वयं साधारण हिन्दी पढ़े हैं और प्लास्टिक वस्तु निर्माण का व्यापार करते हैं। मूल निवासी उड़ेसर (मैनपुरी) के हैं।

प्रकाशचन्द्र जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, २३६७ छत्ताशाहजी चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में बारह व्यक्ति है, पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा दूसरी से आठवीं कक्षा तक की है। परिवार प्रमुख स्वयं नौवीं कक्षा पास है। आप पेपर मर्चेन्ट है। सार्वजनिक सेवा की अभिरुचि भी रखते हैं। मूल निवासी दिल्ली के हैं।

प्रभुदयाल जैन सुपुत्र वासुदेव जैन, धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते है। मूल निवासी सल्लगढी टेहू (आगरा) के हैं।

प्रभापचन्द जैन सुपुत्र अविनाशचन्द जैन, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं साधारण हिन्दी पढ़े हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

प्रमोदकुमार जैन सुपुत्र होरीलाल जैन, १५५७ नई सड़क देहली (देहली)
इस परिवार मे केवल एक ही व्यक्ति हैं। शिक्षा दसवीं कक्षा तक की है और आप अविवाहित हैं। ए०एम० इलेक्ट्रिक में सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के है।

प्रेमसागर जैन सुपुत्र हरसुखराय जैन, ४३५७ गली भैरों वाली, नईसड़क, देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख मैट्रिक पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मरथरा (एटा) के है।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र दम्मीलाल जैन, एफ-२।२३ माडल टाउन, देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं इण्टर हैं और पेशा सर्विस है। मूल निवासी एटा के हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, २५०६ धर्मपुरा, मसजिद खजूर, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। दूसरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और स्टेशनरी निर्माण का व्यवसाय करते हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

प्रेमचन्द जैन सुपुत्र मुरलीधर जैन, २२८५ गली पहाड़ वाली धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

बनवारीलाल जैन स्याद्वादी सुपुत्र सेवतीलाल जैन, २२०० गली भूतवाली, देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। कक्षा दूसरी से लेकर ग्यारहवीं तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं बी०ए० हैं। आपकी सामाजिक सार्वजनिक और साहित्यिक बहुत बड़ी सेवायें हैं। मूल निवासी मरथरा (एटा) के हैं।

बलदेवप्रसाद जैन सुपुत्र रिखबदास जैन, १७८२ लट्टूशाह गली, दरीबाकलां, देहली (देहली)
इस परिवारमें आठ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और होटल का व्यापार करते हैं। मूल निवासी बांदा (उत्तरप्रदेश) के हैं।

बंगालीलाल जैन सुपुत्र चन्द्रसेन जैन, २४९८ नाईवाड़ा, चावड़ी बाजार, देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। तीन लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हाईस्कूल पास है और सेल्समैन का कार्य करते है। मूल निवासी कल्याणगढ़ी (आगरा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, २१८६ मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पहली कक्षा से लेकर पाँचवीं तक

बालक पढ़ रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और खोमचे का व्यापार करते हैं। मूल निवासी सराय नूरमहल (आगरा) के हैं।

बाबूराम जैन सुपुत्र लटूरीराम जैन, धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। परिवार प्रमुख प्राइमरी तक पढ़े हैं और हलवाईगिरी का कार्य करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

बिटोलादेवी जैन पत्नी रामचन्द्र जैन, २३४१ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। तीसरी से लेकर आठवीं तक सब शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। पुत्र तिलोकचन्द्र उर्फ महावीरप्रसाद मिडिल तक शिक्षा प्राप्त हैं और जनरल मर्चेंट का व्यापार करते हैं। सार्वजनिक कार्यों में अभिरुचि रखते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

बिमलकिशोर जैन सुपुत्र वृन्दावनदास जैन, २२३९ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा सातवीं तक है। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं तक शिक्षित हैं और गल्ला तथा परचून का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

भभूतीलाल जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, गली दरजीवाली म० नं ३००५ देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा हलवाई का व्यापार है। मूल निवासी पैंडत (मैनपुरी) के हैं।

भागचन्द जैन सुपुत्र सोनपाल जैन, २४९८ नाई बाड़ा चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति है, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। दूसरी से छठवीं कक्षा तक शिक्षा पा रहे हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक, शास्त्री, न्यायतीर्थ और साहित्यरत्न हैं। सर्विस में कैशियर के पद पर हैं। सार्वजिनक कार्यकर्त्ता हैं। मूल निवासी सरनऊ (एटा) के हैं।

भोलानाथ जैन सुपुत्र अयोध्याप्रसाद जैन, १५३४ कूंचा सेठ देहली (देहली)
इस परिवार मे ग्यारह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा दूसरी से इण्टर तक की है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और बुकसेलर तथा प्रिण्टर हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

भोलानाथ जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, दरजीवाली गली २९९८ मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में पाँच व्यक्ति है, दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक

लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है। पुत्री वीनाकुमारी एम०एल०टी० ट्रेनिंग में है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और दलाली का व्यापार करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

मटरूमल जैन सुपुत्र लालाराम जैन, दरीबाकलां देहली (देहली)
इस परिवार में सोलह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। पुत्री सन्तोकुमारी दसवीं कक्षा में है और सब निम्न कक्षाओं में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और हलवाईगिरी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी तिखातर (एटा) के हैं।

मथुरादास जैन सुपुत्र रामलाल जैन, ३७ दरियागंज देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग मे तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़की अविवाहित हैं। इस परिवार में एम०एस०सी,०बी०टी०, एम० ए०, बी०ए० और दसवीं तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं एम०ए० हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी वेरनी (एटा) के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र वृन्दावनदास जैन, २२३९ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग मे तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा प्रथम से लेकर आठवीं कक्षा तक है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल तक पढ़े हैं और दुकानदारी परचून की है। मूल निवासी दिल्ली के हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, २२४१ गली पहाड़वाली धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, सात पुरुष वर्ग मे तथा छ स्त्री वर्ग मे। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। प्राइमरी से लेकर सातवीं कक्षा तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और होटल का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

महावीरप्रसाद जैन सुपुत्र नैनसुखदास जैन, ३४२४ दिल्ली गेट, देहली (देहली)
इस परिवारमें बारह व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्गमें। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। चौथी से लेकर बी० ए० तक शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं। सराफे का व्यापार करते हैं। पद्मावती पुरवाल पंचायत और मंडल कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। मूल निवासी वेरनी के हैं।

महिपाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, २७२० छत्ताप्रतापसिंह, किनारी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं. तीन पुरुष वर्ग मे तथा छ स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। परिवार में दूसरी से लेकर बी० ए० तक

तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख प्राइमरी पास हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, १७७४ कूचा लट्टूशाह दरीबाकलां देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार में प्राइमरी से लेकर नौवीं कक्षा तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और बिजली के सामान के व्यापारी हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र लक्ष्मणदास जैन, यूसुफ सराय देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण है। परिवार प्रमुख मिडिल पास हैं। पेशा दुकानदारी है और मूल निवासी बरहन (आगरा) के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, ३३५ दिल्ली गेट, देहली (देहली)
इस परिवार मे चार व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा प्राइमरी तक है। परिवार प्रमुख मिडिल तक पढ़े हैं और सर्विस करते है। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी हेरमी (एटा) के हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, ३३१२ देहली गेट, देहली (देहली)
इस परिवारमें नौ व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। पाँचवीं से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और कपड़े की दुकानदारी का व्यवसाय है। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी देवा (मैनपुरी) के हैं।

महेशचन्द्र जैन सुपुत्र पुत्तूलाल जैन, २४९८ नाईवाड़ा चावड़ी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति है, एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। शिक्षा साधारण है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और उत्तर रेलवे में सर्विस करते हैं।

माणिक्यचन्द्र जैन सुपुत्र बंगालीलाल जैन, दरियागंज देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति है। बी० एस० सी० तक की शिक्षा है और सरकारी सर्विस मे है। मूल निवासी कोटला (फिरोजाबाद) के हैं।

मुन्नीलाल जैन सुपुत्र चेनीराम जैन, ३७६८ कूचा परमानन्द, फैज बाजार, देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार में किंडरगार्डन से

लेकर बी० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख प्राइमरी तक शिक्षित हैं और हलवाई का व्यापार है। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी उड़ेसर (एटा) के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र नैनसुखदास जैन, ३४२४ देहली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा आठवीं तक। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख मिडिल पास हैं और सराफे का व्यापार करते हैं। पद्मावती पुरवाल सभा, दिल्ली के सदस्य भी है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र फूलचन्द्र जैन, दरीबा कलाँ, देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। एक लड़का प्रकाशचन्द्र बी० ए० फाइनल में है, अन्य प्राइमरी में हैं। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और हलवाई का व्यापार करते हैं। मूल निवासी गढ़ीहरी के हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र फकीरचन्द्र जैन, २५४० नाईवाड़ा चावड़ी बाजार, देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। छठवीं से लेकर ग्यारहवीं कक्षा तक पारिवारिक शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं कक्षा पास हैं और किराने का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र छदामीलाल जैन, १७८२ कूचा लट्टूशाह दरीबाकलाँ देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। पत्नी मिडिल हैं और परिवार प्रमुख बी० काम० सरकारी सर्विस में हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता हैं। मूल निवासी बाँदा के हैं।

रत्नचन्द्र जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, जेठमल का कूचा, दरीबा कलाँ देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख छठवीं कक्षा तक पढ़े हैं और साइकिल मरम्मत का व्यापार करते हैं। मूल निवासी (एटा) के हैं।

राजकिशोर जैन सुपुत्र जमुनादास जैन, दिल्ली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार में पाँचवीं से लेकर मैट्रिक तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और रेस्टारेन्ट का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

राजनलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक

लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है। मूल निवासी वैत (मैनपुरी) के हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, ४४ सी० लाइन, दिल्ली क्लोथ मिल्स देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख नवीं कक्षा पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

राजबहादुर जैन सुपुत्र पातीराम जैन, ४३९ बी० भोलानाथ नगर, शाहदरा देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं बी. कॉम. है और उत्तर रेलवे में सर्विस करते है। मूल निवासी कुरगवॉ (आगरा) के हैं।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र रोशनलाल जैन, २२५० गली पहाड़वाली धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास है और ठेकेदारी का व्यापार करते हैं। मूलनिवासी सखावतपुर (आगरा) के हैं।

रामचन्द्र जैन सुपुत्र बंगालीदास जैन, २३६७ चावड़ी बाजार, देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में। चार लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास है और सर्विस करते हैं। सार्वजनिक, सामाजिक कार्यकर्ता भी है। मूलनिवासी स्थानीय है।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र स्व० गनपतराय जैन, १७२८ चीराखाना देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा आठवीं कक्षा तक है। परिवार प्रमुख स्वयं प्राइमरी तक शिक्षित हैं और जनरल मर्चेन्ट का व्यापार करते हैं। मूलनिवासी एत्मादपुर (आगरा) के हैं।

राजेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, २४।५ व्यास मार्ग शक्तिनगर देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति है, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़की तथा एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी और पेशा सर्विस है। मूल निवासी एटा के हैं।

राजेशबहादुर जैन सुपुत्र लालबहादुर शास्त्री, बी० ८।८ कृष्णा नगर देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति है, एक पुरुष वर्ग तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा इण्टर और मिडिल तक की है। परिवार प्रमुख सर्विस में कोषाध्यक्ष के पद पर हैं। मूलनिवास पमारी (आगरा) के है।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र कुँवरलाल जैन, गली पहाड़वाली देहली (देहली)
इस परिवार में तेरह व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है। शिक्षा हिन्दी है और पेशा सर्विस का है। मूल निवासी जिरखमी (एटा) के हैं।

रामस्वरूप जैन सुपुत्र बुद्धसेन जैन, २२०४ गली भूतवाली, मसजिद खजूर देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा साधारण और पेशा खोमचागिरी का है। मूल निवासी अहारन के है।

रामप्रसाद जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और किराने का व्यापार करते है। मूल निवासी सरायनीम (एटा) के हैं।

लटूरीप्रसाद जैन सुपुत्र द्वारकाप्रसाद जैन, गली भूतवाली म० नं० २२०३ देहली (देहली)
इस परिवार में ग्यारह व्यक्ति है, छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े है और व्यापार करते हैं। मूल निवासी सैमरा (आगरा) के है।

लक्ष्मीचन्द जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, २३६ जेड-तिमारपुर देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा प्रथम से लेकर नवीं कक्षा और इंजीनियरिंग तक के विद्यार्थी है। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं कक्षा पास हैं और रेलवे सर्विस में है। मूल निवासी मथुरा के हैं।

लालचन्द जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, ३३१२ दिल्लीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और दिल्ली नगर निगम में सर्विस करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

वज्रसेन जैन सुपुत्र मेवाराम जैन, २८७८ गली चहलपुरी, किनारी बाजार देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति है, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

विनोदीलाल सुपुत्र बोहरेलाल जैन, २५२३ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति है, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। शिक्षा साधारण है और पेशा दुकानदारी है। मूल निवासी जौंधरी (आगरा) के है।

विनोदप्रकाश जैन सुपुत्र अमृतलाल जैन, बी० ४८ रघुवरपुरा गांधीनगर देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति है, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में।

परिवार प्रमुख छठीं कक्षा तक पढ़े हैं और व्यापार करते है। मूल निवासी अवागढ (एटा) के हैं।

वीरेन्द्रप्रसाद जैन सुपुत्र गजाधरलाल जैन, प्रेमनिवास ९२३ दरियागंज देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति है, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। कक्षा एक से लेकर दसवीं तक के छात्र है। परिवार प्रमुख स्वयं एफ०ए० हैं और घी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी शिकोहाबाद (मैनपुरी) के हैं।

सतीशचन्द्र जैन सुपुत्र हरसुखराम जैन, ४०।१७ शक्तिनगर, देहली ६ (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। सातवी से इण्टर तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं दसवीं कक्षा पास हैं और केन्द्रीय आकाशवाणी की सर्विस में हैं। मूल निवासी मथेरा (एटा) के हैं।

सत्यन्धरकुमार जैन सुपुत्र शंकरलाल जैन, ६४ मोतीबाग सराय रोहिल्ला देहली (देहली)
इस परिवार में चौदह व्यक्ति हैं, आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्राइमरी से लेकर मैट्रिक तक है। परिवार प्रमुख स्वयं बी० ए०, बी० काम० हैं और रेलवे में सर्विस करते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। मूल निवासी कुरगवां (आगरा) के हैं।

सुखवासीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, नाईवाड़ा देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी और पेशा व्यापार है।

सुखानन्द जैन सुपुत्र ला० उमरावसिंह जैन, १८।६३ मोतीबाग देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री हैं और सर्विस में हैं। सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। मूल निवासी कुरगवाँ (आगरा) के है।

सुनहरीलाल जैन सुपुत्र ला० श्यामलाल जैन, ३३१२ दिल्ली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक ही व्यक्ति हैं। हलवाईगिरी का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

डा० सुमतिचन्द जैन सुपुत्र पं० नृसिंहदास जैन, जे. ११।४१ राजोरी गार्डन, देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति है, पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। चार लडके तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा छठवीं से लेकर इन्टर तक है। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० एल० टी० पी० एच० डी० हैं। सरकारी शिक्षा विभाग के अधिकारी हैं। मूल निवासी ज्यावली (आगरा) के हैं।

सुरेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र ला० बुद्धसेन जैन, ब्लाक नं० ८६ म० १।१६ शक्तिनगर देहली (देहली)
इस परिवार में सात व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है। दो भाई एम० ए० है और परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए०,बी० टी० हैं। कार्य अध्यापन का करते हैं। मूल निवासी अहारन (आगरा) के है।

सुलेखचन्द जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, २३१२ दिल्ली गेट देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। प्राइमरी से लेकर मिडिल तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास है और उत्तर रेलवे में सर्विस करते है। मूल निवासी स्थानीय है।

सूरजप्रसाद जैन सुपुत्र बनारसीदास जैन, २४९८ नाई वाड़ा धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और दिल्ली नगर निगम की सर्विस में हैं। मूल निवासी एटा के है।

सूरजभान जैन सुपुत्र उग्रसेन जैन, ९९५।२१६ ए० कैलाशनगर देहली (देहली)
इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में। दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण है। परिवार प्रमुख स्वयं आठवीं कक्षा तक पढ़े है। सर्विसका कार्य करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र रामचन्द्र जैन, गुरुद्वारा रोड, गांधी नगर देहली (देहली)
इस परिवार में चार व्यक्ति है, दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण है। परिवार प्रमुख छठवीं कक्षा तक पढ़े है और कपड़े का व्यापार करते है। मूल निवासी पानी-गांव (आगरा) के हैं।

सन्तकुमार जैन सुपुत्र ला० चंपाराम जैन, ३३६८ गंदा नाला, मोरीगेट देहली (देहली)
इस परिवार में बारह व्यक्ति हैं, छ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। पूरे परिवार में प्राइमरी से लेकर मैट्रिक तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं शास्त्री है और सैंट्रल बैंक आफ इंडिया की सर्विस में हैं। सार्वजनिक कार्यकर्ता भी हैं। मूल निवासी सकरौली (एटा) हैं।

पं० शिखरचन्द जैन सुपुत्र सुखलाल जैन, २५१६ धर्मपुरा देहली (देहली)
इस परिवार में केवल एक व्यक्ति हैं। अविवाहित हैं और स्वयं शास्त्री हैं। सर्विस का कार्य करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर (आगरा) के हैं।

शीतलप्रसाद जैन सुपुत्र द्वारिकादास जैन, १४१२ जामा मसजिद देहली (देहली)
इस परिवार में नौ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। परिवार में प्राइमरी से मैट्रिक तक शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं और हलवाई की दुकानदारी है। मूल निवासी जौदरी (एटा) के हैं।

श्रीचन्द जैन सुपुत्र पं० कंचनलाल जैन, सतघरा देहली (देहली)
इस परिवार में सोलह व्यक्ति हैं, सात पुरुष वर्गमें तथा नौ स्त्री वर्ग में। तीन लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्राथमिक से कर बी० ए० तक है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मरसैना (आगरा) के हैं।

श्रीप्रकाश जैन सुपुत्र तहसीलदार जैन, १७२८ चीरा खाना देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और साड़ियों का व्यापार करते हैं। मूल निवासी स्थानीय हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र मुन्नीलाल जैन, २२५३ गली पहाड़वाली देहली (देहली)
इस परिवार में दस व्यक्ति हैं, पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। चार लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर छठीं तक है। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल पास हैं और जनरल मर्चेन्ट हैं।

श्रीलाल जैन सुपुत्र कंचनलाल जैन, १७७४ कूचा लद्दूशाह दरीबा कलां देहली (देहली)
इस परिवार में आठ व्यक्ति हैं, चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। एफ० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख नवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और बिजली सामान के व्यापारी हैं। मूल निवासी मरसैना (आगरा) के हैं।

हरीशचन्द्र जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, देहली (देहली)
इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख मिडिल पास हैं और चूड़ी का व्यापार करते है। मूल निवासी अहारन (आगरा) के हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र हुण्डीलाल जैन, २३७।३ रघुवरपुरा गांधीनगर देहली (देहली)
इस परिवार में दो व्यक्ति हैं, एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। परिवार प्रमुख स्वयं इन्टर पास हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

हुकुमचन्द जैन सुपुत्र सेतीलाल जैन, ३२० दिल्ली गेट देहली (देहली)

इस परिवार में तेरह व्यक्ति है, आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। प्रथम से लेकर बी० ए० तक की शिक्षा है। परिवार प्रमुख स्वयं चौथी कक्षा तक पढ़े है और व्यापार करते है।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र चम्पाराम जैन, गली पहाड़वाली देहली (देहली)

इस परिवार में उनतीस व्यक्ति हैं, सोलह पुरुष वर्ग में तथा तेरह स्त्री वर्ग में। बारह लड़के तथा नौ लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा हिन्दी है। परिवार प्रमुख स्वयं हिन्दी पढ़े हैं और किराना मर्चेन्ट है। मूल निवासी सरायनीम (एटा) के हैं।

हुण्डीलाल जैन सुपुत्र कल्याणदास जैन, ५३३।२३ ए० गांधीनगर देहली (देहली)

इस परिवार में छ व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में। दो लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं नवीं कक्षा पास हैं और रेडीमेड वस्त्रोंके व्यापारी हैं। मूल निवासी टीकरी (आगरा) के हैं।

होरीलाल जैन सुपुत्र मुंशीलाल जैन, ९९५।२०८ गली नं० ६ कैलाशनगर देहली (देहली)

इस परिवार में तीन व्यक्ति हैं, दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा छठी तक है। कपड़े का व्यापार होता है। मूल निवासी एटा के है।

●

श्री भगवतस्वरूपजी जैन 'भगवत', फरिहा

स्व०श्री ला०मुरारीलालजी जैन,शिकोहाबाद

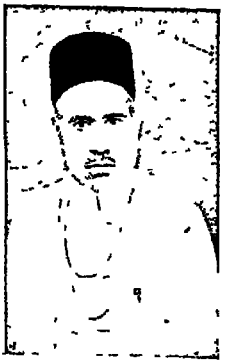

स्व० श्री पं० निवासजी शास्त्री
कलकत्ता

श्री पं० शिवसुखरायजी जैन शास्त्री,
मारोठ

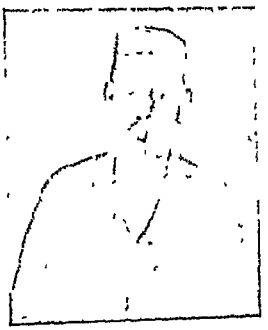

श्री बा० सॉबलदास जी जैन
कुतुकपुर

श्री कमलकुमारीजी जैन
अध्यक्ष-जैन समाज, अवागढ

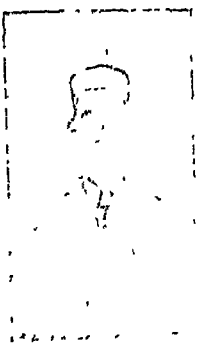

श्री लाला कंचनलालजी जैन रईस
कुतुकपुर

श्री जिनवरदासजी जैन
एम.ए. पी-एच.डी.. लखनऊ

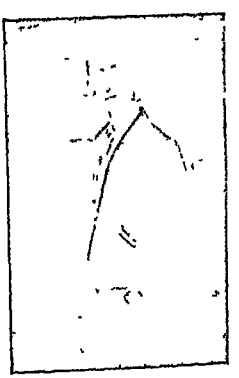

श्री डा० अशोककुमारजी जैन
एच.एम.. डी.एस.. वरहन

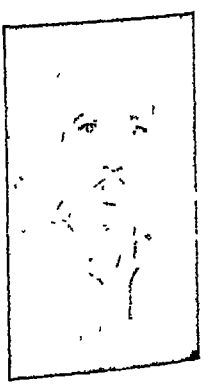

श्री मणीन्द्रकुमारजी जैन

बिहार प्रान्त

●

कान्तीस्वरूप जैन सुपुत्र बाबूराम जैन, १८ शीतला माता बाजार इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा चौदह स्त्री वर्ग में कुल पचास सदस्य हैं। दो लड़के तथा छ लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और पुस्तक विक्रेता हैं। मूल निवासी एटा के हैं।

चन्द्रसैन जैन सुपुत्र लाहोरीलाल जैन, छोटी ग्वाल टोली इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी रीवाँ के हैं।

छोटेलाल जैन सुपुत्र नैनपाल जैन, मारोठिया बाजार इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग मे तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओ मे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सखावतपुर के हैं।

जयकुमार जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, जँवरीबाग इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार मे छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य है। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं मे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एफ० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कुतकपुर (आगरा) के हैं।

जयमालादेवी जैन, इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में दो सदस्य स्त्री वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख मध्यमा मैट्रिक तक शिक्षित हैं और अध्यापिका हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद की हैं।

दिवाकर जैन, सोंधी मुहल्ला ४ जेल रोड इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख दस श्रेणी तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी नागपुर (महाराष्ट्र) के हैं।

देवचन्द्र जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, भोपाल कम्पाउण्ड नसिया रोड इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित है और सर्विस करते हैं। मूल निवासी रीवाँ (आगरा) के हैं।

देवेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मुन्शीलाल जैन, इन्द्रभवन इन्दौर (इन्दौर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग मे तथा पाँच स्त्री वर्ग मे कुल आठ सदस्य

वाबूलाल जैन सुपुत्र किशनलाल जैन, वागमलजी की वाखल भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

वाबूलाल जैन सुपुत्र गुलराज जैन, गुलराज वाबूलालजी का मकान भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित हैं तथा प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी वेरछा के हैं।

वाबूलाल जैन सुपुत्र त्रिलोकचन्द जैन, इतवारी भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की वाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और दुकानदारी करते हैं। मूल निवासी निपानीया के हैं।

वाबूलाल जैन सुपुत्र राधेलाल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा सर्विस करते है। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

वाबूलाल जैन सुपुत्र ताराचन्द जैन, भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी खरसोदा के हैं।

वाबूलाल जैन सुपुत्र हेमराज जैन, इतवारा कोतवाली रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख व्यापार करते हैं। मूल निवासी दिवड़िया के हैं।

वाबूलाल जैन सुपुत्र किशनलाल जैन, चौक जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक एवं धर्म-विशारद तक शिक्षित हैं। मूल निवासी जामनेर के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र ताराचन्द जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी बरनावद (राजगढ) के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर मण्डी के हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, मधुसूदनमहाराज का मकान चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी बमूलिया के हैं।

भँवरलाल जैन सुपुत्र हेमराज जैन, चौक गली भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

भँवरलाल जैन सुपुत्र बाबलराम जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तलैन (राजगढ) के है।

मगनलाल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, हवामहल रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० एवं प्रभाकर तक शिक्षित हैं तथा राजकीय सर्विस में हैं। मूल निवासी इच्छावर (सीहोर) के है।

मदनलाल जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, शकूरखाँ की मस्जिद के पास भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की बाल्यावस्था में है और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी शुजालपुर मण्डी के है।

मन्नूलाल जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। एक लड़की अविवाहित है तथा शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोठरी के हैं।

भानमल जैन सुपुत्र उम्मेदमल जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी नरायल के हैं।

मानकचन्द जैन सुपुत्र रखवलाल जैन, विरामपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी रनायल (शाजापुर) के हैं।

मॉगीलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, वागमल जैन की वाखल इतवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित है और मसाले की दुकान करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

मॉगीलाल जैन सुपुत्र सेजमल जैन, वागमल की वाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन एवं इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी जावर के हैं।

मॉगीलाल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, अशोक जैन भवन मंगलवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है। मूल निवासी निशाना (निकट आकोदियामण्डी) के हैं।

मॉगीलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, गूजरपुरा गली नं.३ भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

मॉगीलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, पीरगेट भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी आष्टा (सीहोर) के हैं।

मिट्ठूलाल जैन सुपुत्र छगनलाल जैन, चिन्तामन का चौराहा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं।

एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा मनिहारी की दुकान करते है। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

मिश्रीलाल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, इब्राहीमपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र देवबक्स जैन, श्वेताम्बर जैन मन्दिर के पास इतवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओ में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और सर्विस करते हैं। मूल निवासी तिलावद (शाजापुर) के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, श्वेताम्बर जैन मन्दिर रोड चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र किशोरीलाल जैन, मारवाड़ी रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग मे कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, चिन्तामन चौराहा मारवाड़ी रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं मे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित है तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी आरिया के हैं।

मोतीलाल जैन, सुपुत्र हीरालाल जैन, आमला भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख किराना का व्यवसाय करते है। मूल निवारी शुजालपुर के हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार मे एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है।

परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा ट्रान्सपोर्ट में सर्विस करते हैं। मूल निवासी सन्दलपुर (देवास) के हैं।

मोहनलाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी पड़ामाय के हैं।

रखबचन्द जैन सुपुत्र गप्पूलाल जैन, मंगलवारा थाने के सामने भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते है। मूल निवासी तलैन (राजगढ़) के है।

रखबलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते है। मूल निवासी धनखेड़ी के हैं।

रखबलाल जैन सुपुत्र नन्नूमल जैन, सराफा चौक भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा परचून की दुकान करते हैं। मूल निवासी इच्छावर (सीहोर) के है।

रखबलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, इलाहाबाद बैंक के सामने भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा सर्विस करते है। मूल निवासी दीवड़िया (सीहोर) के है।

रतनबाई जैन धर्मपत्नी राजमल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

रणवीरप्रसाद जैन सुपुत्र बद्रीप्रसाद जैन, काजीपुरा के मकान में भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित है और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सिकन्दरा राज (मैदामई) के है।

राजमल जैन सुपुत्र रतनलाल जैन, कृष्ण-भवन काजीपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और सर्विस करते हैं। मूल निवासी कड़वाला के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र बोदरमल जैन, इमलीवाली गली भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भौरा इलाईमाता (सीहोर) के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और किराना का व्यापार करते है। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

राजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र रामस्वरूप जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते है। मूल निवासी घिरोर के हैं।

रूपचन्द जैन सुपुत्र कोदरमल जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित है और सर्राफा का व्यवसाय करते है। मूल निवासी आष्टा के है।

लखमीचन्द जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, कृष्ण भवन, काजीपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्गमें कुल आठ सदस्य है। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्रथम से लेकर आठवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख दसवी कक्षा तक शिक्षित है और सर्विस करते हैं। मूल निवासी शुजालपुर के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, गोपाल भवन, जुमेराती बाजार भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग मे कुल तीन सदस्य है। परिवार प्रमुख मैट्रीकुलेट हैं और व्यापार जनरलमर्चेन्ट का है। एक पुत्र अविवाहित है। मूल निवासी भोपाल के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवारमें चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। शिक्षा साधारण है। तीन लड़के अविवाहित हैं। व्यापार दुकानदारी का है। मूल निवासी लसुडलिया धोलपुर के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, घोड़ा नक्कास भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। शिक्षा प्राथमिक से लेकर नवीं कक्षा तक है। एक लड़का और चार लड़की अविवाहित हैं और सर्विस व्यवसाय है। मूल निवासी सन्दलपुर के हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, वागमल जैन की बाखल भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा साधारण है। एक पुत्री अविवाहित है। व्यवसाय मसाले का है। मूल निवासी तिलवाद के हैं।

वसन्तीलाल जैन सुपुत्र सागरमल जैन, इतवारा रोड, भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। शिक्षा प्रथम से पाँचवीं कक्षा तक की है। चार लड़के अविवाहित हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं। पद्मावती पुरवाल संस्था के सदस्य तथा आदर्श सहकारी समितिके सेक्रेटरी भी हैं।

विपिनचन्द्र जैन सुपुत्र विजयचन्द्र जैन, कार्टर नं० २७, पिपलानी भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में आप और आपकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रीकुलेट (डिप्लोमा इन्स्ट्रूमेन्ट मेकनिकल) हैं और आपकी पत्नी भी मैट्रिकुलेट तथा विद्याविनोदिनी पास है। पेशा सर्विस (लीडिंग आर्टिकल) का है। मूल निवासी कुतकपुर (आगरा) के हैं।

सज्जनकुमार जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, १।२० साउथ टी० टी० नगर भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। परिवार प्रमुख बी० ए० पास है। शासकीय सेवा में स्टेटिस्टिफल असिसेन्ट (सर्विस) हैं। मूल निवासी एत्मादपुर (आगरा) के है।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, रमेश भवन मारवाड़ी रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। पुत्र रमेशकुमार ग्यारहवीं कक्षा पास हैं। दो लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। व्यापार किराना और गल्ले का है। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

सुमतलाल जैन सुपुत्र पूनमचन्द जैन, रखवलालजी का मकान भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में आप और आपकी धर्मपत्नी कुल दो ही सदस्य हैं। शिक्षा साधारण और सर्विस का व्यवसाय है। मूल निवासी अमलार के हैं।

सुहागमल जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, श्रीपाल जैन का मकान अड्डा सुजेवां भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। शिक्षा साधारण है। दो लड़के अविवाहित है। पेशा व्यापार का है। मूल निवासी सीहोर के हैं।

सुहागमल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, अड्डा सुजेवां शक्कर मण्डी भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग मे तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण और पेशा व्यापार किराने का है।

सुहागमल जैन सुपुत्र उम्मेदमल जैन, ईशनारायण काजीपुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। शिक्षा एक से लेकर पॉचवीं तक है। पेशा व्यापार है। चार लड़के और दो लड़की अविवाहित है। मूल निवासी सीहोर के है।

सुहागमल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा में एक पुत्र इण्टर है और पुत्र वधू सरोजकुमारी मैट्रिक पास हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मिडिल तथा अन्य विभिन्न कक्षाओं में पढ रहे हैं। सामाजिक क्षेत्र के प्रमुख कार्य-कर्ता हैं। पद्मावती पुरवाल कमेटी के सभापति भी रह चुके है। पेशा किराने का व्यापार है। मूल निवासी स्थानीय हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र छीनरमल जैन, गूजरपुरा गली नं० ३ भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। एक लड़का तथा चार लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा एक से लेकर पॉचवीं तक है। परचून का व्यापार है। मूल निवासी कोठड़ी (सीहोर) के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण और पेशा सर्विस का है। मूल निवासी दीवड़िया के हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र बालमुकुन्द जैन, अड्डा पंजेस श्रीपाल का मकान भोपाल (भोपाल)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य

हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा आठवीं तक है। पेशा सर्विस तथा टेलरिंग का है। मूल निवासी गढ़वाल के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, ललवानी सा० की गली भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर छठवीं कक्षा तक की है। पेशा सर्विस का है। मूल निवासी निशाना के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र हजारीमल जैन, पीरगेट बाहर भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं। पुत्र बाबूलाल इन्टर पास हैं अन्य छवीं कक्षा तक पढ़ रहे हैं। पेशा सर्विस है। मूल निवासी सतपीपल्या के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, लखेरापुरा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा कुछ नहीं। धंधा शारीरिक श्रम है।

सौभाग्यमल जैन सुपुत्र डालचन्द जैन, जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा तीसरी से लेकर छठी तक की है। पेशा सर्विस का है। मूल निवासी बोरदी के हैं।

सौभाग्यमल जैन सुपुत्र देवचन्द जैन, गूजरपुरा, गली नं.३ भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा साधारण और पेशा दुकानदारी का है। मूल निवासी सीहोर के हैं।

सौभाग्यमल जैन सुपुत्र बालमुकुन्द जैन, सौभाग्यसदन ३६ भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा पाँचवीं से लेकर आठवीं तक की है। व्यापार ट्रान्सपोर्ट सर्विस का है। सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। मूल निवासी भोपाल के ही हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र छगनलाल जैन, बागमल जैन की बाखल भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक हैं, भाई वसन्तीलाल भी मैट्रिक हैं। अन्य विभिन्न कक्षाओं के छात्र छात्राएँ हैं। पेशा सर्विस का है। मूल निवासी बोड़ा के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र राजमल जैन, इतवारा, मसजिद के सामने भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। शिक्षा साधारण और व्यापार परचून का है। मूल निवासी सीहोर के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, चिन्तराम चौराहा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण और धंधा सर्विस का है। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र भँवरलाल जैन, बागमल जैन की बाखल भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में पती-पत्नी दो ही सदस्य है। शिक्षा साधारण और धंधा सर्विस (मुनीमी) का है। मूल निवासी लोमन के हैं।

श्रीकमल जैन सुपुत्र सेजमल जैन, इन्कम टैक्स वकील जैन मन्दिर रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य हैं। परिवार प्रमुख स्वयं एम० ए० बी० कॉम० एल० एल० बी० हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। भूत पूर्व मंत्री पद्मावती पुरवाल मित्र सभा वर्तमान दि० जैन पंचायत कमेटी के सदस्य हैं। मूल निवासी इच्छावर के है।

श्रीमल जैन सुपुत्र हजारीमल जैन, घोड़ा नक्कास रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पॉच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य है। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण है और व्यापार किराने का है। मूल निवासी भोपाल के हैं।

श्रीमल जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, लोहा बाजार भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। एक लड़की अविवाहित है। परिवार प्रमुख स्वयं मैट्रिक पास हैं। पेशा सर्विस है। मूल निवासी सीहोर के हैं।

सिरेमल जैन सुपुत्र केशरीमल जैन, रोसलेवाले ललवानी साहब की गढ़ी भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में केवल आप ही हैं और अविवाहित हैं तथा बी० काम० (सेकेण्ड ईयर) में हैं। मूल निवासी रोसला के हैं।

हजारीलाल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, सोमवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है। शिक्षा साधारण और व्यापार किराने का है। मूल निवासी जामनेर के हैं।

हस्तीमल जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, ललवानी गली भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा साधारण और व्यापार किराने का है। मूल निवासी भोपाल के है।

हीरालाल जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन, जुमेराती गुड़ बाजार भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर सातवीं कक्षा तक है। व्यवसाय गुड़ का है। मूल निवासी खरदौन के हैं।

हेमराज जैन सुपुत्र गनपतलाल जैन, बागमल की बाखल, इतवारा रोड भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में आप स्वयं ही हैं। मूल निवासी दीवड़िया के है।

हेमराज जैन सुपुत्र छोगमल जैन, इतवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है। शिक्षा साधारण और पेशा सर्विस का है। मूल निवासी अकोदियामण्डी के हैं।

हेमराज जैन सुपुत्र ताराचन्द जैन, मंगलवारा भोपाल (भोपाल)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं। शिक्षा प्रथम से लेकर सातवीं कक्षा तक और पेशा सर्विस का है। मूल निवासी बरनावद (राजगढ) के हैं।

●

जिला-रतलाम
नगर-रतलाम

गजेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र श्रीनिवास जैन, तोपखाना रतलाम (रतलाम)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा चूड़ियों का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद के हैं।

जगदीशचन्द्र जैन सुपुत्र बाबूलाल जैन, चाँदनी चौक रतलाम (रतलाम)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्गमें कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इन्टर तक शिक्षा प्राप्त हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी मुहम्मदाबाद (आगरा) के हैं।

सन्तलाल जैन सुपुत्र ज्योतिप्रसाद जैन, रतलाम (रतलाम)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और चूड़ियों का व्यवसाय करते हैं।

●

जिला-राजगढ़
गाँव-उदनखेड़ी

पन्नालाल जैन सुपुत्र केसरीमल जैन, उदनखेड़ी (राजगढ़)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं।

गाँव-पाडल्या (राजगढ़)

चान्दमल जैन सुपुत्र गट्टूलाल जैन, पाडल्या (राजगढ)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख भोजनालय का कारोबार करते हैं। मूल निवासी पाडल्या के हैं।

गाँव-मगराना (राजगढ़)

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, मगराना (राजगढ़)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है तथा प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मगराना के ही हैं।

गाँव-व्यावरा मांडू (राजगढ़)

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र भूरालाल जैन, व्यावरा मांडू (राजगढ़ व्यावरा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी व्यावरा मांडू ही के हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र भूरालाल जैन, व्यावरा मांडू (राजगढ व्यावरा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी व्यावरा मांडू के हैं।

गाँव-सराली (राजगढ़ व्यावरा)

भागीरथमल जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन, सराली (राजगढ़ व्यावरा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं।

गाँव-सारंगपुर (राजगढ़)

कमलकुमार जैन सुपुत्र मुकुन्दराम जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख इण्टर तक शिक्षा प्राप्त हैं तथा अध्यापन कार्य करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

केसरीमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख आठवीं कक्षा तक शिक्षित है और सर्विस करते है। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

कोमलचन्द जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षा प्राप्त है और कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी मखावद के हैं।

गजराजमल जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और कटलरी की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, गांधी चौक सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख वैद्यक करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

दुलीचन्द जैन सुपुत्र कस्तूरचन्द जैन, सर्राफ सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में ग्यारह पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल उन्नीस सदस्य हैं। आठ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न

श्री शिवकुमार जी जैन, शिवपुरी

श्री प्रकाशचन्द्रजी जैन 'अमेय' बी.ए.एल.टी,
साहित्यरत्न, जलेसर

श्री जीवेन्द्रकुमारजी जैन
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट, फतेहपुर

श्री मधु जैन एम.कॉम., एम.एस-
भोपाल

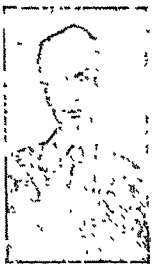

श्री पुष्पेन्द्रकुमारजी जैन, एटा

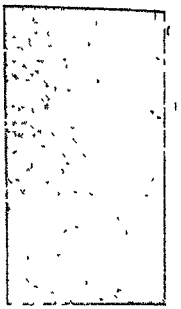

श्री विजयचन्दजी जैन, शिकोहाबाद

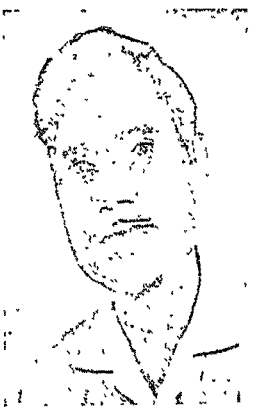

स्व० श्री सतोशचन्द्रजी जैन, मोरेना

श्री देवसेनजी जैन, आगरा

श्री महावीरप्रसादजी जैन, राजाकाला

कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्राफा की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य है। परिवार प्रमुख विशारद तक शिक्षित है तथा किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र केसरीमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के तथा पॉच लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र गजराजमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सर्विस एवं कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी सीहोर के हैं।

मगरुलाल जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, सारंगपुर (राजगढ)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य है। चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख पॉच कक्षा तक शिक्षा प्राप्त है और किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

महेन्द्रकुमार जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य है। चार लड़के तथा पॉच लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा सर्राफा का व्यवसाय करते है। मूल निवासी सारंगपुर के ही है।

मॉगीलाल जैन सुपुत्र मथुरालाल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा कृषिकार्य करते है। मूल निवासी सारंगपुर के ही है।

राजमल जैन सुपुत्र गनपतराय जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा

प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं तथा किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, सारंगपुर (राजगढ़)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी सारंगपुर के ही हैं।

●

जिला-रायचूर
गाँव-मुनीराबाद

यशोधर जैन सुपुत्र वंशीधर जैन, मुनीराबाद (रायचूर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी बेरनी के हैं।

●

जिला-रायसैन
गाँव-रायसैन

लाभमल जैन सुपुत्र हेमराज जैन, रायसैन (रायसैन)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी श्रीमतीजी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बारह कक्षा तक शिक्षित हैं तथा स्टेट बैंक आफ इण्डिया में सर्विस करते हैं। मूल निवासी जामनेन के हैं।

●

जिला-सीहोर
गाँव-आरिया

छगनलाल जैन सुपुत्र शादीलाल जैन, आरिया (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आरिया के ही है।

प्यारेलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, आरिया (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में

शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आरिया के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र शादीलाल जैन, आरिया (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आरिया के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, आरिया (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी यहीं के हैं।

गाँव-आष्टा (सीहोर)

अमृतलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, गांधी चौक आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख मैट्रिक, तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी घोसन्दर के हैं।

कल्लूलाल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

कन्हैयालाल जैन सुपुत्र त्रिलोकचन्द जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

कन्हैयालाल जैन नोर सुपुत्र हुकुमचन्द जैन, सिकन्दर बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख शाली तक शिक्षित हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

केशरीमल जैन सुपुत्र डालचन्द जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं।

दो लड़के अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और दुकानदारी करते है। मूल निवासी मुहाई के हैं।

केशरीमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में बारह पुरुष वर्ग में तथा बारह स्त्री वर्ग में कुल चौबीस सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा चार लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराने की दुकान करते है। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

गुनधरलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख आठवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और कपड़े का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

गोपालमल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही है।

चुन्नीलाल जैन सुपुत्र गप्पूलाल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य है। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते है। मूल निवासी डांबरी (आष्टा) के हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र मथुरामल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा (सीहोर) के हैं।

छोगमल जैन सुपुत्र मुन्नालाल जैन, कोटरी हाट आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कोटरी हाट के हैं।

डालचन्द जैन सुपुत्र सौभागमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी भाण्डखेड़ी के हैं।

डालचन्द जैन सुपुत्र हंसराज जैन, आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी हराजखेड़ी के हैं।

[illegible]चन्द जैन सुपुत्र हमीरमल जैन, दुधवारा आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

धनरूपमल जैन सुपुत्र डवारीमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही है।

नन्नूमल जैन सुपुत्र चन्द्रभान जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले के बड़े व्यापारी हैं और साधारण शिक्षित है। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

नेमीचन्द जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

पन्नालाल जैन सुपुत्र सुकलाल जैन, दुधवारा आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं

में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख किराना के व्यापारी हैं। मूल निवासी भूपोड़ के हैं।

प्रेमीलाल जैन सुपुत्र गेदालाल जैन, बुधवारा खारीकुण्डो आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते है। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

बसन्तीलाल जैन सुपुत्र नन्नूमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दस पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल बीस सदस्य हैं। छ लड़के तथा पाँच लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र पन्नालाल जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते है। मूल निवासी आष्टा के हैं।

बालचन्द जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में यह स्वयं ही हैं। साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते है। मूल निवासी छापर के हैं।

बसन्तीलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, थानारोड़ आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कपड़े का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

भँवरलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मिठाई का कार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

भागीरथ जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में इनके साथ इनकी सास निवास करती हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के है।

भूरामल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और कपड़े की दुकान करते हैं।

मगनलाल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा आठ स्त्री वर्ग में कुल सत्रह सदस्य है। चार लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्लेका व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

मन्नुमल जैन सुपुत्र चुन्नीलाल जैन, बड़ाबाजार क्लोथ मर्चेन्ट्स आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

मन्नूलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी माता जी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख सिलाई सैन्टर में कार्य करते है। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

मागीलाल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग मे कुल चार सदस्य है। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित है और शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते है। मूल निवासी तलैन के है

मानमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग मे तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख कार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

मिट्ठूलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे कुल पॉच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कपड़े की दुकान करते है। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

माणिकलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं। और फ्लोर मिल का कार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

मिट्ठूलाल जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं और साधारण शिक्षित है तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी ससूरियाँपार के हैं।

मिश्रीलाल जैन सुपुत्र चन्द्रभान जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में यह सज्जन स्वयं ही हैं। मन्दिर जी की सेवा पूजा करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र भागचन्द जैन, गंज आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी अम्लाहा के हैं।

मूलचन्द जैन सुपुत्र हमीरमल जैन, बुधवारा खारी कुण्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साक्षर हैं तथा गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

रतनलाल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी भाबुखेड़ी के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। पाँच लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

राजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो सदस्य पुरुष वर्ग में हैं। परिवार प्रमुख किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी भवरां के हैं।

राजमल जैन सुपुत्र भीखचन्द जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और सर्विस करते है। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

लक्ष्मीचन्द जैन सुपुत्र गणपतराय जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग मे कुल ग्यारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र मगनलाल जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यवसाय करते है। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

लाभमल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, बुधवारा खारीकुण्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी आष्टा के है।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, बड़ाबाजार आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख गल्ले का कार्य करते हैं।

शान्तिलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, आष्टा (सीहोर)

इस परिवार मे चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

शोभामल जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, गांधी चौक आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा बारह स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। एक लड़का तथा छ लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में पढ़ते है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और ग्रेनमर्चेन्ट्स हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

श्रीमल जैन सुपुत्र सूरजमल जैन, गांधी चौक आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और ग्रेन-मर्चेन्ट्स की दुकान करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

श्रीपाल जैन सुपुत्र गोरेलाल जैन, गॉधी चौक आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में यह और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं।

सरदारमल जैन सुपुत्र कोदरमल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य है। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

सादीलाल जैन सुपुत्र गनपतराय जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में पढ़ रही है। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

सादीलाल जैन सुपुत्र सूवालाल जैन, बुधवारा आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और शिशु अवस्था में हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, किला आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में नौ पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल सोलह सदस्य हैं। तीन लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र गेंदालाल जैन, बुधवारा खारीकुन्डी आष्टा (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्गमें तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य

हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और कपड़े की दुकान करते है। मूल निवासी आष्टा के ही है।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य है। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी लीलबड़ (आष्टा) के हैं।

सुवागमल जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य हैं। छ लड़के तथा दो लड़की अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का कारोबार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र गोपालमल जैन, अलीपुर आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने का कारोबार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र हंसराज जैन, बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में एक पुरुष वग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़की शिशु अवस्था में है। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी हरांज खेड़ी (आष्टा) के हैं।

सेजमल जैन सुपुत्र छोगमल जैन, बुधवारा बड़ा बाजार आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

सौभागमल जैन सुपुत्र गोपालम जैन, नोसादर की बाखल आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी आष्टा के ही हैं।

हीरालाल जैन सुपुत्र मुकुन्दराम जैन, आष्टा (सीहोर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं।

एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी लसूरियापार के हैं।

गाँव-इच्छावर (सीहोर)

अमृतलाल जैन सुपुत्र शादीलाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सातवीं कक्षा तक शिक्षित हैं और स्वतन्त्र व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र लखमीचन्द जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। छ लड़के अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

छोगमल जैन सुपुत्र भूरालाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल दस सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

देवचन्द जैन सुपुत्र परसराम जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही है।

बाबूलाल जैन सुपुत्र हजारीलाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित है तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

बेनीबाई जैन धर्मपत्नी भवानीराम जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में यह महिला अकेली हैं तथा कार्य कर जीवन-यापन करती हैं।

भानमल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल तेरह सदस्य

हैं। पाँच लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

मिश्रीलाल जैन सुपुत्र मूलचन्द जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग मे कुल ग्यारह सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

मिश्रीलाल जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग मे तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। मूल निवासी मगरदा के हैं।

मेघराज जैन सुपुत्र सरदारमल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार मे दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के ही हैं।

रखबलाल जैन सुपुत्र मन्नूलाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा पापड़ आदि का व्यापार करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

रेशमबाई जैन सुपुत्री मन्नूलाल जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में यह देवी और इनके भ्राता केवल दो ही सदस्य है। परिवार प्रमुख साहित्य विशारद तक शिक्षित हैं और अध्यापन का कार्य करती हैं। यह परिवार मूल निवासी इच्छावर का ही है।

सेजमल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, इच्छावर (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा सर्राफा और वस्त्र का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी इच्छावर के हैं।

गाँव-कोटरीहाट (सीहोर)

अनोखीलाल जैन सुपुत्र रामलाल जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य है। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते है। मूल निवासी कोटरीहाट के हैं।

अमृतलाल जैन सुपुत्र किशोरीलाल जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोटरीहाट के ही हैं।

छगनलाल जैन सुपुत्र जबरचन्द जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में चौदह पुरुष वर्ग में तथा नौ स्त्री वर्ग में कुल तेईस सदस्य हैं। नौ लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कोटरी के ही हैं।

नथमल जैन सुपुत्र किशोरीलाल जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कोटरीहाट के ही हैं।

बाबूलाल जैन सुपुत्र बालचन्द जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के बाल्यावस्था में हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और स्टेशनरी की दुकान करते हैं। मूल निवासी सामरदा के हैं।

श्रीमल जैन सुपुत्र राजमल जैन, कोटरीहाट (सीहोर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराना का व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी कोटरी के ही हैं।

गाँव-जावर (सीहोर)

ताराचन्द जैन सुपुत्र छोगमल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़की तथा एक लड़का बाल्यावस्था में है। परिवार प्रमुख जरदा नमक की दुकान करते है। मूल निवासी जावर के ही हैं।

नथमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख हलवाई की दुकान करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा गल्ले का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

बागमल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा तम्बाकू का कार्य करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

मेघराज जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल पॉच सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा मे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मुनीमी करते हैं। मूल निवासी जावर के ही है।

मेघराजकुमार जैन सुपुत्र कुंवर जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख जरदा नमक की दुकान करते हैं। मूल निवासी जावर के ही हैं।

राजूबाई जैन धर्मपत्नी रामलाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में यह महिला स्वयं ही है और जरदा नमक की दुकान कर जीवन यापन करती हैं। मूल निवासी जावर की ही है।

राजूबाई जैन धर्मपत्नी भँवरलाल जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग मे कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का बाल्यावस्था में है। यह परिवार मूल निवासी जावर का ही है।

राजमल जैन सुपुत्र कुंवर जैन, जावर (सीहोर)

इस परिवार में पॉच पुरुष वर्ग में तथा सात स्त्री वर्ग में कुल बारह सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में, शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख गल्ले का व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी जावर के ही है।

श्री मगनमलजी जैन, शुजालपुर

स्व० श्री कस्तूरचन्दजी जैन, सारंगपुर

स्व० श्री सुरेन्द्रनाथजी जैन 'श्रीपाल', कायथा

श्री दुलीचन्दजी जैन सर्राफ, सारंगपु

जिला-शाजापुर
गाँव-कालापीपल मण्डी

अमृतलाल जैन सुपुत्र सेवाराम जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा अनाज का व्यापार करते हैं। मूल निवासी कालापीपल के है।

केशरीमल जैन सुपुत्र कालूराम जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कपड़े की दुकान करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के हैं।

केशरीमल जैन सुपुत्र हीरालाल जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। एक लड़की अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रही है। परिवार प्रमुख किराने की दुकान करते हैं।

गप्पूलाल जैन सुपुत्र सेवाराम जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते है। मूल निवासी कालापीपल के ही हैं।

गेंदमल जैन सुपुत्र नन्दराम जैन, मांगी ४४ कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल नौ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराने की दुकान करते हैं। मूल निवासी कोठरी के हैं।

नन्नूमल जैन सुपुत्र मोतीलाल जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक

पूनमचन्द जैन सुपुत्र रामचन्द्र जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। तीन लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते हैं।

कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मिडिल तक शिक्षित हैं और आढ़त की दुकान करते है। मूल निवासी कालापीपल मण्डी के ही हैं।

सुन्दरलाल जैन सुपुत्र प्यारेलाल जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की बाल्यावस्था में हैं और प्रारम्भिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और किराने की दुकान करते हैं।

सूरजमल जैन सुपुत्र कन्हैयालाल जैन, कालापीपल मण्डी (शाजापुर)

इस परिवार में छ पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बेरछादातार के हैं।

गाँव-खरसौदा (शाजापुर)

ताराचन्द जैन, खरसौदा (शाजापुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी खरसौदा के ही है।

भँवरलाल जैन सुपुत्र नाथूराम जैन, खरसौदा (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित है और किराना का व्यापार करते हैं। मूल निवासी मालीखेड़ी के हैं।

गाँव-जावड़िया घरवास (शाजापुर)

बोंदरमल जैन सुपुत्र बालचन्द जैन, जावड़िया घरवास (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य है। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख किराना की दुकान करते हैं। मूल निवासी जावड़िया घरवास के ही हैं।

मांगीलाल जैन सुपुत्र मिश्रीलाल जैन, जावड़िया घरवास (शाजापुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। परिवार प्रमुख आठवी कक्षा तक शिक्षित है और किराना का व्यवसाय करते है। मूल निवासी जावड़िया घरवास के ही हैं।

मोतीलाल जैन सुपुत्र फौजमल जैन, जावड़िया घरवास (शाजापुर)

इस परिवार में चार पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी जावड़िया घरवास के ही हैं।

गाँव-नलखेड़ा (शाजापुर)

श्रीधरलाल जैन सुपुत्र काम्पिलदास जैन, नलखेड़ा (शाजापुर)

इस परिवार में यह सज्जन अकेले ही हैं और साहित्य भूषण, सिद्धान्त-शास्त्री, भिषगाचार्य आदि शिक्षाओं से विभूषित हैं और अध्यापन का कार्य करते हैं। मूल निवासी फिरोजाबाद (आगरा) के हैं।

गाँव-बुडलाय (शाजापुर)

मदनलाल जैन सुपुत्र सुखदेव जैन, बुडलाय (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सातवीं कक्षा तक शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बुडलाय के ही हैं।

राजमल जैन सुपुत्र सुखदेव जैन, बुडलाय (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल चार सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बुडलाय के ही हैं।

सरदारमल जैन सुपुत्र बाबलराम जैन, बुडलाय (शाजापुर)

इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार प्रमुख व्यापार व्यवसाय करते है। मूल निवासी बुडलाय के ही हैं।

हेमराज जैन सुपुत्र सुखदेव जैन, बुडलाय (शाजापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं तथा कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी बुडलाय के ही हैं।

प्रभाकर कवड़े जैन सुपुत्र अंतोशजी कवड़े जैन, किराना का दुकान यर्सकेसी वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में एक पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल दो सदस्य हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और मोटर वर्कशाप है।

बवन जैन कवड़े सुपुत्र अंतोष कवड़े जैन, यर्सकेसी वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं।

बाबा जैन सुपुत्र अंतोष जैन, यर्सकेसी वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख १० वीं कक्षा तक शिक्षित हैं।

पानाचन्द जैन सुपुत्र गुलाबसाव रोड़े जैन, रामनगर वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में आठ पुरुष वर्ग में तथा छ स्त्री वर्ग में कुल चौदह सदस्य हैं। छ लड़के तथा चार लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख बी० ए० तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

पासोबाजी चतुर जैन सुपुत्र मनाजी चतुर जैन, वार्ड नं० ७ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में सात पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल ग्यारह सदस्य हैं। चार लड़के अविवाहित हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

बवनराव दाणी जैन सुपुत्र अण्णाजी दाणी जैन, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल पाँच सदस्य हैं। एक लड़का तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

बापूराव चतुर जैन सुपुत्र यादवराव चतुर जैन, वार्ड नं० ९ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दस स्त्री वर्ग में कुल पन्द्रह सदस्य हैं। दो लड़के तथा सात लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख तम्बाकू की दुकान करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

बाबूराव रोड़े जैन सुपुत्र गुणधर रोड़े जैन, वार्ड नं० १० राजकसा रोड़ वर्धा (वर्धा)
इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख व्यापार एवं कृषिकार्य करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

बापूराव बोवड़े जैन सुपुत्र केशवराव बोवड़े जैन, सेमुमार्ट वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और प्राथमिक कक्षा में शिक्षा प्राप्त कर रहा है।

यशवन्तराव दाणी जैन सुपुत्र अण्णाजी दाणी जैन, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा चार स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। एक लड़का तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

रमेशचन्द्र जैन सुपुत्र हीरासाव जैन, कोमे वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में यह सज्जन और इनकी धर्मपत्नी केवल दो ही सदस्य हैं। परिवार प्रमुख बी० कॉम तक शिक्षित हैं और व्यापार करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

रूपचन्द बोडखे सुपुत्र तुकाराम बोडखे, जैन मन्दिरके पास वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और विभिन्न कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख एम० ए० तक शिक्षित हैं तथा सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

वसन्तराव रोडे जैन सुपुत्र अनन्तराव रोडे जैन, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा तीन स्त्री वर्ग में कुल छ सदस्य हैं। दो लड़के तथा दो लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

बलवन्तराव दाणी जैन सुपुत्र अण्णाजी दाणी जैन, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में दो पुरुष वर्ग में तथा एक स्त्री वर्ग में कुल तीन सदस्य हैं। एक लड़का अविवाहित है और शिक्षा प्राप्त कर रहा है। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं।

शान्तीसास लसणे जैन सुपुत्र महादेव लसणे जैन, रामनगर वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्ग में तथा पाँच स्त्री वर्ग में कुल आठ सदस्य हैं। दो लड़के तथा तीन लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मूल निवासी वर्धा के हैं।

हीरासाव दाणी सुपुत्र अण्णाजी दाणी, वार्ड नं० ८ वर्धा (वर्धा)

इस परिवार में पाँच पुरुष वर्ग में तथा दो स्त्री वर्ग में कुल सात सदस्य हैं। चार लड़के तथा एक लड़की अविवाहित हैं और प्राथमिक कक्षाओंमें शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख मैट्रिक तक शिक्षित हैं और सर्विस करते हैं। मूल निवासी वर्धा के ही हैं।

जिला-शोलापुर
नगर-शोलापुर

कान्तिलाल जैन सुपुत्र पं० वंशीधर जैन, श्रीधर प्रेस भवानी पेठ शोलापुर (शोलापुर)

इस परिवार में तीन पुरुष वर्गमें तथा दो स्त्री वर्गमें कुल पाँच सदस्य हैं। दो लड़के अविवाहित हैं और शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। परिवार प्रमुख साधारण शिक्षित हैं और व्यापार व्यवसाय करते हैं। मूल निवासी वेरनी (एटा) के हैं।

श्री जयसैनजी जैन, आगरा

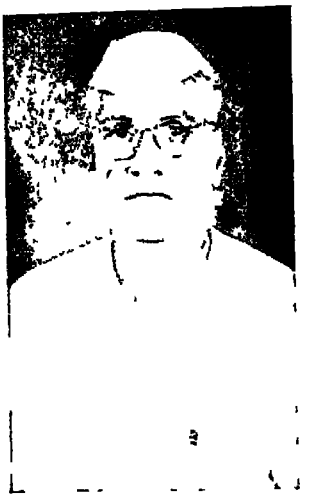

श्री फूलचन्दजी जैन, मोमदी

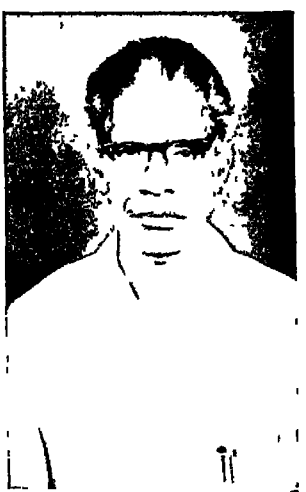

श्री सुनहरीलालजी जैन, अहारन

श्री श्यामस्वरूपजी जैन, इन्दौर

सकरौली	श्री नेमिनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
सरानी	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
सरायनीम	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	प्राचीन
हिम्मतनगर वजहेरा	,, महावीर स्वामी का मन्दिर	प्राचीन
हिरौदी	,, दि० जैन मन्दिर	प्राचीन

जिला-बड़ोदा

नया बाजार करजन	एक जैन मन्दिर	३२ वर्ष प्राचीन
पुराना बाजार करजन	एक जैन मन्दिर	नवीन

जिला-भड़ौंच

पालेज	एक जैन मन्दिर	

जिला-मथुरा

जलेसर रोड	श्री चन्द्रप्रभ का मन्दिर	
रसौद	,, वर्द्धमान स्वामी का मन्दिर	

जिला-मैनपुरी

उड़ेसर	,, चन्द्रप्रभजी का मन्दिर	प्राचीन
खैरगढ	,, चन्द्रप्रभजी का मन्दिर	८० वर्ष पुराना
फरिहा	,, चन्द्रप्रभजी का मन्दिर	प्राचीन
मैनपुरी	,, पार्श्वनाथजी का मन्दिर	३०० वर्ष प्राचीन
थरौआ	,, पुष्पदन्तजी का मन्दिर	८० वर्ष प्राचीन
कौरारी सरहद	,, महावीरजी का मन्दिर	७० वर्ष प्राचीन

श्री जिनेन्द्रप्रकाशजी जैन बी ए ,एल-एल बी., एटा

श्री सुरेशचन्द्रजी जैन, एम ए , बी एड , जलेसर

श्री मानिकचन्दजी जैन

श्री जैनेन्द्रकुमारजी जैन, फिरोजाबाद

श्री परमेश्वरीप्रसादजी जैन, अलीगढ

शास्त्रज्ञ एवं साहित्यिक श्रेणी

जिला-आगरा

●

श्री उग्रसैन जैन	जयन्ती भवन टूण्डला	जैन शास्त्री
,, गजेन्द्रकुमार जैन	अहारन	जैन शास्त्री
,, जगरूप सहाय	चौकीगेट फिरोजाबाद	साहित्यरत्न
,, जैनेन्द्रकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	साहित्यसेवी
,, धनपतलाल जैन	फिरोजाबाद	विशारद
,, पन्नालाल जैन 'सरल'	गान्धीनगर फिरोजाबाद	साहित्य विशारद
,, पातीराम जैन	अहारन	शास्त्री, न्यायतीर्थ
,, प्रेमचन्द जैन	गंज फिरोजाबाद	विशारद
,, बाबूलाल जैन	नगला स्वरूप अहारन	शास्त्री
,, मन्दरदास जैन	कटरा सुनारान फिरोजाबाद	विशारद
,, महेन्द्रकुमार जैन	रेलवे कालोनी टूण्डला	जैन शास्त्री
,, मानिकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	न्यायाचार्य
,, मानिकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	विद्याविशारद
,, मुन्शीलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	जैन शास्त्री
,, रघुवीरप्रसाद जैन	एत्मादपुर	विशारद
,, राजनलाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	विशारद
,, रामप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	संस्कृतज्ञ
,, रानशरण जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	जैन शास्त्री
,, सुमतप्रसाद जैन	गंज फिरोजाबाद	शास्त्री
,, सुरेन्द्रचन्द्र	चन्द्रवार गेट फिरोजाबाद	सम्पादक
,, श्यामसुन्दरलाल जैन	कृष्णा पाड़ा फिरोजाबाद	शास्त्री
,, श्रीनिवास जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	शास्त्री
,, श्रीलाल जैन	चावली	विशारद
,, हजारीलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	साहित्य विशारद
,, हजारीलाल जैन	धूलियागंज आगरा	विशारद

जिला-इन्दौर

●

,, अमोलकचन्द जैन	जॅवरीबाग इन्दौर	शास्त्री
,, लालबहादुर जैन	इन्द्रभवन तुकोगंज इन्दौर	एम.ए.साहि०आ० शास्त्री
,, श्रीधर जैन	गोराकुण्ड इन्दौर	शास्त्री

जिला-उदयपुर

श्री मोहनलाल जैन	भीम वाया ब्यावर	विशारद

जिला-एटा

„ धर्मप्रकाश जैन	सदरबाजार अवागढ़	शास्त्री, साहित्यरत्न
„ फूलचन्द जैन	पुनहरा	विशारद, न्यायाचार्य
„ मनोहरलाल जैन	सुन्दरलाल स्ट्रीट एटा	शास्त्री
„ सतीशचन्द्र जैन	शेरगंज जलेसर	साहित्यरत्न

जिला-कलकत्ता

„ धन्यकुमार जैन	पी० १५ कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता	साहित्यसेवी

जिला-ग्वालियर

„ हरदयाल जैन	२३०।२३१ विड़लानगर ग्वालियर	साहित्यभूषण

जिला-जबलपुर

„ पं० चन्द्रशेखर जैन,	लाखाभवन पुरानी चरहाई जबलपुर	शास्त्री, आयुर्वेदाचार्य, न्यायतीर्थ

जिला-देहली

„ अजित कुमार जैन	४९७३ केदार, पहाड़ी धीरज देहली	शास्त्री
„ जयन्तीप्रसाद जैन	२१ ए दरियागंज देहली	शास्त्री
„ भागचन्द्र जैन	२४९८ नाईवाड़ा चावड़ी बाजार देहली	शास्त्री, साहित्यरत्न
„ शिखरचन्द जैन	२५२६ धर्मपुरा देहली	शास्त्री
„ संतकुमार जैन	३३६८ गंदानाला मोरीगेट देहली	शास्त्री
„ सुखानन्द जैन	देहली	शास्त्री

जिला-भीलवाड़ा

शाखी

जिला-भोपाल

श्री नेमीचन्द जैन	मन्दिर के सामने भूपालगंज	रत्न, भूषण, प्रभाकर
,, अजितकुमार जैन	सर्राफागली चौक बाजार भोपाल	शाखी
,, पारसमल जैन	सोमवारा बाजार भोपाल	

जिला-मनिपुर

अध्यापनकार्य

,, प्रेमचन्द्र जैन	डी० एम० कालेज इम्फाल	विशारद
,, रतनचन्द्र जैन	भंवरीलाल बाकलीवाल एण्ड कं० इम्फाल	

जिला-मेरठ

,, धर्मेन्द्रनाथ जैन	सदरबाजार मेरठ	साहित्यभूषण
,, महावीरप्रसाद जैन	सदरबाजार मेरठ	आयुर्वेदाचार्य

जिला-राजगढ़

,, कोमलचन्द जैन	त्रिपोलिया बाजार सारंगपुर	विशारद
,, बागमल जैन	गांधी चौक सारंगपुर	विशारद

जिला-शाजापुर

,, श्रीधरलाल जैन	नलखेड़ा	साहित्यभूषण
		सिद्धान्तशाखी

जिला-सवाई माधोपुर

,, आनन्दकुमार जैन	शान्ति वीरनगर श्रीमहावीरजी	शाखी एवं शास्त्र शोधन
श्री सूरजमल जैन ब्र०	शान्ति वीरनगर श्रीमहावीरजी	शाखी एवं संघ नियन्ता

जिला-सीहौर

,, कन्हैयालाल जैन	सिकन्दर बाजार आष्टा	शाखी
,, छोटेलाल श्रीपाल शाखी	जनकपुरा मन्दसौर	शाखी

श्री बाबूलाल जैन	बड़ाबाजार आष्टा	
,, मानमल जैन		वैद्यभूषण, आ० आ०
,, राजमल जैन	खजांची लाइन सीहौर	साहित्य-सुधाकर
,, रमेशबाई जन	कोठरीहाट	आयुर्वेद विशारद
	कन्या माध्यमिक पाठशाला इच्छावर	साहित्य विशारद
		साहित्य विशारद
		जिला-हजारीबाग
,, ओमप्रकाश जन	ईसरी बाजार	अर्थशास्त्री
,, सेतीलाल जैन	ईसरी बाजार	शास्त्री, साहित्यरत्न

शिक्षित महिलाएँ

●

श्री पन्नालाल जैन	सैमरा	कृषिकर्मी
,, पंचमलाल जैन	महाराजपुर	कृषिकर्मी
,, वनवारीलाल जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, बाबूराम जैन	सेखपुरा	कृषिकर्मी
,, बाबूलाल जैन	जहाजपुर	कृषिकर्मी
,, भगवानस्वरूप जैन	टूण्डला	कृषिकर्मी
,, भागचन्द जैन	गढ़ीदर्रा	कृषिकर्मी
,, मधुवनदास जैन	कुतकपुर	कृषिकर्मी
,, महेन्द्रकुमार जैन	भौंडेला	कृषिकर्मी
,, मुंशीलाल जैन	कुतकपुर	कृषिकर्मी
,, मुंशीलाल जैन	खेरिआ	कृषिकर्मी
,, युद्धसैन जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, राजबहादुर जैन	कोटकी	कृषिकर्मी
,, रामस्वरूप जैन	भरसैना	कृषिकर्मी
,, लाहोरीलाल जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, लटूरीमल जैन	गोहिला	कृषिकर्मी
,, सुखदेवप्रसाद जैन	कढ़ी कल्यान	कृषिकर्मी
,, सूरजभान जैन	राजपुर	कृषिकर्मी
,, सेतीलाल जैन	मौमदी	कृषिकर्मी
,, श्यामलाल जैन	कोटकी	कृषिकर्मी
,, शौकीलाल जैन	जटई	कृषिकर्मी
,, श्रीलाल जैन	गढ़ी असरा	कृषिकर्मी

जिला-एटा

श्री अमीरचन्द जैन	फफोत	कृषिकर्मी
,, अशर्फीलाल जैन	पुनहरा	कृषिकर्मी
,, उल्फतराय जैन	हिम्मत नगर वजेहरा	कृषिकर्मी
,, कन्हैयालाल जैन	रिजावली	कृषिकर्मी
,, कपूरचन्द जैन	बावसा	कृषिकर्मी
,, कुंवरलाल जैन	राजपुर	कृषिकर्मी
,, गुलजारीलाल जैन	तिखातर	कृषिकर्मी
,, चक्रपाल जैन	पुनहरा	कृषिकर्मी
,, चक्रभान जैन	वक्शीपुर	कृषिकर्मी
,, जम्बूप्रसाद जैन	जिरस्मी	कृषिकर्मी

श्री जयनारायण जैन	खरौआ	कृषिकर्मी
" जयस्वरूप जैन	गहेतू	कृषिकर्मी
" झम्मनलाल जैन	बलेसरा	कृषिकर्मी
" ताजेश्वर जैन	खरौआ	कृषिकर्मी
" दामोदरदास जैन	हराना	कृषिकर्मी
" नन्नेमल जैन	राजमल	कृषिकर्मी
" प्यारेलाल जैन	फफोतू	कृषिकर्मी
" प्यारेलाल जैन	पुनहरा	कृषिकर्मी
" पातीराम जैन	तखावत	कृषिकर्मी
" पुत्तूलाल जैन	सकरौली	कृषिकर्मी
" पुत्तूलाल जैन	हिरौदी	कृषिकर्मी
" पृथ्वीराज जैन	राजमल	कृषिकर्मी
" बनारसीदास जैन	फफोत	कृषिकर्मी
" बाबूराम जैन	कुतकपुर	कृषिकर्मी
" बांकेलाल जैन	खरौआ	कृषिकर्मी
" बांकेलाल जैन	हिरौदी	कृषिकर्मी
" बृजनन्दनलाल जैन	थरा	कृषिकर्मी
" भूधरदास जैन	नगला ख्याली	कृषिकर्मी
" महेन्द्रपाल जैन	इमलिया	कृषिकर्मी
" मानिकचन्द जैन	हिरौद	कृषिकर्मी
" रघुवरदयाल जैन	चमकरी	कृषिकर्मी
" रघुनाथप्रसाद जैन	तिखातर	कृषिकर्मी
" राजनलाल जैन	नगला ख्याली	कृषिकर्मी
" रामचन्द्र जैन	कुतकपुर	कृषिकर्मी
" राजबहादुर जैन	गहेतू	कृषिकर्मी
" रामप्रकाश जैन	तखावत	कृषिकर्मी
" रामस्वरूप जैन	राजपुर	कृषिकर्मी
श्रीमती रामश्री जैन	सरानी	कृषिकर्मी
श्री लटूरीलाल जैन	जिरसमी	कृषिकर्मी
" वासुदेव जैन	फफोतू	कृषिकर्मी
" वासुदेव जैन	मझराऊ	कृषिकर्मी
" वासुदेवप्रसाद जैन	राजपुरा	कृषिकर्मी
" वासुदेव जैन	रुस्तमगढ़	कृषिकर्मी
" सदनलाल जैन	वसुंधरा	कृषिकर्मी
" सर्राफीलाल जैन	गढ़ी बैंदुला	कृषिकर्मी

श्री सेतीलाल जैन	दलसायपुर	कृषिकर्मी
,, सुरेशचन्द्र पातीराम जैन	तखावन	कृषिकर्मी
,, सोनपाल जैन	जिनावली	कृषिकर्मी
,, शंकरलाल जैन	फफोतू	कृषिकर्मी
,, शान्तीलाल जैन	पवा	कृषिकर्मी
,, शान्तीलाल जैन	मितरौल	कृषिकर्मी
,, शान्तीलाल जैन	वरौली	कृषिकर्मी
,, शाहकुमार जैन	पौडरी	कृषिकर्मी
,, शिखरचन्द जैन	वसुंधरा	कृषिकर्मी
,, शिवचरनलाल जैन	जलेसर	कृषिकर्मी
,, श्रीनिवास जैन	हिरौंदी	कृषिकर्मी
,, हजारीलाल जैन	जमालपुर	कृषिकर्मी
,, हजारीलाल जैन	सौना	कृषिकर्मी
,, हरिश्चन्द्र जैन	वसुंधरा	कृषिकर्मी
,, हरमुखराय जैन	सकरौली	कृषिकर्मी
,, हुण्डीलाल जैन	राजपुर	कृषिकर्मी
,, हुण्डीलाल जैन	हिम्मतनगर वजहेरा	कृषिकर्मी
,, हुण्डीलाल जैन	तखावन	कृषिकर्मी
,, होतीलाल जैन	निधोली छोटी	कृषिकर्मी
,, होतीलाल जैन	पौंडरी	कृषिकर्मी

जिला-मैनपुरी

श्री ओमप्रकाश जैन	फाजिलपुर	कृषिकर्मी
,, ओंकारमल जैन	कौरारी सरहद	कृषिकर्मी
,, कम्पिलादास जैन	शिकोहाबाद	कृषिकर्मी
,, कान्तीप्रसाद जैन	मुश्तफाबाद	कृषिकर्मी
,, गजाधरलाल जैन	उड़ेसर	कृषिकर्मी
,, छक्कामल जैन	वल्टीगढ़	कृषिकर्मी
,, झण्डूलाल जैन	खैरगढ़	कृषिकर्मी
,, दरबारीलाल जैन	एका	कृषिकर्मी
,, नेमीचन्द्र जैन	पैडत	कृषिकर्मी
,, नेमीचन्द जैन	रीमा	कृषिकर्मी
,, प्यारेलाल जैन	वल्टीगढ़	कृषिकर्मी
,, फुलजारीलाल जैन	खैरगढ़	कृषिकर्मी
,, बाबूराम जैन	उड़ेसर	कृषिकर्मी

श्री भजनलाल जैन	रामपुर	कृषिकर्मी
„ राजेन्द्रकुमार जैन	सिरमई	कृषिकर्मी
„ ललताप्रसाद जैन	थरौआ	कृषिकर्मी
„ वासुदेव जैन	उड़ेसर	कृषिकर्मी
„ विजयस्वरूप जैन	रामपुर	कृषिकर्मी
„ संतकुमार जैन	रीमा	कृषिकर्मी
„ सुकमाल जैन	फरिहा	कृषिकर्मी
„ सेवतीलाल जैन	सुनाव	कृषिकर्मी
„ श्योप्रसाद जैन	सिरमई	कृषिकर्मी

जिला-राजगढ़

श्री कन्हैयालाल जैन	ब्यावरा माण्डू	कृषिकर्मी
„ झगनलाल जैन	ब्यावरा माण्डू	कृषिकर्मी
„ भगीरथ जैन	सराली	कृषिकर्मी
„ रखवलाल जैन	ब्यावरा माण्डू	कृषिकर्मी

जिला-वर्धा

श्री दादाजी गणयवरायजी जैन रोड़े,	जैन मन्दिर के पास वर्धा	कृषिकर्मी
„ नेमासाव रामचन्द्रराव जैन कवर्ड,	जैन मन्दिर के पास वर्धा	कृषिकर्मी
„ नानाजी अंतोवाजी जैन कवर्ड	येलाकेली वर्धा	कृषिकर्मी
„ ववनजी अंतोवाजी जैन कवर्ड	येलाकेली वर्धा	कृषिकर्मी
„ वावूराव गुणधर जैन रोड़े	वार्ड नं० १० राजकाज रोड़ वर्धा	कृषिकर्मी
„ वावूराव केशवराव जैन कवर्ड	सेसुकार्ट	कृषिकर्मी

जिला-शाजापुर

श्री केशरीमल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
„ गजराज जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
„ गेन्दामल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
„ डालचन्द जैन	रनायल	कृषिकर्मी
„ तारावाई जन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
„ थेरूलाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
„ देवालाल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी

श्री प्यारेलाल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
,, मगनलाल जैन	बुडलाय	कृषिकर्मी
,, मदनलाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, मन्नूलाल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
,, मूलचन्द्र जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
,, मेघराज जैन	रनायल	कृषिकर्मी
,, मोतीलाल जैन	जावड़िया	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	बुडलाय	कृषिकर्मी
,, वसन्तीलाल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
,, सरदारमल जैन	बुडलाय	कृषिकर्मी
,, सरदारमल जैन	रनायल	कृषिकर्मी
,, सुन्दरलाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, सुवागमल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
,, सूरजमल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
,, शान्तिलाल जैन	वेरछादातार	कृषिकर्मी
,, हीरालाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, हीरालाल जैन	भखावद	कृषिकर्मी
,, हेमराज जैन	बुडलाय	कृषिकर्मी

जिला-सीहोर

श्री खुशीलाल जैन	मेहतवाड़ा	कृषिकर्मी
,, डालचन्द जैन	आष्टारोड	कृषिकर्मी
,, नथमल जैन	कोठरीहाट	कृषिकर्मी
,, मगनलाल जैन	मेहतवाड़ा	कृषिकर्मी
,, मूलचन्द जैन	मेहतवाड़ा	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	मेहतवाड़ा	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	जावर	कृषिकर्मी
,, राजमल जैन	बड़ा बाजार आष्टा	कृषिकर्मी

उद्योगपति

●

जिला-आगरा

●

श्री इन्द्रभान जैन	एत्मादपुर	तेलमिल
„ कैलाशचन्द्र जैन	फिरोजाबाद	कारखाना
„ नेमीचन्द जैन	एत्मादपुर	तेलमिल
„ पुत्तूलाल जैन	कोटला	फ्लोर मिल
„ पूर्णचन्द्र जैन	जीवनीमण्डी आगरा	मिल-मशीनरी
„ भागचन्द जैन	कोटला	फ्लोर मिल
„ भामण्डलदास जैन	फिरोजाबाद	साबुन-कारखाना

जिला-एटा

●

श्री प्रभाकरचन्द्र जैन	जलेसर	फ्लोर मिल
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	श्रावक मुहल्ला एटा	सोप फैक्टरी

जिला-कलकत्ता

●

श्री जुगमन्दिरदास जैन	११३ महात्मा गान्धी रोड कलकत्ता	बरतन उद्योग
„ मन्दिरदास जैन	३७ बी० कलाकार स्ट्रीट कलकत्ता	बरतन-उद्योग

जिला-देहली

●

श्री अजितप्रकाश जैन	४२१० आर्यपुरा, सब्जीमण्डी देहली	मोटर पार्ट्स निर्माता
„ पद्मचन्द जैन	३०१६ बनारसी-भवन धर्मपुरा देहली	चश्मों के लेन्स
„ पुत्तूलाल जैन	३०१६ मस्जिद खजूर, धर्मपुरा देहली	प्लास्टिक व्यापारी
„ भागचन्द जैन	३०१६ मस्जिद खजूर धर्मपुरा देहली	प्लास्टिक निर्माता
„ सुमतप्रकाश जैन	४२१० आर्यपुरा, सब्जीमण्डी देहली	मोटर पार्ट्स निर्माता

जिला-मैनपुरी

●

श्री धनपाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	साबुन कारखाना
„ मुरारीलाल जैन	शिकोहाबाद	तेलमिल

श्री हजारीलाल जैन	टूण्डला	साइकिल व्यव०
,, हुण्डीलाल जैन	टूण्डला	चित्र व्यवसाय
,, हुण्डीलाल जैन	टूण्डला	मिठाई के व्यापारी
,, हुण्डीलाल जैन	टूण्डला	वस्त्र व्यवसायी
,, मानिकचन्द जैन	टूण्डली	दुकान
,, मुन्नीलाल जैन	टूण्डली	मिठाई की दुकान
,, रामप्रसाद जैन	टूण्डली	व्यापार
,, अजितवीर्य जैन	टेहू	दवा के व्यापारी
,, भगवानस्वरूप जैन	टेहू	व्यापार
,, कंचनलाल जैन	दिनहुली	व्यापार
,, फूलचन्द जैन	दिनहुली	,,
,, बनारसीलाल जैन	दिनहुली	,,
,, प्रभुदयाल जैन	देवखेड़ा	,,
,, मुरलीधर जैन	देवखेड़ा	,,
,, सेतीलाल जैन	देवखेड़ा	,,
,, चतुरीलाल जैन	नगला ताज	,,
,, छोटेलाल जैन	नगला स्वरूप	,,
,, वासुदेव जैन	नगला स्वरूप	,,
,, नेमीचन्द जैन	नगला स्वरूप	,,
,, लखमीचन्द जैन	नगला स्वरूप	,,
,, सूरजपाल जैन	नगला स्वरूप	,,
,, हजारीलाल जैन	नगला स्वरूप	,,
,, प्यारेलाल जैन	नगला सौंठ	दुकान
,, पूनमचन्द जैन	नगला सौंठ	दुकान
,, गौरीशंकर जैन	नगला सिकन्दर	व्यापार
,, जयकुमार जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, नेमीचन्द जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, राजकुमार जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, लालाराम जैन	नगला सिकन्दर	,,
,, जंगपाल जैन	नारखी	दवा आदि
,, नेत्रपाल जैन	नारखी	दुकान
,, मटरूमल जैन	नारखी	,,

श्री सुखनन्दनलाल जैन	नारखी	दुकान
„ हुण्डीलाल जैन	नारखी	„
„ आलमचन्द जैन	पंचमान	„
„ रतनलाल जैन	पंचमान	व्यापार
„ उल्फतराय जैन	पचोखरा	परचून का व्यापार
„ मुन्नीलाल जैन	पचोखरा	व्यापार
„ राजनलाल जैन	पचोखरा	„
„ सेतीलाल जैन	पचोखरा	„
„ सौनपाल जैन	पचोखरा	„
„ हरप्रसाद जैन	पचोखरा	„
„ किरोड़ीमल जैन	पमारी	„
„ मुन्शीलाल जैन	पमारी	„
„ लखमीचन्द जैन	पमारी	„
„ सौनपाल जैन	पमारी	„
„ त्योप्रसाद जैन	पमारी	„
„ अजितकुमार जैन	फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
„ अभयकुमार जैन	फिरोजाबाद	व्यापार
„ अभयकुमार ज्योति प्रसाद,	गांधी नगर फिरोजाबाद	„
„ अमोलकचन्द जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	„
„ अमोलकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	„
„ अमोलक चन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ अमोलकचन्द जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„
„ अमोलकचन्द जैन	गांधीनगर फिरोजाबाद	„
„ अमृतलाल जैन	मुहल्ला दुल्ली फिरोजाबाद	„
„ अशोककुमार जन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	„
„ इन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	दुकानदारी
„ इन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	„
„ इन्द्रसैन जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ उग्रसैन जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„
„ उग्रसैन जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजबाद	„
„ उग्रसैन जैन	चौकीगेट फिरोजाबाद	„
„ उग्रसैन जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	व्यापार
„ उमरावप्रसाद जैन	हनुमान गंज फिरोजाबाद	व्यापार

श्री उल्फतराय जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, ओमप्रकाश बनारसीदास जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	व्यापार
,, ओमप्रकाश जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, कपूरचन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, कमलकुमार जैन	चौबेजी का फाटक फिरोजाबाद	,,
,, कमलकुमार जैन	गांधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, किशनमुरारी जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, कुन्दनलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, कुँवरलाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	दुकान
,, कंचनलाल जैन	मुहल्ला दुली फिरोजाबाद	व्यापार
,, खजाञ्चीलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, खुशालचन्द जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, गयाप्रसाद जैन	कटरा सुनारान	,,
,, गुलाबचन्द जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, गेंदालाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, गौरीशंकर जैन	देवनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, चिरंजीलाल जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, चिरंजीलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, चैनसुखदास जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, चन्द्रसैन जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, छदामीलाल जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	,,
,, छोटेलाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, छोटेलाल जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	,,
,, जगदीशचन्द्र जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, जम्बूप्रसाद जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, जयकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, जयकुमार जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, जयकुमार मुन्शीलाल जैन	,, ,,	,,
,, जयकुमार बनारसीदास जैन	,, ,,	,,
,, जयन्तीप्रसाद जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, जवाहरलाल जैन	,, ,,	,,
,, जवाहरलाल गुलजारीलाल जैन	फिरोजाबाद	,,
,, जेतीप्रसाद जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, डोरीलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, तेजपाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,

श्री तालेवरदास जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
„ देवीप्रसाद जैन	मुहल्ला फिरोजाबाद	„
„ देवकुमार जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	व्यापार
„ देवकुमार जैन	चौकी गेट फिरोजाबाद	„
„ देवकुमार जैन	गंज फिरोजाबाद	„
„ देवकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ देवेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	किराना के व्या०
„ धनीराम जैन	चौकी गेट फिरोजाबाद	व्यापार
„ धर्मचन्द जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„
„ नत्थीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„
„ नन्नूमल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ नेमीचन्द जैन	लोहियान फिरोजाबाद	„
„ नेमीचन्द जैन	बड़ी छपेटी फिरोजाबाद	वस्त्र व्यवसायी
„ नेमीचन्द जैन	देवनगर फिरोजाबाद	व्यापार
„ नेमीचन्द जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	„
„ नेमीचन्द धूरीलाल जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	„
„ पन्नालाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ पुत्तूलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ पुष्पेन्द्रकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	वस्त्र व्यवसायी
„ प्रकाशचन्द्र जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	व्यापार
„ प्रकाशचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	„
„ प्रेमचन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	दुकानदारी
„ पंचमाला जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	व्यापार
„ फूलचन्द जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
„ फूलचन्द जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	व्यापार
„ बनारसीदास जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„
„ बलभद्रप्रसाद जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	„
„ बाबूलाल जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	„
„ बाबूराम जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	„
„ बालमुकुन्द जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„
„ बुद्धसेन जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	„
„ बुद्धसेन जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ वृन्दावनदास जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	„
„ भागचन्द जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ भानुकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„

श्री भामण्डलदास जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	,,
,, मटरूमल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, मनीराम जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, मनोहरलाल जैन	गंज फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, महावीरप्रसाद जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	व्यापार
,, महीपाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	वस्त्र व्यवसायी
,, महेन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	व्यापार
,, मानमल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, मानिकचन्द जैन	लोहियान फिरोजाबाद	,,
,, मानिकचन्द जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, मानिकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, मानिकचन्द मुन्नीलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, मुकुन्दीलाल जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, मुन्शीलाल जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, प० मुन्शीलाल जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, मुन्शीलाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	,,
,, मुन्शीलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	दुकानदारी
,, मोतीलाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, मोहनलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, मोहनलाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, मोहनलाल जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	,,
,, मंजूलाल जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	रंग रोगनके व्या०
,, रघुनाथप्रसाद जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	व्यापार
,, रघुवरदयाल जैन	चौकीगेट फिरोजाबाद	,,
,, रघुवरदयाल जैन	जलेसररोड फिरोजाबाद	,,
,, रघुवीरप्रसाद जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
,, रघुवंशीलाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	मिठाई के व्या०
,, रतनलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	व्यापार
,, रतनलाल जैन	मुहल्ला कोटला फिरोजाबाद	,,
,, रतनलाल जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजकिशोर जैन	चौकीगेट फिरोजाबाद	,,
,, राजकिशोर जैन	बड़ामुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, राजकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	,,
,, राजकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजनलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,

श्री राजनलाल जैन	घेरकोकल फिरोजाबाद	चूड़ी के व्यापारी
„ राजनलाल जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	व्यापार
„ राजबहादुर जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„
„ राजेन्द्रकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ राधामोहन जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„
„ रामप्रकाश जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„
„ रामस्वरूप जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„
„ रामस्वरूप जैन	कटरा सुलारान फिरोजाबाद	„
„ रामशरण जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	पंसारट की दुकान
„ लखपतराय जैन	रामलीलामैदान फिरोजाबाद	व्यापार
„ लालकुमार जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	„
„ वासुदेवप्रसाद जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ विजयकुमार जैन	गली लोहियान फिरोजाबाद	„
„ विजयभान जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	„
„ विजयभान जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	„
„ विदनलाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ विनोदीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„
„ विनोदीलाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	„
„ विश्वम्भरदयाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	„
„ वीरेन्द्रकुमार जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ वीरेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	„
„ बंगालीलाल जैन	हनुमान गंज फिरोजाबाद	„
„ बंगालीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„
„ श्यामबाबू जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	„
„ श्यामबाबू जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ श्यामसुन्दरलाल जैन	कृष्ण पाड़ा फिरोजाबाद	„
„ शान्तीप्रसाद जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	„
„ शान्तीलाल जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ शान्तीस्वरूप जैन	गांधीनगर फिरोजाबाद	„
„ शान्तीस्वरूप जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„
„ साहूलाल जैन	गांधीगर फिरोजाबाद	„
„ शिखरचन्द जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	„
„ श्योप्रसाद जैन	मुहल्ला चन्द्राप्रभू फिरोजाबाद	„
श्रीमती श्रीदेवी जैन	लोहियान फिरोजाबाद	„
श्री श्रीनिवास जैन	देवनगर फिरोजाद	„

जिला-बड़ोदा

श्री अमोलकचन्द जैन	बाघोडिया	अनाज के व्यापारी
,, चन्द्रसेन जैन	पुराना बाजार करजन	व्यापार
,, तहसीलदार जैन	मियागाँव जूनाबा० करजन	स्टोर
,, देवेन्द्रकुमार जैन	चांपानेर रोड़	वस्त्र व्यवसायी
,, धन्यकुमार जैन	बाघोड़िया	व्यापार
,, नेमीचन्द जैन	मियागाँव	व्यवसायी
,, बनारसीदास जैन	१११६ सरदार चौक करजन	वस्त्र व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	बाघोड़िया	व्यापार
,, महेन्द्रपाल जैन	पुराना बाजार करजन	व्यापार
,, मुन्शीलाल जैन	मियागाँव	व्यापार
,, राजकुमार जैन	बाघोड़िया	वस्त्र व्यवसायी
,, रामस्वरूप जैन	चापानेर रोड	अनाज के व्यापारी
,, वंशीलाल जैन	मियांगाँव	व्यापार
,, वासुदेव जैन	मियांगाँव करजन	कटलरी मर्चेन्ट्स
,, सुरेशचन्द्र जैन	बाघोड़िया	व्यापार
,, सूरजभान जैन	चांपानेर रोड	अनाज के व्यापारी
,, सूर्यपाल जैन	नया बाजार करजन	व्यापार
,, हुण्डीलाल जैन	चांपानेर रोड	अनाज के व्यापारी

जिला-बम्बई

श्री आदेश्वरप्रसाद जैन	१२।१८ विट्ठलभाई पटेल रोड बम्बई	स्टेनलेस स्टील व्या०
,, फूलचन्द जैन	कोचिंग आफिस बम्बई	गल्ला-व्यवसायी

जिला-बांदा

श्री इन्द्रपाल जैन	चौक बाजार बांदा	मिठाई के व्यवसायी
,, कन्हैयालाल जैन	जैन कटरा बांदा	,,
,, प्रेमचन्द जैन	चौक बाजार बांदा	,,
,, बाबूलाल जैन	चौक बाजार बांदा	,,
,, लालाराम जैन	छोटाबाजार बांदा	,,
,, शिवप्रसाद जैन	चौक बाजार बांदा	,,
,, श्रीचन्द जैन	छोटा बाजार बांदा	,,

श्री श्रीलाल जैन	मुहल्ला कटरा बाँदा	व्यापार
,, सेठीलाल जैन	गुसाईगंज बाँदा	,,

जिला-भड़ौच

श्री बनारसीदास जैन	पालेज	व्यापार
,, मुकेशकुमार जैन	पालेज	,,
,, राजकुमार जैन	पालेज	,,
,, ज्ञानचन्द जन	पालेज	,,

जिला-भिण्ड

श्री रघुवरदयाल जैन	गान्धी मार्केट भिण्ड	गल्ला व्यवसायी
,, शान्तिलाल जैन	गान्धी मार्केट भिण्ड	गल्ला व्यवसायी

जिला-भीलवाड़ा

श्री नेमीचन्द जैन कौन्देय	भूपालगंज भीलवाड़ा	व्यवसायी

जिला-भेलसा

श्री भीमसैन जैन	माधोगंज विदिशा	गल्ला व्यवसायी
,, मन्दिरदास जैन	माधोगंज विदिशा	,,

जिला-भोपाल

श्री अजितकुमार जैन	सर्राफा गली चौकबाजार भोपाल	सिगरेट व्यवसायी
,, अमृतलाल जैन	अड्डा मजीदसकूर खाँ भोपाल	गल्ला व्यवसायी
,, कन्हैयालाल जैन	नीमवाली बाखल सोमवारा भोपाल	किराना व्यवसायी
,, कान्तिस्वरूप जैन	ललवानी प्रेस रोड भोपाल	पुस्तक व्यवसायी
,, कुन्दनलाल जैन	३८ ललवानी प्रेस रोड भोपाल	व्यवसायी
,, केसरीमल जैन	दि० जैनमन्दिरके सामने चौकभोपाल	किराना व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	नजदीक इलाहाबाद बैंक भोपाल	व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	इतवारा चौक भोपाल	किराना व्यवसायी
,, गणपतलाल जैन	६९ नाईवाली गली इतवारा भोपाल	परचून व्यवसायी

श्री गबरूलाल जैन	गुलराज बाबूलाल जैन का म० भो०	पान व्यवसायी
,, गुट्टूलाल जैन	चौक भोपाल	सर्राफा व्यवसायी
,, गुलाबचन्द जैन	इतवारा रोड भोपाल	किराना व्यवसायी
,, गुलाबचन्द जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	व्यवसायी
,, गुलाबचन्द जैन	रामसिंहअहीरकी गली गुजरपुरा भो०	व्यवसायी
,, गेंदालाल जैन	मोहल्ला गुलियादाई भोपाल	व्यवसायी
,, गेंदालाल जैन	मंगलवारा भोपाल	,,
,, गोपालमल जैन	जुमेराती बाजार भोपाल	किराना व्यवसायी
,, घेवरमल जैन	सोमवारा बाजार भोपाल	होजरी व्यवसायी
,, चान्दमल जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	गल्ला व्यवसायी
,, छगनलाल जैन	लखेरापुरा भोपाल	व्यवसायी
,, जैनपाल जैन	बागमल की बाखल भोपाल	,,
,, डालचन्द जैन	जैनमन्दिर रोड चौक भोपाल	सर्राफा व्यवसायी
,, देवीलाल जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	मिठाई ,,
,, निर्मलाकुमारी जैन	इब्राहीमपुरा भोपाल	किराना व्यवसायी
,, नेमीचन्द जैन	गुज्जरपुरा भोपाल	,,
,, नेमीचन्द जैन	लखेरापुरा भोपाल	गल्ला व्यवसायी
,, फूलचन्द जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	होजरी ,,
,, बदामीलाल जैन	गलीडाकखाना चौक भोपाल	किराना व्यवसायी
,, बागमल जैन	लखेरापुरा भोपाल	व्यवसायी
,, बागमल जैन	चौकबाजार भोपाल	,,
,, बागमल जैन	इतवारा रोड भोपाल	वस्त्र व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	श्वेताम्बर जैन मन्दिर भोपाल	व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	तब्बेमिया के महल के पास भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	कोतवाली रोड इतवारा भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	घोड़ानक्कास भोपाल	,,
,, बाबूलाल जैन	मकसूदन महाराज का मकान भोपाल	किराना व्यवसायी
,, मन्नूलाल जैन	मन्दिर रोड भोपाल	व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	कलरी के पास भोपाल	परचून व्यवसायी
,, माणिकचन्द जैन	मारवाड़ी रोड भोपाल	गुड़ व्यवसायी
,, माणिकचन्द जैन	विरामपुरा भोपाल	व्यवसायी
,, मिट्ठूलाल जैन	चिन्तामणी का चौराहा भोपाल	मनिहारी व्यवसायी

श्री मिश्रीलाल जैन	इब्राहीमपुरा भोपाल	किराना व्यवसायी
„ मोतीलाल जैन	श्वेताम्बर जैन ट्रस्ट भवन भोपाल	गुड़-शक्कर व्यवसायी
„ मोतीलाल जैन	आमलाविलकिस गंज भोपाल	किराना व्यवसायी
„ मोहनलाल जैन	लखेरपुरा भोपाल	ट्रान्सपोर्ट व्यवसायी
„ रखबलाल जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	किराना व्यवसायी
„ रखबलाल जैन	ललवानी साहबकी गली भोपाल	परचून व्यवसायी
„ राजमल जैन	सोमवारा भोपाल	किराना व्यवसायी
„ रूपचन्द जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	सर्राफा व्यवसायी
„ लाभमल जैन	जुमेराती मंगलवारा थानेके पास भो०	होजरी व्यवसायी
„ लाभमल जैन	गोपालभवन जुमेरातीबाजार भोपाल	जनरल मर्चे० व्यव०
„ लाभमल जैन	इतवारा रोड भोपाल	व्यवसायी
„ लाभमल जैन	बागमलकी बाखल भोपाल	व्यवसायी
„ सुन्दरलाल जैन	आजाद मार्केट मारवाड़ी रोड भोपाल	किराना व्यवसायी
„ सुहागमल जैन	शकूर बस्ती भोपाल	„
„ सुहागमल जैन	काजीपुरा भोपाल	पान व्यवसायी
„ सुहागमल जैन	जैनमन्दिर रोड भोपाल	किराना व्यवसायी
„ सूरजमल जैन	१५ नं सिंधी बाजार भोपाल	किराना व्यवसायी
„ सूरजमल जैन	गुज्जरपुरा गली नं० ३ भोपाल	परचून व्यवसायी
„ सौभाग्यमल जैन	गुज्जरपुर गली नं ३ भोपाल	परचून व्यवसायी
„ सौभाग्यमल जैन	३६ ललवानी प्रेस रोड सौ०म० भोपाल	ट्रान्सपोर्ट व्यवसायी
„ शान्तिलाल जैन	१५ नं० सिन्धी बाजार भोपाल	किराना व्यवसायी
„ शान्तिलाल जैन	इतवारा रोड, जामुन मस्जिद भोपाल	व्यवसायी
„ श्रीमल जैन	घोड़ा नक्कास भोपाल	किराना व्यवसायी
„ हजारीलाल जैन	सोमवारा भोपाल	किराना व्यवसायी
„ हस्तीमल जैन	ललवानी गली भोपाल	किराना व्यवसायी
„ हीरालाल जैन	जुमेराती गुड बाजार भोपाल	गुड़ के व्यवसायी

जिला-मथुरा

श्री चुन्नीलाल जैन	इसौदा	मिठाई के व्यापारी
„ बाबूलाल जैन	शिखरा	व्यापार
„ मुरलीधर जैन	शिखरा	„

श्री मुन्शीलाल जैन	शिखरा	व्यापार
,, राजकुमार जैन	दौंहई	,,

जिला-मनीपुर

श्री सुदर्शनलाल जैन	पोना बाजार इम्फाल	व्यवसायी

जिला-मनीपुरी

श्री अनोखेलाल जैन	अराँव	व्यापार
,, खजांचीलाल जैन	अराँव	,,
,, चन्द्रभान जैन	अराँव	,,
,, छोटेलाल जैन	अराँव	,,
,, दम्मीलाल जैन	अराँव	,,
,, नाथूराम जैन	अराँव	,,
,, फुलजारीलाल जैन	अराँव	,,
,, बनारसीदास जैन	अराँव	,,
,, बहोरीलाल जैन	अराँव	,,
,, बालीराम जैन	अराँव	,,
,, मुन्शीलाल जैन	अराँव	,,
,, रामकिशन जैन	अराँव	,,
,, रामप्रसाद जैन	अराँव	,,
,, सरोफीलाल जैन	अराँव	,,
,, सुनहरीलाल जैन	अराँव	,,
,, गुलजारीलाल जैन	असुआ	,,
,, कुंजीलाल जैन	असुआ	,,
,, लालाराम जैन	असुआ	,,
,, सुनहरीलाल जैन	आसुर	,,
,, कुन्दनलाल जैन	उड़ेसर	,,
,, देवेन्द्रकुमार जैन	उड़ेसर	,,
,, महीपाल जैन	उड़ेसर	,,
,, रघुवरदयाल जैन	उड़ेसर	,,
,, रामस्वरूप जैन	उड़ेसर	,,
,, पूरनचन्द्र जैन	एका	,,
,, हजारीलाल जैन	एका	,,

श्री माणिकचन्द जैन	कैटना	व्यापार
„ श्यामलाल जैन	कुतकपुर	„
„ राजपाल जैन	केशरी	„
„ पन्नालाल जैन	कौरारा बुजर्ग	„
„ परमानन्द जैन	कौरारा बुजर्ग	„
„ प्यारेलाल जैन	कौरारा बुजर्ग	„
„ राजकुमार जैन	कौरारा बुजर्ग	„
„ बादशाह जैन	कौरारा बुजर्ग	„
„ सुखमाल जैन	कौरारा बुजर्ग	„
„ हुण्डीलाल जैन	कौरारा बुजर्ग	„
„ हरसुखलाल जैन	कौरारी सरहद	„
„ अमोलकचन्द जैन	कौरारी सरहद	„
„ कन्हैयालाल जैन	खेरी	„
„ बुद्धसैन जैन	खेरी	„
„ कपूरचन्द जैन	खैरगढ	„
„ छेदालाल जैन	खैरगढ	„
„ रामस्वरूप जैन	खैरगढ	„
„ लखमीचन्द जैन	खैरगढ	„
„ अमृतलाल जैन	घिरोर	„
„ अशरफीलाल जैन	घिरोर	„
„ अंग्रेजीलाल जैन	घिरोर	„
„ काशमीरीलाल जैन	घिरोर	„
„ केदारनाथ जैन	घिरोर	„
„ केशवदेव जैन	घिरोर	„
„ चन्द्रभान जैन	घिरोर	„
„ जगतनारायण जैन	घिरोर	„
„ जयन्तीप्रसाद जैन	घिरोर	„
„ दरबारीलाल जैन	घिरोर	„
„ दयाचन्द जैन	घिरोर	„
„ दीपचन्द जैन	घिरोर	„
„ द्वारकाप्रसाद जैन	घिरोर	„
„ नरेन्द्रकुमार जैन	घिरोर	„
„ नेमीचन्द जैन	घिरोर	„

श्री पूरनमल जैन	घिरोर	
,, प्रेमचन्द जैन	घिरोर	व्यापार
,, फुलजारीलाल जैन	घिरोर	,,
,, फूलचन्द जैन	घिरोर	,,
,, बनारसीदास जैन	घिरोर	,,
,, बहोरीलाल जैन	घिरोर	,,
,, बाबूराम जैन	घिरोर	,,
,, बाबूराम भोलानाथ जैन	घिरोर	,,
,, मुन्शीलाल जैन	घिरोर	,,
,, राधामन जैन	घिरोर	,,
,, रामस्वरूप जैन	घिरोर	,,
,, रामपूत जैन	घिरोर	,,
,, सदासुखलाल जैन	घिरोर	,,
,, सागरचन्द जैन	घिरोर	,,
,, शान्तीलाल जैन	घिरोर	,,
,, श्रीचन्द जैन	घिरोर	,,
,, श्रीचन्द जैन	घिरोर	,,
,, श्रीलाल जैन	घिरोर	,,
,, हजारीलाल जैन	घिरोर	,,
,, जगन्नाथप्रसाद जैन	जरामई	,,
,, अमृतलाल जैन	जरौली	,,
,, श्रीचन्द जैन	जरौली	,,
,, हरदयाल जैन	जरौली	,,
,, अमोलकचन्द जैन	जसराना	,,
,, अंग्रेजीलाल जैन	जसराना	,,
,, कश्मीरीलाल जैन	जसराना	,,
,, छोटेलाल जैन	जसराना	,,
,, दरबारीलाल जैन	जसराना	,,
,, राजदेव जैन	जसराना	,,
,, श्रीलाल जैन	जसराना	,,
,, होतीलाल जैन	जसराना	,,
,, रोशनलाल जैन	जोधपुर	,,
,, अमोलकचन्द जैन	थरौआ	,,
,, बाबूराम जैन	थरौआ	,,

श्री श्रीचन्द जैन	दिनोली	व्यापार
„ मुन्शीलाल जैन	नसीरपुर	„
„ मुन्शीलाल जैन	नगला सामती	व्यापार
„ खानचन्द जैन	निकाऊ	व्यापार
„ चिरंजीलाल जैन	निकाऊ	व्यापार
„ गुलजारीलाल जैन	पचवा	व्यापार
„ अमोलकचन्द जैन	पाढम	„
„ अमोलकचन्द जैन	पाढम	„
„ अशर्फीलाल जैन	पाढम	„
„ अशर्फीलाल ब्रजनन्दनलाल जैन	पाढम	वस्त्र व्यवसाय
„ ओमप्रकाश जैन	पाढम	व्यापार
„ उग्रसेन जैन	पाढम	„
„ छिंगामल जैन	पाढम	„
„ जिनेश्वरदास जैन	पाढम	अनाज के व्यापारी
„ जवलाल जैन	पाढम	व्यापार
„ टेकचन्द जैन	पाढम	„
„ नेमीचन्द जैन	पाढम	कपड़े के व्यापारी
„ प्रेमचन्द जैन	पाढम	व्यापार
„ बाबूराम जैन	पाढम	औषध व्यापार
„ भूधरदास जैन	पाढम	वस्त्र व्यवसाय
„ महेन्द्रकुमार जैन	पाढम	जनरल मर्चेन्ट्स
„ महेशचन्द्र जैन	पाढम	ठेकेदार
„ मुन्नीलाल जैन	पाढम	वस्त्र व्यवसाय
„ मुन्शीलाल जैन	पाढम	व्यापार
„ राजनलाल जैन	पाढम	„
„ लखपतिचन्द्र जैन	पाढम	वस्त्र व्यवसाय
„ मोरश्री जैन	पाढम	व्यापार
„ वीरेन्द्रकुमार जैन	पाढम	वस्त्र व्यवसाय
„ सत्येन्द्रकुमार जैन	पाढम	„
„ सुखदेवदास जैन	पाढम	„
„ हीरालाल जैन	पाढम	व्यापार
„ हुब्बलाल जैन	पाढम	„
„ जयदेव जैन	पिलकतर फतह	„
„ सोनपाल जैन	पिलकतर फतह	„

श्री गप्पूलाल जैन	पैढ़त		व्यापार
,, खुन्नीलाल जैन	पृथीपुर		,,
,, चोखेलाल जैन	पृथीपुर		,,
,, नत्थूलाल जैन	पृथीपुर		,,
,, बद्रीप्रसाद जैन	पृथीपुर		,,
,, रामदयाल जैन	पृथीपुर		,,
,, साहूकाल जैन	पृथीपुर		,,
,, अमोलकचन्द जैन	फरिहा		,,
,, उल्फतराय जैन	फरिहा		मिठाई का व्यापार
,, किरोड़ीमल जैन	फरिहा		औषध व्यापार
,, ताराचन्द जैन	फरिहा		व्यापार
,, देवकुमार जैन	फरिहा		व्यापार
,, पन्नालाल जैन	फरिहा		वस्त्र व्यवसाय
,, प्रेमचन्द जैन	फरिहा		किराना व्यवसाय
,, फूलचन्द जैन	फरिहा		किराना व्यापार
,, फौजीलाल जैन	फरिहा		व्यापार
,, बाबूराम जैन	फरिहा		,,
,, बाँकेलाल जैन	फरिहा		,,
,, भगवानदास जैन	फरिहा		,,
,, भगवानस्वरूप जैन	फरिहा		,,
,, मानिकचन्द जैन	फरिहा		,,
,, मुन्शीलाल जैन	फरिहा		,,
,, रघुनन्दनप्रसाद जैन	फरिहा		,,
,, रमेशचन्द्र जैन	फरिहा		,,
,, राजनलाल जैन	फरिहा		,,
,, बंगालीदास जैन	फरिहा		मिठाई के व्यवसायी
,, लक्ष्मणदास जैन	फरिहा		वस्त्र व्यवसायी
,, लक्ष्मीशंकर जैन	फरिहा		मिठाई के व्यापारी
,, संतकुमार जैन	फरिहा		व्यापार
,, सुनहरीलाल जैन	फरिहा		सर्राफा व्यापारी
,, सुरेशचन्द्र जैन	फरिहा		व्यापार
,, शाहकुमार जैन	फरिहा		वस्त्र व्यवसायी
,, शौकीलाल जैन	फरिहा		व्यापार
,, श्रीलाल जैन	फरिहा		

श्री श्रीलालभोलानाथ जैन	फरिहा	व्यापार
„ ओमप्रकाश जैन	फाजिलपुर	„
„ राजकुमार जैन	बड़ागाँव	„
„ सुखनन्दनलाल जैन	बड़ागाँव	„
„ अमोलकचन्द जैन	मुस्तफाबाद	„
„ ओमप्रकाश जैन	मारौल	„
„ ज्योतिप्रसाद जैन	रामपुर	„
„ साहूकार जैन	रामपुर	„
„ श्रीनिवास जैन	रामपुर	„
„ नाथूराम जैन	सरसागंज	व्यवसायी
„ मोतीलाल जैन	सरसागंज	घी के व्यापारी
„ रविलाल जैन	सरसागंज	किराने के व्यापारी
„ रामस्वरूप जैन	सौनई	व्यापारी
„ श्रीनिवास जैन	सौनई	व्यापारी
„ हजारीलाल जैन	सौनई	व्यापारी
„ इन्द्रसेन जैन	शिकोहाबाद	व्यापारी
„ कपूरचन्द्र जैन	शिकोहाबाद	साबुन के व्यापारी
„ किम्पिलादास जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
„ किशोरीलाल जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
„ कुँवरप्रसाद जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	परचून के व्यापारी
„ गौरीशंकर जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
„ छैलबिहारी जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	„
„ जगन्नाथप्रसाद जैन	इटावारोड़ शिकोहाबाद	„
„ जग्गीलाल जैन	मुहल्ला मिसराना शिकोहाबाद	वस्त्र-व्यवसायी
„ जरदकुमार जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	व्यापार
„ दरबारीलाल जैन	कटरा बाजार शिकोहाबाद	„
„ धनसुखदास जैन	मिसराना मोहल्ला शिकोहाबाद	घी के व्यापारी
„ निर्मलकुमार जैन	मण्डी शिकोहाबाद	सूत के व्यापारी
„ नैनामल जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	वस्त्र-व्यवसायी
„ प्रेमसागर जैन	गंजमण्डी शिकोहाबाद	व्यापार
„ फुलजारीलाल जैन	तिराहा इटावा रोड शिकोहाबाद	„
„ फूलचन्द जैन	मिसराना मुहल्ला शिकोहाबाद	व्यापार
„ फूलचन्द ख्यालीराम जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	„

श्री बहोरीलाल जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
„ बाबूराम जैन	मुहम्मदमो० २१८ शिकोहाबाद	„
„ भामण्डलदास जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	„
„ महावीरसहाय पाण्डे	शिकोहाबाद	„
„ दामोदरदास जैन	शिकोहाबाद	„
„ मानिकचन्द जैन	कटराबाजार शिकोहाबाद	घी का व्यवसाय
„ रघुवरदयाल जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	फुटकर व्यापार
„ राजकुमार जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	परचून के व्यापारी
„ राजनलाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	व्यापार
„ राजबहादुर जैन	जैनट्रस्ट शिकोहाबाद	„
„ राजेन्द्रप्रसाद जैन	शिकोहाबाद	„
„ रामस्वरूप जैन	शिकोहाबाद	„
„ रोशनलाल जैन	शिकोहाबाद	„
„ सन्तोकुमार जैन	कटराबाजार शिकोहाबाद	„
„ सन्तोषीलाल जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	व्यापार
„ साहूलाल जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	व्यापार
„ सुखनन्दनलाल जैन	शिकोहाबाद	व्यापार
„ सुनपतिलाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	„
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	मण्डी श्रीगंज शिकोहाबाद	„
„ सूरजभान जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	„
„ श्यामलाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	„
„ श्रीधरलाल जैन	बड़ाबाजार शिकोहाबाद	„
„ श्रीलाल जैन	शिकोहाबाद	„
„ हरसुखराय जैन	शिकोहाबाद	गल्ले के व्यापारी
„ हरविलास जैन	शिकोहाबाद	फुटकर व्यापार
„ हुण्डीलाल जैन	शिकोहाबाद	गल्ले के व्यापारी
„ हुण्डीलाल खेतीराम जैन	जैनस्टेशन शिकोहाबाद	चाय के व्यवसायी
„ छोटेलाल जैन	हातमंत	व्यापार

जिला-रतलाम

श्री गजेन्द्रकुमार जैन पाण्डेय	तोपखाना रतलाम	चूड़ी व्यवसाय
„ सन्तलाल जैन	तोपखाना रतलाम	चूड़ी व्यवसाय

जिला-राजगढ़

श्री कन्हैयालाल जैन	व्यावरा माण्डू पाउला	व्यवसायी
„ गजराजमल जैन	गांधी चौक सारंगपुर	व्यवसायी
„ चान्दमल जैन	पाउल्या	व्यवसायी
„ चान्दमल जैन	सारंगपुर	व्यवसायी
„ छगनलाल जैन	व्यावरा माण्डू	किराना व्यवसायी
„ दुलीचन्द जैन	सर्राफ	सर्राफा-व्यवसायी
„ पन्नालाल जैन	अदन खेडी	व्यवसायी
„ प्यारेलाल जैन	सारंगपुर	व्यवसायी
„ प्रेमनारायण जैन	ऊदनखेडी	„
„ मगनलाल जैन	गांधी चौक सारंगपुर	„
„ महीपाल जैन	गांधी चौक सारंगपुर	„
„ महेन्द्रकुमार जैन	सदर बाजार सारंगपुर	„
„ मूलचन्द जैन	गांधी चौक सारंगपुर	„
„ रखबलाल जैन	व्यावरा माण्डू	„
„ राजमल जैन	गांधी चोक सारंगपुर	„
„ लाभमल जैन	सारंगपुर	„

जिला-वर्धा

श्री कुलभूषण जैन	वार्ड नं २ वर्धा	सराफा-व्यवसाय
„ दर्वचन्द रामासाव जैन रोडे	वार्ड नं० २ जैन मन्दिर के पास वर्धा	कपास-व्यवसाय
„ नानाजी अंतीबाजी जैन कवर्डे	चेलाकेली वर्धा	किराना व्यवसाय
„ बाबूराव यादयराव जैन चतरे	वार्ड नं० ७ वर्धा	तम्बाकू-व्यवसाय
„ बाबूराव गुणधर जैन रोडे	वार्ड नं० १० राजकला रोड वर्धा	किराना-व्यवसाय
„ रमेशचन्द्र हीरासाव जैन	वार्ड नं० २ जैन बोर्डिंग के पास वर्धा	व्यवसाय

जिला-शाजापुर

श्री अमृतलाल जैन	काला पीपल मण्डी	गल्ला व्यवसायी
„ अमृतलाल जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी

श्री इन्दरमल जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
,, कस्तूरमल जैन	बरेछादातार	मिठाई के व्यवसायी
,, केशरीमल जैन	कालापीपल मण्डी	गल्ला व्यवसायी
,, केशरीमल जन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, केशरीमल जैन	बरेछादातार	किराना व्यवसायी
,, केशरीमल जैन	बेडस्या	व्यवसायी
,, खुशीलाल जैन	रनायल	किराना व्यवसायी
,, गेंदमल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, गेंदमल जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
,, गेंदमल जैन	भखावद	व्यवसायी
,, गोपालमल जैन	रनायल	व्यवसायी
,, छीतरमल जैन	बरेछादातार	वस्त्र-व्यवसायी
,, जैनपाल जैन	कालापीपल मण्डी	गल्ला-व्यवसायी
,, ताराचन्द जैन	खरसौंदा	किराना व्यवसायी
,, थेरूलाल जैन	भखावद	व्यवसायी
,, देवचन्द जैन	रनायल	किराना व्यवसायी
,, देवालाल जैन	बरेछादातार	किराना व्यवसायी
,, नन्दूमल जैन	कालापीपल मण्डी	,,
,, पूनमचन्द जैन	कालापीपल मण्डी	,,
,, पूरनमल जैन	बरेछादातार	,,
,, बसन्तीलाल जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
,, बाबूलाल जैन	शुजालपुर मण्डी	गल्ला-व्यवसायी
,, बोंदरमल जैन	जावड़िया घरवास	किराना व्यवसायी
,, भवानीराम जैन	शुजालपुर मण्डी	गल्ला-व्यवसायी
,, भँवरलाल जैन	खरसौंदा	किराना व्यवसायी
,, भँवरलाल जैन	रनायल	व्यवसायी
,, भेरूमल जैन	शुजालपुर मण्डी	गल्ला-व्यवसायी
,, मगनलाल जैन	बुडलाय	किराना व्यवसायी
,, मगनमल जैन	शुजालपुर सीटी	वस्त्र व्यवसायी
,, मगनमल जैन	शुजालपुर सीटी	व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	बरेछादातार	गल्ला व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	शुजालपुर सीटी	व्यवसायी
,, मांगीलाल जैन	जड़ियाघरवास	किराना व्यवसायी
,, मूल चन्द जैन	तम्बोलीपुरा शुजालपुर सीटी	गल्ला-व्यवसायी

श्री मेघराज जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
„ रखबलाल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
„ रघुलाल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
„ राजमल जैन	बुडलाय	किराना व्यवसायी
„ राजमल जैन	बेरछादातार	किराना व्यवसायी
„ राजेन्द्रकुमार जैन	शुजालपुर मण्डी	व्यवसायी
„ रामलाल जैन	बेरछादातार	गल्ला व्यवसायी
„ लखमीचन्द जैन	शुजालपुर	„
„ लक्ष्मीचन्द जैन	रनायल	व्यवसायी
„ सरदारमल जैन	बुड़लाय	किराना व्यवसायी
„ सरदारमल जैन	रनायल	व्यवसायी
„ सुन्दरलाल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
„ सुन्दरलाल जैन	भखावद	व्यवसायी
„ सूरजमल जैन	कालापीपल मण्डी	किराना व्यवसायी
„ सेजमल जैन	बेरछादातार	„
„ शंकरलाल जैन	कालापीपल मण्डी	गल्ला व्यवसायी
„ शान्तीलाल जैन	गान्धीचौक शुजालपुर	„
„ श्रीमल जैन	शुजालपुर	„
„ हरीनारायण जैन	त्रिपोलियाबाजार शुजालपुर	व्यवसायी
„ हस्तमल जैन	तम्बोलीपुरा शुजालपुर	„
„ हीरालाल जैन	भखावद	„
„ हेमराज जैन	बुड़लाय	„

जिला-सीहोर

●

श्री अनोखीलाल जैन	कोठरी हाट	किराना व्यवसायी
„ अमृतलाल जैन	कोठरी हाट	„
„ अमृतलाल जैन	इच्छावर	लेन-देन
„ इन्द्रमल जैन	मोतीलाल नेहरूमार्ग सीहोर	किराना व्यवसायी
„ इन्द्रमल जैन	मेहतवाड़ा	व्यवसायी
„ उमरावबाई जैन	मोतीलालनेहरूमार्ग सीहोर	किराना व्यवसायी
„ कन्नूलाल जैन	अटिया पो० इच्छावर	„
„ कन्हैयालाल जैन	कस्बा सीहोर	„
„ कस्तूरमल जैन	मेहतवाड़ा	„

श्री ला० केशवदेवजी जैन, कायथा

स्व०श्री ला० सुखदेवप्रसादजी जैन, एटा

श्री ला० बनारसीदासजी जैन, देहली

श्री ला० पानीरामजी जैन, देहली

स्नातकोत्तर वर्ग

●

जिला-गुना

श्री जगदीशप्रसाद जैन	रेलवेकालोनी रुढ़ियाई	(बी० कॉम)

जिला-जयपुर

श्री सुदर्शनकुमार जैन	राजकीय उ० मा० शाला बाँसा	इन्टर

जिला-जोधपुर

श्री अभयकुमार जैन	स्टेशनरोड जोधपुर	मैट्रिक
,, देवकुमार जैन	स्टेशनरोड जोधपुर	(बी० ए०)

जिला-देहली

श्री अजितप्रकाश जैन	४२१० आ० पु० सब्जीमण्डी देहली-६	(बी० ए०)
,, अतरचंन्द जैन	५३३।२८ डी. मोहल्ला गा० देहली-३१	(बी० कॉम)
,, अमरकुमार जैन	१७७४ कूचा लट्टूशाह देहली	एफ० ए०
,, अरविन्दकुमार जैन	११।४१ कृष्णनगर देहली-३१	इन्टर
,, अनूपचन्द जैन	८नं० रेलवे क्वाटर्स मोरसराय देहली	इन्टर
,, आदीश्वरकुमार जैन	१४१२कूंचा गुलियान जामामस्जिद ,,	मैट्रिक
,, ओमप्रकाश जैन	४२१६ कटरा त० चावड़ीबाजार देहली	,,
,, कालीचरण जैन	३३१० दिल्लीगेट देहली	(बी० ए०)
,, कैलाशचन्द्र जैन	३३९७ दिल्लीगेट देहली	मैट्रिक
,, चन्द्रकुमार जैन	३३१० दिल्लीगेट देहली	(बी० ए०)
,, चन्द्रपाल जैन	२२६ जैनमन्दिर शहादरा देहली	मैट्रिक
,, चन्द्रसैन जैन	१७८२ कूंचा लट्टूशाह देहली	(बी० ए०)
,, छोटेलाल जैन	३४२८ गली मा० दिल्लीगेट देहली	मैट्रिक, प्रभाकर
,, जगरूपशाह जैन	५१३।११ गाँधीनगर देहली-३१	इन्टर
,, जयप्रकाश जैन	१२९३ वकीलपुरा देहली-६	इन्टर
,, जयचन्द जैन	२७० गली जैनमन्दिर शहादरा देहली	इन्टर
,, दानकुमार जैन	३०१६ मस्जिद खजूरधर्मपुरा देहली	(बी० ए०)
,, देवसेन जैन	जैनमन्दिर के पास दिल्लीगेट देहली	मैट्रिक
,, धन्यकुमार जैन	३३९७ दिल्लीगेट देहली	मैट्रिक
,, धन्यकुमार जैन	४२१० आर्यपुरा सब्जीमण्डी देहली-६	इण्टर

श्री धर्मेन्द्रकुमार जैन	१२५१ (एफ. ३९६) लक्ष्मीवार्ड नई दे०	(बी. ए., प्रभाकर)
„ पद्मचन्द जैन	३०१६ बनारसी-भवन धर्मपुरा देहली	मैट्रिक
„ पारसदास जैन	४६ सी न्यू राजेन्द्रनगर-नई देहली	इण्टर
„ प्रकाशचन्द जैन	दरीबाकलाँ देहली	(बी० ए०)
„ प्रेमचन्द जैन	१२५९ गली गुलियान देहली-६	(बी० कॉम)
„ प्रेमचन्द जैन	एफ २।२३ माडल टाउन देहली	इण्टर
„ प्रेमसागर जैन	४३५, गली भैरोवाली, नई सड़क „	मैट्रिक
„ बनवारीलाल जैन	२२०० गली भूतवाली, म० ख० „	(बी० ए०)
„ भागचन्द जैन	२४९८ नाईवाड़ा, चावड़ी बा० „	मैट्रिक साहि० रत्न
„ भोलानाथ जैन	१५३४ कूंचा सेठ देहली-६	मैट्रिक
„ महावीरप्रसाद जैन	३४६ क० तम्बाकू चावड़ी बा० „	„
„ महावीरप्रसाद जैन	२२४१ गली पहाड़वाली ध० देहली-६	„
„ महेशकुमार जैन	६५५ कटरा नील, महावीर गली „	इण्टर
„ मोहनलाल जैन	३३१० दिल्ली गेट देहली	(बी० ए०)
„ रमेशचन्द्र जैन	१७८२ कूंचा लट्टूशाह, दरी० „	(बी०-कॉम)
„ राजबहादुर जैन	४३९ बी. भोलानाथ न० शहा० „	„
„ राजेशबहादुर जैन	बी. ८।८ कृष्ण नगर-देहली-३१	इण्टर
„ विनयकुमार जैन	देहली	मैट्रिक
„ वीरेन्द्रकुमार जैन	१५३४ कूंचा सेठ देहली-६	(बी० कॉम)
„ वीरेन्द्रकुमार जैन	सतघरा देहली	(बी० ए०)
„ शीतलप्रसाद जैन	१४१२ कूंचा ड० ही० गुलि० „	मैट्रिक
„ सत्येन्द्रकुमार जैन	देहली	(बी० ए०)
„ सतीशचन्द्र जैन	१२५९ गली गुलियान देहली-६	(बी० कॉम)
„ सुभाषचन्द्र जैन	३७६८ कूंचा परमानन्द फै० बा० „	(बी० ए०)
„ सुन्दरसिंह जैन	२७२० छत्ता प्रतापसिंह कि० „	„
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	१५३४ कूंचा सेठ देहली-६	(बी० कॉम)
„ सुशीलचन्द जैन	३७६८ कूंचा परमानन्द फै० देहली	(बी० ए०)
„ हीरालाल जैन	२३७।३ रघुवरपुरा देहली-३१	इण्टर

जिला-नागपुर

श्री अंबादास गोविन्द	झंडा चौक नागपुर	मैट्रिक
„ केशवराव नत्थूसाव सिंगारे	इतवारा नागपुर	„
„ दिवाकर अंतोबाजी कुबड़े	१३३ राधोजी नगर नागपुर	„
„ दीपक देवचन्द बोडखे	निकालस-मन्दिर चौक नागपुर	(बी० एस०-सी०)

श्री प्रभाकर हीरासाव मुठमारे	तहसील कोटला नागपुर	मैट्रिक
„ बाबूराव नागोवा मुठमारे	गरुड खांव इतवारी, नागपुर	„
„ भाऊराव मोतीसाव लोखंडे	गरूड़ खांव इतवारा, नागपुर	„
„ मधुकर अनन्तराव रोडे	हनुमान नगर, नागपुर	(बी० ए०)
„ मधुकर लक्ष्मणराव बोलडे	लखमा के अखाड़े के पास, नागपुर	मैट्रिक
„ मनोहर हीरासाव मुठमारे	तहसील के पास काटोल, नागपुर	„
„ महादेवराव लोखंडे	गरूड़ खांव इतवारा, नागपुर	„
„ राजेन्द्र यादवराव नाकाडे	मेडिकल कालेज हनुमाननगर, नागपुर	„
„ लक्ष्मणराव देवमनसाव	लखमा के अखाड़े के पास, नागपुर	„
„ सुदर्शन रुखवसाव कवड़े	झण्डा चौक चिरणीसपुरा, नागपुर	„

जिला-बम्बई

श्री आदीश्वरप्रसाद जैन	१२।१८ विट्ठलभाई पटेल रोड, बम्बई	इण्टर
„ रतनचन्द सुरेन्द्रनाथ जैन	मोतीवाला जुबलीबाग तारदेव, बम्बई	(बी० ए०)
„ राजेन्द्रकुमार जैन	मोतीवाला जुबलीबाग तारदेव, बम्बई	प्रथम वर्ष
„ वीरेन्द्रकुमार जैन	देवी-भवन, फ्लैट नं० ३, बम्बई	(बी० ए०)
„ सुमरेचन्द जैन	कोचिंग आफिस, बम्बई	(बी० ए०)

जि०-भडौंच

श्री प्रेमचन्द जैन	पालेज	मैट्रिक
„ लालताप्रसाद जैन	पालेज	मैट्रिक
„ ज्ञानचन्द जैन	पालेज	(बी० एस०-सी०)

जिला-भंडारा

श्री विजयकुमार जैन	जैनमन्दिर के पास, भंडारा	मैट्रिक
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	जैनमन्दिर के पास, भंडारा	„
„ शारदकुमार लक्ष्मणराव मुठमारे	जैनमन्दिर के पास, भंडारा	„

जिला-भरतपुर

श्री रामचन्द्र जैन	कायस्थपुरा भरतपुर	मैट्रिक
„ वीरेन्द्रनाथ जैन	कायस्थपुरा भरतपुर	इन्टर

श्री त्रिनेत्रकुमार जैन	कायस्थपुरा भरतपुर	(बी० ए०)
„ सुरेन्द्रनाथ जैन	कायस्थपुरा भरतपुर	(बी० एस० सी०)

जिला-भीलवाड़ा

श्री उत्तमचन्द जैन	भोपालगंज भीलवाड़ा	मैट्रिक
„ प्रवीणचन्द जैन	भोपालगंज भीलवाड़ा	„
„ मोतीचन्द जैन	भोपालगंज भीलवाड़ा	„
„ ज्ञानचन्द जैन	भोपालगंज „	„
„ सुमनचन्द्र जैन	भोपालगंज „	इण्टर
„ ओमप्रकाश जैन	हवामहल रोड भोपाल	(बी० ए०)
„ इन्दरमल जैन	सिंघी बाजार ५ नं० भोपाल	मैट्रिक
„ इन्दरकुमार जैन	सोमवारा भोपाल	बी० कॉम
„ ऋषभलाल जैन	मांगीलाल कन्हैयालाल की बाखल „	१०वीं श्रेणी
„ कमलकुमार जैन	सोमवारा भोपाल	मैट्रिक
„ कान्तिस्वरूप जैन	ललवानी प्रेस रोड, भोपाल	मैट्रिक
„ खेमचन्द जैन	लोहा बाजार भोपाल	मैट्रिक
„ गजराजमल जैन	५ इब्राहीम पुरा भोपाल	इन्टर
„ चन्द्रकान्त जैन	ललवानी प्रेस रोड भोपाल	मैट्रिक
„ जैनपाल जैन	ललवानी सा० भोपाल	(बी० कॉम)
„ डालचन्द जैन	श्वेताम्बरी जैन-मन्दिर के पीछे भो०	१२वीं कक्षा
„ देवेन्द्रकुमार जैन	गोविन्दपुरा भोपाल	मैट्रिक
„ धनपाल जैन	मंगलवारा जैन-मन्दिर रोड भोपाल	(बी० कॉम)
„ धनपाल जैन	जुमेराती बाजार भोपाल	(बी० ए०)
„ नेमीचन्द जैन	सोमवारा बाजार भोपाल	११वी कक्षा
„ नेमीचन्द जैन	गुजरपुरा जुमेराती के भीतर भोपाल	१०वीं कक्षा
„ निर्मलकुमार जैन	इब्राहिमपुरा भोपाल	मैट्रिक
„ प्रेमचन्द जैन	'कृष्ण-भवन' काजीपुरा भोपाल	मैट्रिक
„ फूलचन्द जैन	चौक जैन-मन्दिर मार्ग भोपाल	१०वीं कक्षा
„ बदामीलाल	गली डाकखाना चौक भोपाल	मैट्रिक
„ बसन्तिलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	मैट्रिक
„ बाबूलाल जैन	मुहल्ला गुलिया दाई भोपाल	(बी० ए०)
„ बाबूलाल जैन	लखेरापुरा भोपाल	(बी० ए०)
„ बाबूलाल जैन	चौक जैन मन्दिर रोड भोपाल	१० वीं श्रेणी
„ बाबूलाल जैन	इलाहाबाद बैंकके सामने भोपाल	इण्टर

श्री बाबूलाल जैन	इमलीवाली गली भोपाल	बी० ए०
„ बाबूलाल जैन	पीरगेट के बाहर भोपाल	इण्टर
„ मगनलाल जैन	हबामहल रोड भोपाल	बी० ए०, प्रभाकर
„ श्रीमल जैन	लोहाबाजार भोपाल	मैट्रिक
„ महेन्द्रकुमार जैन	सोमवारा भोपाल	(बी० कॉम)
„ मिश्रीलाल जैन	इब्राहिमपुरा भोपाल	मैट्रिक
„ मोहनलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	इण्टर
„ रणवीरप्रसाद जैन	कालीपुरा भोपाल	मैट्रिक
„ रमेशकुमार जैन	आजाद मार्केट भोपाल	१२ वीं श्रेणी
„ राजेन्द्रकुमार जैन	जैन मन्दिर रोड भोपाल	मैट्रिक
„ लखमीचन्द जैन	इतवारा रोड भोपाल	मैट्रिक
„ लखमीचन्द जैन	कृष्ण-भवन कालीपुरा भोपाल	१०वीं श्रेणी
„ लाभमल जैन	गोपाल-भवन जुमेराती-बाजार भोपाल	मैट्रिक
„ लाभमल जैन	गली बीस हजारी गुजरपुरा भोपाल	मैट्रिक
„ विपिनचन्द जैन	पिपलानी भोपाल	मैट्रिक
„ सज्जनकुमार जैन	साऊथ टी० टी० नगर भोपाल	(बी० ए०)
„ सिरेमल जैन	रोसलवाले ललवानी सा० गली भोपाल	(बी० कॉम)
„ सुगनचन्द जैन	चिन्तामन का चौराहा भोपाल	१० वीं श्रेणी
„ शान्तिलाल जैन	इतवारा रोड भोपाल	मैट्रिक
„ हस्तीमल जैन	गुजरपुरा, जुमेराती भीतर भोपाल	हाईस्कूल

जिला-मैनपुरी

श्री अचलकुमार जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० एस-सी०)
„ अरविन्दकुमार जैन	घिरोर	(बी० ए०)
„ अशोककुमार जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० एस-सी०)
„ कमलेशचन्द्र जैन	पाढ़म	मैट्रिक
„ कामताप्रसाद जैन	सरसागंज	शास्त्री, आ० आचार्य
„ चन्द्रसेन जैन	जैन ट्रस्ट शिकोहाबाद	शास्त्री
„ प्रमोदकुमार जैन	खैरगढ़	मैट्रिक
„ प्रमोदकुमार जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० एस० सी०)
„ रामस्वरूप जैन	खैरगढ़	साहित्य विशारद
„ वीरकुमार जैन	शिकोहाबाद	इन्टर
„ शारदाकुमार जैन	सरसागंज	मैट्रिक
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	घिरोर	इन्टर

श्री सुरेशचन्द्र जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० ए०)
„ सुबोधकुमार जैन	बड़ा बाजार शिकोहाबाद	(बी० एस-सी०)

जिला-रतलाम

श्री जगदीशचन्द्र जैन	जीवन विश्राम गृह रतलाम	इन्टर

जिला-राजगढ़

श्री कमलकुमार जैन	सारंगपुर	इन्टर
„ चन्द्रमल जैन	सदर बाजार सारंगपुर	(बी० ए०)
„ चान्दमल जैन	सारंगपुर	(बी० ए०)
„ जम्बूकुमार जैन	सदर बाजार सारंगपुर	इन्टर
„ हस्तीमल जैन	गाँधी चौक सारंगपुर	मैट्रिक

जिला-वर्धा

श्री कुलभूषण आत्माराम जैन रोडे	वार्ड नं० २ जैन मन्दिर के पास वर्धा	बी० कॉम
„ पानाचन्द गुलाबराव जैन रोडे	रामनगर वर्धा	(बी० ए०)
„ ताराचन्द देशराव जैन	चेला केली वर्धा	मैट्रिक
„ नरेन्द्र कु० पानाचन्द जैन रोड़े	रामनगर वर्धा	(बी० एस० सी०)
„ भाऊराव यादवराव जैन चतेर	वार्ड नं० ९ वर्धा	मैट्रिक
„ मनोहर बालवन्तराव जैन दामी	जैन मन्दिर के पास रामनगर वर्धा	मैट्रिक
„ रमेश नेमा साव जैन कवर्ड	वार्ड नं० २ जैन मन्दिर के पास वर्धा	मैट्रिक
„ रमेशचन्द हीरालाल जैन कोमे	जैन बोर्डिंग के पास वर्धा	(बी० कॉम)
„ शिवकुमार पानाचन्द जैन रोडे	रामनगर वर्धा	मैट्रिक
„ हीरासाव यादवराव जैन चतेर	वार्ड नं० ९ वर्धा	मैट्रिक
„ हीरासाव आण्याजी जैन दाणी	जैन मन्दिर के पास रामनगर वर्धा	मैट्रिक

जिला-वर्धमान

श्री धन्यकुमार जैन	एल ३।१२२ पी० ओ० दुर्गापुर-४	मैट्रिक

जिला-शाजापुर

श्री अम्बालाल जैन	काला पीपल	(बी० कॉम)
,, ज्योतिलाल जैन	बेरछादातार	(बी० कॉम)
,, जम्बूकुमार जैन	शुजालपुर	मैट्रिक
,, नेमीचन्द जैन	शुजालपुर सिटी	मैट्रिक
,, पद्मकुमार जैन	त्रिपोलिया बाजार शुजालपुर	(बी० एस० सी०)
,, प्रेमीलाल जैन बड़ेस्या	कालापीपल मण्डी	(बी० कॉम)
,, बसन्तीलाल जैन	शुजालपुर सिटी	इन्टर
,, बाबूलाल जैन	छोटा बाजार	मैट्रिक
,, मगनमल जैन	शुजालपुर सिटी	मैट्रिक
,, रवीलाल जैन	त्रिपोलिया बाजार	मैट्रिक
,, लाभमल जैन	त्रिपोलिया बाजार	मैट्रिक
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	शुजालपुर सिटी	इन्टर
,, सुरेन्द्रकुमार जैन	त्रिपोलिया बाजार शुजालपुर	(बी. एस-सी.)
,, शान्तीलाल जैन	शुजालपुर सिटी	मैट्रिक

जिला-सवाईमाधोपुर

श्री शान्तिस्वरूप जैन	शान्ति वीर नगर पो० महावीर जी	मैट्रिक

जिला-सीहोर

श्री अमृतलाल जैन	गान्धी चौक आष्टा	इन्टर
,, गणेशप्रसाद जैन	भोपाल रोड सीहोर	मैट्रिक
,, चान्दमल जैन	आष्टा रोड सीहोर	(बी० ए०)
,, छगनलाल जैन	मोटर स्टैण्ड के पास इच्छावर	मैट्रिक
,, जैनपाल जैन	मोतीलालनेहरू मार्ग सीहोर	मैट्रिक
,, जैनपाल जैन	चरखा लाइन सीहोर	(बी० ए०)
,, जैनपाल जैन	काजीपुरा इच्छावर	मैट्रिक
,, देवेन्द्रकुमार जैन	क्वार्टर २१८ एस. सी. सेन्टर सीहोर	मैट्रिक
,, नेमीचन्द जन	नमक चौराहा सीहोर	इन्टर
,, बदामीलाल जैन	बड़ाबाजार सीहोर	मैट्रिक
,, बाबूलाल जैन	बड़ाबाजार सीहोर	इन्टर

श्री महेन्द्रकुमार जैन	भोपाल रोड, सीहोर	(बी० ए०)
„ मानिकलाल जैन	बड़ाबाजार, आष्टा	मैट्रिक
„ मानिकचन्द जैन	मोतीलालनेहरू मार्ग, सीहोर	(बी० ए०)
„ मिश्रीलाल जैन	मेहतवाड़ा	इन्टर
„ मोतीलाल जैन	मेहतवाड़ा	मैट्रिक
„ लाभमल जैन	मोटर स्टैण्ड के पास, इच्छावर	„
„ ज्ञानमल जैन	काजीपुरा, इच्छावर	„
„ सवाईमल जैन	गान्धीचौक, आष्टा	„
„ सवाईमल जैन	भोपाल रोड, भोपाल	(बी० ए०)
„ सुजानमल जैन	गान्धी चौक, आष्टा	इन्टर
„ श्रीपाल जैन	गान्धी चौक, आष्टा	मैट्रिक
„ श्रीपाल जैन	काजीपुर, इच्छावर	„

●

श्री श्योप्रसादजी जैन
टूण्डला

श्री माणिकचन्द्रजी जैन एम.ए., बी.टी.
शिकोहाबाद

श्री नरेन्द्रप्रकाशजी जैन, साहित्यरत्न
एम.ए.एल.टी., फिरोजाबाद

श्री महेन्द्रकुमारजी जैन, 'महेश'
स० मन्त्री दि० जैन पंचायत, फरिहा

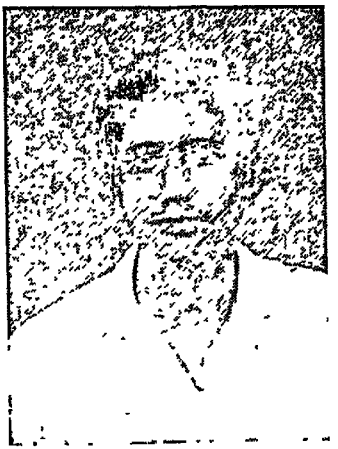

श्री पद्मचन्द्रजी जैन
अ० –श्री दि० जैन पुष्पदन्त सेवामण्डल,
अवागढ

श्री महीपालजी जैन, साहित्यशास्त्री
गढ़ीकल्याण

श्री सत्येन्द्रकुमारजी जैन, उड़ेसर

श्री कमलेशकुमारजी जैन, फिरोजाबाद

वेतनभोगी बन्धुगण

●

जिला-अजमेर

श्री चन्द्रसेन जैन	१।४२५ माकड़वाली रोड अजमेर	सर्विस
„ शुभचन्द्र जैन	रा० ओसवाल जैन हायर से० „	„
„ विजयकुमार जैन	१।५९ हवेली गंगाधर नहर मु० „	„
„ श्रीलाल जैन	ठि० बाबूराम भंवरलाल वर्मा पट्टीकल „	„
„ हेमचन्द्र जैन कौन्देय	घी मण्डी नयाबाजार अजमेर	„

जिला-अलीगढ़

श्री उग्रसैन जैन	हाथरस	सर्विस
„ घमण्डीलाल जैन	हलवाई खाना हाथरस	„
„ किरोड़ीमल जैन	सासनी	„
„ चिरंजीलाल जैन	मैदामई	„
„ पदमचन्द जैन	हाथरस	„
„ परमेश्वरीप्रसाद जैन	अलीगढ़	„
„ पूरनमल जैन	सासनी	„
„ बलवीरप्रसाद जैन	मैदामई	„
„ बुद्धसैन जैन	१०७ सी० रेलवे क्वाटर्स अलीगढ	„
„ महावीरप्रसाद जैन	अलीगढ़	„
„ महीपाल जैन	मैदामई	„
„ रघुवरदयाल जैन	मैदामई	„
„ वीरेन्द्रकुमार जैन	मैदामई	„
„ सनतकुमार जैन	अलीगढ	„
„ सुरेशकुमार जैन	खिरनीकी सराय	„
„ शान्तीस्वरूप जैन	१७२ श्यामनगर अलीगढ़	„

जिला-आगरा

श्री अजितकुमार जैन	धूलिआगंज आगरा	सर्विस
„ अतिवीर्यप्रसाद जैन	एत्मादपुर	कैशियर
„ अतिवीर्यप्रसाद जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
„ अनन्तस्वरूप जैन	पं० मोतीलाल नेहरू रोड आगरा	अध्यापन

श्री अभयकुमार जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	सर्विस
,, अमोलकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, अशर्फीलाल जैन	महावीरनगर फिरोजाबाद	,,
,, आनन्दीलाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, इन्द्रकुमार जैन	चौकीगेट फिरोजाबाद	,,
,, इन्द्रचन्द्र जैन	उसाइनी	,,
,, इन्द्रप्रकाश जैन	धूलियागंज आगरा	,,
,, इन्द्रभूषण जैन	वरहन	सर्विस स्कूल
,, ईश्वरप्रसाद जैन	महावीर-भवन बलदेव रोड़ टूण्डला	टिकिट कलैक्टर
,, उग्रसैन जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	
,, उग्रसैन जैन	टूण्डला	सर्विस रेलवे
,, उत्तमचन्द जैन	टूण्डला	सर्विस रेलवे
,, ओंकारप्रसाद जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
,, ओमप्रकाश जैन	बलदेव रोड़ टूण्डला	अध्यापन
,, ओमप्रकाश जैन	महावीर-भवन बलदेव रोड़ टूण्डला	सब डि० आफि
,, कृष्णकुमार जैन	वरहन	सर्विस
,, कपूरचन्द जैन	जलेसर रोड, फिरोजाबाद	,,
,, कमलकुमार जैन	छिलीईट घटिआ, आगरा	युनिवर्सिटी स०
,, कमलकुमार जैन	बड़ामुहल्ला, फिरोजाबाद	सर्विस
,, कमलकुमार जैन	चौराहा टूण्डला	अध्यापन
,, कामताप्रसाद जैन	धूलियागंज, आगरा	सर्विस
,, कामताप्रसाद जैन	राजा का ताल	,,
,, किशनदेवी जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, किशोरीलाल जैन	गोहिला	,,
,, कीर्तिकुमार जैन	जैनमन्दिर की गली टूण्डला	,,
,, कुलभूषणदास जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, कुसुमचन्द जैन	म० शि० बरतनवाले आगरा	अध्यापन
,, केशवदेव जैन	एत्मादपुर	मुनीमी
,, कैलाशचन्द्र जैन	धूलियागंज, आगरा	सर्विस स्टेट बैंक
,, कैलाशचन्द्र जैन	बलदेव रोड, टूण्डला	अध्यापन
,, गजेन्द्रकुमार जैन	अहारन	सर्विस
,, गणेशचन्द्र जैन	धोबीपाड़ा म. न. ५००६, आगरा	रोडवेज सर्विस
,, गयाप्रसाद जैन	बड़ामुहल्ला, फिरोजाबाद	अध्यापन
,, गुरुदयाल जैन	जैनकटरा, फिरोजाबाद	सर्विस
,, गुलाबचन्द जैन	बड़ामुहल्ला, फिरोजाबाद	,,

श्री गुरुदयाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	अध्यापन
„ गुरुदयाल जैन	राजा का ताल	„
„ गुरुदयाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„
„ गेंदालाल जैन	माईथान धूलियागंज, आगरा	सर्विस दीवानी
„ गोरेलाल जैन	जैनकटरा, फिरोजाबाद	„
„ गोपालदास जैन	जैनकटरा, फिरोजाबाद	सर्विस
„ गौरीशंकर जैन	सुभाष कालोनी, आगरा	„
„ गौरीशंकर जैन	मुहल्ला दुली, फिरोजाबाद	„
„ ज्ञानचन्द्र जैन	फिरोजाबाद	„
„ चन्द्रपाल जैन	बड़ामुहल्ला, फिरोजाबाद	„
„ चन्द्रप्रकाश जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	„
„ चन्द्रभान जैन	गान्धीनगर फिरोजाबाद	„
„ चन्द्रभानु जैन	चन्द्रप्रभ मुहल्ला, फिरोजाबाद	„
„ चन्द्रसैन जैन	गान्धीनगर, फिरोजाबाद	„
„ छुट्टनबाबू जैन	नारखी	रोडवेज सर्विस
„ छुट्टनलाल जैन	अंटगलीवास दरवाजा, आगरा	सर्विस
„ छोटेलाल जैन	जैनकटरा, फिरोजाबाद	„
„ क्षेत्रपाल जैन	मु० चन्द्रप्रभ, फिरोजाबाद	„
„ ज्वालाप्रसाद जैन	गान्धीनगर, फिरोजाबाद	„
„ जगदीशप्रसाद जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	„
„ जगदीशचन्द्र जैन	बेलनगंज, आगरा	सर्विस बैंक
„ जगदीशचन्द्र जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	सर्विस
„ जगरूपसहाय जैन	मरसलगंज आगरा	सर्विस आयलमिल
„ जगरूपसहाय जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	सर्विस
„ जनार्दन जैन	शीतलागली आगरा	सर्विस रोडवेज
„ जयसैन जैन	पलीगली आगरा	सर्विस
„ जयन्तीप्रसाद जैन	लोहा मण्डी, आगरा	अध्यापन
„ जयन्तीप्रसाद जैन	वरहन	सर्विस गवर्नमेंट
„ जियावाबू जैन	चौराहा टूण्डला	सर्विस
„ जियालाल जैन	वसई	सर्विस
„ जैनेन्द्रकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	अध्यापन
„ त्रिभुवनकुमार जैन	अहारन	सर्विस मिलैट्री
„ दयाराम जैन	टूण्डला	सर्विस
„ दयाचन्द जैन	टूण्डला	सर्विस
„ देवकुमार जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	सर्विस

श्री देवकुमार जैन	कोटला	अध्यापन
,, देवकुमार जैन	एत्मादपुर	सर्विससी.बी. ग्ला०
,, देवर्षि जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	सर्विस
,, देवस्वरूप जैन	खांडा	अध्यापन
,, दौलतराम जैन	फिलिपगंज, आगरा	सर्विस
,, द्वारकाप्रसाद जैन	रेलवे कोलोनी, टूण्डला	सर्विस रेलवे
,, धनवन्तसिंह जैन	घेर कोकल, फिरोजाबाद	सर्विस
,, धन्यकुमार जैन	कोटला	सर्विस पोस्ट आ०
,, धनपतलाल जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	सर्विस
,, धनेशचन्द जैन	एत्मादपुर	,,
,, धनेन्द्रकुमार जैन	नाईकी मण्डी, आगरा	सर्विस न० पालिका
,, नत्थीलाल जैन	गली जीन्दियान, टूण्डला	सर्विस मालगोदाम
,, नरेन्द्रकुमार जैन	३।२३ चटघाट, आगरा	सर्विस
,, नरेन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती, फिरोजाबाद	अध्यापन
,, नरेन्द्रनाथ जैन	माईथान धूलियागंज, आगरा	सर्विस युनिवर्सिटी
,, नागेन्द्रकुमार जैन	नाईकी मण्डी, आगरा	सर्विस मेटलब०
,, निर्मलकुमार जैन	वरहन	सर्विस रेलवे
,, निर्मलकुमार जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	सर्विस
,, नेमीचन्द जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	,,
,, नेमीचन्द जैन	चन्द्रप्रभ मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, नैनपाल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
,, प्यारेलाल जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	,,
,, प्यारेलाल जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, पंचमलाल जैन	गाँधी नगर फिरोजाबाद	,,
,, पद्दूमल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	,,
,, पातीराम जैन	राजा का ताल	,,
,, पातीराम जैन	अहारन	,,
,, पूर्णचन्द्र जैन	उसाइनी	रोडवेज
,, प्रकाशचन्द जैन	वारित्या बिल्डिंग बेलनगंज आगरा	सर्विस बैंक
,, प्रकाशचन्द जैन	जीवनी मण्डी आगरा	सर्विस
,, प्रकाशचन्द जैन	नई बस्ती फिरोजाबाद	,,
,, प्रकाशचन्द जैन	कोटला	अध्यापन
,, प्रभाचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, प्रेमचन्द जैन	जीवनी मण्डी आगरा	सर्विस जोन्स मिल
,, प्रेमचन्द जैन	जमुना ब्रज आगरा	सर्विस प्रेस

श्री प्रेमचन्द जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
„ प्रेमचन्द जैन	टूण्डला	„
„ प्रेमचन्द जैन	लोहियान फिरोजाबाद	„
„ प्रेमचन्द जैन	मुहल्ला चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	„
„ प्रेमसागर जैन	मुहल्ला जैयनियान टूण्डला	सर्विस रेलवे
„ फूलचन्द जैन	नाई की मण्डी आगरा	„
„ प्रेमशंकर जैन	वरहन	सर्विस कालेज
„ फूलचन्द जैन	मु० दुली फिरोजाबाद	सर्विस
„ बनवारीलाल जैन	देवघर फिरोजाबाद	सर्विस
„ बनारसीदास जैन	गंज फिरोजाबाद	„
„ ब्रजकिशोर जैन	गंज फिरोजाबाद	„
„ भगवानस्वरूप जैन	६२०८।ए०कोटिया-भवन आगरा	अध्यापन
„ भगवानदास जैन	महावीर नगर आगरा	सर्विस
„ भागचन्द जैन	चौबेजी का फाटक फिरोजाबाद	„
„ भानुकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ भामण्डलदास जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	„
„ भूलचन्द जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	„
„ मदनलाल जैन	लंगड़ा की चौकी आगरा	„
„ मदनबाबू जैन	वरहन	„
„ मदनविहारीलाल जैन	जौंधरी	„
„ मन्दिरदास जैन	कटरा सुनारान फिरोजाबाद	अध्यापन
„ मन्दिरदास जैन	कटरा सुनारान फिरोजाबाद	„
„ मनोहरलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
„ महावीरप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	„
„ महावीरप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	„
„ महावीरप्रसाद जैन	चिरहुली	सर्विस स्कूल
„ महावीरप्रसाद जैन	टूण्डला	सर्विस स्कूल
„ महावीरप्रसाद जैन	घेर खोखरान फिरोजाबाद	सर्विस
„ महावीरप्रसाद जैन	चिरहुली	„
„ महीपाल जैन	मरसलगंज	„
„ महेन्द्रकुमार जैन	रेलवे कालोनी टूण्डला	सर्विस रेलवे
„ महेशचन्द जैन	जौधरी	सर्विस
„ मानिकचन्द जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	मुनीमी
„ मानिकचन्द जैन	भोमरी	सर्विस-स्कूल
„ मानिकचन्द जैन	गंज फिरोजाबाद	सर्विस

श्री माणिकचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
,, माणिकचन्द जैन	गंज फिरोजाबाद	सर्विस-कैटरर
,, माणिकचन्द जैन	घोड़ी पाड़ा पूर्णिया गंज आगरा	अध्यापक
,, मुरारीलाल जैन	जारखी	सर्विस
,, मुरारीलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, मूलचन्द जैन	कचौरा बाजार बेलनगंज आगरा	,,
,, यतीन्द्रकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, रघुवीरप्रसाद जैन	रेलवे कालोनी टूण्डला	,,
,, रतनलाल जैन	एम.डी. जैन इन्टर कालेज आगरा	,,
,, रतनलाल जैन	लंगड़ा की चौकी आगरा	,,
,, रमेशचन्द्र जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, रमाशंकर जैन	टूण्डला	,,
,, रवीचन्द्र जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, राजकिशोर जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, राजकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, राजमल जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजबहादुर जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	चौक गंज फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	ठि० ताराचन्द अग्रवाल का म० आगरा	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
,, राजेन्द्रप्रसाद जैन	फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रश्री जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	,,
,, राजेन्द्रकुमार जैन	गंज फिरोजाबाद	,,
,, रामचन्द्र जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	,,
,, रामदास जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	अध्यापक
,, रामबाबू जैन	अकूताब्रज आगरा	सर्विस ऐंट
,, रामप्रताप जैन	बेरकोल्ल फिरोजाबाद	सर्विस
,, रामस्वरूप जैन	जारखी	,,
,, रामस्वरूप जैन	गाँधी नगर फिरोजाबाद	,,
,, रामबाबू जैन	जसरथपुर	,,
,, रामेश्वरदास जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,
,, रूपकिशोर जैन	बेलनगंज आगरा	सर्विस-कैटरर
,, विजयकुमार जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	सर्विस
,, विजयकुमार जैन	टूण्डला	,,
,, विजयकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	,,

श्री विजयचन्द जैन	छिलीईंट घटिया आगरा	सर्विस, पी.डब्लू.डी.
„ विजयचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
„ विनयकुमार जैन	मु० चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	„
„ विमलकुमार जैन	फाटक सूरजभान गंज आगरा	„
„ विमलकुमार जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	„
„ विमलस्वरूप जैन	पं० मोतीलाल नेहरू रोड आगरा	अध्यापन
„ वीरेन्द्रकुमार जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	
„ वीरेन्द्रनाथ जैन	भाई थान धूलियागंज आगरा	सर्विस
„ वीरचन्द जैन	जमुनाब्रज आगरा	सर्विस रेलवे
„ स्वरूपचन्द जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	सर्विस
„ स्वरूपचन्द जैन	एत्मादपुर	„
„ सज्जनकुमार जैन	एत्मादपुर	„
„ सत्यप्रकाश जैन	बसई	„
„ सतीशचन्द्र जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ सतीशचन्द्र जैन	राजाका ताल	सर्विस
„ सन्तकुमार जैन	फाटक सूरजभान गंज आगरा	सर्विस
„ सतीशचन्द्र जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	„
„ सन्तकुमार जैन	गाँधी नगर फिरोजाबाद	„
„ सादीलाल जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	„
„ साहूकार जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	„
„ साहूकार जैन	घेर कोकल फिरोजाबाद	„
„ सुकमाल स्वरूप जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	„
„ सुकमालकुमार जैन	फाटक सूरजभान आगरा	सर्विस कचहरी
„ सुकमाल स्वरूप जैन	जैन कटरा फिरोजाबाद	सर्विस
„ सुखमल जैन	सरायजयराम	सर्विस कालेज
„ सुदर्शनलाल जैन	मु० दुली फिरोजाबाद	सर्विस
„ सुनहरीलाल जैन	मु० चन्द्रप्रभ फिरोजाबाद	„
„ सुनहरीलाल जैन	फिरोजाबाद	„
„ सुनहरीलाल जैन	मु० दुली फिरोजाबाद	„
„ सुनहरीलाल जैन	टूण्डला	„
„ सुनहरीलाल जैन	लोहियान फिरोजाबाद	„
„ सुभाषचन्द्र जैन	मोती कटरा आगरा	सर्विस बैंक
„ सुमतप्रसाद जैन	बेलनगंज आगरा	सर्विस
„ सुमतिचन्द्र जैन	बड़ा मुहल्ला फिरोजाबाद	„
„ सुमतिप्रकाश जैन	बसई	„

श्री सुमेरचन्द्र जैन	मु० जैनियान टूण्डला	सर्विस
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	„
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	सरायजयराम	सर्विस एयरफोर्स
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	गंज फिरोजाबाद	सर्विस
„ सुरेन्द्रकुमार जैन	जैनकटरा फिरोजाबाद	„
„ सुरेशचन्द्र जैन	पथवारी धुलियागंज आगरा	„
„ सुरेशचन्द्र जैन	सासनी	अध्यापन
„ सुरेशचन्द्र जैन	सामलेप्रसाद रोड टूण्डला	सर्विस
„ सुरेशचन्द्र जैन	पचोखरा	सर्विस कालेज
„ सुरेशचन्द्र जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	सर्विस
„ सुरेशचन्द्र जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„
„ सुरेशचन्द्र जैन	हनुमानगंज फिरोजाबाद	„
„ सूरजपाल जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ सूरजभान जैन	इन्द्रमील लाइन नं० १ आगरा	„
„ सोमप्रकाश जैन	नईबस्ती फिरोजाबाद	„
„ श्यामकुमार जैन	चौराहा टूण्डला	„
„ शान्तकुमार जैन	३६१० नयाबाँस आगरा	सर्विस बीमाकम्पनी
„ शाहकुमार जैन	नारखी	सर्विस
„ हजारीलाल जैन	गाँधीनगर फिरोजाबाद	„
„ हजारीलाल जैन	धूलियागंज आगरा	अध्यापन
„ हुब्बलाल जैन	गंज फिरोजाबाद	सर्विस
„ श्रीप्रकाश जैन	जलेसर रोड फिरोजाबाद	„
„ श्रीलाल जैन	देवनगर फिरोजाबाद	„

जिला-इटावा

श्री सुमतिचन्द्र जैन	जी० आई० सी० इटावा	अध्यापन

जिला-इन्दौर

श्री जयकुमार जैन	जँवरी बाग इन्दौर	सर्विस
„ देवचन्द्र जैन	भोपाल क० नसिया रोड इन्दौर	„
„ बसन्तकुमार जैन	जँवरी बाजार इन्दौर	सर्विस बैंक
„ बृजकिशोर जैन	स्टेशन के सामने (बीड़ीवाले) राऊ	सर्विस सेल्समैन

मुनि श्री ब्रह्मगुलालजी महाराज

मुनि श्री ब्रह्मगुलाल के पूर्वज प्राचीन पद्मावती नगरी (वर्तमान पवाया) के अधिवासी थे। वह किसी समय वहाँ से स्थानान्तरण करके गंगा-यमुना के मध्य टापू अथवा टापो नामक स्थान में आ बसे थे। यह वैश्य परिवार बड़ा ही विवेकशील और मर्यादा-पालक था। श्री ब्रह्मगुलालजी की जन्म तिथि का तो कोई निश्चित उल्लेख नहीं पाया जाता किन्तु इनके पिता श्री 'हल्ल' के शताब्दी काल का संकेत अवश्य ही मिलता है, जो कि इस प्रकार से है :—

सोलह सै के ऊपरे सत्रह सै के माय।
पांडिन ही में ऊपजे दिरग, हल्ल दो भाय॥

अर्थात् १६ और १७ संवत् के बीच "दिरग और हल्ल" दोनों भाई पांडो नामक स्थान में उत्पन्न हुए थे। श्री हल्ल विशेष प्रभावशाली व्यक्ति हुए। अथच इन्हें सम्मानित राजाश्रय प्राप्त हुआ। कविवर 'छत्रपति' की रचनाओं से पता चलता है कि श्री हल्ल का भरा-पूरा परिवार था। किन्तु जिस समय वह घर से बाहर अपने खेत-बाग मे थे, उसी समय घर में आग लगी और सारा परिवार भस्मसात् हो गया। इस आकस्मिक वज्रपात को इन्होंने बड़े ही धैर्य और साहस के साथ सहन किया। तत्कालीन राजा, जिनके यह दरबारी थे—ने बड़ी चेष्टा करके इनका पुनर्विवाह कराया।

इसी दूसरी पत्नी से श्री 'ब्रह्मगुलाल' का जन्म हुआ। शोधाचार्यों का ऐसा अभिमत है कि इनका जन्म संवत् १६४० के लगभग हुआ होगा। कविवर छत्रपति ने इनकी प्रशस्ति में जो ग्रन्थ प्रणयन किया है, उसकी परिसमाप्ति विक्रमीय संवत् १९०९ पूर्वाषाढ नक्षत्र, माघ वदी १२ शनिवार को सायंकाल हुई। श्री ब्रह्मगुलालजी के स्वर्गारोहण के प्रायः दो सौ वर्ष बाद इस ग्रन्थ की रचना हुई। इस ग्रन्थ के अनुसार श्री ब्रह्मगुलाल जी का जन्म 'टापे' नामक ग्राम में हुआ था, जो कि चन्द्रवार के समीप है। यह स्थान आगरा जिला के फिरोजाबाद नामक कस्बे के निकट है और यहाँ तत्कालीन भव्य भवनों के भग्नावशेष खण्डहर के रूप मे अपनी विशालता का परिचय दे रहे है। श्री ब्रह्मगुलाल की माता प्रसिद्ध और सम्पन्न वैश्य श्री शाहन्शाह की सुन्दरी कन्या थी।

श्री ब्रह्मगुलाल का स्वास्थ्य बड़ा ही सुन्दर और चित्ताकर्षक था। इनमें महापुरुषों के से लक्षण परिलक्षित होते थे। इनका लालन-पालन बड़े ही उत्तम ढंग से हुआ और शिक्षा एक अच्छे विद्वान् द्वारा दी गई। धर्मशास्त्र, गणित, व्याकरण, काव्य, साहित्य, छन्द, अलंकार, शिल्प, शकुन और वैद्यक आदि की शिक्षा इन्होंने अल्पकाल ही मे प्राप्त कर ली थी।

ब्रह्मगुलाल कुमारणे पूर्व उपायो पुन्य।
याते बहुविद्या फुरीं कह्यो जगत ने धन्य॥

इन्हें लावनी आदि गाने और स्वांग भरने का शौक लग गया था। वादकों के साथ गाने भी गाने लगे थे। माता-पिता और परिजनों के बहुत समझाने पर इन्होंने इस कार्य को

सीमित किया, किन्तु त्यौहार आदि विशेष अवसरों पर यह स्वांग भरते और सर्वसाधारण का मनोरंजन किया करते थे। उनकी इस कला की दूर-दूर तक ख्याति हुई और राजसभा में उनका समादर भी अधिक बढ़ने लगा। उनके सम्मान को बढ़ते देखकर राजमंत्री को ईर्ष्या होने लगी और वह इनकी कीर्ति कम करने के लिए तरह-तरह के षड्यंत्र भी रचने लगा। मंत्री ने राजकुमार को उकसाया कि तुम श्री ब्रह्मगुलालजी से सिंह का स्वांग भरकर लाने को कहो।

राजकुमार ने राजा के सामने उनसे सिंह का स्वांग भरकर लाने के लिए कहा। श्री ब्रह्मगुलाल ने स्वीकार तो किया किन्तु राजा से त्रुटि-मार्जनार्थ वचन ले लिया कि यदि कोई चूक हो जाय तो अपराध क्षमा किया जाय। राजा ने अभयदान दे दिया। मंत्री की चाल यह थी कि सिंह रूपधारी ब्रह्मगुलाल से हिंसा कराकर इनके बढ़ते हुए प्रभाव को कम किया जाय। यदि जीव वध करते हैं तो जैनी श्रावक पद से च्युत होते है और नहीं करने से सभा में सिंह के स्वांग की हँसी होती है। ब्रह्मगुलाल जी सिंह का स्वांग बना कर सभा में पहुँचे। सिंह की दहाड़, स्वभाव, आचरण और आकृति आदि से रूपक अच्छा बन पड़ा था।

जब सिंह राजसभा में पहुँचा तो उसकी परीक्षा के लिए एक मृग-शावक उसके सामने खड़ा कर दिया गया। क्योंकि मन्त्री का यह पूर्व नियोजित षड्यंत्र तो था ही। सभा में खड़ा सिंह दहाड़ता है और पूँछ हिलाता है किन्तु हिरन के बच्चे पर वह झपटता नहीं है। यदि सिंह मृगशावक का वध करता है तो हिंसा होती है और नहीं करता है तो सिंह के स्वभाव में बाधा आती है। सिंह रूपी ब्रह्मगुलाल के सामने विषम परिस्थिति थी। भइ गति सांप छछूंदरि केरी। कदाचित् पहले से इस षडयंत्र का पता होता तो बहुत ही सुन्दर और सामयिक उत्तर मंत्री और राजकुमार को यह दिया जा सकता था कि—सिंह क्षुधित होने पर ही हिंसा करता है; निरर्थक जीव वध नहीं करता है। क्योंकि वह मृगराज कहलाता है। दूसरी बात यह भी तो है कि—वनराजा और नरराजा का यह समागम है, यहाँ सभ्य मानवों की सभा भी है। अथच यहाँ इस प्रकार के अशोभन कार्य नहीं होने चाहिये। जिस प्रकार नरराजा उचितानुचित का विचार करके कदम उठाते हैं; अपनी प्रजा को व्यर्थ ही उत्पीड़ित नहीं करते, इसी प्रकार वनराजा भी स्थान और काल के अनुरूप ही कार्य करते हैं। नोचेत् सिंह को इतनी देर कब लगती।

यह एक ऐसी दलील थी कि राजा भी प्रसन्न हो जाता और मंत्री तथा राजकुमार भी निरुत्तर हो जाते। यह बात अवश्य थी कि सिंह नहीं बोल सकता था किन्तु सिंह के साथ जो लोग आये थे, वह ऐसा उत्तर सिंह की ओर से दे सकते थे।

अभी ब्रह्मगुलाल कुछ स्थिर भी न कर पाये थे कि मंत्री की प्रेरणा से राजकुमार ने सिंह से कहा —

सिंह नहीं तू स्यार है, मारत नाहिं शिकार।
वृथा जन्म जननी दियो, जीवन को धिक्कार॥

इतना सुनते ही सिंह के बदन में आग जैसी लग गई। ब्रह्मगुलाल की आत्मा विक्षुब्ध हो उठी। हिरण शिशु पर से दृष्टि हटी और क्रोधावेश में उछल कर राजकुमार के शीश पर

आकर थाप मारी। इससे राजकुमार घायल होकर बेसुध जमीन पर गिर पड़ा। सभा में आतंक और भय व्याप्त हो गया। सिंह सभा से चला गया। इस आकस्मिक और घातक आक्रमण से राजकुमार के प्राण पखेरू शरीर रूपी पिंजड़े को छोड़ कर उड़ गए। राजा को अपार दुःख हुआ। किन्तु वचनबद्ध होने के कारण ब्रह्मगुलाल से कुछ कह नहीं सके थे। वनराजा ने अपने स्वाभाविक कर्तव्य का पालन किया तो नरराजा ने अपने वचन का पालन किया। राजा की सहिष्णुता कुछ अधिक वजनदार और प्रशंसनीय है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि श्रवणकुमार के माता पिता ने, कोशलाधीश दशरथ ने और कुरु-पांडव गुरु द्रोणाचार्य प्रभृति व्यक्तियों ने पुत्र शोक में अपने-अपने प्राण विसर्जित किये थे। किन्तु राजा ने बड़े धैर्य के साथ इस आघात को सहा।

इस अहिंसा कार्य से ब्रह्मगुलाल को बहुत दुःख हुआ, वह बड़े ही व्याकुल थे। पश्चात्ताप की प्रचण्डाग्नि से उसकी अन्तरात्मा झुलस रही थी। भूख, प्यास और नींद समाप्त सी हो गई थी। मंत्री ने जब देखा कि हम पर कोई कलंक नहीं आया है, तो उसने पुनः राजा के कान फूँकने आरम्भ किए। मंत्री ने राजा से कहा कि जिसके कारण आपको इतना कष्ट हुआ, उस ब्रह्मगुलाल से कहिए कि वह दिगम्बर जैन मुनि का स्वांग भर कर सभा में आयें। यदि वह ऐसा नहीं करते तो उनकी अपकीर्ति होती है और राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जॉयगे और दिगम्बर मुनि का भेष धारण करके फिर उसे छोड़ दिया या गृहस्थ हो गये तो समाज में प्रतिष्ठा नहीं रहेगी। राजा की ओर से उन्हें दिगम्बर मुनि का भेष बना कर सभा में आने का आदेश मिला। ब्रह्मगुलाल ने अपने परम मित्र मथुरा मल्ल और पत्नी आदि से परामर्श किया। इसके बाद वह जैन मुनि का दिगम्बर भेष धारण कर राजसभा में जा पहुँचे। अचानक ब्रह्मगुलाल को मुनि भेष में देख कर समस्त सभासद आश्चर्य चकित रह गये। मंत्री ने कहा—'आप अपने सदुपदेश से राजा के शोक का शमन कीजिये। उन्होंने उस समय राजा को जो उपदेश किया, उससे उनके शोक का शमन हो गया और राजा ने ब्रह्मगुलाल की बड़ी प्रशंसा की।

श्री ब्रह्मगुलाल जी राजसभा से निकल कर घर नहीं गये अपितु सीधे वन की ओर चले गये। इससे नगर के नर-नारियों में हाहाकार मच गया। उनकी पत्नी पर तो वज्राघात ही हो गया। नगर की स्त्रियाँ उनकी पत्नी को लेकर उनके पास वन में पहुँची और पुनः घर आने के लिए विविध प्रार्थनाएँ कीं। किन्तु जो असल वस्तु का स्वाद पा गया था, उसे कृत्रिम कैसे तुष्टि प्रदान कर सकती थी। अब उन्हें आत्मानन्द की अनुभूति हो चुकी थी और चारों ओर से घेरे हुए पूर्वजन्मार्जित पाप भस्मसात् हो गये थे। अब तत्त्वज्ञान का समुज्ज्वल प्रकाश उनके सामने था। मथुरा मल्ल ने उन्हें समझा कर पुनः घर लाने की बड़ी चेष्टा की, किन्तु उल्टे मल्ल जी पर ही उनका रंग चढ़ गया और वह भी अपने परम मित्र ब्रह्मगुलाल जी के अनुयायी हो गए।

जैन साहित्य का सृजन

श्री ब्रह्मगुलाल जी अच्छे कवि थे और काव्य शास्त्र का अनुशीलन भी किया था। अब काव्य सृजन का समय आ गया था और वन में कठोरतम साधनारत रहने पर भी परोपकारार्थ साहित्य का सृजन आरम्भ किया।

स्व० श्री पं० गौरीलालजी जैन सिद्धान्तशास्त्री, वेरनी

एटा जिले की जलेसर तहसील में "वेरनी" नामक एक छोटा सा ग्राम है। उन्नीसवीं शताब्दी में वहाँ शिवलाल नामक एक सदाचारी गृहस्थ रहा करते थे। उनके घर से सटा हुआ ही जैन मंदिर था। देव-दर्शन, पूजन-प्रक्षालन और स्वाध्याय करना उनके प्रतिदिन के कर्तव्य थे। प्रत्येक अष्टमी, चतुर्दशी, अष्टान्हिका व दशलक्षण पर्व पर बाहर से आये हुए और स्थानीय जैनियों को शास्त्र सुनाया करते थे। इसलिए उन्हें पंडित कहा जाता था। उनके घर में कण्डे व उपले नहीं जलाये जाते थे। लकड़ियाँ धोकर और सुखाकर जलाई जाती थीं। जमीकंद या बैंगन नहीं खाया करते थे। चौके में धार बांध कर पानी नहीं दिया जाता था। जो स्त्री चौके में भोजन बनाने जाती थी, उसी दिन की धुली हुई धोती पहन कर चौके में जाती थी और जब तक पं० गौरीलाल भोजन नहीं कर जाते थे, चौके के बाहर नहीं आ पाती थी। कदाचित किसी कारणवश उसे बाहर आना भी होता था तो दुबारा धोती धोकर गीली ही पहन कर चौके में जाना होता था।

आजकल का युवक इन बातों को डिम्भ और पाखण्ड बतलायेगा, किन्तु उस युग में ब्राह्मण-वैश्य समाज में बड़ी ही पवित्रता बरती जाती थी। घर में इतना शुद्ध भोजन बनता था कि कोई व्रती-मुनि तक अकस्मात् आजाने पर जाति के हर घर में भोजन कर सकता था। उसके लिये चौकी की विशेष व्यवस्था नहीं करनी पड़ती थी।

ऐसे धर्मात्मा सद्गृहस्थ पं० शिवलाल के दो पुत्र हुए। बड़े पुत्र का नाम रामलाल जी और छोटे पुत्र का नाम उदयराज जी। इन दोनों भाइयों के समय में भी इस घर में पूरी धार्मिक मर्यादा अक्षुण्ण बनी रही। दोनों ही भाई धार्मिक क्रियाओं को करते हुए कपड़े का व्यवसाय करते रहे। श्री रामलाल जी के दो पुत्र और तीन पुत्रियाँ उत्पन्न हुईं। बड़े का मनीराम और छोटे का गौरीलाल नाम था। श्री उदयराज जी के पाँच प्यारेलाल, सोनपाल, वंशीधर, खूबचन्द और नेमचन्द नामक के पुत्र हुए। पहले प्यारेलाल और उनके शोक में कुछ ही समय बाद उदयराज जी स्वर्गस्थ हुए। श्री गौरीलाल जी का जन्म सात ही महीने में हुआ था। रुई के गालों पर पाले जाते थे। इन्हें हाथ से कोई नहीं उठा सकता था, इतने कमजोर थे। परन्तु आयुर्बल बहुत बड़ा था।

जब कुछ वयस्क हुए तो यह वेरनी के शासकीय स्कूल में शिक्षा के लिए भेजे गये। उसके बाद अलीगढ़ में पढ़े। परन्तु यहाँ न्याय, व्याकरण और साहित्य आदि विषयों की उच्च शिक्षा का कोई प्रबन्ध नहीं था। गौरीलाल जी समस्त वाङ्मय हृदयंगम करना चाहते थे। अतः इन्हें बनारस अध्ययनार्थ भेजा गया। यहाँ इन्होंने सभी विषयों-खासकर व्याकरण का गंभीर अध्ययन किया। उसके बाद आपने दिल्ली में रहना प्रारम्भ किया और यहीं कपड़े का व्यवसाय किया। कुछ दिन तक जवाहरात का भी कार्य किया। स्टेशनरी की भी दूकान की, वह अपने भतीजे को दे दी। उसके बाद जलेसर में आकर एक सूत की दूकान खोली और खादी का भी काम किया। आपको दो तीन बच्चे हुए, पर जिये नहीं।

पत्नी भी आपके जीवनकाल में ही स्वर्गस्थ हो गई थीं। बाद को दिल्ली में एक प्रिंटिंग प्रेस भी खोला गया था।

आप अपनी दूकान पर ही अनेक गृहस्थों को धर्मशास्त्र पढ़ाया करते थे। उन्होंने भा० व० दि० जैन परीक्षालय का मंत्रिपद ३४ वर्ष तक संभाला और भा० व० दि० जैन महाविद्यालय के मंत्री भी रहे। संवत् १९७२ में आपने पद्मावती पुरवाल जाति की जनगणना भी कराई और स्त्री, पुरुष, बालक, वृद्ध, पढ़े, अपढ़, विधवा, सधवा, विवाहित, अविवाहित आदि सबका पूरा विवरण तैयार किया। इस जनगणना को पुस्तकाकार में भी प्रकाशित कराया गया।

आप खण्डेलवाल और अग्रवालों के सम्पर्क में अधिक रहा करते थे। इन जातियों में गोत्र व्यवस्था है। यह बात गौरीलाल जी को बहुत खटकी कि हमारी जाति में गोत्र व्यवस्था नहीं है। यह कार्य बड़ा कठिन और और श्रम साध्य था तथापि आपने उसे पूरा किया। पहले इस जाति में भी गोत्र व्यवस्था थी और बर्धा, नागपुर, भोपाल आदि के पुरवालों में अभी भी है। उत्तर प्रदेशीय पुरवालों में यह व्यवस्था विशृंखलित हो गई थी, जिसे गौरीलाल जी ने पुनः प्रचलित किया। नीचेन यह जाति अपने गोत्र ही भूल जाती। तथापि उत्तर और दक्षिण वाले पुरवालों में वैवाहिक सम्बन्ध गोत्रादि बाधा के कारण नहीं हो पाते।

आप मुनि संघ में अधिक रहा करते थे। आपने देहली में एक ला विभाग भी खोला था, जिसके द्वारा इंग्लिश में जैन ला लिखवा कर प्रकाशित कराया। उससे जैनियों के उत्तराधिकार के मुकदमों में काफी मदद मिलती है। आपको "जाति भूषण" 'सिद्धान्त शास्त्री" और धर्म दिवाकर आदि की पदवियां भी मिली थीं। आचार्य शान्तिसागर जी महाराज से आपने सप्तम प्रतिमा का व्रत लिया था। आपने रत्नकरण्डश्रावकाचार का हिन्दी अनुवाद किया। उसके साथ आचार्य प्रभाचन्द्र जी महाराज की संस्कृत टीका भी जोड़ी गई और श्लोक के सभी शब्दों की संस्कृत भाषा में आपने स्वयं निरुक्ति लिखी। आप एक अच्छे लेखक भी थे। "जैन सिद्धान्त" नामक एक पत्र भी आपके सम्पादकत्व में प्रकाशित हुआ था। आप बड़े विनोदी प्रकृति के व्यक्ति थे। बच्चों में बच्चे और विद्वानों में विद्वान् थे। आपका जीवन बड़ा परोपकारी था।

●

न्यायदिवाकर स्व० श्री पन्नालाल जी जैन, जारखी

आपका जन्म ग्राम जारखी तहसील एत्मादपुर जिला आगरा में हुआ था। आपके पिता श्री का नाम झरंगदलाल जैन था। मध्यमवर्ग का पवित्र परिवार था। आपके पिता अपने व्यवसाय के साथ साथ पंडिताई भी करते थे। जन साधारण को लग्न, मुहूर्त, तिथि. वार आदि शुभाशुभ बता दिया करते थे। यह बात उस समय की है, जब कि ग्रामों में शिक्षा के साधन बहुत अल्प थे। यातायात के परिवहन बहुत सीमित और व्यवसायिक क्रम विकास का आरम्भकाल था। पंडित जी को भाषा का ज्ञान था और उसी के साथ धार्मिक श्रद्धान भी। अल्पायु में ही श्री पन्नालाल जी का व्याह हो गया था। वयस्क होने पर पिता को गृहकार्य में सहायता की आशा स्वाभाविक ही थी। किन्तु पन्नालाल जी इस ओर से उदासीन थे।

एक दिन आपके पिता जी आप पर क्रोधित हो गये। इस पर आप रुष्ट होकर घर से भाग गये। उन दिनों वाराणसी में ऐसे अनेक विद्यापीठ थे, जहाँ निःशुल्क शिक्षा दी जाती थी और धर्म परायण लोग विद्यार्थियों को भोजन भी दिया करते थे। यह संस्थायें अजैन, अर्थात् शैव किंवा वैष्णव हुआ करती थीं। जैन सिद्धांत और दर्शन यहाँ नहीं पढाये जाते थे। ऐसे ही एक गुरुकुल में आप प्रवेश पा गये। कुशाग्र बुद्धि तो थे ही, मनोयोग पूर्वक आपने खूब अध्ययन किया। अल्प समय में ही साहित्य व्याकरण, न्याय और ज्योतिष में प्रवीण हो गये। इनकी प्रतिभा से गुरुजी बड़े प्रसन्न रहते थे। यदा कदा इनसे सम्मति भी लिया करते थे।

एक बार इनके गुरुजी का जैनियों के साथ शास्त्रार्थ होना था। इसके लिए गुरुजी ने एक प्रवचन तैयार किया था। प्रवचन पन्नालाल जी को देकर उन्होंने इनकी सम्मति मांगी। इस समय तक यह धारा प्रवाह संस्कृत बोलने लगे थे। जैनधर्म का आपको प्रगाढ़ ज्ञान था ही। उस लेख को पढकर इन्होंने गुरुजी से कहा कि इन तर्कों में कोई आधारभूत तथ्य नहीं है। किये गये प्रश्नों के उत्तर बहुत सरल और साधारण है, जिनके प्रत्युत्तर नहीं हैं। गुरुजी के पूछने पर इन्होंने जब तर्क बतलये, तो गुरुजी आश्चर्य चकित होकर बोले—"पन्ना, तू जैनी जान पड़ता है ?" इन्होंने बड़ी नम्रता पूर्वक गुरुजी के चरण छूकर जैनी होना स्वीकार कर लिया।

गुरुजी कुपित होकर बोले—"तूने मेरे साथ कपट किया है। यहाँ से इसी क्षण चला जा।" अगले दिन आपने गुरुजी से विदा ली। गुरुजी को अपने प्रिय शिष्य से विलग होने का महान् दुःख था। किन्तु उस वातावरण में न गुरुजी रख सकते थे और न यह रह ही सकते थे। गुरुजी ने गद्गद हृदय से विदाई दी और आशीर्वाद दिया। विदा देते हुए आदेश दिया कि—किसी ब्राह्मण से कभी भी तर्क या शास्त्रार्थ मत करना।" गुरुजी के इस आदेश को पं० पन्नालालजी ने आजन्म निभाया। वहाँ से विदा लेकर पं० पन्नालालजी घर लौटे। दीर्घकालीन विछोह के बाद परिवार से सम्मिलन हुआ, तो परिवार प्रसन्न हो उठा।

कुछ दिन बाद किसी ने आकर इनसे मुहूर्त पूछा, तो आपने मौखिक ही बतला दिया। पिताजी ने कहा कि पंचांग बिना देखे ही मुहूर्त बता दिया, अशुद्ध हो तो ? इन्होंने उत्तर दिया कि—किंचित् मात्र अन्तर नहीं आ सकता।" पिता ने जब पंचाङ्ग देखा, तो मुहूर्त बिल्कुल ठीक था।

इन्हीं दिनों हाथरस का मेला हुआ। उसमें चारोंओर के जैन परिवार सम्मिलित हुए। इनका भी परिवार गया था। योजनानुसार एक दिन आर्य समाज के विद्वानों से शास्त्रार्थ का भी कार्यक्रम था। एक विशाल मंच पर कुछ आर्यसमाजी विद्वान् उपस्थित थे। उनसे वाग्युद्ध के लिए कुछ जैन गृहस्थ भी एकत्र हुए थे। जैन गृहस्थों को धर्म का ज्ञान तो था किन्तु संस्कृत के ज्ञान का अभाव था। शास्त्रार्थ आरम्भ हुआ। दर्शकों की आपार भीड़ को पार करके पं० पन्नालालजी भी मंच पर पहुँच गये। दिव्य शरीर, प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तित्व देखकर सब लोग चकित थे कि यह कौन है ? जैन विद्वान् बहुत सोच समझ कर समाजियों के उत्तर दे पाते थे। किन्तु पंडितजी ने पहुँचकर धारा प्रवाह संस्कृत में तर्कों का उत्तर देना आरम्भ किया। जहां प्रश्न हुआ कि पंडितजी ने उसका तत्काल सप्रमाण उत्तर दिया और अपना प्रश्न उनके सामने रख दिया।

पढ़े अनपढ़े यह सभी लोग भांप लेते थे कि किसका प्रश्न और उत्तर ठीक है। अन्त में समाजी लोग निरुत्तर होकर चले गये। अब भीड़ ने पंडितजी को घेर लिया। परिवार और ग्राम वालों को अपार हर्ष हुआ। पिता के आनन्द का तो कहना ही क्या था। अब सेठों में होड़ लग गई कि पंडितजी को कौन अपने यहाँ ले जाय। इस समस्या का समाधान पंडित जी ने तत्काल ही कर दिया। उन्होंने कहा कि जो सेठ मुझे पालकी में बैठा कर स्वयं अपना कन्धा लगाकर ले जा सके, ले जाय। इस कठिन परीक्षा में सेठ जम्बूप्रसाद सहारनपुर ही सफल हो सके।

अब पंडितजी का निवास स्थान सहारनपुर हो गया और यही से उनकी प्रतिभा का प्रकाश फैला। आज दिन सहारनपुर मे जो धर्म की प्रभावना है, उसके मूल मे पंडित पन्नालाल न्यायदिवाकर की बहुत बड़ी देन है। अन्तिम दिनों में पंडितजी फिरोजाबाद आकर बस गये जहाँ उनकी विशाल हवेली आज भी खड़ी है। इनके तीन पुत्र और एक पुत्री हुई। केवल बड़े पुत्र के ही सन्तान है।

पंडितजी को एक बार किसी मुकदमे मे जैनधर्म के प्रमाण के निमित्त अदालत में जाना पड़ा। न्यायाधीश ने प्रमाण के ग्रन्थों को न्यायालय में मंगाया तो पंडितजी ने कहा

कि जब सम्माननीय व्यक्ति का बयान कमीशन से होता है तो जैनधर्म के ग्रन्थ तो महान् पूजनीय हैं, उनको न्यायालय में कैसे लाया जा सकता है।

एक बार अन्य किसी विद्वान् ने पंडितजी से शास्त्रार्थ करने की इच्छा व्यक्त थी। उन्होंने एक श्लोक पढ़ा, जिसका अर्थ यह था कि—साहित्य, व्याकरण, न्याय और ज्यौतिष इनमें से किस विषय पर आप शास्त्रार्थ करना चाहते है ? उनकी बात सुनकर उस विद्वान् ने कहा—बस महाराज ! जैसा आपको सुनते थे, आप उससे भी अधिक विद्वान् हैं। बादको आपको "न्याय दिवाकर" की उपाधि से विभूषित किया गया। एक बार एक अन्य व्यक्ति ने उनसे प्रश्न किया कि महाराज ! सिद्ध शिला तो परिमेय, परिमाणित है, उसमें अपरिमेय अनन्तानन्त सिद्ध कैसे रह रहे है ? पंडितजी ने कहा—"लगातार बातें सुनते रहे हो और सुनते भी रहोगे तथापि तुम्हारे कान खाली के खाली ही बने रहते है। इस युक्ति से विद्वान् बड़ा प्रसन्न हुआ।

फिरोजाबाद के जैन मेले में फिर एक बार आर्य समाजियों ने पंडितजी से शास्त्रार्थ करने की सूचना दी। विषय मूर्ति पूजा का रखा था। समाजी लोग मूर्ति पूजा के विरोधी थे। उन दिनों मथुरा से दयानन्दजी सरस्वती की तस्वीर के छपे हुए दुपट्टे बहुत बिका करते थे और आर्य समाजी लोग सन्ध्या वन्दन के समय उन दुपट्टों को ओढ़ लिया करते थे। यह बात पंडितजी को मालूम थी कि—

ओढ़ दुपट्टा पूजा करते विद्वद्वर आर्यसमाजी।
देवी देव मूर्ति पूजा पर नित करते है एतराजी॥

पंडिजी को ज्ञात हुआ कि फिरोजाबाद में श्री बाबूरामजी पल्लीवाल बजाज के यहाँ ऐसे दुपट्टों की एक गांठ आई हुई है। पंडितजी ने बहुत से दुपट्टे मंगाये और कुछ तो मंच पर बिछवा दिये, जहाँ कि विद्वान् लोग शास्त्रार्थ के लिए बैठेंगे और कुछ बीच के रास्ते में जहाँ से होकर लोग मञ्च पर जायंगे, वहाँ कपड़ों की तरह बिछवा दिये। दोनों ओर पंक्ति बद्ध लोगों को खड़ाकर दिया स्वागत के लिए। जैसे ही आर्यसमाजी विद्वान् लोग पधारे कि लोगों ने बड़ी विनम्र अगवानी करते हुए वही दुपट्टों वाला मार्ग बता दिया। उनका ध्यान दुपट्टों पर पड़ा तो विचारे बड़े असमञ्जस में पड़ गये। शास्त्रार्थ के प्रश्न का मूर्तिमान उत्तर पाकर तत्काल पश्चात्पद लौट गये। पंडितजी वस्तुत :—

विद्वान थे, गुरुज्ञान थे, सम्मान, ध्यान, महान थे।
कल्यान प्रान सुजान थे, शुभ धर्म के अवदान थे॥

श्री बाबू नेमीचन्दजी गुप्ता, मोरेना

समाज के वयोवृद्ध नेता माननीय श्री बा० नेमीचन्दजी गुप्तका जन्म आज से ७३ वर्ष पूर्व श्री उदयराजजी जैन बेरनी के घर हुआ। स्व० श्री उदयराजजी जैन अपने समय के आदर्श जन सेवक हो चुके है। श्री नेमीचन्दजी जैसे मेधावी बालक को पुत्र रूप में प्राप्त कर आपने अपार हर्ष मनाया और इनकी शिक्षाका समुचित प्रबन्ध किया। श्री नेमीचन्दजी ने भी अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और अनुपम स्मरण-शक्ति के कारण शिक्षा-क्षेत्र में आश्चर्य जनक सफलता प्राप्त की और शीघ्र ही बी० ए० एल० एल० बी० की उच्च शिक्षा से विभूषित हो गए।

आपकी सारी शिक्षा अँग्रेजी के माध्यम से होने पर भी आपका अपनी संस्कृति के प्रति अनुराग यथावत् बना हुआ है। वकालत को आपने जीविका के रूप में स्वीकार किया, किन्तु अपने निजी जीवन में आप शुद्ध और सात्विक तथा सत्यप्रिय बने रहे। आपका सेवाभावी जीवन व्यस्त रहने पर भी समाज-सेवा के लिए सदैव तत्पर रहा है। बाल्यावस्था से ही आपमें स्व समाज को उन्नत तथा समृद्ध देखने की लालसा है। समाज से निरक्षरता को मिटाने का प्रयास आपके जीवन में बराबर बना रहा। समाज के होनहार बालकों को छात्रवृत्ति बांटने का क्रम आप बराबर अपनाए हुए हैं तथा उसके लिए प्रतिक्षण प्रयास करते रहते हैं। आपने दुःख भरे क्षणों में भी समाज-सेवा के व्रत को अक्षुण्ण रखा है।

समाज-सेवा में दत्तचित्त अनेकों संस्थाओं के आप प्रधान तथा मन्त्री और सदस्य रहे हैं। पद्मावती पुरवाल महासभा के आप प्रधान मन्त्री भी रह चुके हैं। आपने अनेकों संस्थाओं का पोषण कर उनको दीर्घ जीवी बनाया है।

आप दहेज प्रथा के पूर्ण विरोधी है। दहेज की दावानल को शान्त करने के लिए आपने अनेकों बार उत्तम सुझाव दिए तथा सारगर्भित और सामयिक लेख भी लिखे हैं।

आपकी धर्मपत्नी सुश्री प्रभावी गुप्ता, धार्मिक विचार युक्त आदर्श गृहणी है। आप भी अपने पतिदेव की भांति शान्त और गम्भीर तथा कष्ट सहिष्णु साहसी महिला है। आपके दो सुपुत्र चिरंजीवी जगदीशचन्द्र गुप्ता तथा चिरंजीवी शरतचन्द्र गुप्ता क्रमशः इन्टर और मैट्रिक तक शिक्षित हैं तथा "गुप्तास्टोर" और "गुप्ता ब्रदर्स" फर्मों का संचालन कर रहे हैं।

●

श्री लालबहादुरजी जैन शास्त्री एम. ए., पी. एच. डी., इन्दौर

श्री लालबहादुरजी शास्त्री जैन समाज के शीर्षस्थ विद्वानों में से हैं। आप एक सफ लेखक, कुशल कवि एवं प्रभावशाली वक्ता है।

आपके पितामह श्री लाला शिखरचन्दजी पमारी (आगरा) निवासी थे। श्री शिख चन्दजी के पुत्र हुये-श्री रामचरणलाल एवं हरचरणलाल। शास्त्रीजी श्री रामचरणलाल के सुयोग्य सुपुत्र हैं। श्री शास्त्रीजी का जन्म "लालरू" (कालका के पास पंजा में हुआ। उन दिनों आपके पिता लालरू में स्टेशन मास्टर थे। अतः लालरू में जन होने से ही आपके पितामह ने आपका नाम 'लालबहादुर' रक्खा और तब से आप इसी ना से विख्यात हैं। लगभग पाँच वर्ष की आयु में आपको अपनी माता का वियोग सहना पड़ था। अभी माता की यादें मिटी भी न थीं कि तीन वर्ष बाद ही आपके पिताश्री भी च बसे। निराश्रित बालक केवल हिन्दी पढ़ लिख सकता था। आपकी बड़ी बहिन श्री विद्यावत जी पिताजी के देहान्त से पूर्व ही विधवा हो चुकी थी। अब केवल भाई-बहिन ही एक दूस के अवलम्ब थे। आपकी बहिन ने जो वर्तमान में अजमेर में सर सेठ भागचन्दजी सा की सौभाग्या मातेश्वरी की स्मृति स्वरूप चलने वाले कन्यापाठशाला की प्राधानाध्यापिका हैं, पं० श्रीलालजी काव्यतीर्थ की मदद से आपको महासभा के महाविद्यालय में पढने भेजा। वहाँ आप छः वर्ष पढ़े। उसके बाद आप मोरेना आगये। आपकी गणना प्रतिभाशाली छात्रो में की जाती थी। आप वर्षों वहाँ जैन सिद्धान्त प्रचारिणी-सभा के मन्त्री तथा जैन सिद्धान पत्रिका के सम्पादक रहे। कविता करने की प्रतिभा आपमें वहीं से प्रस्फुटित हुई। उन दिनों मोरेना के तत्कालीन तहसीलदार श्री भालेराव भास्कर आपकी प्रतिभा से प्रभावित होकर आपको एक बार ग्वालियर कवि सम्मेलन में ले गये। वहाँ आपने तालियों की गड़गड़ाहट में समस्या पूर्तियाँ पढ़ीं और अपनी कवित्त-प्रतिभा की अनूठी छाप छोड़ी।

मोरेना विद्यालय से सिद्धान्तशास्त्री और न्यायतीर्थ परीक्षा पास करने के बाद आप कार्यक्षेत्र में आ गये। सन् १९३७ में आपने शास्त्रार्थ संघ के माध्यम से समाज-सेवा का कार्य प्रारम्भ किया। वहाँ आप "जैन सन्देश" के सम्पादक भी रहे। तत्कालीन 'पद्मावती पुरवाल' पाक्षिक पत्र एवं 'वीर भारत' का सम्पादन भी किया। फिरोजाबाद में वार्षिक अधिवेशन के समय आपको पद्मावती पुरवाल महासभा का उप सभापति चुना गया।

सन् १९२४ में आपने मैट्रिक एवं १९४६ में इन्टर मीडियेट की परिक्षायें पास कीं। इसके बाद आप क्षयरोग से पीड़ित हो गये। अतः सन् १९४८ में इन्दौर में आपने उपचार कराया और वर्ष भर उपचार के बाद आप स्वस्थ्य हो गये।

सर सेठ हुकुमचन्दजी की निजी शास्त्र सभा में आप यदाकदा जाने लगे। आपके शास्त्रीय ज्ञान से प्रभावित होकर १९४९ में आपको सर सेठ हुकुमचन्दजी ने अपने यहाँ रख लिया। उन दिनों समाज के प्रसिद्ध विद्वान् पं० खूबन्दजी सिद्धान्तशास्त्री, पं० देवकीनन्दनजी सिद्धान्तशास्त्री, पं० जीवनधर जी न्यायतीर्थ, पं० वन्शीधरजी न्यायालंकार के साथ आप भी सेठ सा० की सभा में शास्त्र चर्चा करते थे। आप लगभग दस वर्ष सेठ सा० के पास रहे। यहीं आपने अतिरिक्त समय में इंगलिश लिटरेचर लेकर बी० ए० तथा संस्कृत में एम० ए० किया। बनारस से सम्पूर्ण शास्त्री तथा आचार्य के दो खण्ड किये। सन् १९५८ में आप समन्तभद्र संस्कृत विद्यालय के प्रिंसिपल होकर चले गये। सर सेठ सा० नहीं चाहते थे कि आप उन्हें छोड़कर अन्यत्र जावें, लेकिन आपके बहुत आग्रह करने पर सेठ सा० ने आपको विदा दी। देहली में आपका बहुत सम्मान रहा। प्रसिद्ध उद्योगपति लाला राजेन्द्रकुमारजी को उनकी प्रार्थना पर आप उन्हें नियमित स्वाध्याय कराने लगे। वहीं आपने पी०एच०डी० के लिये उपक्रम किया तथा अत्यन्त व्यस्त रहते हुये भी आचार्य का अन्तिम खण्ड दिया। सन् १९६३ में आप सेठ राजकुमारसिंह जी एम० ए० एल० एल० बी०, के आग्रह से उनकी पारमार्थिक संस्थाओं के संयुक्त मन्त्री नियुक्त हुये।

इन दिनों आप भा० व० सि० सभा के मुख पत्र 'जैन दर्शन' के प्रधान सम्पादक हैं। एवं भारतवर्षीय दि० जैन महासभा के मुख पत्र 'जैन गजट' के सहायक सम्पादक हैं। उक्त दोनों सभाओं के साथ शास्त्री परिषद, विद्वत् परिषद, भा० व० दि० जैन परिषद एवं अखिल भारतीय पद्मावती पुरवाल पंचायत की प्रबन्ध कारिणी के सदस्य हैं।

इन्दौर में रहकर आपने "आचार्य कुन्द कुन्द और उनके समयसार" पर शोध कार्य किया, फलस्वरूप आगरा विश्वविद्यालय ने आपको "डाक्टर आफ फिलासफी" की उपाधि से सम्मानित किया है। वर्तमान में आप इन्दौर में अपने मुद्रणालय (Printing Press) का संचालन कर रहे हैं।

आपके दो सुपुत्र क्रमशः चि० दिनेशकुमार, राजेशबहादुर सर्विस कर रहे हैं। तथा तृतीय अध्ययन कर रहे हैं।

●

स्व० श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी जैन, जलेसर

जलेसर के विख्यात हुण्डीवालों के प्रभावशाली परिवार में श्री हुलासीरायजी जैन के यहाँ "जाति भूषण" श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी ने जन्म लिया। आपके पिता श्री हुलासीरायजी जैन लेन-देन और हुण्डी आदि का कार्य बड़े स्तर पर करते थे। आपको बाल्यावस्था से ही तीव्र ज्ञान-पिपासा थी। आपके पिताजी आपको बलवान(पहलवान)देखना चाहते थे, इसलिए वह आपको ढ़ाई सेर दूध नित्य पिलाते थे। आपका झुकाव शिक्षा-संग्रह की ओर बराबर रहा। फलस्वरूप एक मौलवी से शिक्षा प्राप्त की और एक सुप्रसिद्ध कायस्थ वकील से कानूनीज्ञान प्राप्त कर मुन्शी बने।

आपका गृहस्थ जीवन सुखी था। आपके एक सुपुत्र श्री बनारसीदासजी जैन एवं दो कन्याएं श्रीमती ज्ञानमाला एवं श्रीमती रतनमाला थी। आपके नाती रायसाहेब श्री बा० नेमीचन्द्रजी जैन भू० पू० अध्यक्ष नगरपालिका जलेसर वर्तमान में समाज नायक है।

श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी बड़े ही अध्यवसायी, परिश्रमशील, परोपकारी एवं धर्मनिष्ठ महापुरुष थे। जमीदारी के कार्य में आपने अहिंसा, परोपकार, दया एवं ईमानदारी को व्यवहारिकता का जामा पहनाया था। अपने जीवन काल में आपने प्रायः सभी जैन तीर्थों की वन्दना की थी। मरसलगंज के १६वे अधिवेशन में आपको "जाति-भूषण" की उपाधि से विभूषित किया गया था।

आप उर्दू और फारसी के विद्वान् थे, पर "श्री भक्तामर" का अध्ययन करने के लिए आपने सत्तर वर्ष की आयु में संस्कृत का अध्ययन प्रारम्भ किया। आपका स्वर्गवास २५ अक्तूबर सन् १९३३ को हुआ।

श्री पाण्डेय कंचनलालजी जैन, टूण्डला

पद्मावती पुरवाल समाज मे पाण्डेय वर्ग का स्थान अत्यन्त सम्माननीय एवं श्रद्धापूर्ण रहा है। पाण्डेय वर्ग हमारी जातीय-मर्यादाओ का संरक्षक एवं निर्देशक है। अतः प्रत्येक पाण्डेय-पुत्र समाज का श्रद्धास्पद और पूज्य है।

श्री पाण्डेय कंचनलालजी से समाज का प्रत्येक सदस्य भलीभांति परिचित है। पाण्डेय जी का सारा ही जीवन समाज की सेवा एवं निर्माण में लगा है। आपके पूर्वज श्रद्धेय श्री हीरालालजी जैन पाण्डेय अपने मूल निवास स्थान फिरोजाबाद में विराजते थे। नगला-स्वरूप ग्राम का श्रद्धालु समाज उन्हे अपने यहाँ ले आया। तब से यह वंश यहीं निवास करता है। इसी वंश के स्वर्गीय श्री विहारीलालजी जैन पाण्डेय को श्री कंचनलालजी के पिता श्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रतिभाशाली बालक "कंचन" की शिक्षा का समुचित प्रबन्ध किया गया। किन्तु, विधि का विधान कुछ और ही था। अभी बालक "कंचन" ने किशोरावस्था में प्रवेश पाया ही था कि इन पर से पिता का स्नेह भरा हाथ सदैव के लिए उठ गया। बालक ने साहस और धैर्य से काम लिया, किन्तु शिक्षा-क्रम संस्कृत की प्रथमा के पश्चात् रुक गया। तभी से आप समाज-सेवा के पुनीत संकल्प को बड़ी दृढ़ता के साथ निभाते आ रहे है।

आपने अपने कुल परम्परागत कार्य को बड़ी निपुणता से पुगाया है। स्वधर्म के उत्त-मोत्तम ग्रन्थों को आपने पढा एवं मनन किया है। आपकी विवाह-पठन पद्धति तो अपनी निराली ही विशेषता रखती है। आपके आचार्यत्व मे सम्पन्न होनेवाला विवाह-संस्कार केवल एक संस्कार-समारोह ही नहीं होता है, अपितु स्वजातीय नियम एवं शास्त्रों के गूढ-ज्ञान को समझने का बहुमूल्य अवसर भी होता है। आपका अपने शास्त्रों के प्रति दृढ निश्चय एवं अटूट विश्वास है। सामाजिक नियम और मर्यादाओं में आप कभी उपेक्षा नही बरतते। विवाह आदि संस्कारों की प्राचीन-विशुद्ध प्रणाली ही आपको प्रिय है तथा समाज को उसी पर चलने की प्रेरणा देते रहते हैं।

आपके द्वारा समाज-सेवा भी पर्याप्त मात्रा में हुई है। "पाण्डेय संगठन कमेटी" का गठन आपकी दूरदर्शिता एवं सुव्यवस्था का ज्वलित प्रमाण है। अ० भा० जीवदया प्रचारिणी सभा में भी वर्षों सेवा-कार्य किया है। समाज के अनाथ बालक एवं निराश्रित विधवा और असमर्थ वृद्धों की जानकारी रखना तथा समाज के समर्थ और सम्पन्न महानुभावों को उनको सहायता के लिए प्रेरित करते रहना—आपकी मौन सेवाओं मे से एक है। आपने अनेकों अभावग्रस्त विद्यार्थियों को शिक्षित बनाने मे अपना सराहनीय योग दिया है।

राजनीति के क्षेत्र में भी आपका अपना स्थान है। ग्राम पंचायत के प्रधान पद को आप १२ वर्ष तक सुशोभित कर चुके हैं। आपने अपने प्रधानत्व में प्राइमरी पाठशाला, धर्मशाला तथा कुंआ आदि का निर्माण करवा ग्राम की बहुमुखी उन्नति की है। पशुपालन, वृक्षारोपण तथा ग्राम की सीमाओं में शिकार पर प्रतिबन्ध लगाने जैसे महत्व पूर्ण कार्य कर समाज में अपना

सम्मान का स्थान बनाया है। आप अपनी तहसील के आदर्श प्रधानों में माने जाते रहे हैं। शासन में भी आपका सम्माननीय स्थान हैं। ब्रिटिश काल में आप ३८ गाँवों की अत्याचार निरोध समिति के प्रधान मन्त्री थे। उस समय आपने अत्याचार के विरोध में जनता में एक नवीन भावना और साहस का संचार किया था।

समाज-सेवा की वृहद् भावना को लेकर आजकल आप टूण्डला मे निवास कर रहे हैं। श्री पी० डी० जैन इण्टर कालेज के संस्थापकों में आपका नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है। इस संस्था के प्रचार मन्त्री भी आप रहे हैं। वर्तमान समय मे आपकी दिन चर्या का विशेष भाग पूजन एवं शास्त्र प्रवचन में लग रहा है।

आप विनम्र स्वभावी एवं शान्त प्रकृति के सदैव प्रसन्न रहनेवाले धर्म निष्ठ महानुभाव हैं। आदर्श-समाज सेवी और सन्तोषपूर्ण वृत्ति के परोपकारी सज्जनों में आपकी गणना की जाती है। आप कर्मठ और सत्य प्रिय सफल राजनीतिज्ञ हैं।

अतः उपरोक्त सभी गुणों का संगम श्री पाण्डेयजी को सर्वप्रिय और श्रद्धास्पद बनाए हुए है। श्री पाण्डेयजी जैसी विभूति से समाज भारी आशा रखता हुआ, गौरव अनुभव करता है। ●

श्री पांडेय उग्रसैन जी जैन शास्त्री, टूंडला

आप श्रद्धेय मुनि श्री ब्रह्मगुलाल जी के वंशज हैं। आपके इस पवित्र कुल में श्री पाण्डेय रूपचन्द जी जैन, पाण्डेय केशरी श्री शिवलालजी जैन आदि उच्च कोटि के विद्वान् तथा समाज-निर्माता हो चुके हैं। आपके पूज्य पिता श्री सुखनन्दनलाल जी भी ऐसी ही एक विभूति थे।

श्री शास्त्री जी का जन्म ६ नवम्बर १९२१ में नगला स्वरूप जिला में हुआ। जब आप अपनी माताजी के गर्भ में थे, उसी समय आपके पिताजी का स्वर्गवास हो गया। यहीं से आपकी अपने भाग्य के साथ प्रतिस्पर्धा आरम्भ होती है। दुर्भाग्य ने अपनी प्रबल शक्ति का परिचय देते हुए आपको जन्म से नौ माह पश्चात् माता की दुलार भरी गोद से खेंच लिया। अब आप माता-पिता के अहसह वियोग को सहन करते हुए शनै-शनै स्नेही चाचा और दयालु ताऊ की छाया में पलने लगे। बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक आपकी शिक्षा-मथुरा, अहारन, टेहू तथा सहारनपुर में ही होती रही, तत्पश्चात् आपका ध्यान अपने पारिवारिक कर्म की ओर गया—और आपने धर्म, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड का अध्ययन प्रारम्भ कर दिया। आप तीक्ष्ण बुद्धि तो थे ही पुनः जीवन-निर्माण और धर्म तथा समाज-सेवा की अभिरुचि ने आपको कर्मठ और लगनशील भी बना दिया, फलस्वरूप थोड़े ही समय में आपने अनेकों गुण एवं चमत्कारिक विद्याओं का संग्रह कर लिया। प्रतिष्ठा, हवन, मुहूर्त तथा ज्यौतिष सम्बन्धी कार्य और विवाह-कर्म में निपुणता प्राप्त करते हुए समाज-सेवा का पावन व्रत लेकर बड़ी तत्परता से कार्य करना आरम्भ कर दिया।

आप प्रौढ़ शिक्षा के प्रबल हिमायती ही नहीं है, बल्कि इस दिशा मे आप रचनात्मक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते है। आप कुछ समय से नियमित रूप से रात्रि को एक घण्टा प्रौढ़ पाठशाला चलाते हैं। आपके द्वारा धर्म प्रचार तथा धर्म-शिक्षण का कार्य भी बराबर चलाया जा रहा है। श्री ब्रह्मचारी सुरेन्द्रनाथ जी द्वारा संस्थापित मुमुक्षु-समिति के सदस्यों को धर्म-शिक्षा का कार्य एवं श्री दि० जैन महावीर विद्यालय की सम्पूर्ण व्यवस्था आपकी देख-रेख में है। श्री दि० जैन म० वि० टूण्डला के मैनेजर एवं पा० स० कमेटी के कोपाध्यक्ष पद को सम्भाले आप समाज की सच्ची सेवा में लगे हुए है।

अनाथ, विधवा तथा लाचार व्यक्तियों को आप सदैव सहारा देते रहे है। श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल समाज के आप महान् शुभचिन्तक एवं समाजकी उन्नति के लिये दत्तचित्त कर्मशील महानुभाव हैं। आपमें मानव-मात्र की सेवा-भावना निवास करती है। विनम्रता और सरलता आपके अपने जन्म जात गुण हैं। इन्हीं अमूल्य गुणों के आधार पर समाज आपको आदर की दृष्टि से देखता है। आपके द्वारा कितने ही ऐसे विवाद आसानी से सुलझाए जा चुके हैं, जिनका हल अदालतें भी नहीं निकाल पाई थीं। आपके निर्णयों की प्रशंसा उदाहरण के रूप में समय-समय पर स्मरण की जाती रहती हैं।

आपके अनुरूप ही आपकी गुणवती धर्मपत्नी श्री विमलादेवी हैं। आप भी धर्मानुरूप जीवन की तथा अपने धर्म के प्रति पूर्ण निष्ठावान उत्तम कुल एवं शुद्ध विचार धारा की आदर्श महिला हैं। आपकी चार सुयोग्य सन्तानें शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

●

कैप्टिन श्री माणिकचन्द्र जी जैन, फिरोजाबाद

श्री कैप्टिन साहेब समाज के वीर पुरुषों में से एक हैं। ६० वर्ष की आयु के पश्चात् भी आप में युवकों जैसा साहस तथा उत्साह विद्यमान है। जिला आगरान्तर्गत "कोटला ग्राम" आपकी जन्म भूमि है। यही आप अपने पिता स्वर्गीय श्री बंगालीलाल जी जैन की मोदभरी गोद में पले। आपके इस वंश में श्री सुखनन्दनलाल जी, श्री बाबूराम जी रईस आदि विभूतियाँ हुईं जो समाज-सेवा तथा जाति-हितैषी कार्यों मे अपना मौलिक स्थान रखती हैं।

कैप्टिन साहेब बाल्यकाल से ही तीक्ष्ण बुद्धि रहे हैं। थोड़े ही समय में आपने आगरा विश्व विद्यालय से बी०ए० की शिक्षा समाप्त कर ली थी। विद्यार्थी जीवन मे आप खेल-कूद के भी शौकीन रहे हैं। प्रायः सभी खेलो मे आप उमंग के साथ भाग लिया करते थे। आपकी जोश भरी युवावस्था ने सैनिक जीवन अपनाया—फलस्वरूप आप अपनी योग्यता, चातुर्य एवं पराक्रम के कारण कैप्टिन जैसे उच्च पद पर आसीन हुए। जैनी जब जुल्म के

खिलाफ संग्राम में उतरता है, तब वह विजयश्री वरण करके ही लौटता है। आपका विजयी-जीवन इसका ज्वलन्त प्रमाण है। आपने कई युद्धों में भाग लिया और हर मोर्चे पर विजय प्राप्त की। आप अपने सैनिकों एवं उच्चधिकारियो में अत्यन्त प्रिय रहे हैं। आपने सैनिक क्षेत्र में जितनी सफलता एवं लोक प्रियता प्राप्त की है, उतनी ही समाज में भी आपकी प्रतिष्ठा है। आप स्वजाति जनों की आजीविका तथा सुख समृद्धि का प्रयास बराबर करते रहते हैं। पूर्वाचार्यों के अनुसार धर्म पर चलना तथा प्रत्येक स्थिति में धर्म का पालन एवं अनुसरण करना,इसका आप निरन्तर ध्यान रखते हैं। आपके विचारानुसार धर्म आत्मा है। अतः आत्मा द्वारा प्रत्येक समय एवं स्थान पर धर्म साधा जा सकता है। आप वीरता, दया तथा निर्मलता की प्रतिमूर्ति है। आप प्रत्येक व्यक्ति से अपने स्वजनों जैसा व्यवहार करते है। आपकी भाषा अत्यन्त मधुर तथा विनोदपूर्ण है। आप उच्च विचार युक्त आत्म-विश्वासी पुरुष है।

आप समय समय पर खुले दिल से दान-धर्म करते है। कोटला श्री मन्दिर जी को आपने अपनी जमीन देकर मन्दिर जी में सौ रुपया मासिक की स्थाई आमद का प्रबन्ध कर दिया। अब वहाँ धर्मशाला भी बन गई है।

आपका स्नेह एवं प्रेमपूर्ण व्यवहार अकस्मात् मानव को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। अभिमान आपको छू तक नहीं सका है। आप स्पष्टवादी तथा उदारमना सुसंस्कृतज्ञ पुरुष हैं। समय निकाल कर स्वधर्म-ग्रन्थों का बराबर अध्ययन करते रहते हैं। आपका जीवन राष्ट्र का गौरव तथा स्वसमाज का आभूषण है। समाज के सर्वप्रिय विवेकी व्यक्तियों में आपकी गणना होती है।

आपकी श्रीमति पुत्तोरानी जी भी आपके अनुरुप ही वीराङ्गना और समाज की आदर्श महिला है। कौटुम्ब-कुशलता, व्यवहार निपुणता एवं स्नेह शीलता आपके स्वाभाविक गुण है। समाज-सेवा, धर्मनिष्ठा आपके अपने मौलिक व्रत हैं।

आपके दो सुपुत्र श्री सुरेशचन्द्र जी जैन तथा श्री कृष्णचन्द्र जी जैन हैं। श्री कृष्णचन्द्र जी डी० सी० एम० के वस्त्रों के व्यवसायी है तथा दूसरे श्री सुरेशचन्द्र जी पैट्रोल पम्प का कार्य सम्भालते है। दोनों युवक अपने पिता तुल्य सज्जन तथा नम्र और वंश परम्परागत शुद्ध आचार-विचार के स्वधर्म पालक हैं।

स्व० श्री बनारसीदासजी जैन वकील, जलेसर

स्व० श्री बनारसीदासजी जैन समाज के महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों में से एक थे। आपके पूज्य पिता श्री मुन्शी हरदेवप्रसादजी अपने समय के ख्यातनामा महापुरुष थे। इन्हीं के घर में आपका जन्म ६ जून १८७८ को जलेसर में हुआ था। श्री बनारसीदासजी बाल्यावस्था से ही प्रतिभापूर्ण व्यक्तित्व के भाग्यशाली पुरुष थे। आपने सन् १९०० में श्रेष्ठ श्रेणी में इलाहाबाद से बी० ए० किया। १९०८ मे वकालत पास की और १९१७ में सरकारी वकील नियुक्त हुए।

आप जीवन पर्यन्त अवागढ़ राज्य के कानूनी सलाहकार रहे और राज्य के प्रतिनिधि के रूप मे महाराजा दरभंगा, महाराजा कूंच, महाराजा ग्वालियर, महाराजा करौली, बीकानेर आदि भारतीय राजाओं एवं अनेक राजकीय पदाधिकारियों आदि से आपका निरंतर सम्पर्क रहा, एक रूप मे वे सब आप के मित्र रहे। आप अपने समय के अत्यन्त प्रसिद्ध वकील थे।

ज्ञान एवं प्रतिष्ठा के सर्वोच्च शिखर पर पहुँच जाने पर भी आपकी अपने धर्म मे अटूट श्रद्धा थी। सन् १९१९ में आप श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन परिषद् के महामन्त्री के पद पर आसीन हुए थे। आप जैन गजट के सम्पादक भी रह चुके हैं इन पदों पर रहते हुए आपने जैन जाति की अनिर्वचनीय सेवायें की हैं।

कार्य में अत्यन्त व्यस्त रहने पर भी आप प्रातःकाल चार बजे उठकर स्वाध्याय एवं सामायिक करते थे। राजसी-सम्पर्क में रहने पर भी आप में निशि भोजन त्याग, शाकाहार एवं शुद्धाहार जैसे सात्विक गुण बने रहे। आपने कभी किसी व्यक्ति को मांस और मदिरा का भोजन नहीं दिया। एक बार अपनी शादी के अवसर पर अवागढ के राजा ने शेर का शिकार किया तब इस खुशी में दरबार लगा—सभी दरबारियों ने विभिन्न प्रकार की भेटें समर्पण की, किन्तु प्रमुख दरबारी होने पर भी आप उस समारोह में समिलित नहीं हुए और कहला भेजा कि हिंसा में हम किसी प्रकार की खुशी नहीं मनाते।

जब आपने अपनी एकमात्र सन्तान रायसाहेब श्री नेमीचन्द्रजी को उच्च शिक्षा हेतु बाहर भेजना पड़ा, तो उनके साथ एक जैन रसोइया और एक नौकर भेजा तथा एक छात्र के निवास वाला कमरा दिलाया। इन सब कार्यों की मूलभूत भावना यही थी कि पुत्र पर जैन संस्कारों को यथाविधि बनाये रखा जा सके।

अपकी धर्मपत्नी श्रीमती जयदेवी बड़ी ही सीधी-साधी और सरल स्वभाव की महिला थी। वे पाक शास्त्र में बड़ी निपुण थी। इनकी धर्म-भावना परिपुष्ट एवं हृदय निर्मल था।

श्री बनारसीदासजी का निधन अप्रैल सन् १९२० मे अल्प आयु मे ही हो गया। आपका शोक सारे ही समाज को शोकातुर एवं दुखी बना गया।

स्व० श्री लाला वासुदेवप्रसादजी जैन रईस, टूण्डला

आप स्व० श्री ला० भाऊमलजी जैन नौसेरा (मैनपुरी) के वंशधरों में से थे। आपके पिता श्री ला० शिखरप्रसाद जी जैन समाज के जाने-माने सज्जन थे। आप अपने भ्राताओं श्री भगवानस्वरूपजी जैन भू० पू० चेयरमैन टाउन ऐरिया कमेटी श्री श्रीरामजी जैन और श्री सुनहरीलालजी में सब से ज्येष्ठ थे।

आपका सार्वजनिक जीवन अत्यन्त सम्मानित और आदर्श रहा है। आप अनेक वर्षों तक विद्या संवर्धिनी समिति टूण्डला के प्रधान रहे। इस संस्था के अन्तर्गत धर्मशाला, पुस्तकालय एवं पाठशालाएं स्थापित हुईं। आपकी सतत् लगन एवं श्रम के कारण पाठशाला-ठा० वीरीसिंह हाईस्कूल के रूप में तथा कन्या पाठशाला राजकीय कन्या विद्यालय के रूप में परिणत हो गई। इन दोनों ही संस्थाओं का शिक्षा-क्षेत्र में प्रशंसनीय योग रहा है आप द्वारा लगाए गए यह छोटे छोटे पौधे आज विस्तृत-वृक्ष के रूप में प्रफुल्लित हैं। महावीर दिगम्बर जैन विद्यालय, जिनेन्द्रकला केन्द्र एवं अन्य अनेकों जैन मन्दिरों आदि के आप संस्थापक तथा संचालक थे। आपके सहयोग से अनेकों सामाजिक सस्थाएँ उन्नति के शिखर पर पहुँची। श्री दि० जैन अतिशय क्षेत्र ऋषभनगर (मरसलगंज) कमेटी के आप सभापति रहे। इस क्षेत्र पर आपने अपने कार्यकाल में दो बार पञ्चकल्याणक बिम्ब प्रतिष्ठाएं कराईं। धर्म रक्षक एवं समाज-सुधार सम्बधी अनेक संस्थाएं जैसे अ० भा० दि० जैन धर्म संरक्षिणी महासभा एवं अ० विश्व जैन मिशन आदि को धर्मप्रचार में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। आप सार्वजनिक जीवन में अत्यन्त लोक प्रिय प्रतिभा के श्रेष्ठ पुरुष सिद्ध हुए। आपका व्यक्तित्व आकर्षक और मोहक था। आपका सरल स्वभाव और मधुर-व्यवहार आपकी अपनी विशेषता थी।

आप अ० भा० पद्मावती पुरवाल महासभा के अनेक वर्षों तक सम्माननीय सभापति रहे। आपके इस सेवाकाल में सभा ने सुधार-दिशा में अच्छी प्रगति की और संगठन की दृष्टि से भी सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया। आपका सफल एवं महत्वपूर्ण निर्णय समाज के लिए परमोपयोगी होता था। समाज को सर्वतोभावेन उन्नत करने की कामनाएँ आपने अपने हृदय में संजो रखी थीं। समाज-सेवा के लिए आप प्रतिक्षण तथा प्रत्येक परिस्थिति में उद्यत रहते थे। समाज के महान् तथा अग्रसर पुरुषों में आपकी गणना की जाती है।

आपके क्रमशः दो विवाह हुए प्रथम जामवती देवी के साथ एटा में तथा दूसरा महादेवी के साथ हिम्मतपुर में। यह दोनों महिलाएं धर्म में पूर्ण आस्थावान तथा आदर्श महिला रत्न थी।

राय साहेब श्री बा० नेमीचन्दजी जैन, जलेसर

श्री बा० नेमीचन्द्रजी जैन पद्मावती पुरवाल समाज के सुदृढ स्तम्भ, पथ-प्रदर्शक, समाज-सुधारक एवं धर्म-धुरन्धर कर्णधार हैं।

आप स्वर्गीय श्री बनारसीदास जी जैन की एक मात्र सुयोग्य सन्तान हैं। आपका जन्म सितम्बर १९०६ में जलेसर मे हुआ। आपके जन्म के साथ ही परिवार में सम्पत्ति एवं ऐश्वर्य की अजस्र धारा प्रवाहित होने लगी। पिता की असामयिक मृत्यु एवं बाबा के प्यार ने आपको शिक्षा-क्षेत्र में इन्टरमीडिएट तक ही सीमित रखा।

आप अपनी सर्व प्रियता के कारण युवावस्था में ही नगरपालिका के सदस्य बन गये थे। सार्वजनिक पुस्तकालय, सुभाष पार्क, गान्धी शिक्षा-सदन, जलेसर कुटीर उद्योग प्रदर्शनी आदि कुछ ऐसे कीर्ति-स्तम्भ हैं जिन्हें समय की आंधी कभी पराजित न कर सकेगी। सन् १९४३ में आपको राय साहेब की मान्य उपाधि से विभूषित किया गया था। सम्प्रदायिक दंगों के अवसर पर आपके द्वारा किये गये शान्ति प्रयासों के फलस्वरूप तत्कालीन शासन द्वारा आपको मजिस्ट्रेट की सम्मानित शक्ति प्रदान की गई और आपने नगर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व से शान्ति स्थापित की।

आपकी अभिरुचि पत्रकारिता एवं हिन्दी साहित्य में विशेष है। इसीलिये जैन-विचार धारा से अनुप्राणित साप्ताहिक 'वीरभारत' का स्थापन, संचालन, सम्पादन तथा प्रबन्ध किये हुये हैं।

धार्मिक संस्कार आपको उत्तराधिकार में मिले है। यही कारण है कि आपके जीवन का अधिकांश भाग धर्म-ध्यान में व्यतीत हुआ है। आज तक आपने किसी होटल में भोजन नहीं किया है और शुद्ध, सात्विक एवं मर्यादित खान-पान पर विशेष बल देते हैं।

धार्मिक क्रिया-काण्ड के सुचारूरूपसे सम्पादन हेतु आपने अपने विशाल भवन के एक कक्ष में श्री शान्तिनाथ जिनालय की स्थापना कराई है। आचार्य श्री शान्तिसागरजी महाराज, आचार्य श्री महावीरकीर्तिजी महाराज तथा आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज के चरणों में आप महीनों रहे हैं।

परोपकार आपको प्राणों के समान प्रिय है इसका साक्षी है—महात्मागांधी मेमोरियल इन्टर कालेज, जलेसर। आपने अनेकों इच्छुक छात्रों को शिक्षा दिलाने मे सहायता की है। सन् १९५० में श्री पद्मावती दिगम्बर जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (रजिस्टर्ड) की स्थापना अपने द्रव्य से की है। ट्रस्ट के कार्य-संचालन में आप स्वयं समय भी देते हैं। गरीबों में औषधि

वितरण करना तथा विधवाओं को आर्थिक सहायता देना आपके पवित्र दैनिक कार्यों का अंग है। आप अखिल भारतीय दि० जैन पद्मावती पुरवाल महासभा व अखिल भारतीय दिगम्बर जैन पद्मावती पुरवाल पंचायत के यशस्वी सभापति भी रहे है।

आपके दो विवाह हुए। प्रथम श्रीमती राजकुमारी देवी सुपुत्री श्री बाबूलाल जी जैन रईस वीरपुर से और द्वितीय श्रीमती सुशीला देवी जैन सुपुत्री श्री बनारसीदास जी जैन देहली से। यह दोनों ही महिलाएं धार्मिक प्रकृति-पूर्ण और मधुर स्वभाव के लिए प्रसिद्ध रहीं। आपकी विशाल हृदयता "वसुधैव कुटुम्बकम्" भावपूर्ण रही है।

राय साहेब समाज के कीर्तिपुञ्ज तथा प्रकाशमान रत्न और सुयोग्य नेता है। आप समाज की गौरवशाली विभूति है। समाज को आपसे भारी आशाएँ बनी हुई हैं। समाज का प्रत्येक बालक आपकी चिरायु की कामना करता है।

•

श्री रामस्वरूप जी जैन 'भारतीय' जारकी

श्री भारतीयजी का जीवन बाल्यकाल से ही प्रतिभाशाली एवं समाज-सेवी रहा है। वैसे आपके सामाजिक जीवन का प्रारम्भ जैन-महासभा के लखनऊ अधिवेशन से माना जाता है। इस ऐतिहासिक अधिवेशन के सभापति थे माननीय सेठ चम्पतराय जी जैन। देहली पंच कल्याणक प्रतिष्ठा के अवसर पर महासभा का एक बृहद् सम्मेलन हुआ, किन्तु कुछ मतभेदों के कारण बैरिस्टर साहेब श्री चम्पतरायजी के साथ कुछ लोग महासभा के कार्यक्रम से अलग हो गये और उन्होंने झालरापाटन के रायसाहेब श्री ला० लालचन्दजी सेठी के कैम्प में दि० जैन परिषद की स्थापना की। इस कार्य में श्री भारतीयजी का प्रमुख हाथ था। इसी समारोह में "पद्मावती परिषद्" का जलसा ला० वासुदेवप्रसादजी जैन की अध्यक्षता मे हुआ। इस परिषद् के मन्त्री पद पर श्री भारतीयजी को निर्विरोध चुना गया। तत्-पश्चात् इस परिषद् का एक बृहद् अधिवेशन जारकी में हुआ था। इस अधिवेशन में लगभग ८४ गाँवों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य जातीय संगठन करना था। इस दिशा में आशातीत सफलता भी प्राप्त हुई। जारकी के सुप्रसिद्ध जागीरदार ठा० भगवानसिंहजी ने भी इस अधिवेशन में विशेष रूप से भाग लिया था।

तत्कालीन जीवदया प्रचारिणी सभा के मन्त्री ने अन्तर्जातीय विवाह कर लिया था। अतः इसी प्रश्न को लेकर समाज में एक आन्दोलन चल पड़ा। समाज का एक बड़ा वर्ग

इनको जाति से बहिष्कृत करने पर तुला हुआ था। इस विकट समस्या के समाधान के लिए श्री हजारीलालजी जैन आगरा के निवास स्थान पर एक सभा बुलायी गई। सभा ने निश्चय किया कि—अगर श्री बाबूरामजी जैन समाज के लिए उपयोगी हैं, तो उनकी रक्षा की जाए, उनके पक्षका समर्थन किया जाए और "पद्मावती-महासभा" की स्थापना कर दी गई। इस सभा के सभापति चुने गए श्री भूधरदासजी एटा। साथ ही "पद्मावती-संदेश" नामक पत्र भी निकाला गया, जिसके सम्पादन का भार श्री भारतीय जी को सौपा गया। पत्र जारकी तथा बेसवां से काफी समय तक प्रकाशित हुआ। श्री भारतीयजी की संगठन शक्ति एवं सुलझे हुए विचारों के सद् प्रयास से फिरोजाबाद में जैन-मेले के अवसर पर परिषद् एवं महासभा का सौहार्द पूर्ण एकीकरण हो गया।

समाज-सेवक, राष्ट्र-भक्त, तथा प्रभावशाली वक्ता होते हुए भी आप मौलिक रूप से साहित्यिक श्रेणी के महानुभाव हैं। जिस समय आप चतुर्थ श्रेणी के विद्यार्थी थे, उस समय श्री रघुवरदयालजी भट्ट जो कानपुर जा रहे थे, उनके साथ टूण्डला स्टेशन पर एक निन्दनीय घटना घटी, उसकी जानकारी आपने प्रकाशनार्थ "प्रताप" मे भेजी थी। जिसे स्व० श्री गणेशशंकरजी विद्यार्थी ने अपनी टिप्पणी के साथ प्रकाशित किया था। तत्कालीन प्रान्तीय सरकार ने इसका प्रतिकार भी किया, किन्तु जन-भावना सत्यता की ओर ही बनी रही। आप सर्व प्रथम लखनऊ से प्रकाशित "लखनऊ महासभा-समाचार" पत्र में सहयोगी के रूप में रहे। पुनः "देवेन्द्र" साप्ताहिक में एक वर्ष कार्य किया। तत्पश्चात् आपका जीवन पत्रकारितामय ही बन गया। सन् १९३८ से "वीर भारत" साप्ताहिक रूप में बेसवां से प्रकाशित होता रहा है और सन् ४२ तक पद्मावती सभा तथा "वीर भारत" के प्रकाशन में रा० सा० श्री नेमीचन्द जी जलेसर एवं श्री पन्नालालजी "सरल" के सम्पर्क में—सामाजिक प्रगति में भारी योग दिया है। देहरादून से प्रकाशित होनेवाले "नवभारत" साप्ताहिक के आप एक वर्ष तक सम्पादक पद पर रहे। इसके पश्चात् तो "जैन मार्तण्ड" हाथरस, "महावीर" विजयगढ तथा "ग्रॉम्य जीवन" आगरा आदि कई पत्रों का सम्पादन आप द्वारा हुआ है।

सन् ४२ के पश्चात् से आपका समय व्यक्तिगत कार्यों में अधिक लगा, किन्तु "वीरभारत" का सम्पादन तथा अन्य सामाजिक कार्य भी बराबर होते रहे हैं। आपके पास ज्ञान एवं नवीन-योजनाओं का विपुल भण्डार हैं। समाज आपको अपने नेताओं में प्रतिष्ठित स्थान देता है। प्रत्येक पंचायत एवं उलझे और विवादास्पद विषयो मे आपकी राय महत्वपूर्ण मानी जाती है। आप निष्पक्ष दृष्टि के सत्यवादी तथा निर्भीक नेता हैं। समाज को आपसे महान् आशाएँ हैं। यह और भी प्रसन्नता एवं गौरव की बात है कि—आप अपना शेष समय साहित्य-सेवा में लगाना चाहते है। राष्ट्र-भाषा हिन्दी तथा गो माता के प्रति आपकी श्रद्धा अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय है।

●

श्री पन्नालालजी जैन "सरल", नारखी

"यथा नाम तथा गुणः" आपकी गणना समाज के चुने हुए रत्नों में की जाती है। आपका पवित्र जीवन समाज की उपकृति के लिए ही बना है। साधारण परिस्थितियों में रहते हुए, सीमित साधनों के सहारे आप जितनी समाज-सेवा कर पाये हैं वह वास्तव में स्तुत्य है—सराहनीय है। "सादा जीवन उच्च विचार" तथा "संघर्ष ही जीवन है" इस सिद्धान्त को आदर्श मानकर आप जन-सेवा के व्रत में संलग्न हैं।

आज से ४५ वर्ष पूर्व सन् १९२० में आपका जन्म "गढी हंसराम" नामक ग्राम में श्री बाबूलालजी जैन के घर हुआ था। आपके पिता श्री बाबूलालजी जैन उस समय वस्त्र-व्यवसाय करते थे और समाज में प्रतिष्ठा पूर्ण स्थान बनाए हुए थे। आप अपने सुपुत्र "पन्ना" को साधारण व्यवसायिक ज्ञान कराकर व्यापार में लगा देना चाहते थे। किन्तु उन्हें इस कार्य में सफलता न मिल सकी। इसका प्रधान कारण था श्री पन्नालालजी की सेवा-पूर्ण भावना। आपकी भावना समाज-सेवा तथा राष्ट्र-सेवा की ओर झुकती थी जब कि आपके पिता आपको बड़े व्यवसायी के रूप में देखना चाहते थे। इसी दुविधा में आपका बाल्यकाल शिक्षा-संग्रह न कर पाया। अतः आगे चलकर तो आपने हिन्दी की सर्वोत्कृष्ट परीक्षा "साहित्य रत्न" पास कर ली।

राजनीतिक क्षेत्र में जब आपने दृढ़ पुरुष की भांति प्रवेश किया, तो सन् ४२ के आन्दोलन में सक्रिय भाग लेने पर तत्कालीन सरकार ने आपको बन्दी बना लिया। सजा समाप्त हो जाने पर जब आप कारावास से बाहर आए, तो और भी कर्मठता तथा लगन के साथ एक सच्चे कांग्रेस कर्मी की भांति स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लेने लगे। सन् ४५ में कपड़े पर ब्लेक आरम्भ हो जाने के कारण आपने अपने पैतृक वस्त्र-व्यवसाय एवं लाइसेन्स को ठुकरा कर, देश-भक्ति का परिचय दिया। आप लम्बे समय तक मण्डल-कांग्रेस के मन्त्री, प्रधान तथा जिला कमेटी के सदस्य के रूप में देश-सेवा करते रहे हैं।

आपने अपने जीवन में साहित्य-सेवा का पावन-व्रत भी अक्षुण्ण बनाए रखा है और आज तक उसकी साधना में एक सच्चे साधक की भाँति जुटे हुए है। सन् १९४७ में "ग्राम्य जीवन" साप्ताहिक पत्र का सम्पादन तथा प्रकाशन किया। "वीर भारत" का कार्यालय जब नारखी आगया, तब उसके सम्पादन का कार्य भी आपकी ही सफल लेखनी को सौंपा गया। आप कई पत्रों के स्थाई लेखक एवं संवाददाता भी हैं।

सामाजिक संस्थाओं को भी आपका योग बराबर मिलता है। लगभग १० वर्ष से श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मरसलगंज ट्रस्ट कमेटी के प्रधान मन्त्री के रूप में कार्य-भार सम्भाले क्षेत्र की उन्नति में दत्तचित हैं।

सन् ५२ से अपने क्षेत्र के गाँवों के निर्माण कार्य में लगे हुए है। ग्राम पंचायत नारखी के पाँच वर्ष तक कार्य वाहक प्रधान तथा सात वर्ष तक प्रधान पद पर रह स्थानीय जनता के

भौतिक विकास के लिए भरपूर प्रयत्न किया है। फिरोजाबाद तहसील में आनेवाली बाढ़ों को रोकने एवं उससे प्रभावित जनता की सहायता के लिए "बाढ पीड़ित-सहायक समिति" की स्थापना करके भारी जन-सेवा की है। आप फिरोजाबाद तहसील के उत्तरी क्षेत्र कोटला-विकास क्षेत्र के वरिष्ठ उप प्रमुख तथा क्रय-विक्रय सहकारी समिति फिरोजाबाद के डायरेक्टर और उपमण्डल कांग्रेस कमेटी ओखरा के अध्यक्ष तथा तहसील बाढ पीड़ित सहायक समिति के मन्त्री के रूप में सेवा रत है।

आप गॉवों के उत्थान एवं सम्पन्नता के लिए प्रयत्नशील हैं। नगर और गॉवों की भारी असमानता को समाप्त कर सभी को उन्नति का अवसर मिले एवं ग्रामीण जनता में से अशिक्षा तथा अभाव दूर हो और सभी सुखी-सम्पन्न बनें, इसी भावना को मूर्त रूप देने के लिए आप अहर्निष प्रयत्नशील है।

●

स्व० श्री रामस्वरूपजी जैन, इन्दौर

आप स्व० श्री बाबूरामजी जैन के सुपुत्र थे। आपका जन्म वि० सं० १९६५ पौष सुदी १० को हुआ था। आपके श्री पूज्य पिताजी भी समाज के श्रेष्ठ कार्य कर्ताओं में से थे। उनका समाज में अपरिमित प्रभाव था। एक रूप में समाज उन्हें अपना प्रतिनिधि मानता था।

आप शिशु अवस्था से ही तीक्ष्ण बुद्धि थे। अतः आपने आश्चर्य पूर्ण गति से शिक्षा का संग्रह किया और शीघ्र ही बी० ए०, एल० एल० बी०, तक उच्च शिक्षा प्राप्त कर वकील बन गये। समाज आपको अपने गौरव शाली पुरुषों में देखता था। आपका प्रेम साहित्य के प्रति बराबर रहा आपने कई एक पुस्तकों का प्रकाशन तथा मुद्रण भी किया है। हिन्दी साहित्य के प्रति आपका अनुराग प्रशंसनीय था। हिन्दी-साहित्य के भण्डार को आपकी स्तुत्य देन है। आपकी गणना उत्तम शिक्षो में की जाती थी।

भारत प्रसिद्ध सर सेठ हुकुमचन्दजी जैन पारमार्थिक संस्था इन्दौर के मन्त्री पद को भी आपने सुशोभित किया था। आपके इस सेवा काल मे संस्था की शाखाओं ने बड़ी वृद्धि प्राप्त की। आपके मूल्यवान सुझाव तथा सुनिश्चित योजनायें एवं सुव्यवस्थित कार्यक्रमों के कारण संस्था में नवीन जागृति आगई थी। आप श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल संघ इन्दौर के संस्थापक तथा सभापति थे। इस दिशा में भी आप द्वारा प्रशंसनीय जाति-सेवा हुई है।

आपकी श्रीमती विश्वेश्वरी देवी जैन को भी आदर्श नारियों में गिना जाता रहा है। विनयकान्त जैन, कमलकान्त जैन बी० ए०, कलाकान्त जैन M. Com रविकान्त जैन बी० ए० तथा रमाकान्त जैन आदि सुपुत्र एवं उर्मिलादेवी तथा शोभादेवी जैन सुपुत्रियॉ आपके कुल परम्परागत धर्मों का भलि भॉति पालन करते हुए आपके सुयश को बढ़ा रहे हैं।

आपका स्वर्गवास सन् १९६२ मे मोटर दुर्घटना से हो गया। आपकी मृत्यु से समाज शोक सन्तप्त हो उठा। अतः आप द्वारा की गई समाज-सेवाएँ चिरकाल तक स्मरणीय रहेंगी।

●

श्री पं० बनवारीलालजी जैन स्याद्वादी, मथुरा

स्वर्गीय श्री सेवतीलालजी जैन मथुरा श्री पं० बनवारीलालजी स्याद्वादी के पूज्य पिता थे। श्रीबनवारीलालजी का जन्म मथुरा ग्राम में सन् १९०४ में हुआ था। आप बाल्य-काल से ही विलक्षण प्रतिभा और शिक्षा संग्रह के लग्नशील विद्यार्थी रहे है। आप प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् मोरेना चले गये, यहाँ पर आपने संस्कृत, धर्म साहित्य और न्याय में शास्त्री तक शिक्षा प्राप्त की। इसके पश्चात् आपने देहली विश्व विद्यालय से अंग्रेजी में बी० ए० पास किया। शिक्षा समाप्ति के पश्चात् आपने देहली में "जैन-गजट" नामक पत्र के मैनेजर पद का भार सँभाला। समाज सेवा की डगर में यह आपका पदार्पण था। पत्र के माध्यम से आपने एक वर्ष तक बड़ी योग्यता पूर्वक समाज सेवा की। इसके पश्चात् आपने "भागीरथ" नामक पत्र का प्रकाशन भी किया, किन्तु आपका अधिक रूझान शिक्षा-क्षेत्र की ओर ही रहा। फलस्वरूप लगभग २० वर्ष तक आप जैन संस्कृत कमर्शियल हायर सैकेण्डरी स्कूल देहली में अध्यापन करते रहे। इतने समय के पश्चात् आप एक बार पुनः साहित्य की ओर मुड़े और हिन्दी के प्रमुख दैनिक समाचार पत्र—"नवभारत टाइम्स" में १५ वर्ष तक "व्यापार-सम्पादक (Commercial Editor) के पद पर कार्य किया। सन् १९४४ से 'वीर' पत्र का सम्पादन करते हुये आ रहे है।

आप आरम्भ काल से ही साहित्य प्रेमी रहे हैं। विद्यार्थी जीवन में ही आपको "जैन काव्यों की महत्ता" पर श्री दिगम्बर जैन सभा के लखनऊ अधिवेशन के समय सर्वोत्तम पारितोषिक से विभूषित किया गया था। साहित्य सृजन में भी आपने प्रशंसनीय सफलता प्राप्त की है। आपकी सफल लेखनी द्वारा अभी तक "मोक्षशास्त्र की टीका" "गुड़िया का घर" "ब्रह्मगुलाल चरित्र" आदि उपयोगी ग्रन्थों की रचना हो चुकी है।

आप जहां कुशल लेखक हैं, वहाँ आपकी गणना ओजस्वी और प्रभाव शाली वक्ताओं में भी की जाती है। जैनधर्म और जैन-दर्शन पर आपका धारावाही विद्वत्तापूर्ण भाषण होता है। आपकी प्रतिभा केवल लेखन और भाषण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आपकी धर्म-श्रद्धा भी दर्शनीय और अनुकरणीय है।

स्वर्गीय श्री पं० गोरीलाल जी जैन द्वारा संस्थापित श्री पद्मावती-पुरवाल जैन पंचायत देहली के मन्त्री पद का भार भी आपको ही सौपा गया था। इस प्रतिष्ठित पद पर आप लगभग ३२ वर्ष तक बने रहे। आपके इस मन्त्रित्व काल में श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन मन्दिर तथा श्री पद्मावती पुरवाल जैन धर्मशाला का निर्माण हुआ है।

आपके तीन सुपुत्र है। ज्येष्ठ पुत्र चि० देवेन्द्र कुमार जैन देहली में मिनिस्ट्री आफ डिफेन्स में Electrical Engineer के पद पर कार्य करते हैं। श्री पण्डित जी वर्तमान समय में शान्तिपूर्ण जीवन के साथ आत्मचिन्तन एवं साहित्य-सेवा में संलग्न रहते हैं।

श्री महावीरप्रसादजी जैन, अहारन

इनके बाबा श्री लालाराम जी जैन ने अपना ग्राम अहारन छोड़कर सहारनपुर में कारबार शुरू किया था। बाबा के साथ उनके पुत्र, अर्थात् महावीर जी के पिता श्री छुट्टनलाल जी भी बाल्यावस्था में थे। छुट्टनलाल जी ने वहीं शिक्षा प्राप्त की और फिर रेलवे सर्विस में गये। कुछ समय बाद स्टेशन मास्टर के पद पर नियुक्त हुए। जिस समय छुट्टनलाल जी पानीपत में थे, उसी समय छुट्टनलाल जी के यहाँ श्री महावीरप्रसाद का जन्म हुआ। शैशवावस्था के बाद आपको शिक्षा का प्रबन्ध हुआ और शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त जलेसर वाले आढ़तिया लाला बाबूरामजी की सुपुत्री श्रीमती मोतीमाला के साथ १७-१-२५ को विवाह बड़े समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। इन्होंने भी अपना पुराना पुश्तैनी पेशा अपनाया। अर्थात् २० रु० मासिक वेतन पर रेलवे में कानपुर मे मालबाबू नियुक्त हुए। आपकी रेलवे सर्विस ३०-३-२५ सन् में प्रारम्भ हुई। कुछ समय तक इसी पद पर काम करने के बाद सन् २९ की १ जून को आपकी नियुक्ति रेल के गार्ड पद पर हुई। उस पद के अनुसार इनके वेतन में भी काफी वृद्धि हुई।

कार्य सन्तोषप्रद होनेके कारण १७-५-३२ को इन्हें ट्रेन कन्ट्रोलर के पद पर नियुक्त किया गया और सन् १९४४ के अप्रैल महीने में आप स्टेशन मास्टर बनाये गये और टूण्डला जंकशन (स्टेशन) पर नियुक्ति हुई। तत्पश्चात् शीघ्र ही गजटेड आफिसर (राजपत्रित अधिकारी) बनाया गया। चिरकाल तक आप इसी पद पर रहे और बाद में स्टेशन सुपरिण्टेण्डेण्ट नियुक्त हुए और दिल्ली जकशन पर नियुक्ति हुई। इस प्रकार रेलवे यातायात की बहुमुखी सेवाएँ करने के उपरान्त आप सन् ६१ में अवकाश प्राप्त हुए। किन्तु १ माह पश्चात् पुनः उसी पद पर सुरक्षा विभाग के आर्मी डेड क्वाटर्स में भेज दिये गये।

इतनी महती सेवाएँ करने के बाद को उत्तर प्रदेश सरकार के कलकत्ता कार्यालय में मुख्य सम्पर्क अधिकारी के पद पर आसीन किए गये और तब से अबतक इसी पद के गुरुतर कार्य को बड़ी मुस्तैदी के साथ सँभाले हुए है।

यों तो रेलवे के माध्यम से आप सर्वदा ही जनता की सेवा करते आ रहे थे किन्तु इसके अतिरिक्त कुछ विशेष अवसरों पर जनता की विशेष सेवा का समय भी प्राप्त हुआ है। यथा—१९२६-२७ में बटेश्वर का मेला शिकोहाबाद (१) माघ मेला इलाहाबाद सन् २७-२८ (२) कुम्भ मेला इलाहाबाद सन् ४२ और ५४ (३) कुम्भ मेला सन् १९३८ और १९५० में।

सन् १९६० को श्री जगजीवनराम तत्कालीन रेल मंत्री ने आपके कार्यों से प्रसन्न होकर एक चाँदी का पदक तथा ५००) का राष्ट्रीय बचत पत्र आपको प्रदान किया था। आपके तीन पुत्र श्री ईश्वरप्रसाद टिकट कलेक्टर टूंडला, श्री ओमप्रकाश, सहायक अभियन्ता संचार विभाग उत्तर प्रदेश इलाहाबाद और छोटा पुत्र श्री सुशीलकुमार अभी पढ़ रहा है। बड़े पुत्र का विवाह श्री जग्गीलाल जी बजाज शिकोहाबाद की पुत्री सौ० इन्द्राणी के साथ और

आप १९५२ में अ० भा० छात्र-परिषद की स्थानीय शाखा के प्रधान तथा एस० आर० के० कालेज के छात्र-संघ के अध्यक्ष रहे हैं। १९५५ में श्री महावीर जयन्ती सभा के अध्यक्ष बनें। गत दस वर्षों से कालेज पत्रिका का सम्पादन करते हुए आरहे हैं। अ० भा० जैन परिषद परीक्षा-बोर्ड द्वारा प्रकाश्य जैन शिक्षा संस्थाओं की डायरेक्टरी का सम्पादन भी आप द्वारा ही सम्पूर्ण हुआ है। स्थानीय श्री पद्मावती पुरवाल जैन पंचायत के मन्त्री पद पर रहते हुए समाज-सेवा का पुन्यार्जन करते आ रहे है। आप द्वारा की गई समाज-सेवा सदैव स्मरणीय बनी रहेगी।

स्व० श्री श्यामस्वरूपजी जैन, इन्दौर

आप श्री बाबूराम जी जैन के सुपुत्र थे। आपके सुपरिवार द्वारा समाज की महती सेवाये हुई है। श्री शोभाचन्द जी जैन श्री श्रीचन्द जी जैन, श्री चम्पाराम जी जैन आदि प्रसिद्ध विभूतियाँ इसी वंश में उत्पन्न हुई थीं।

आपकी जन्म भूमि एटा नगर है। अपका लालन-पालन बड़े ही रईसाना ढंग से हुआ था। आपकी शिक्षा इण्टरमिडिएट तक थी। आप केवल किताबी शिक्षा के ही विद्यार्थी नहीं थे, अपितु व्यावहारिक ज्ञान के भी पण्डित थे। आपका मधुर स्वभाव एवं दयाभाव सभीको अपनी ओर आकर्षित करनेवाला गुण था। आप स्वधर्म के प्रति पूर्ण आस्थावान तथा उसके कट्टर अनुयायियों में से थे। अनेकों आध्यात्मिक पद आपको कण्ठस्थ थे। अपने धर्म की सभी मर्यादाओं का नियमबद्ध पालन करना आपका पवित्र संकल्प था।

समाज-सेवा के प्रति आप सदैव जागरूक रहते थे। श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल संघ इंदौर के सभापति पद से आप द्वारा स्वजाति की अनुपम सेवायें हो चुकी हैं। आप कई संस्थाओं के पदाधिकारी तथा सदस्य थे। आपके सहयोग से अनेकों संस्थाओं ने आशातीत उन्नति की है। सामाजिक कार्यों में आपका उत्साह सदैव नवीन रहता था। आप अपनी पुस्तकों की दुकान से समय निकाल कर समाज-सेवा में भाग लेते रहते थे। आपका स्व० सन् १९६० में हो गया।

आपकी श्रीमती प्रकाशवती जैन भी आपके अनुरूप ही उदार स्वभाव की महिला है। आप अतिथि-सत्कार अपना परमधर्म मानती रही है। आपके सुपुत्र श्री रमेशकान्त जैन बी० ए०, श्री महेशकान्त जैन एवं सुशीला एम० ए०, बेबी, मुन्नी आदि सभी शिक्षाप्रिय एवं शुद्ध सात्विक जीवन के परिजन है। सभी आपकी भाँति सन्तोषी, सेवाभावी मिलनसार तथा परिश्रमी हैं।

स्व० श्री बाबूलालजी जैन, कोटकी

आपका जन्म सन् १८८२ ई० में हुआ था। आपके पिताश्री का नाम था श्री रामप्रसादजी जैन। आपकी जन्मभूमि जिला आगरा अन्तर्गत कोटकी है। आपकी शिक्षा-साधारण रूप में हुई थी। आपका झुकाव धर्म की ओर विशेष था। अतः बाल्यावस्था से ही आप धर्मग्रन्थों का अध्ययन करने लगे थे। आपका धर्मज्ञान इतना गहन और पुष्ट हो गया था कि बड़े-बड़े विद्वान् लोग आपकी बात को समझने की चेष्टा करते थे। आपने न्यायतीर्थ एवं शास्त्री पाठ्यक्रम का अध्ययन विधिवत् किया था।

आपके यहाँ सर्राफा तथा जमींदारी का प्रमुख व्यवसाय था। आप सच्चे व्यापारी तथा ईमानदार व्यवसायी थे। आपका विश्वास दान प्रणाली में विशेष था। अतः आपने भारी मात्रा में गुप्तदान किया है। आप गद्दी पर शास्त्र प्रवचन करते थे। "जैन-तिथि दर्पण" के प्रकाशन की नींव डाली, जो अबागढ़ में आज भी विकसित अवस्था में चली आ रही है। कोटकी मे आपने रथयात्रा कराकर धर्म-प्रचार में भारी योग दिया है। आप श्री वीर जयन्ती-उत्सव के प्रेसीडेन्ट भी रहे। आपने अपने जीवन में प्रमुख तीर्थों की यात्रायें भी की थी। श्रीमान् राजा साहेब के सत्संग की अध्यक्षता आप ही किया करते थे। इस पद पर आप द्वारा अहिंसा का विस्तृत रूप से प्रचार हुआ है। एक रूप मे आप जैनधर्म के कर्मठ प्रचारक तथा उत्तम प्रसारक थे।

अक्टूबर १९४२ ई० में अबागढ में आपका देहावसान हो गया। आपके निधन का शोक सारे ही समाज को सन्ताप देने वाला था। अतः समाज का प्रत्येक बालक आपके वियोग में शोक-सन्तप्त होगया था।

आपकी श्रीमती विटोला देवी जैन भी धर्मबुद्धि की महिला थीं। आपके सुपुत्र श्री कमलकुमार जी जैन भी आपकी भाँति ही धर्म एवं समाज-सेवी भावना के मिलनसार सुधारवादी महानुभाव है।

स्व० श्री गुलजारीलालजी जैन, कोटकी

आपके पिताजी का नाम श्री रामप्रसादजी जैन था। आपका जन्म कोटकी में सन् १८८४ में हुआ था। आप धर्मशास्त्रों में रुचि रखते थे। आपने अपनी ज्ञानवृद्धि के लिए बहुत से ग्रन्थों का अध्ययन किया था।

आपको रथ-यात्रा करवाने का बहुत शौक था। आपने एक विशाल धर्मशाला का निर्माण भी कराया है। यह धर्मशाला बहुत ही सुविधा पूर्ण एवं साधन-सम्पन्न है। आपने इस धर्मशाला के साथ कुछ जमीन भी लगा दी है। ५०) सालाना स्थाई रूप से कोटकी-दिगम्बर जैन मन्दिरजी को वहीं के आम के बाग की आमदनी से दान दिया जाता है।

आप बड़े ही दयालु स्वभाव के दूसरों की विपत्ति में काम आनेवाले सेवा-भावी महानुभाव थे। आप कांग्रेस के भी सक्रिय सदस्य थे। आपको कई बार मुखिया बनाया गया, किन्तु आपने त्याग-पत्र दे दिया।

आपको तीर्थयात्रा का बड़ा शौक था। सम्मेदशिखरजी की यात्रा आपने कई बार की थी। जैनबद्री तथा मूडबद्री की यात्रा भी आपने की थी।

आगस्त सन् १९५१ में अवागढ़ में आपका स्वर्गवास हो गया। आपके देहावसान से समस्त समाज को एक अभाव-सा प्रतीत हुआ।

आपकी श्रमती श्रीदेवी जैन भी सुन्दर विचार धारा युक्त महिलारत्न थी। इनके विचार सदैव आपके अनुकूल रहे। आपके कमलकुमार, श्रवणकुमार, धन्यकुमार, प्रद्युम्न-कुमार तथा नन्नीदेवी और ज्ञानदेवी आदि सुपुत्र एवं सुपुत्रियाँ हैं। यह सब पूर्ण रूप से स्वधर्मानुयायी हैं।

स्व० श्री रामस्वरूपजी जैन, कोटकी

आप स्वर्गीय श्री सुखलालजी जैन के सुपुत्र थे। आपका जन्म सन् १८५६ में हुआ था। आपकी शिक्षा केवल चार कक्षा तक ही हुई थी, किन्तु आपका धर्म-ज्ञान एक विद्वान् के तुल्य था। आपके धर्म सम्बन्धी उपदेशों से तथा साहित्य प्रसार से समाज को महान् लाभ हुआ है। धर्म के विषय में आपकी जानकारी असीम थी। आपने कोटकी के मन्दिरजी में एक प्रतिमा विराजमान कराने में सबसे अधिक योग दिया था। आप बैलगाड़ियों द्वारा श्री सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखरजी की संघ ले गये जो छ मास में वापिस आया। वहीं पहुँचकर रथ-यात्रा महोत्सव कराया तथा प्रीतिभोज भी दिया था। आपको यात्रिओं मे बड़ा आनन्द मिलता था। यात्रा में आपके साथ पूरा संघ चलता था। आप तीर्थ स्थानों में पूरे नियम एवं मर्यादाओं का पालन करते थे। आपकी प्रत्येक तीर्थयात्रा धर्म-प्रचार का सुअवसर होती थी।

आप डिस्ट्रिक बोर्ड आगरा के सदस्य भी थे। आपको एक बार मुखिया भी चुना गया, किन्तु आपने शीघ्र ही त्यागपत्र दे दिया। आपके द्वारा धर्म-सेवा के साथ ही साथ समाज-सेवा भी हो चुकी है। समाज का उत्थान एवं निर्माण यही विषय आपको सर्वभावेन प्रसन्न रखता था। आपने बचपन मे ही नियमित पूजन स्वाध्याय अपना लिया था। आपने जैनबिद्री, मूडबिद्री की यात्रायें भी की थीं। आप धार्मिक स्वभाव युक्त धनधान्य पूर्ण जीवन के समाज के आदर्श रत्न थे।

जून १९४१ में आपका स्वर्गवास हो गया। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती लाडोदेवी भी आपके साथ प्रत्येक तीर्थ पर जाती थीं। यह धार्मिक स्वभाव की सुलक्षणा महिला थीं। श्री बाबूलालजी, श्री गुलजारीलालजी, श्री मुन्शीलालजी आपके तीनों ही पुत्र समाज के अग्रगण्य पुरुष माने जाते हैं।

श्री रामस्वरूपजी जैन, एत्मादपुर

आपका जन्म सम्वत् १९७२ में हिम्मतपुर में हुआ। आपके पिता जी का नाम श्री हुण्डीलालजी जैन है। जब आप लगभग ८ वर्ष के थे उस समय आपके पिताजी का स्वर्गवास हो गया था। आपका शिक्षा क्रम यथावत् आरम्भ रहा। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा हिम्मतपुर में हुई और इसके पश्चात् ब्यावर आदि स्थानों से विशारद तक शिक्षा का संग्रह किया। अध्ययन समाप्त कर आपने गाँव में ही व्यापारिक कार्य किया। कुछ समय पश्चात् आप गुड़ और चावल के थोक व्यापारियों में गिने जाने लगे। बाद में पीतल के बरतन व हार्ड-वेयर का कार्य आरम्भ किया और यह कार्य अभी भी अच्छे पैमाने पर चल रहा है।

आरम्भ काल से ही आप सामाजिक व राजनैतिक कार्यों में रुचि लेते आ रहे हैं। एत्माद-पुर में जैन युवक परिषद का संगठन कर सामाजिक व धार्मिक कार्यों में योग देते रहें और इसके सभापति पद को संभाले इसका सफल संचालन करते रहे। आप सदैव राष्ट्रीय विचार-धारा को अपनाते रहे हैं। स्वतन्त्रता के पश्चात् कांग्रेस से आपका सैद्धान्तिक मतभेद होगया और आपने जनसंघ की सदस्यता ग्रहण करली। इसके साथ ही आप जनता विद्यालय एत्मादपुर के कोषाध्यक्ष तथा नगर-कल्याण समिति के कोषाध्यक्ष और पशुवध निषेध समितिके प्रधान हैं। स्थानीय श्मशान घाट पर बरसात से रक्षा के लिए सार्वजनिक हितार्थ अपने अर्थ से एक त्रिलिंडग बनवाई है। अपनी जन्म भूमि में एक कन्या पाठशाला के निर्माण का संकल्प भी है। पूजन से शान्ति प्राप्त करने के लिये आपने दो हजार की लागत से विशाल पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा एत्मादपुर के पंचायती मन्दिर में स्थापित करवाई है।

इधर तीन साल से जब से आपको एक मात्र पुत्र का शोक सहन करना पड़ा है, तब से आप धर्म की ओर और भी अधिक लगन से बढ़े है। आपकी धर्मपत्नी का पुत्र शोक में स्वर्गवास हो गया। अतः आप समाज के विरक्त पुरुषों में से एक हैं। आपका विचार उच्च एवं धार्मिकता से परिपूर्ण है। सभी के प्रति आपके हृदय में प्रेम भाव बना रहता है। सत्य शब्द और शुद्ध वाणी आपका आभूषण है। आप त्याग वृत्ति के उत्तम जाति रत्न हैं।

●

श्री जिनेन्द्रप्रकाशजी जैन, एटा

आप स्वर्गीय श्री दयाशंकर जी जैन एटा निवासी के सुपुत्र है। आप समाज के मेधावी पुरुषों में से एक हैं। शिक्षा के प्रति आप सदैव अनुरागी रहे हैं। अतः अल्प समय में ही आपने बी० ए०, एल० एल० बी० तक शिक्षा प्राप्त कर ली। आप उच्च शिक्षा से विभूषित अत्यन्त नम्र युवक है। समाज की प्रगति एवं संगठन के लिए आप सदैव प्रयत्नशील रहते है। स्थानीय सामाजिक कार्यो में आपका बराबर योग रहता है।

स्व० श्री मुरारीलालजी जैन, शिकोहाबाद

स्व० श्री ला० मुरारीलाल जी जैन शिकोहाबाद समाज के मान्य पुरुषों में से थे। आपका जीवन जहाँ व्यापारिक क्षेत्र में सफल रहा, वहाँ आप समाज-सेवा में भी पीछे नहीं थे। आप निर्भिमानी मृदुभाषी तथा प्रसन्न प्रकृति के पुरुष थे। आप "सादा जीवन और उच्च विचार" के दर्शनीय उदाहरण थे। आप सम्पन्न उद्योगपति तथा पूर्ण सम्मान युक्त होने पर भी अभिमान से कोसों दूर थे। आप स्वधर्म के प्रति पूर्ण आस्थावान और धर्म प्रसारक माने जाते थे। आपके स्वास्थ्य ने जब तक साथ दिया तब तक आप देव पूजन तथा स्वाध्याय आदि नित्यकर्म बराबर करते रहे।

आपका निधन गत ३० दिसम्बर १९६५ को हो गया। आपका वियोग सारे ही समाज के लिए कष्ट प्रद एवं दुःख पूर्ण है।

श्री डा० त्रिलोकचन्दजी जैन, लखनऊ

आपके पिता श्री का नाम श्री सुनहरीलाल जी जैन है। आप लखनऊ के निवासी हैं। डा० त्रिलोकचन्द्र जी साहित्य शास्त्री (वाराणसी) तथा सिद्धान्तशास्त्री (बम्बई) से हैं। आप ए० एम० एम० एस० (बी० एच० यू०) प्रधान चिकित्सक तथा आप शरीर आयुर्वेदान्वेषण एवं प्रशिक्षण केन्द्र जामनगर के प्रोफेसर तथा विभागीय प्रधान हैं। आपकी आयु वर्तमान में ४१वें वर्ष में चल रही है। आपके २ बालिका तथा ४ बालक है। आपमें धार्मिक और सामाजिक भावनाएँ है। शिक्षा क्षेत्र में आपने सराहनीय प्रगति की है। तथा सार्वजनिक सेवा-क्षेत्र मे भी आप पूर्ण मनोयोग से भाग लेते है। आपका मूल निवास स्थान एटा है।

श्री अंगरेजीलाल जी जैन, मैदामई

आपका जन्म श्री बद्रीप्रसाद जी जैन के घर सन् १९०५ में हुआ। आपके पितामह श्री रामजी साह समाज के आदरणीय पुरुष हो चुके है। इन्होंने मथुरा के मेले के समय माल की बोली दस हजार की ली थी और बैलगाड़ियों मे शिखर जी की यात्रा की थी, वापिस आने पर मेला भी करवाया था। इसी मेले मे आपने १। सेर का लड्डू बाटा था।

श्री अंगरेजीलाल जी की शिक्षा हिन्दी मिडिल तक ही हुई है, वैसे आपने साहित्य में अच्छी सफलता प्राप्त की है। फारसी एवं ऊर्दू के भी अच्छे ज्ञाता है। आप पुस्तैनी जमीदार थे, किसी समय आपका घराना बहुत धनी एवं सम्मानपूर्ण था। आज भी आपके परिवार की अच्छी प्रतिष्ठा एवं मान है और कार्य भी मुख्यतया कृषि का ही हैं। स्थानीय दि० जैन मन्दिर का जो कि आपके पूर्वजों द्वारा बनवाया गया था आपने जीर्णोद्धार करवाया है। आपकी धर्म-भावना एवं समाज-प्रेम प्रशंसनीय है।

आपकी धर्म पत्नी श्री सूर्यकान्तादेवी जैन भी आपके अनुरूप ही धर्म-भावना की श्रेष्ठ महिला हैं। आपके पॉच पुत्र हैं। यह सब उच्च शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न विभागों मे कार्य कर रहे हैं। टूण्डला में आपकी दो किराने की दुकानें भी हैं।

आपका पूरा परिवार धर्म-भावना से युक्त तथा सुसंगठित और और आदर्श परिवार है। आप वर्तमान में अपना समय धर्म चिन्तन एवं समाज सेवा तथा धर्म ग्रन्थों के अवलोकन में लगा रहे है। समाज में आपको वयोवृद्ध अनुभवी के रूप में देखा जाता है।

●

श्री गौरीशंकरजी जैन, कुतकपुर

श्रीमान् लाला गौरीशंकरजी कुतकपुर (आगरा) के लब्ध प्रतिष्ठित स्व० श्री० लाला लाहोरीमलजी के भतीजे एवं श्री० लाला गुलजारीलाल जी के सुपुत्र हैं।

गॉव में आपके घर पर घी एवं गल्ले का अच्छा व्यवसाय होता था और आप जमीदार भी थे। व्यापार में आप बड़े दक्ष एवं कार्यकुशल व्यक्ति हैं। देवपूजा एवं स्वाध्याय में आप सदैव से प्रेम रखते आये हैं और गाँव मे आप सदैव गरीबों के शुभ चिंतक रहे। कॉग्रेस सरकार ने जब से जमींदारी प्रथा उठा दी है तभी से आप गॉव (कुतकपुर) का सारा अपना कारोबार बन्द करके फीरोजाबाद में आकर रहने लगे हैं। आपके सुपुत्र श्री निरंजनलालजी भी आपके पास ही काम कर रहे हैं। आप भी धार्मिक एवं सरल परिणामी है प्रतिदिन 'चन्द्रप्रभ मंदिर' में श्री भगवंत का पूजन करते हैं। और समय समय पर धार्मिक कार्यों मे भाग लेते रहते हैं।

वर्तमान में आपके एक पुत्र तथा एक सुपुत्री एवं पुत्रवधू और एक पोता (नाती) व दो पोतियाँ (नातिन) हैं।

●

श्रीमती कुन्तीदेवी जैन, नगलास्वरूप

आपका जन्म सन् १९०४ का है। आप स्वर्गीय श्री गुलजारीलाल जी जैन की सुपुत्री तथा स्वर्गीय श्री श्रीलालजी जैन नगलास्वरूप की धर्मपत्नी हैं। आपका जन्म स्थान मझराऊ जिला एटा है। आपकी गणना समाज की शिक्षित महिलाओं में की जाती है। आप प्रभाकर जैसी हिन्दी की उच्च शिक्षा प्राप्त है। हाई स्कूल भी आपने पास किया है। आपका धर्मज्ञान भी बहुत है। धार्मिक परीक्षाओं में भी आप सदैव सम्मान का स्थान प्राप्त करती रही है। आपका जीवन सदैव स्वावलम्बी रहा है। श्री दि० जैन कन्या पाठशाला में आप गत वर्ष तक प्रधानाध्यापिका के पद पर सेवा करती थी। आपकी शिक्षा देने की शैली अपने आपमें निराली थी। आप द्वारा अनेकों कन्याओं ने किताबी शिक्षा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की भी आदर्श शिक्षा ग्रहण की है। आप शुद्ध जीवन की धर्मनिष्ठ तथा सात्विक महिला है।

आप स्वधर्म के प्रति पूर्ण आस्थावान रहती हुई सभी धर्माज्ञाओं का विधिवत पालन करती रही हैं। अभी आपका छठी प्रतिमा का व्रत चल रहा है। आप त्यागपूर्ण जीवन की महिला रत्न है।

कुमारी तारादेवी जैन, एम० ए० मेरठ

कुमारी तारादेवी का स्थान समाज की शिक्षित महिलाओं में है। आप मेरठ निवासी भिषगाचार्य श्री पं धर्मेन्द्रनाथ जी वैद्य शास्त्री की सुपुत्री हैं। आपने छोटी आयु में ही एम० ए० तक शिक्षा प्राप्त कर समाज की बालिकाओं के सम्मुख एक अनुकरणीय उदाहरण रखा है। बनारस से संस्कृत प्रथमा, हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट आदि परीक्षायें द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की। आपकी प्रखर बुद्धि जिस विषय का एक बार अध्ययन कर गई, मानो वह विषय आपको सदैव के लिए कण्ठस्थ हो गया। मिडिल कक्षा में आप विद्यालय भर मे सर्व प्रथम रही थी। इसके पश्चात् तो आपने एक वर्ष में दो-दो कक्षायें तय की और इसी क्रम से आप एम० ए० तक प्रगति करती रही। आपने एम० ए० संस्कृत विषय से की है। संस्कृत का आपको अच्छा ज्ञान है। आपने संस्कृत के उत्तमोत्तम ग्रन्थों का अध्ययन किया है, जिसका प्रमाण आपका ज्ञान-भण्डार एवं संस्कृत साहित्य पर विवेचन करने की आपकी प्रभावशाली शैली है।

आप पद्मावती-पुरवाल समाज की व्युत्पत्ति एवं इसके प्रामाणिक इतिहास की जानकारी के प्रति भारी इच्छुक है। जैनधर्म को आप सदैव श्रद्धा की दृष्टि से देखती रही है। आपमें अभिमान नाम मात्र को भी नहीं है। "विद्याददाति विनयम्" की आप प्रतिमूर्ति है। आपका जीवन मर्यादा पूर्ण और भारतीय संस्कृति का अनुयायी है। समाज को आप जैसी सुशिक्षित और विनम्र ललनाओं पर गौरव है। साथ ही आशा है कि—आप आगे आकर अपनी इस उच्च शिक्षा द्वारा समाज की महती सेवा कर पायेगी।

परम्परानुगत वैवाहिक पद्धति एवं मांगलिक द्रव्य प्रसाधन

सभ्य सुशिक्षित समाजों की तो बात ही कुछ और है, वनवासी कोल-भील आदि जातियों में भी वैवाहिक प्रथायें हैं और वह भी अपनी प्राचीन मर्यादाओं के अनुसार ही विवाहादि मांगलिक कार्यों में अपने पूर्वजों के पदचिह्नों पर चलते हैं। जैन एक विशेष धर्म-प्रभावना सम्पन्न समाज है और पूर्वाचार्यों द्वारा बाँधी हुई मर्यादाओं के अनुसार ही खान-पान से लेकर मरणपर्यन्त प्रत्येक कार्य में गतानुगत परिपाटी का दृढ़ता के साथ परिपालन का अभ्यासी है। यहाँ कुछ वैवाहिक प्रथा पर इस आशय से प्रकाश डाला जा रहा है कि जिससे सर्वसाधारण वैवाहिक आवश्यकताओं से अवगत हो जाय और कार्य के पूर्व ही उन वस्तुओं का संग्रह कर ले और सरलतापूर्वक उन कार्यों का सम्पादन करता जाय। इस लेख में वर और कन्या दोनों पक्षों के निमित्त संक्षिप्त संकेत दिये जा रहे हैं।

यह बात अवश्य है कि जैन-धर्म का विपुल साहित्य है और धर्म के प्रत्येक विषय पर बड़े-बड़े ग्रन्थ भी हैं। किन्तु सब समय, सभी स्थानों पर सबको न तो वह ग्रन्थ ही उपलब्ध होते हैं और कदाच ग्रन्थ भी प्राप्य हुए तो उन्हें समझने की सर्वसाधारण में न क्षमता ही होती है। इसीलिए गृहस्थाचार्यों की अपेक्षा की जाती है। क्योंकि वह उस पद्धति, परिपाटी के पंडित होते हैं। अथच सरल हिन्दी में यदि यह अनिवार्य बातें आ जाती हैं तो इसके संकेतानुसार साधारण गृहस्थ भी अपनी पूर्व की तैयारी तो कर ही सकता है। एतदर्थ ही यहाँ उन बातों को लिपिबद्ध किया जा रहा है।

वैवाहिक समारोह के लिए कन्या और वर, दोनों ही पक्ष वाले गृहस्थ अपनी-अपनी सामर्थ्य के अनुसार सामग्री संग्रह करते हैं। इसलिए उभय पक्ष के हेतु निर्देश होना उचित है। प्रथम कन्या पक्ष के लिए और फिर वर पक्ष के निमित्त वर्णन किया जा रहा है।

कन्या पक्ष के लिए—

सब प्रथम भगवान के मंगल गीत होते हैं।

(१) प्रथम बात नौग लेने की आती है।

(अ) नौग में सद्गृहस्थ खाद्यपदार्थ आदि आवश्यक द्रव्य संग्रह करता है और उनका शुद्धि संस्कार करता है। जैसे साफ करना, पिसवाना आदि।

(आ) नौग लेने की क्रिया को विवाह का आरम्भ समझा जाता है। इसमें नाम उतरवाया जाता है और अपने कौटुम्बिकों को पत्र आदि भेजे जाते हैं। इससे यह पता चल जाता है कि विवाह पक्का हो गया है।

(२) (अ) पीत-पत्रिका भेजना। इसमें विवाह की मिति निश्चित होती है। यह पत्रिका लगन के साथ भी भेजी जाती है।

(आ) लगन दो लिखवाना। एक संकेत के लिए भेज देना और एक नारियल १) रुपया तथा उसमें संकेत बताने के पूर्व लिखित भेजना =), ।), ॥) रुपया आदि पीत-पत्रिका के साथ भेजे तो भेजे नहीं तो लगन के साथ नहीं।

गुण रखना:-

(३) भ्रात न्योतने जावे तो ४) रुपया नगद २४ पान गुण बताशे ले जावे और वह कन्या के मामा के यहाँ दे आवे। जिससे वह भी यथाशक्ति तैयारी करेगा।

(४) निमन्त्रण अपने सम्बन्धियों को यथाशक्ति भेजवावे।

(५) लिखित समय तेल, कंकण बँधवाना। उस समय एक कलश जल भर कर स्थापित करवावे। मँड़वा गड़वावे और मँड़वे में ५ सुपारी, ५ हल्दी की गाँठें और ५ पैसा भी डालना चाहिये। तेल चढवावे, दो पटुली बनवाके रखे, घण्टी बैठावे। इस क्रिया को स्त्रियाँ जानती है। काजल लगवावे, आरती करवावे। सम्पूर्ण अङ्ग में तेल स्वयं मर्दन करना चाहिये।

(६) वर-आगमन व मण्डप लगन।

चार साड़ी, ब्लाउज, एक थान, एक नारियल और उसके साथ मट्ठे-मिष्टान्न व नमकीन एक बरोलिया, जो एक लोटा में चावल ।।) या १) रुपया डालकर पीले कपड़े से बाँध दे। मट्ठों पर पीले चावल, घी और दो पैसा रख दे और जितने रुपये देने हों दे। रुपया १) रुपये से ५५) रुपये तक ही दे सकता है जो लगन संकेत से जाने। फिर भ्रात के लाए हुए वस्त्र व जेवर आदि लेवे। उसके अनुसार जिसको जो वस्त्रादि दे। बहिन भाई का टीका गोला और मिष्टान्न देकर करे। उस समय भाई बहिन को एक वस्त्र अवश्य दे और चाहे कुछ दे या न दे।

दरवाजा:-

(७) जेवर अपनी सामर्थ्य के अनुसार दे। एक जंजीर, अँगूठी और नगद रुपया ४१) ही दे। वर को पहिनने के लिये एक पट्टी व रूमाल अवश्य हो। जो ज्यादा से ज्यादा है, कम से कम १) तक दे सकता है और उस समय एक अँगूठी भी देता है। बर्तनों में कलशा या कोठी भी दे सकता है जो चार ही होनें चाहिये। वैसे पूरा सूट दे सकता है। समय के अनुसार जैसी सामर्थ्य हो दे। आवश्यकतानुसार दरवाजे पर आगन्तुकों के लिए पेय पदार्थ प्रस्तुत करे।

सम्प्रदान:-

(८) जल, दूध, चाय आदि पेय पदार्थ देवे। मण्डप में चाँदनी आदि लगवा दे। एक गृहस्थाचार्य वरपक्ष के गृहस्थाचार्य के समक्ष दोनों पक्ष के बुजुर्ग साखोचार के लिए कहे और उसके अनुसार दोनों पक्ष के बुजुर्ग एक स्थान पर बैठकर साथ-साथ नमस्कार मन्त्र पढ़ें। सात सुपारी, सात हल्दी की गाँठें लेकर बैठे। मन्त्र पूर्ण होने पर उसे माली को दे देवे। सात लोग यहाँ इसलिए हैं कि हमारी भगवान् सात साख तक इज्जत बनाये रखे। तब कन्या को जेवर पहनवावे।